DIGITAL EDITION
9 अगस्त 2024
मायापुरी
WEEKLY ENTERTAINMENT
229

केबीसी
का 16वां सीजन होगा और शानदार
12 अगस्त का करें इंतजार

9/8/2024

फिल्म एवं टीवी साप्ताहिक
मायापुरी

Digital Edition 229 www.mayapuri.com

संस्थापक
स्व. श्री ए.पी. बजाज

प्रधान संपादक
पी. के. बजाज

व्यवस्थापक एवं संपादक
अमन बजाज

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक
पी.के. बजाज
प्रेस का नाम व पता -
अरोड़बंस प्रेस ए-5, माया पुरी, फेस-1,
नई दिल्ली - 110064

प्रकाशक: श्री.एस.एल. प्रकाशन
ए-5, माया पुरी, फेस-1,
नई दिल्ली-110064
दूरभाष- 011-28116120, 28117636
011-45595096

Member I.N.S

प्रकाशित ऑनलाईन लेखों के लेखकों की राय से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं. किन्तु लेखों पर अगर किसी को आपत्ति हो तो वह अपनी प्रतिक्रिया हमें लिखकर भेज दें। मिलने पर सहर्ष लगा दी जाएगी। इस पत्रिका या ऑनलाईन लेखों के संबंध में किसी भी प्रकार के मतभेद एवं विवाद आदि केवल दिल्ली कोर्ट्स में ही निपटाए जा सकते हैं

Email: edit@mayapurigroup.com

यहां हमसे जुड़े

Mayapurimagazine | Mayapurimag
Mayapurimagazine | Mayapuri Cut
www.mayapuri.com

संपादकीय

बजट पर जया बच्चन की तीखी प्रतिक्रिया : स्वागत होना चाहिए इस तेवर का !

फिर एक बार मुखर और तीखी टिप्पणी के लिए जानी जाने वाली जया बच्चन बिफर पड़ी हैं। इस बार वरिष्ठ अभिनेत्री और राज्यसभा सांसद ने पिछले दिनों सदन में पेश किए गए राष्ट्रीय बजट पर पूछे जाने पर कैमरे के सामने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उनके तीखे तेवर और प्रहार करते शब्द सुनकर शायद वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के भी पसीने छूट जाए ! राष्ट्रीय बजट पर सपा की राज्यसभा सांसद से जब पूछा गया कि उनका क्या रिएक्शन है? तो उनका ह्यूमरस लहजे में आक्रामक जवाब था-"मेरे पास रिएक्शन नहीं है। ये कोई बजट है रिएक्शन करने वाला? इट इज जस्ट ड्रामा।"

76 वर्षीय अभिनेत्री ने फिर एक बार अपनी बात पर लोगों को सोचने के लिए मजबूर किया है जिस पर चर्चा छिड़ गई है। उन्होंने कहा- "इट्स जस्ट ड्रामा... प्रॉमिसेस ऑन पेपर विल नेवर बी इम्प्लीमेंटेड (पेपर पर किए गए वादे कभी पूरे नहीं किए जाते)। जया बच्चन जब भी किसी मुद्दे पर बात करती हैं उसका असर बड़ा प्रभावशाली होता है और सोशल मीडिया पर वह अपनी शैली में बात कहने की वजह से प्रायः ट्रोल हो जाया करती हैं।

कुछ समय पहले एक्ट्रेस ने संसद में यह कहकर लोगों को हैरान कर दिया था कि "65 साल के ऊपर के लोगों को मार देना चाहिए !" दरअसल उनकी बात में व्यंग्य था। वह सीनियर सिटीजन को ना मिलने वाली सुविधाओं, उनसे छीन ली गयी रिजर्वेशन, टिकट- रियायत, मेडिकल और दूसरे कन्सेशन आदि की बातों पर सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए इस शैली में अपनी बात बोली थी। जिसके लिए तारीफ होने की जगह ट्रोल हो गयी थीं। इस बार भी वैसा ही हुआ है जब वह इस साल 2024 के बजट को टारगेट करके कुछ बोली हैं।

देखा जाए तो बहुतायत लोगों का मानना है कि यह एक औपचारिक बजट है। जया बच्चन बॉलीवुड से जुड़ी रही हैं, अगर हम सिनेमा उद्योग की ही बात करें तो भारी टेक्स अदा करने वाली फिल्म इंडस्ट्री को नए बजट में क्या मिला है? घाटे में जा रहे फिल्म व्यवसाय को संभालने के लिए इस बजट में कुछ नहीं है। सिनेमा के टिकटों पर टेक्स की मार, केबीसी, बिगबॉस जैसे रियलिटी शोज से जीती गयी रकम पर 30% का टेक्स आदि और भी बहुत सी समस्याएं हैं जिसके लिए बजट में कुछ नहीं कहा गया है। इसी तरह आम जीवन के तमाम ऐसे मुद्दे हैं जिनका जिक्र बजट में जरूर है लेकिन उनका इम्प्लीटेशन होगा, इस पर लोगों को यकीन नहीं है। जया बच्चन की टिप्पणी इसी संदर्भ में है, "यह कोई बजट है रिएक्शन करने वाला ?" दरअसल उनके इस तेवर का स्वागत होना चाहिए।

संपादक

जब बात फिल्मों की शूटिंग, विज्ञापन–विज्ञापनों और रियलिटी टीवी शो के होस्ट की आती है, तो वह... प्रतिष्ठित बहुमुखी अभिनेता अमिताभ बच्चन परम सुप्रीमो! ऐसा इसलिए क्योंकि, अनुभवी और सदाबहार 'महान' अभिनेता इस वर्ष 11 अक्टूबर को वे 82 वर्ष के हो जायेंगे। 28 साल के युवा की तरह सुपर–एनर्जी है ('82' संख्या उल्टी)! व्यापक रूप से देखा जाने वाला रियलिटी पुरस्कार–राशि क्विज–गेम शो 'कौन बनेगा करोड़पति' (सोनी टीवी) धमाकेदार वापसी कर रहा है अपने 16वें सीजन के लिए, बस स्वतंत्रता दिवस से 48 घंटे पहले 12 अगस्त 2024 को।

अमिताभ बच्चन ने केबीसी सीजन 16 में एक रोमांचक नया अवसर विकल्प फीचर पेश किया है, जिसे 'सुपर सवाल' कहा गया है।

यह विशेष खंड, सुपर सवाल विकल्प पांचवें प्रश्न के बाद दिखाई देगा। यह प्रतियोगियों को 'लाइफलाइन' का सहारा लिए बिना अपनी पुरस्कार राशि को दोगुना करने की अनुमति देता है, जिससे उच्च दांव वाला स्वागत मिलता है। खेल में नया मोड़ आया है। 'सुपर सवाल' का सही उत्तर देने वाले प्रतियोगी छह से दस के बीच के किसी एक प्रश्न पर अपनी जीत को दोगुना करने के लिए 'दुगानास्त्र' शक्ति का उपयोग कर सकते हैं।

'सुपर सवाल' एक नया अतिरिक्त है जो प्रतियोगियों को अपनी पुरस्कार राशि को दोगुना करने की अनुमति देता है। यह विशेष बोनस प्रश्न प्रश्न 5 के बाद आता है, जिसमें कोई विकल्प या जीवन रेखा नहीं दी जाती है। यदि सही उत्तर दिया जाता है, तो प्रतियोगी 'दुगनास्त्र' शक्ति को अनलॉक करते हैं, जो उन्हें दबाने में सक्षम बनाता है बजर बजने पर 6 से 10 के बीच किसी भी प्रश्न पर उनकी जीत की संभावना दोगुनी हो जाएगी।

उदाहरण के लिए, यदि कोई केबीसी प्रतियोगी प्रश्न 9 पर 'दुगनास्त्र' का उपयोग करने का निर्णय लेता है, तो वे 1,60,000 रुपये के मानक पुरस्कार को दोगुना कर सकते हैं, बशर्ते वे सही उत्तर दें। हालाँकि, शर्तें लागू होती हैं कि 'कोई लाइफलाइन नहीं' इस प्रक्रिया के दौरान बहु–परतों को जोड़कर उपयोग किया जा सकता है जोखिम, रहस्य, तनाव और उत्साह.

मुखर होते हुए भी प्रखर विद्वान अमिताभ बच्चन ने अपने प्रशंसकों और केबीसी के प्रशंसकों के साथ

इस बार– हद पार? के बी सी– 16 के होस्ट 'स्क्रीन शहंशाह' अमिताभ बच्चन ने दी इजाजत प्रतियोगियों के लिए डबल पुरस्कार राशि वाला 'लाजवाब' विकल्प!

–चैतन्य पडुकोण

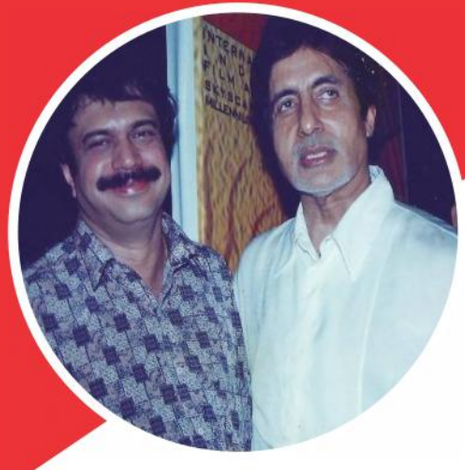

साझा किया है, 'खेल में कुछ नए और रोचक बदलाव और इसका प्रभाव तथा सीख... लेकिन इन सबसे ऊपर वे 'भावनाएं' जो परिणाम आने पर हम सब पर हावी हो जाती हैं। महान अभिनेता बिग बी ने कहा, 'मेरे सामने बैठा प्रतियोगी अपनी कहानी सुनाता है।' 'शोले', 'अलविदा' और 'ऊंचाई' सुपरस्टार भावनात्मक रूप से आगे बढ़ने वाले अनुभवों पर जोर दिया प्रतियोगियों को उनके संघर्ष और खुशी के बारे में बोलते हुए सुनना, उन्हें कठिन परिश्रम करते हुए देखना 'हॉट सीट' पर उनका सामना करते हुए जीत हासिल करना।

फिल्मों की बात करें तो, समर्पित अभिनेता अमिताभ बच्चन को आखिरी बार नाग अश्विन की 'कल्कि 2898 ई.' में देखा गया था, जहाँ उन्होंने एक साइंस फिक्शन एक्शन–थ्रिलर पौराणिक गाथा में अश्वत्थामा की भूमिका निभाई थी। बहुभाषी फिल्म में मेगा–स्टार प्रभास, दीपिका पादुकोण और भी हैं। कमल हासन की फिल्म ब्लॉकबस्टर रही है। यह मेगा–हिट फिल्म वैश्विक स्तर पर 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गई। अमिताभ जी की अगली फिल्म परियोजना तमिल एडवेंचर फिल्म वेट्टैयान (जिसका अर्थ है 'शिकारी') है, जिसका निर्देशन टी. जे. ज्ञानवेल ने किया है, जिसमें वे 33 वर्षों के अंतराल के बाद सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करते नजर आएंगे (पिछली बार वे दोनों 1991 में 'हम' में साथ नजर आए थे)। नई फिल्म वेट्टैयान 2024 की दिवाली की पूर्व संध्या पर रिलीज होने वाली है

मेरे लिए अमिताभ सर अपनी करिश्माई आभा के साथ हमेशा पूर्णता के प्रेरक प्रतीक रहे हैं। उनकी सफलता की कहानी, लगन, लगन, समय की पाबंदी, खुद को बार–बार नया रूप देने का जुनून, उनकी शानदार प्रतिभा और उनके असाधारण व्यक्तित्व के संदर्भ में, मैं हमेशा से ही अमिताभ सर को उनके करिश्माई व्यक्तित्व के लिए याद करता रहा हूँ। मेरे अनुसार, स्टारडम और विनम्र और सुलभ बने रहने की उनकी अद्भुत क्षमता, एबी–सर वह 'सुपर–मैन–ऑफ–द–मास' हैं, जो एक उत्साही, मजाकिया टीवी शो–होस्ट के रूप में हजारों केबीसी (सोनी टीवी) स्मार्ट क्विज–प्रतियोगियों के लिए 'महान–मसीहा–उत्प्रेरक' हैं, जो लाख–पति और करोड़पति बन रहे हैं। प्रत्येक मौसम के दौरान पाटिस।

जानिए कैसा है...

कुबेर का खजाना दिखाने वाला KBC का हाथी

—शरद राय

हर सपने को हवा देता है केबीसी (KBC)! अमिताभ बच्चन प्रस्तुत टीवी के पॉपुलर शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के बारे में ज्यादा बताने की जरूरत नहीं है। भारत के टेलीविजन दर्शक इस शो के बारे में बड़ी उत्सुकता से एक एक जानकारी जुटाने की कोशिश करते हैं और सपना देखते हैं इस शो में पहुंचने और करोड़ो कमा लेने की ! क्या सचमुच यह शो कुबेर के जगमगाते खजाने का आधुनिक रूप है या फिर यह शो महज काला हाथी है? आइए, आपकी आँखों से KBC के ग्लैमर का चश्मा उतारकर हम थोड़ा सा सच के झरोखे में खड़ा करते हैं आपकोः सबसे पहले बता दें कि 'कौन बनेगा करोड़पति' शो के विज्ञापन या प्रोमोज के जगमगाते सेट की झलक, जो आपके मन को कुबेर के खजाने की तरफ लहलहाकर आकर्षित करता है, वह वास्तव में वैसा नहीं होता। एकबार बनाकर स्थापित कर लिए गए सेट की शूटिंग वहीं हो जरूरी नहीं होता, कहीं भी किया जा सकता है। फिल्मों का मायाजाल ऐसा ही होता है। शूट कहीं भी किया जाए, सेट उसपर

चिपका दिया जाता है। केबीसी भी इसका अपवाद नहीं है। कईबार शो के एंकर/होस्ट अमिताभ बच्चन प्रोमोज की शूटिंग कहीं से भी करवा लेते हैं। वह किसी कमरे में ग्रीन कर्टेन के साथ शूटिंग करा लेते हैं। टेक्निकल टीम उस शूट को शो का हिस्सा बना लेती है।

केबीसी दर्शकों के दिमाग मे सबसे बड़ा सवाल रहता है कि क्या विजयी पार्टिसिपेंट को वो रकम मिलती है जो बतायी और दिखाई जाती है ? यह सहज सवाल सबके मन मे स्वाभाविक आता है।इसका उत्तर है नहीं। सरकार के नियमावली के अनुसार 30 प्रतिशत टैक्स कटता है जो जीती गयी रकम से देना होता है। विजेता को घोषित प्राइज का 70 प्रतिशत ही मिलता है। अगर किसी प्रतियोगी ने सात करोड़ जीता है तो उसे 4 करोड़ 90 लाख ही मिलता है।

इसीतरह जीती गयी रकम के लिए अमिताभ बच्चन अपना साइन (सिग्नेचर) करके चेक देते हैं, यह भी एक दिखावा है। बच्चन साहब का यह सिग्नेचर वही होता है जैसा वह औटोग्रॉफ पर दिया करते हैं। बहुधा स्टार्स अपने ऑटोग्रॉफ के साइन को बैंक के साइन से अलग रखते हैं। उनके जो साइन हम देखते हैं वो सिर्फ ऑटोग्रॉफ के लिए होता है। इसके अलावा बिगबी शो के होस्ट हैं, वे शो के प्रजेंटर हैं, वे अपने पास से पेमेंट क्यों करेंगे ? हकीकत में जो चेक विजेता को दिया जाता है, उसे वापस ले लिया जाता है। वो चेक सिर्फ दिखावे के लिए सिम्बोलिक ही होता है। बाद में जीते गए प्राइज से टैक्स आदि कट करके नया चेक बनता है जिसपर अमिताभ बच्चन के साइन नहीं होते।

इसीतरह जिस बैंक का चेक दिया जाता है वो भी बैंक को प्रचार देने के लिए होता है। वो चेक ले लिया जाता है।

जो पेमेंट अमिताभ बच्चन सबके सामने बैंक में तुरंत ट्रांसफर करके बोलते हैं कि 'लो, रकम तुम्हारे खाते में चली गयी!' वो भी एक दिखावा होता है। जीती गयी रकम से टैक्स आदि काट करके अकाउंट विभाग विजेता को बाद में दूसरे चेक के द्वारा पेमेंट करता है।

अमिताभ बच्चन केबीसी को प्रजेंट करने के दौरान जो बोलते हैं, कविता पढ़ते हैं और ज्ञान की बातें करते हैं, इसे देखकर दर्शक उनके ज्ञान की तारीफ में मुग्ध हो जाते हैं। दरअसल अमिताभ के लिए एक अलग से स्क्रिप्ट तैयार करके रखी जाती है। उनके सामने वे लाइनें चलती रहती हैं जो वो बोलते हैं। आजकल बड़े

बड़े नेता, टीवी न्यूज रीडर भी इस तकनीक का लाभ लेते देशभर के आंकड़े सुनाते रहते हैं। केबीसी शो में वही तकनीक है।

23 साल से अपनी पकड़ बनाए केबीसी के शो की बहुत सी बातों से दर्शक आज भी अनजान होते हैं। मसलन एक घंटे आँखों के सामने लाइव शो जैसा दिखने वाला केबीसी का एक घंटा का शो, 6–7 घंटे शूटिंग करके पूरा हो पाता है। कई बार रिटेक होते हैं, लाइटिंग होती है, पार्टिसिपेंट के मेकअप होते हैं और बच्चन उसीमे रेस्ट भी ले लेते हैं। शो से दो घंटे पहले प्रतियोगी को सेट पर बुला लिया जाता है। प्रतियोगी के बारे में वीडियो जानकारी जो दी जाती है, उसे भी ट्रिमिंग करके दिखाई जाती है जिसमे उनके गरीबी और संघर्ष की बात ज्यादा होती है। सम्पन्न परिवार के भी लो करके बताए जाते हैं ताकि दर्शक वो सब सुनकर भावनात्मक रूप से जुड़ सकें। अमिताभ बच्चन अपनी कुर्सी पर बैठने से पहले पार्टिसिपेंट की पूरी जानकारी सुनते हैं ,उसमें पूछने वाले पॉइंट उनको दिए जाते हैं, जिसपर वे सवालों के बीच मे चर्चा करते रहते हैं।

अकसर देखा जाता है कि केबीसी में जो सेलेब्रिटी आते हैं, वे 10–12लाख जीतकर ही जाते हैं। सूत्र बताते हैं कि उनके साथ सारा शो स्क्रिप्टेड होता है। अगर वे शो के दौरान गलत जवाब दे देते हैं तो उन्हें इशारा दिया जाता है या उसे दुबारा शूट किया जाता है।

और, कि सबको करोड़पति बनाने वाले अमिताभ बच्चन कितना पैसा इस शो की एंकरिंग से खुद पाते हैं? यह जानने की जिज्ञासा भी सबके मन मे रहती है। बतादें की बच्चन साहब को शुरू में केबीसी के निर्माता प्रति एपिसोड 25 लाख रुपए देना तय किए थे। दूसरे सीजन में कम्पनी ने कम पैसा देने के लिए शाहरुख खान को होस्टिंग की जिम्मेदारी सौंपा था लेकिन जो चार्म अमिताभ की होस्टिंग में था, शाहरुख पैदा नहीं कर सके और अगले सीजन में फिर अमिताभ को वापस लाना पड़ा था। उसके बाद से बिग बी का पेमेंट प्रति एपिसोड उनकी मर्जी से बढ़ाया जाने लगा।खबरों के मुताबिक अब वह 3 से 5 करोड़ एक एपिसोड का चार्ज करते हैं क्योंकि इस शो के लिए उनसे अच्छा एंकर शायद ही कोई हो। यानी– केबीसी के चमकते कुबेर खजाने से कोई करोड़पति बने या ना बने... अमिताभ बच्चन हर हफ्ते करोड़पति बनते हैं। यही है कुबेर के खजाने की झलक दिखानेवाले केबीसी का काला हाथी!

अमिताभ बच्चन के शो KBC से जुड़े डार्क सीक्रेट्स के बारे में जाने यहां

—प्रीति शुक्ला

दोस्तों कौन बनेगा करोड़पति यानी केबीसी हम सबका पसंदीदा टेलीविजन शो है. ऐसा शायद ही कोई घर होगा जिन्होंने केबीसी ना देखा हो. पिछले तेईस सालों से इस शो ने अपना जलवा कायम रखा है. आलम ये है कि अगर हमें कोई इंटेलिजेंट इंसान मिल जाए जिसकी नॉलेज काफी अच्छी हो तो हम उसे केबीसी में चले जाने की सलाह दे देते हैं. यानी 'कौन बनेगा करोड़पति' एंटरटेनमेंट के साथ आपको नॉलेज इन दोनों का ही एक जबरदस्त तड़का आपको मिलता है. पर आज हम आपको शो की असल हकीकत बताने जा रहे हैं आपकी जानकारी के लिए बता दे शो असल में वैसा नहीं है जैसा दिखता है, शो कौन बनेगा करोड़पति के ऐसे कई सीक्रेट्स है जो शो के शुरू होने के इतने सालों बाद भी दर्शकों को पता नहीं है आइये जानते हैं शो के सीक्रेट्स के बारे में, आज हम आपको 'कौन बनेगा करोड़पति' के कुछ चौंकाने वाले डार्क सीक्रेट्स डिटेल में बताएंगे

प्राईज राशि

सबसे पहले बात करते हैं प्राईज राशि के बारे में, अगर आप सोच रहे हों कि कंटेस्टेंट्स केबीसी में जीती हुई पूरी की पूरी रकम घर ले जाते है तो आपका अंदाजा

बिल्कुल गलत है दरअसल, हर कंटेस्टेंट को जीती हुई प्राईज राशि का तीस प्रतिशत टैक्स के रूप में देना पड़ता है. यानी अगर किसी ने केबीसी पर सात करोड़ रुपए जीते हैं तो उन्हें घर ले जाने को चार करोड़ नब्बे लाख रुपए ही मिलेंगे. मतलब साफ है कि आप केबीसी में कितनी भी रकम ले, आपके हाथ उन पैसों का सत्तर प्रतिशत ही आएगा.

शूटिंग का समय

अगला सीक्रेट है शूटिंग को लेकर केबीसी का एपिसोड पहले डेढ़ घंटे का हुआ करता था. इसके बाद एपिसोड की लेंथ को घटाकर एक घंटे किया गया. अगर आप सोच रहे हो कि इस एक घंटे के एपिसोड को शूट करने में एक–दो घंटे ही लगते हैं तो दोस्तों आप गलत सोच रहे हैं. एक एपिसोड को शूट करने में कम से कम छः घंटों का समय लग जाता है. कई बार तो एक ही सीन को बार बार शूट किया जाता है यानि स्क्रीन पर दिखने वाला परफेक्शन एक शॉट में ही नहीं आता है. हर परफेक्ट सीन के पीछे कई रिटेक्स छुपे होते हैं

दुख भरी कहानी

केबीसी का अगला डार्क सीक्रेट है हॉट सीट पर बैठे कंटेस्टेंट्स की दुख भरी कहानी देखने को लेकर. दरअसल केबीसी में गए कुछ कंटेस्टेंट ने अपना अनुभव साझा करते हुए ये बताया है हॉट सीट पर बैठने के बाद जो उनकी क्लिप दिखाई गई उनमें उनका घर पड़ोसी जैसे थे. अच्छी जगह से आने वाले कंटेस्टेंट्स को भी ऐसा दिखाया जाता है जैसे की वो बेहद गरीब परिवार से हों. माना जाता है कि ऐसा करके चैनल टीआरपी बटोरने और दर्शकों को शो से इमोशनली जोड़े रखने की कोशिश करता है.

नो ऑटोग्राफ पॉलिसी

अगला सीक्रेट आपको हैरान कर सकता है अगर केबीसी में जाकर आप अमिताभ बच्चन का ऑटोग्राफ लेने का सोच रहे हैं तो संभल जाइए. केबीसी के सेट पर अमिताभ जी का ऑटोग्राफ लेना सख्त मना है. सेट पर जाने के बाद अगर आप पेपर और पेन लेकर जाते हो तो वहां मौजूद शो के मेंबर लेकर नहीं जाने देते। जो फैंस ये सोचते हैं कि कंटेस्टेंट बड़ी आसानी से अमित जी का ऑटोग्राफ ले सकते हैं वो तो गलत सोचते हैं क्योंकि केबीसी के सेट पर नो ऑटोग्राफ पॉलिसी अपनाई जाती है.

डायलॉग हो या एंकरिंग

अगला सीक्रेट शायद ही आप में से किसी को पता हो शो में डायलॉग हो या एंकरिंग हम सभी अमिताभ बच्चन के स्टाइल से काफी इम्पेस् हैं. हमें ऐसा लगता है कि वो कितनी आसानी से बड़ी– बड़ी बातें, कविताएँ या शायरी बोल देते है. पर हकीकत कुछ और ही है. दरअसल केबीसी में अमिताभ बच्चन जो भी बोलते है वो उनके द्वारा फैसला नहीं किया जाता. जो भी शायरी या अच्छी बातें आप उनके मुंह से सुनते हैं. यह सब कुछ अपने मन से नहीं बोले जाते बल्कि सेट पर अमिताभ जी के लिए एक स्क्रिप्ट टीवी मौजूद रहती है जिस पर उनकी लाईन्स चलती रहती हैं. वो उन्हीं लाईन्स को शो के दौरान पढ़ते हैं

अमिताभ से पहली बार मिलने पर क्यों डरी हुई थी जया बच्चन

-प्रीति शुक्ला

बॉलीवुड के सबसे बेहतरीन जोड़ों में से एक अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की शादी को लगभग पांच दशक हो चुके हैं उनके रिश्ते को फैन्स लंबे समय से पसंद करते आए हैं, लेकिन यह काफी उत्सुकता का विषय भी रहा है 1998 में सिमी ग्रेवाल के शो 'रेंडेज़वस विद सिमी ग्रेवाल' में एक खुलकर बातचीत के दौरान, इस जोड़े ने अपने रिश्ते के बारे में कुछ आश्चर्यजनक जानकारियाँ साझा कीं, खासकर जब रोमांस की बात आती है जब सिमी ने अमिताभ से पूछा कि क्या वह खुद को रोमांटिक मानते हैं, तो उन्होंने तुरंत जवाब दिया, "नहीं" उनके बगल में बैठी जया हंसते हुए यह कहने से खुद को रोक नहीं पाईं, "मेरे साथ नहीं" उनकी इस मजेदार टिप्पणी ने अमिताभ को चौंका दिया, जिससे वह उन्हें हैरान नज़रों से देखने लगे "मैंने मुसीबत खड़ी कर दी है," जया ने इस पल को हल्के में लेते हुए हंसते हुए कहा

अमिताभ बच्चन का व्यक्तित्व उस समय के अन्य अभिनेताओं से बिल्कुल अलग था वह न केवल लम्बे थे, बल्कि उनका गहन और गंभीर स्वभाव भी बहुत अलग था जया बच्चन ने कहा था कि अमिताभ की अद्वितीयता और उनका गंभीर स्वभाव ही उन्हें आकर्षित करता था, लेकिन पहली मुलाकात में यही चीजें उन्हें थोड़ी भयभीत भी कर गईं हालांकि पहली मुलाकात में जया बच्चन थोड़ी डरी हुई थीं, लेकिन समय के साथ उनका डर कम हो गया और वह अमिताभ के व्यक्तित्व की गहराई को समझने लगीं उनके बीच की दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई अमिताभ और जया ने एक-दूसरे के साथ समय बिताया और अपने रिश्ते को मजबूत किया

अमिताभ से गयी थी डर

सिमी ने फिर गहराई से पूछा, अमिताभ से पूछा कि उनके हिसाब से रोमांटिक होने का क्या मतलब है जया ने बताया कि इसमें पार्टनर के लिए वाइन और फूल लाने जैसे इशारे शामिल हैं हालांकि, अमिताभ ने इस विचार को तुरंत खारिज कर दिया, उन्होंने स्वीकार किया, "मैंने ऐसा कभी नहीं किया" जया ने अनुमान लगाया कि अगर अमिताभ की कोई गर्लफ्रेंड होती तो शायद वह ज़्यादा रोमांटिक होते, लेकिन उन्हें इस पर संदेह था उन्होंने कहा, "शायद अगर उनकी कोई गर्लफ्रेंड होती तो वह ऐसा करते, लेकिन मुझे नहीं लगता" साक्षात्कार में जया की अमिताभ के बारे में पहली धारणा के बारे में भी बताया गया उन्होंने बताया कि जब वे पहली बार मिले थे, तो उन्हें "खतरे" का अहसास हुआ था, उन्होंने बताया कि वे डरी हुई थीं जया बच्चन ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब उन्होंने पहली बार अमिताभ को देखा, तो वह उनकी लम्बाई और गंभीर स्वभाव से थोड़ी घबरा गईं "वह बहुत ही गंभीर और संजीदा व्यक्ति थे उनकी लम्बाई और उनका शांत व्यक्तित्व मुझे थोड़ा डरा गया," जया ने कहा था

साथ समय बिताकर रिश्ते को बनाया मजबूत

काजोल के बॉलीवुड छोड़ने पर शाहरुख खान ने दी थी एक्ट्रेस को ये सलाह!

-असना जैदी

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल आज 5 अगस्त 2024 को अपना 50वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं. एक्ट्रेस ने अपने फिल्मी करियर में कई बेहतरीन फिल्में की. लेकिन क्या आप जानते है कि काजोल ने एक बार बर्नआउट के कारण फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने के बारे में सोचा था. वहीं अभिनय तकनीक सीखने के महत्व पर शाहरुख खान की सलाह के बावजूद, काजोल ने शुरू में इस विचार को खारिज कर दिया था.

एक्टिंग करियर को लेकर बोली काजोल

दरअसल, काजोल ने अपने इंटरव्यू में खुलासा किया, "मैं अपने करियर में एक ऐसे मुकाम पर पहुंच गई थी, जहां मैं अनजाने में कुछ भी कर रही थी. मैं सब कुछ कर रही थी. मैं ऐसी थी कि 'ये भी कर दो, ये डायलॉग भी बोल दो, सब कुछ अंदर से निकल रहा था".

शाहरुख खान ने काजोल को दी थी ये सलाह

वहीं काजोल ने शाहरुख खान के साथ हुई बातचीत को याद किया, जो कुछ कुछ होता है और दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे जैसी मशहूर फिल्मों में उनके सह-कलाकार रहे हैं. एक्ट्रेस ने कहा, "शाहरुख ने मुझसे कहा, 'शायद तुम्हें एक्टिंग की यह तकनीक सीखनी होगी.' मैंने सोचा, 'वह क्या है? ऐसी भी कोई चीज़ है?' उन्होंने कहा, 'हां, लोगों को यह तकनीक सिखाई जाती है, और तुम्हें यह सीखनी होगी क्योंकि तुम सब कुछ अंदर से नहीं कर सकते.' मैंने तब इसे गंभीरता से नहीं लिया".

काजोल ने अपनी मां तनुजा से शेयर की थी ये बात

वहीं अपनी गंभीर भूमिकाओं से थक चुकी काजोल ने आखिरकार अपनी मां, अनुभवी एक्ट्रेस तनुजा से कहा कि उन्हें "सार्थक सिनेमा" से ब्रेक की जरूरत है. उस दौर को याद करते हुए काजोल ने कहा, "मैंने उधार की जिंदगी (1994) नामक एक फिल्म की. उस फिल्म के बाद, मुझे लगा कि मैं फिल्म इंडस्ट्री और अभिनय से ऊब चुकी हूं. मैं एक एक्ट्रेस के तौर पर पूरी तरह से थक चुकी थी और मैं अब फिल्में नहीं करना चाहती थी. मैंने अपनी मां से कहा कि मैं इस सार्थक सिनेमा, इस रोना-धोना और अच्छी भूमिकाओं से ब्रेक ले रही हूं. मैं अब उन्हें नहीं करना चाहती थी. मैंने उनसे कहा कि मैं एक आम 3-दृश्य और 4-गीतों वाली अभिनेत्री बनना चाहती हूं, जिसमें बहुत सारे दृश्य नहीं होते. इसलिए, मैंने 3 फिल्में साइन कीं, जिनमें उस तरह की भूमिकाएं थीं और वे मेरे लिए राहत की बात थी". बर्नआउट के दौर में काजोल को अभिनय तकनीकों के महत्व की महत्वपूर्ण समझ मिली. अपने सफर पर विचार करते हुए, उन्होंने शेयर किया, "आपको किसी चीज़ के लिए खुद को इतना ज़्यादा देने की जरूरत नहीं है; आप बस यह जानते हुए अभिनय कर सकते हैं कि आप इसमें अच्छे हैं".

काजोल के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

हाल ही में काजोल 'लस्ट स्टोरीज 2' और 'सलाम वेंकी' में नजर आई हैं. वहीं एक्ट्रेस की अपकमिंग फिल्म 'महाराज्ञि' और दो पत्ती हैं जिसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं.

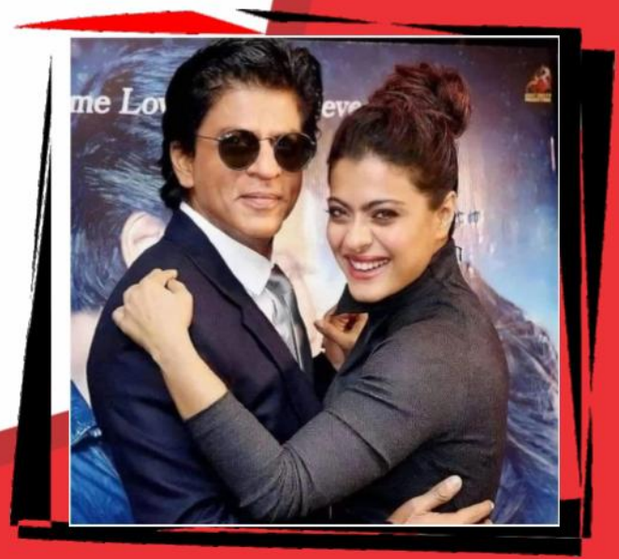

जान्हवी कपूर ने अलग-अलग जॉनर में स्टारडम को परिभाषित किया

मायापुरी डेस्क

ऐसी फ़िल्म इंडस्ट्री में जहाँ स्टार पावर अक्सर टैलेंट पर हावी हो जाती है, जान्हवी कपूर एक ऐसी अदाकारा के रूप में उभरी हैं, जिन्होंने दोनों का मिश्रण किया है. **"धड़क"** में एक नए चेहरे वाली, डोली-सी नवोदित अभिनेत्री से लेकर विभिन्न जॉनर में विभिन्न भूमिकाएँ निभाने वाली एक बहुमुखी कलाकार तक का उनका सफ़र, विकसित होते शिल्प की सफलता की कहानी है.

कपूर की बॉलीवुड में एंट्री 2018 में "धड़क" की रिलीज़ से हुई, जो एक रोमांटिक ड्रामा थी, जो व्यावसायिक रूप से सफल होने के साथ-साथ मिश्रित आलोचनात्मक स्वागत भी प्राप्त करती थी. इसके बावजूद, उनकी क्षमता स्पष्ट थी. असली मोड़ "गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल" (2020) में गुंजन सक्सेना के उनके चित्रण के साथ आया. यहाँ, उन्होंने युद्ध में पहली महिला भारतीय वायु सेना पायलट की भूमिका निभाई, जिसमें उन्होंने कमज़ोरी और दृढ़ संकल्प का मिश्रण दिखाया, जिससे उनके प्रदर्शन के लिए व्यापक प्रशंसा मिली. आलोचकों ने भूमिका में गहराई और प्रामाणिकता लाने के लिए उनकी प्रशंसा की, जिससे साबित हुआ कि वह अपने परिवार की विरासत पर सवार एक स्टार किड से कहीं बढ़कर हैं.

वह एक बेचैन अभिनेत्री हैं - कभी भी एक शैली, एक प्रोटोटाइप से संतुष्ट नहीं होतीं. उम्मीदों को तोड़ते हुए, कपूर ने एंथोलॉजी फिल्म "घोस्ट स्टोरीज़" (2020) में ज़ोया अख्तर के सेगमेंट के साथ हॉरर में कदम रखा, जिसने गहन, वायुमंडलीय कहानी कहने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित किया. अलौकिक खतरों का सामना करने वाली एक युवा नर्स के रूप में उनका प्रदर्शन आश्वस्त करने वाला और भयानक दोनों था, जिसने मुख्यधारा के अभिनेताओं द्वारा शायद ही कभी खोजी गई शैली में उनका सफल प्रदर्शन किया.

"रूही" (2021) में, कपूर ने एक हॉरर-कॉमेडी की चुनौती का सामना किया, जिसमें उन्होंने दोहरी भूमिका निभाई, जिसने उनकी सीमा और हास्य समय का परीक्षण किया. उनके प्रदर्शन को उनकी ऊर्जा और प्रयास के लिए जाना जाता है. इसके बाद **"गुड लक जेरी"** (2022) आई, जो एक डार्क कॉमेडी थी, जिसमें कपूर ने ड्रग व्यापार में फंसी एक भोली लड़की का किरदार निभाया था, जिसकी आलोचकों ने सराहना की क्योंकि यह जटिल कथाओं को आसानी से नेविगेट करने की उनकी क्षमता को दर्शाता है.

सर्वाइवल थ्रिलर "मिली" (2022) ने कपूर को शारीरिक और भावनात्मक दोनों तरह से नई ऊंचाईयों पर पहुंचा दिया. फ्रीजर में फंसे मुख्य किरदार के रूप में, कपूर के अभिनय को अब तक का उनका सबसे सम्मोहक अभिनय माना गया. आलोचकों और दर्शकों ने फिल्म के गहन, क्लॉस्ट्रोफोबिक माहौल को अपने कंधों पर उठाने के लिए उनकी प्रशंसा की, जिसमें उन्होंने अपने लचीलेपन और शिल्प के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया.

"बवाल" (2023), द्वितीय विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित एक रोमांटिक ड्रामा, ने कपूर को अपनी भावनात्मक गहराई का पता लगाने का मौका दिया - एक अभिनेता के रूप में वह कितनी गहराई तक जा सकती हैं. यह एक ऐसा जुआ था जो सफल रहा क्योंकि उनके परिपक्व चित्रण ने उन्हें अलग पहचान दिलाई.

इसके बाद उन्होंने **"मिस्टर एंड मिसेज माही"** (2024) में एक क्रिकेटर की भूमिका निभाई, एक ऐसी भूमिका जिसके लिए कठोर शारीरिक प्रशिक्षण और खेल की गहरी समझ की आवश्यकता थी. किरदार को मूर्त रूप देने के लिए उनका समर्पण स्पष्ट और सराहनीय था और नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होने के साथ ही, यह फिल्म फिर से चर्चा में है. अब वह "उलझन" (2024) में अभिनय कर रही हैं, जो एक राजनीतिक थ्रिलर है जिसने एक बहुमुखी अभिनेता और एक साहसी स्टार के रूप में उनकी स्थिति को और मजबूत किया है जो अपनी ताकत को अनसुनी और अप्रयुक्त कहानियों के पीछे लगाएगी. असहमति के आरोप में एक भारतीय विदेश सेवा अधिकारी की भूमिका निभाते हुए, कपूर ने भावनात्मक रूप से आवेशित भूमिका को बखूबी निभाया, एक अभिनेता के रूप में उनके विकास और गहराई के लिए आलोचकों की प्रशंसा प्राप्त की. कपूर की आने वाली फिल्मों की सूची में विविधतापूर्ण और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएँ निभाने का उनका सिलसिला जारी रहने का वादा किया गया है. वह एन.टी. रामा राव जूनियर के साथ "देवरा" में अभिनय करने के लिए तैयार हैं, एक एक्शन फिल्म जिसे उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जाता है. इसके अलावा, वह शशांक खेतान की एक फिल्म में वरुण धवन के साथ और एक अन्य बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट में राम चरण के साथ दिखाई देंगी. बॉलीवुड में कपूर की यात्रा प्रतिभा, कड़ी मेहनत और सबसे बढ़कर, निडर विकल्पों की कहानी है. एक ऐसे उद्योग में जिसकी अक्सर स्टार पावर पर निर्भरता के लिए आलोचना की जाती है, उसने लगातार ऐसी भूमिकाएँ चुनकर खुद को प्रतिष्ठित किया है जो उसे चुनौती देती हैं. उन्होंने साबित कर दिया है कि वह सिर्फ़ एक स्टार किड नहीं हैं, बल्कि असली प्रतिभा और समर्पण वाली एक अदाकारा हैं.

जैसे-जैसे वह नई विधाओं की खोज करती रहती हैं और ज़्यादा जटिल किरदार निभाती हैं, कपूर हर बार अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार रहती हैं. व्यावसायिक सफलता और आलोचनात्मक प्रशंसा के बीच संतुलन बनाने की उनकी क्षमता, साथ ही अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाते हुए, उन्हें अपनी पीढ़ी की सबसे होनहार अदाकाराओं में से एक बनाती है. अपने पीछे कई सफल फ़िल्में और आगे कई रोमांचक फ़िल्में लेकर, कपूर निस्संदेह एक ऐसी स्टार हैं जो यहाँ टिकने वाली हैं और बॉलीवुड में एक अग्रणी महिला होने का मतलब फिर से परिभाषित कर रही हैं...

"खेल खेल में" के साथ अपनी यात्रा पर फरदीन खान का इमोशनल नोट...

शिल्पा पाटिल

फरदीन खान 14 साल बाद मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित कॉमेडी-ड्रामा "खेल खेल में" के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह फिल्म फरदीन के करियर में एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो उन्हें सिल्वर स्क्रीन पर वापस लाती है और उन्हें मुदस्सर अजीज के साथ फिर से जोड़ती है, जिनके साथ उनका एक विशेष बंधन है।

फरदीन ने हाल ही में एक भावुक नोट लिखा, जिसमें उन्होंने फिल्म बनाने की अपनी यात्रा और बड़े पर्दे पर अपनी वापसी को दर्शाया। अपने नोट में, उन्होंने विशेष रूप से मुदस्सर अज़ीज़ का उल्लेख किया, जिन्हें वे प्यार से "एमए" कहते हैं। उन्होंने लिखा, "मुदस्सर अज़ीज़ (उर्फ 'एमए') के साथ इस फिल्म पर काम करना अविश्वसनीय रहा है, जिसने 'दूल्हा मिल गया' की बहुत सारी यादें ताज़ा कर दीं, जो विडंबना यह है कि मेरी आखिरी नाटकीय रिलीज़ भी थी। एमए की दृष्टि और समर्पण ने इस परियोजना को हम सभी के लिए विशेष बना दिया है, और मैं इसका हिस्सा बनकर अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली महसूस करता हूं।"

फरदीन खान अपनी लंबे समय से प्रतीक्षित वापसी कर रहे हैं, उनके दिल को छू लेने वाला नोट और "खेल खेल में" को लेकर उत्सुकता एक अभिनेता और उसके निर्देशक के बीच के अनोखे बंधन को दर्शाती है।

"खेल खेल में" में अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, वाणी कपूर, एमी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल और फरदीन खान जैसे कलाकारों की टोली है। अपनी शानदार लाइन-अप और एक ऐसी कहानी के साथ, जिसमें विचित्र हास्य के साथ-साथ संबंधित भावनाओं का मिश्रण है, यह फिल्म शैली को फिर से परिभाषित करने और सभी उम्र के दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है। यह फिल्म हंसी, ड्रामा और मस्ती का एक बेहतरीन मिश्रण पेश करने का वादा करती है, जो इसे सभी फिल्म प्रेमियों के लिए देखना ज़रूरी बनाती है।

गुलशन कुमार, टी-सीरीज़ और वाकाऊ फिल्म्स प्रस्तुत करते हैं "खेल खेल में"। टी-सीरीज़ फिल्म, वाकाऊ फिल्म्स और केकेएम फिल्म प्रोडक्शन "खेल खेल में" मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विपुल डी. शाह, अश्विन वर्दे, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और अजय राय द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 15 अगस्त 2024 को देशभर में रिलीज होगी!..

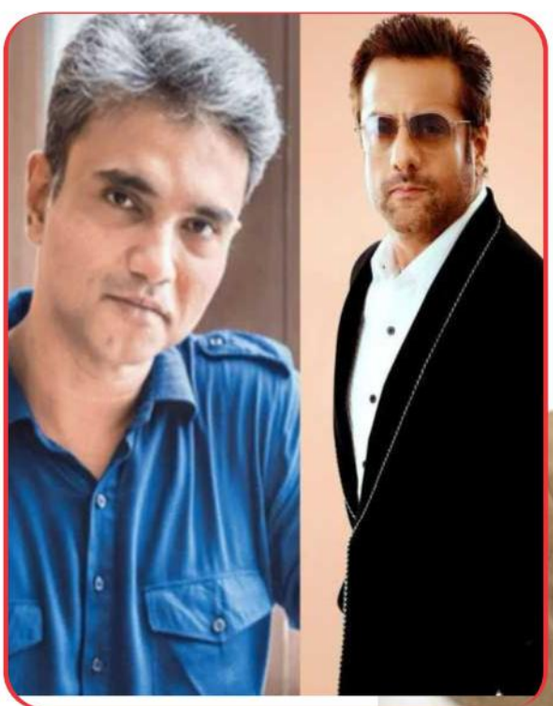

जॉन ने भारत लौटने पर निशानेबाज मनु भाकर से की मुलाकात, मिलकर दिए पोज़

-प्रीति शुक्ला

बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम ने भारतीय शूटर मनु भाकर का उनके भारत लौटने पर गर्मजोशी से स्वागत किया मनु भाकर, जिन्होंने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में देश के लिए स्वर्ण पदक जीता था, को इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जॉन अब्राहम ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया जॉन अब्राहम, जो स्वयं एक फिटनेस और खेल प्रेमी हैं, ने मनु की उपलब्धियों को सराहा और उनके अनुशासन और दृढ़ता की प्रशंसा की उन्होंने कहा, "मनु ने न केवल अपने प्रदर्शन से देश का गौरव बढ़ाया है, बल्कि वह नई पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा भी हैं उनकी मेहनत और समर्पण हमें बताते हैं कि लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत कितनी महत्वपूर्ण है "

जानकारी के लिए बता दे मनु से मिलने के बाद एक्टर ने उनके साथ फोटो भी साझा किया और लिखा "मनु के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए जॉन ने लिखा, "@bhakermanu और उनके प्यारे परिवार से मिलकर खुशी हुई। उन्होंने भारत को गौरवान्वित किया है!!! सम्मान" तस्वीर में जॉन ने मनु का एक पदक पकड़ा हुआ है और उनके साथ पोज़ दे रहे हैं, जबकि मनु अपना दूसरा पदक पकड़े हुए हैं" इसके अलावा मनु भाकर, जिनका शूटिंग में असाधारण करियर रहा है, ने जॉन अब्राहम के साथ अपने अनुभव साझा किए उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने चुनौतियों का सामना किया और प्रत्येक मुकाबले में अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन किया मनु ने कहा, "यह मेरे लिए एक बड़ा सम्मान है कि जॉन अब्राहम जैसे प्रतिष्ठित व्यक्ति ने मेरा स्वागत किया उनकी सराहना और समर्थन मुझे और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करेगा "इस मुलाकात के दौरान, जॉन और मनु ने खेल और फिटनेस पर भी चर्चा की

दोनों अपने क्षेत्र में हैं बेमिसाल

डबल ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर से मिले जॉन अब्राहम, फोटो शेयर कर कही दिल जीत लेने वाली बात - John Abraham and Manu Bhaker

जॉन ने कहा कि वह हमेशा से ही खेल और खिलाड़ियों के बड़े समर्थक रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि मनु जैसे खिलाड़ियों की सफलता से देश में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ेगी मनु भाकर की उपलब्धियों की सूची लंबी है उन्होंने युवा उम्र में ही कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीते हैं हाल ही में, उन्होंने ISSF विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया उनकी इस सफलता पर पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ गई थी जॉन अब्राहम, जो कई बार समाज सेवा और खेल प्रमोशन में सक्रिय रहे हैं, ने मनु के साथ इस मुलाकात को विशेष बताया उन्होंने सोशल मीडिया पर भी इस मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं, जो तुरंत वायरल हो गईं इस तरह के मिलन ने खेल और मनोरंजन के दो बड़े क्षेत्रों को एक साथ लाकर एक प्रेरणादायक संदेश दिया है मनु भाकर और जॉन अब्राहम दोनों ही अपने-अपने क्षेत्रों में न केवल फेम प्राप्त कर रहे हैं बल्कि अपने प्रशंसकों और युवा पीढ़ी को प्रेरित भी कर रहे हैं बता दे मनु भाकर को पेरिस ओलंपिक 2024 में उनके प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जा रहा है वह 11 अगस्त, रविवार को होने वाले खेल आयोजन के समापन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी

बॉलीवुड ने दी बधाई

बता दे बॉलीवुड से भी कई सितारों ने मनु को जीत की बधाई दी

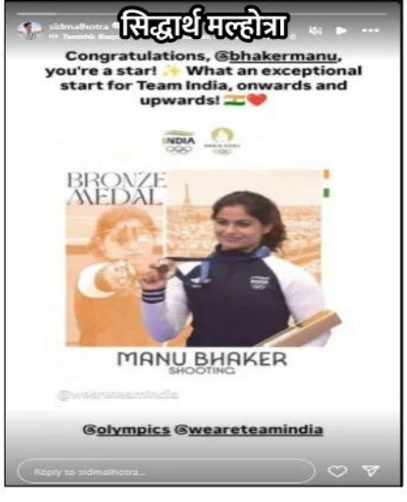

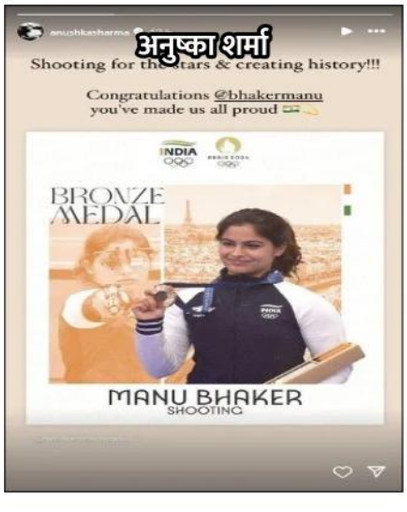

संजय दत्त

फिर पिछली कहानी याद आयी। ड्राप कर दिए गए 'सन ऑफ सरदार 2' से।

—शरद राय

जिंदा है 93 का भूत।

UK शूट पर जाने का वीजा खारिज।

'हाउसफुल 5' में उनके रोल पर चलने वाली है कैंची।

कहते हैं पिछला कर्म पीछा नहीं छोड़ता। संजय दत्त के साथ वही किस्सा हो रहा है। सन 93 में लगे उनपर आरोपों का दाग इतना गहरा है कि वह फिल्म 'सन ऑफ सरदार' की सीक्वल फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' से निकाल दिए गये हैं। इतना ही नहीं, उनकी एक और फिल्म 'हाउसफुल 5' में उन्हें कैसे पचाया जाए इस पर माथापच्ची चल रही है।

याद होगा 1993 में संजय दत्त के साथ क्या हुआ था। मुम्बई (तब बॉम्बे) बम ब्लास्ट हादसे के बाद तमाम अपराधी—दहशत वादी पकड़े जा रहे थे। इन्ही में एक नाम बार बार सुर्खियां बन रहा था संजय दत्त का। संजय दत्त का नाम भी जुड़ गया था हथियार रखने के लिए दहशत वादियों में। वह अवैध हथियार रखने के जुर्म में जेल में डाल दिए गए। संजय दत्त गिरफ्तार हुए, उन पर टाडा और आर्म्स एक्ट कानून का आरोप लगा।

...उस मुकदमे में 'शांति के मशीहा' कहे जाने वाले सुनील दत्त के बेटे संजय दत्त को 2013 में 5 साल की सजा सुनाई गई। हालांकि वह 2016 में ही जेल से बरी कर दिए गए। फिर, जिंदगी रूट पर लौट आयी। संजय दत्त एक बार फिर कैमरा, एक्शन, टेक की दुनिया मे लौट आए। इसबार वह निगेटिव भूमिकाओं में पसंद किए जाने लगे।दर्शकों ने भुला दिया था उस समय के हालात को। वह एक बार फिर संजू बाबा बनकर फैन की पसंद बन गए।

लेकिन, फिर एक बार वही पुराना भूत जिंदा हो गया! साल 93 का भूत 2024 में। अजय देवगन की फिल्म 'सन ऑफ सरदार' में संजय दत्त की भूमिका लोगों को

पसंद आयी थी। लिहाजा जब इस फिल्म की सीक्वल बनाने की बात उठी तो 'सन ऑफ सरदार 2' में भी संजय दत्त का चुनाव किया गया। महंगे बजट की इस फिल्म के हीरो अजय देवगन हैं और शूटिंग यूके में है। लंदन जाने के लिए संजय दत्त को वीजा नहीं मिला क्योंकि वह 1993 में मुम्बई बमकांड के आरोपियों के साथ अरेस्ट हुए थे। संजय दत्त उन आरोपों से बरी हो गए थे बावजूद 93 का भूत उनका पीछा नहीं छोड़ रहा है। वह दूसरे कई देशों की यात्राएं कर चुके हैं सिवाय यूके के। वहां जाने के लिए कई बार उनका वीजा रद्द हुआ है। अजय देवगन की इस फिल्म में संजय दत्त का होना तय था लेकिन वह वीजा न मिल पाने के कारण अब इस फिल्म से ड्राप कर दिए गए हैं।

इसी तरह अक्षय कुमार स्टारर 'हाउसफुल 5' में भी संजय दत्त हैं और इस फिल्म की शूटिंग लंदन में होने वाली है। खबर है फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने संजय दत्त को फिल्म से ना निकालने देने के लिए अपनी टीम के साथ माथापच्ची शुरू किया हुआ है। उनकी फिल्म के लिए भी लंदन की लोकेशन जरूरी है। 'हाउसफुल 5' की लेखकीय टीम संजय दत्त को बिना लंदन भेजे शूटिंग की जाने वाली स्क्रिप्ट बनाएगी।

'सन ऑफ सरदार 2' की सारी तैयारियां पूरी की जा चुकी है और कुछ शूट भी हो चुका है। इसलिए इस फिल्म में संजय दत्त का रिप्लेसमेंट ढूंढा गया है रवि किशन को। अभिनेता और गोरखपुर के सांसद रवि किशन अब फिल्म में संजय दत्त की जगह ले रहे हैं। संजय दत्त का रिप्लेसमेंट रवि किशन! हाय रे दत्त की किस्मत! 93 का भूत वापस आकर फिर उन्हें पिछली कहानी याद दिला दिया है।

परवीन बॉबी की जीवनी पर बन रही फिल्म के रोचक कैनवास पर क्या तृप्ति डिमरी रंग भर पाएंगी?

—शरद राय

खबर है बीते दिनों की सुपर स्टारनी परवीन बॉबी की जीवनी पर एक फिल्म बनाने की जोरशोर से तैयारी चल रही है। लंबे समय से बात होती रही है कि अगर परवीन बॉबी की जीवनी पर फिल्म बनती है तो कौन अभिनेत्री उनका रोल निभा पाएगी? एक सूत्र से पता चला है, मेकर जो सारी तैयारियां गुपचुप तरीके से करना चाह रहे हैं, वे हीरोइन फाइनल करने में एक नाम पर सहमति बना ली हैं। वह लक्की तारिका हैं पिछले साल की जबरदस्त हिट हुई फिल्म 'एनिमल' की भाभी नम्बर 2 – तृप्ति डिमरी! जिन्हें इस साल का 'नेशनल क्रश' होने का अघोषित नाम भी मिल चुका है। सवाल है क्या तृप्ति डिमरी बहु आयामी व्यक्तित्व की अभिनेत्री परवीन बॉबी की जीवनी के कैनवास पर यथार्थ का रंग भर पाएंगी?

70–80 के दशक की नम्बर एक लिस्टर तारिका परवीन बॉबी का जीवन बड़े उथल पुथल का रहा है। उनकी पहली फिल्म थी 1973 में आयी 'चरित्र'। उसके बाद तो उन्होंने हिट फिल्मों की लाइन लगा दी थी। उनकी फिल्में रही है– 'मजबूर', 'दीवार', 'काला पत्थर', 'अमर अकबर एंथोनी', 'सुहाग', 'क्रांति', 'शान', 'कालिया', 'नमक हलाल', 'सुहाग', 'बर्निंग ट्रैन' आदि। फिल्मों से सन्यास लेने से पहले उनकी आखिरी फिल्म थी 'इरादा'। उनकी मृत्य 55 साल की उम्र में हो गयी थी। लहराते सौंदर्य की ग्लैमरस अभिनेत्री, मॉडल और अपना एक अकेला व्यक्तित्व रखने वाली परवीन बॉबी जीवन भर कुंवारी रही, तमाम अफेयर के बावजूद शादी नहीं की किसी से।

इमोशनल इतनी थी परवीन की कपड़े की तरह बॉयफ्रेंड बदलती थी। डैनी डेन्जोंगपा, कबीर बेदी, विनोद खन्ना और महेश भट्ट उनके अंतरंग मित्र थे। जीवन के आखिरी समय से कुछ पहले वहः अमिताभ बच्चन से अपने क्रश की बातें करते करते उन्हें बहुत बुरा भला कहती, यहां तक की अपराधी तक उन्हें कह दे जाती थी।

अंत बहुत दुखद हुआ था जामनगर के एडमिनिस्ट्रेटर परिवार की इस लड़की का, जो हिंदी फिल्मों की बहुत बड़ी स्टार बनने के वावजूद तन्हा थी। जब उनकी मौत हुई, उनकी डेड बॉडी जुहू के उनके घर से दुर्गंध हालात में दरवाजा तोड़कर निकाली गई थी। डॉक्टरों ने बताया वह पैरानाइड सिजोफ्रेनिया की मरीज थी। उनके पैर में गैंगरीन हुआ था और तीन दिन उनकी डेड बॉडी घर मे सड़ी थी। उनकी करोड़ों की संपति ट्रस्ट को गयी थी।

परवीन बॉबी के इस बहु आयामी जीवन को पर्दे पर जीने के लिए तृप्ति डिमरी का चुनाव सही है या गलत, वक्त बताएगा। फिलहाल नई खेप की स्टारनियों में लुक और ग्लैमरस में तृप्ति परवीन बॉबी के करीब तक पहुंचती हैं। 'एनिमल' की भाभी नम्बर 2 बनने से पहले तृप्ति की फिल्में रही हैं– पोस्टर बॉयज, कला, बुलबुल और पिछली फिल्म आयी है 'बैड न्यूज'। तृप्ति की कोई खास टाइप्ड इमेज भी नहीं है और 'एनिमल' के बाद उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग बन गयी है। लोगों का मानना है कि बॉबी की भूमिका के लिए डिमरी का चुनाव सही साबित हो सकता है।

सवाल है परवीन बॉबी के अंदर के दर्द को उनकी जीवनी के कैनवास पर तृप्ति उभार पाएंगी? यह वक्त ही बता पाएगा।

राहुल वैद्य ने शो पर बताया कि अली गोनी का श्रद्धा कपूर पर क्रश है...

शिल्पा पाटिल

कलर्स के हिट शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' के नवीनतम एपिसोड ने कई मायनों में माहौल को गर्म कर दिया! बॉलीवुड की चमकती सितारा श्रद्धा कपूर के सुर्खियों में आने के साथ ही किचन में ऊर्जा का संचार हो गया. अपने अनूठे आकर्षण और प्यारी क्यूटनेस के साथ श्रद्धा ने सेट पर महाराष्ट्रीयन तड़का लगाया. जब श्रद्धा ने लाफ्टर शेफ्स को मुंबई के स्ट्रीट फूड का त्रिगुट बनाने की चुनौती दी, तो माहौल में एक अलग ही मोड़ आया: वड़ा पाव, लसूण चटनी और मिसल पाव. बर्तनों और तवे के बीच से हटकर, स्टूडियो में एक अलग तरह की गर्मी पैदा हो गई. राहुल वैद्य की आवाज़, जो आमतौर पर धुनों के लिए आरक्षित होती है, ने एक अलग धुन गाई - श्रद्धा कपूर के लिए एली गोनी के दिल की एक छिपी हुई धुन. इस चौंकाने वाले कबूलनामे ने सभी को चौंका दिया, और एली पूरे एपिसोड में शरमाते रहे.

श्रद्धा कपूर के बारे में बात करते हुए, अली गोनी कहते हैं,

"श्रद्धा कपूर और मैं एक ही जिम ट्रेनर शेयर करते हैं, इसलिए हम कई बार एक-दूसरे से मिले हैं, हालाँकि हमें ज़्यादा बात करने का मौका नहीं मिला है. मैंने राहुल से सहजता से कहा कि मुझे 'आशिकी 2' के बाद से ही उन पर क्रश है, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि वह इसे सबके सामने प्रकट करेंगे. वह मेरी पहली क्रश थीं और अपनी सादगी और विनम्रता के कारण आज भी मेरी पसंदीदा हैं. ईमानदारी से कहूँ तो, मुझे लगता है कि भारत में शायद ही कोई ऐसा आदमी होगा जो श्रद्धा कपूर से आकर्षित न हुआ हो."...

मस्ती भरी शरारतें

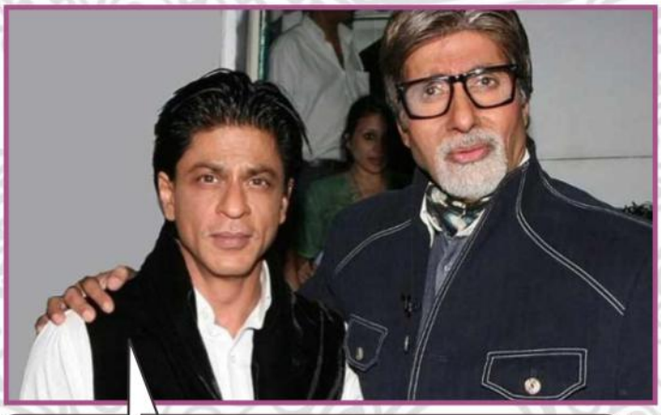

अमिताभ जी, इस बार KBC में क्या धमाल होने वाला है, कुछ उड़ती-उड़ती खबर मिली है कि जीत की रकम दोगुनी हो गई है !

भई! शाहरुख़ तुमने बिल्कुल ठीक सुना है, इस बार डबल धमाल होने वाला है, जीत की ख़ुशी दोगुनी होगी यानी जीत की रकम जीतने वाले को डबल मिलेगी !

अमिताभ सर ! मैं बिग बॉस का होस्ट करते करते अब बोर हो गया हूँ, एक बार मुझे भी चांस दिला दो ना !

बरखुरदार अभी तुम्हारे दूध के दांत टूटे नहीं, तुम KBC करोगे मियां, अभी तो तुम बिग बॉस ही होस्ट करो मुझे ही KBC करने दो... तभी तो हम दोनों का फायदा इसी में है!

अमिताभ जी... आखिर कब तक KBC होस्ट करने का इरादा है... हम भी सलमान की तरह लाइन में खड़े हैं !

अरे शत्रु जी... अगर आपने KBC होस्ट किया तो मुझे डर है कहीं आपकी आवाज से सामने वाला खामोश ही ना हो जाये !

All Magazine Hindi English international magazine

Journalism (Indian)
India Today Frontline Open
India Legal Organiser The Caravan
Tehelka Economic and Political Weekly The Caravan

Journalism (International)

Time The Week The New Yorker
The Atlantic Newsweek New York Magazine Foreign Affairs National Review
Money & Business

Forbes Harvard Business Review
Bloomberg Businessweek Business India Entrepreneur inc ET Wealth
Monyweek CEO Magazine
Barron's Fortune International Financing Review Business Today
Outlook Money Shares Value Research Smart Investment
Dalal Street Investment Journal

Science, History & Environment

National Geographic National Geographic Kids New Scientist
Down to Earth Scientific American
Popular Science Astronomy
Smithsonian Net Geo History
Science Philosophy Now BBC Earth
BBC Wildlife BBC Science Focus
BBC History

Literature, Health & General
Interest

The Writer Publishers Weekly TLS
prevention OM Yoga Reader's Digest
The New York Review of Books
NYT Book Review Harper's Magazine The Critic Men's Health
Mens Fitness Women's Health
Womens Fitness Better Photography
Architectural Digest Writing Magazine Pratiyogita Darpan

Sport

Cricket Today The Cricketer
Wisden Cricket Monthly
Sports Illustrated World Soccer Tennis Sportstar FourFourTwo
Auto & Moto

Autocar India UK BBC TopGear
Bike Car

Tech

Wired PC Magazine Maximum PC
PCWorld Techlife News T3 uk India
DataQuest Computeractive
Popular Mechanics PC Gamer
Macworld Linux Format
MIT Technology Review

Fashion & Travel

Elle Vogue Cosmopolitan
Rolling Stone Variety Filmfare
GQ Esquire National Geographic Traveler Condé Nast Traveler
Outlook Traveller Harper's Bazaar
Empire

Comics
Tinkle Indie Comics Image Comics
DC (Assorted) Marvel (Assorted)
Indie Comics Champak

Home & Food

Real Simple Better Homes and Gardens Cosmopolitan Home
Elle Decor Architectural Digest
Vogue Living Good Housekeeping
The Guardian feast The Observer Food Monthly Nat Geographic Traveller Food Food Network

Other Indian Magazines
G B The Economist
Mutual Fund Insight Wealth insight
Electronics For You Open Source For You Mathematics Today Biology Today Chemistry Today
Physics For You Woman Fitness
Grazia India Filmfare India
Rolling Stone India Outlook
Outlook Money Entertainment Updates Outlook Business
Open Investors India The Week India
Indian Management Fortune India
Scientfic India India Today Brunch
Marwar India Champak Travel + Liesure India Business Traveller
Smart investment Forbes india
ET Wealth Vogue india Yojana
Kurukshetra Evo INDIA New India Samachar Small Enterprise India
Voice & Data

हिन्दी मैगजीन

समय पत्रिका साधनापथगृ हलक्ष्मी उदयइंडिया निरोगधाम मॉडर्न खेतीइंडिया टुडेदेवपुत्र
क्रिकेट टुडेगृ हशोभा अनोखीहिन्दुस्तानमुक्ता सरिता चंपक प्रतियोगिता दर्पण सक्सेस मिरर
सामान्य ज्ञान दर्पण फार्म एवं फूड मनोहर कहानियां सत्यकथा सरस सलिल स्वतंत्र वार्ता लाजवाब आउटलुकसच्ची शिक्षावनिता
मायापुरी रूपायन उजाला ऋषि प्रसादजोश रोजगार समाचार जोश करेंट अफेयर्सजोश सामान्य ज्ञान जोश बैंकिंग और एसएससी
इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्सप्रकृ तमैल
राजस्थान रोजगार संदेश राजस्थान सूजस सखी जागरण अहा! जिंदगी बालभास्कर योजनाकुरूक्षेत्र
More.......

Send me message Telegram

Ya WhatsApp

M......8890050582

Click here magazines Telegram group

https://t.me/Magazines_8890050582

क्या अमिताभ बच्चन दगाबाज और जेलस स्वभाव के हैं?

—शरद राय

पिछले हफ्ते हमने लिखा था कि शालीनता कोई अमिताभ बच्चन से सीखे, इस पर बहुत लोगों ने प्रतिक्रिया दी है। एक फिल्मी मित्र ने कहा– ये भी लिखिए अमिताभ बच्चन दगाबाज और जेलस (ईर्ष्यालु) स्वभाव के भी हैं। और, उन्होंने कई घटनाएं याद दिलाया जो कमोवेश मुझे मालूम थीं और नहीं भी। आईए, कुछ ऐसे ही किस्से देखते हैं–

खबर मिली है अभिनेत्री परवीन बॉबी की जीवनी

पर एक फिल्म बन रही है, जिसमें परवीन को पर्दे पर पोट्रेट करने वाली हैं तृप्ति डिमरी। यह प्रसंग इसलिए याद आया कि अपनी मौत से पहले जब परवीन फिल्मों से दूर रह रही थी, अस्वस्थ थी, उनदिनों मैं उनको मिला था। हम तीन चार पत्रकार एक साथ उनके घर गए थे। वह पैरानाइड सिजोफ्रेनिया की बीमार थी। परवीन बॉबी ने सबसे अधिक काम अमिताभ बच्चन के साथ ही किया था। अमिताभ पर तमाम आरोप लगाते हुए कहा था कि अमिताभ ने उनका जीवन बर्बाद कर दिया है। वह दगाबाज हैं और बहुत कुछ कहा था।

गतदिनों शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी सोनाक्षी सिन्हा की शादी की रिसेप्शन पार्टी में जब अमिताभ शामिल होने नहीं आए और ना ही उनके परिवार से कोई आया तब सोशल मीडिया पर लोग शत्रु–अमिताभ के दोस्ताना के परखचे उड़ाने लगे। शत्रुघ्न सिन्हा के पुराने स्टेटमेंट के हवाले लिखा गया कि शत्रु अपनी फिल्मों (दोस्ताना, काला सोना आदि) में अमिताभ पर भारी पड़ जाते थे। यह बात शत्रु की बायोग्राफी में भी है कि 70 के दशक में शत्रुघ्न सिन्हा का कद अमिताभ से बड़ा था। जो शोहरत अमिताभ चाहते थे वो शत्रु को मिला करती थी। इसलिए अमिताभ हमेशा चाहते थे शत्रु का रोल काटा जाए या बहुत कम कर दिया जाए। साथ में काम करते हुए भी उनमें ठनी रहती थी।

पिछले दिनों राधिका–अनंत अंबानी की शादी की पार्टी में बिग बी का पूरा परिवार पहुंचा हुआ था। लेकिन परिवार दो हिस्से में पहुंचा था जिसकी खबर खूब ट्रोल हुई है। घर की बहू ऐश्वर्य राय बच्चन अपनी बेटी आराध्या के साथ परिवार के साथ खड़ी न होकर अलग से आई थी और वहां सबसे मिलजुल रही थी लेकिन अपनी ससुराल के सदस्यों के साथ नहीं खड़ी दिखी। यहां तक कि अभिषेक बच्चन भी मां (जया बच्चन), पिता (अमिताभ बच्चन) और बहन स्वेता बच्चन नंदा, उनके पति और बच्चों के साथ ही थे। लोग कहते हैं माना ऐश्वर्य को गुस्सा होगा, समझ नहीं थी कि कब रिएक्ट करना चाहिए, पर बिग बी तो सुलझे हुए व्यक्ति हैं। वह घर के बुजुर्ग भी हैं, डांट कर ऐश्वर्य को पास बुलाते, वहां पोती को सबके सामने गले लगाते, पर ऐसा नहीं हुआ।

यह तो हुई नई बातें। थोड़ा पीछे जाएं तो जो पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी उनके परम मित्र थे,

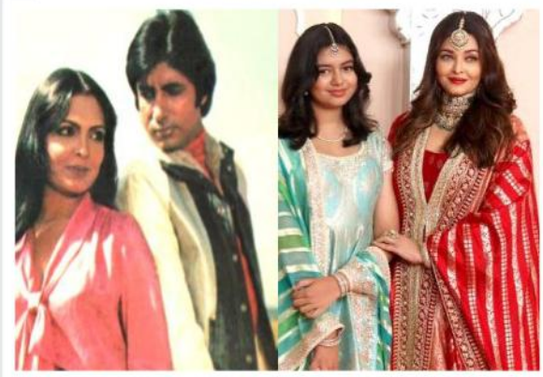

उनको इलाहाबाद से चुनाव भी लड़वाए थे, लेकिन उनके परिवार के बुरे दिनों में अमिताभ ने उनसे दूरी रखा। वजह जो भी रहा हो वह कांग्रेस का ही साथ छोड़ दिए और गुजरात प्रदेश के अम्बेसडर बनना पसंद किए। कुछ ऐसा ही बताया जाता है कि बच्चन और अमर सिंह के रिश्ते की खटास की भी एक कहानी है। जिस आदमी ने उनका निलाम होता बंगला (प्रतीक्षा) बचाया था, अंतिम समय में उसे देखने भी नहीं पहुंचे थे।

बॉलीवुड में तो और भी कई किस्से हैं जहां अमिताभ बच्चन ने रूड़ रवैया अपनाया है। प्रकाश मेहरा उनके अनन्य भक्त निर्माता– निर्देशक थे, उनकी बीमारी और मौत पर भी वह दूर ही रहे थे। प्रकाश मेहरा, के सी बोकाड़िया जैसे और भी निर्माता हैं जो पूरी तरह स्थापित हो लेने के बाद, जिनकी सोच थी कि वे अमिताभ के अलावा किसी दूसरे स्टार के साथ काम ही नहीं करेंगे, अमिताभ ने उनके उतार के दिनों में उनका हालचाल भी नहीं पूछा।

इन किस्सों में जितनी भी सच्चाई हो, हम दावा नहीं करते। लेकिन अमिताभ का एक रूप जहां बेहद शालीनता से भरा है वहीं उनका दूसरा रूप भी है जो दिखने वाले शालीन अमिताभ से ठीक उल्टा है।

एक कंट्रोवर्सी ड्रामा जिसने पाकिस्तान में मचा दिया है कोहराम। 'बरजख' को मिला यूट्यूब से निकाला

–शरद राय

देश निकाला या देश से भाग जाना हमारे पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की नस्ल में शामिल हैं। पहली बार ऐसा हुआ है जब किसी प्रधानमंत्री या नेता को नहीं, वहां के एक वेब ड्रामा सीरीज को देश से यानी पाकिस्तान के यू ट्यूब चैनल से निकाला मिला है।यह सीरीज है BARZAKH 'बरजख'। बताने की बात है कि यूट्यूब की क्रेज जैसे भारत मे है वैसे ही पकिस्तान में भी है। 'बरजख' सीरीज को पाकिस्तान में यूट्यूब से निकाला जाना, जनता के एक कोहराम के रूप में सामने आया है।

'बरजख' वेब ड्रामा सीरीज के मुख्य कलाकार हैं वहां के सुपर स्टार फवाद खान, सनम सईद, सलमान शाहिद, साजिद हसन आदि। फवाद खान और सनम सईद इन दोनों सितारे की लोकप्रियता को दर्शक उनके पिछले सीरीज 'जिंदगी गुलजार है' में देख चुके हैं। ये दोनों कलाकार इस सीरीज से पाकिस्तान ही नहीं भारत के दर्शकों में भी पॉपुलर हैं। फवाद खान तो बॉलीवुड फिल्मों में भी काम कर चुके हैं और उन्हें भारतीय दर्शकों ने खूब पसंद किया है। सनम सईद पड़ोसी मुल्क की सुपर सितारा, गायिका और मॉडल हैं।

उर्दू ड्रामा सीरीज जो पाकिस्तान में टीवी चैनल जिंदगी और जी 5 के यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम हो रहा था, उसे 6 अगस्त से चैनल, निर्माता कंपनी और लेखक निर्देशक ने आपसी सहमति से जनता से क्षमा याचना सहित उतार दिया है। अगर भारत और पाकिस्तान में सीमा विवाद न हुआ होता तो ये दोनो कलाकार आज भारत के स्टार होते। पाकिस्तानी दर्शकों में इनकी भारी पसंदगी है। बावजूद इसके वहां की जनता ने उनके नए सीरीज को चैनल से रुकवाने के लिए कोहराम मचा दिया है और मजबूरन यह प्रोग्राम 9 अगस्त से पूरे पाकिस्तान में यूट्यूब पर स्ट्रीम होने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

'बरजख' के प्रतिबंधित किए जाने की वजह बताया जा रहा है कि इस सीरीज में कहानी LGBTQ समुदाय से कनेक्ट करती है और गे–रिलेशन से जुड़ी है। एक प्रोमो में दो युवक किस करने की स्थिति में दर्शित हो चुके हैं। हालांकि 19 जुलाई 2024 से स्ट्रीम इस कथा श्रृंखला में 'बरजख' और उसकी कहानी कुछ और है। 'बरजख' उस मुकाम को कहते हैं जहां मरने के बाद व्यक्ति दूसरी जहां में जाने पर सजा याफ्ता होने तक रहता है। जाहिर है आगे की कहानी कुछ और है किंतु इस के साथ जुड़ी हुई कहानियां और हालात भी साथ चलते दिखाए गए हैं।

वैसे कहानी का जो रूप बताया गया है उसके अनुसार एक 76 वर्ष के आदमी ने अपने स्ट्रेंज फैमिली मेंबर्स को एक हिल स्टेशन पर बने रिसोर्ट पर बुलाया है जहां उसकी शादी उसकी वर्षों पहले की प्रेमिका, मृतक हुई घोस्ट पत्नी से होने जा रहा है। हुंजा वैली के बैक ड्राप में बने एक खूबसूरत संगीताना रिसोर्ट पर यह आयोजन है।... कहानी जफर और महताब के प्रेम से शुरू होती है। जफर अपनी प्रेमिका के लिए मंहगा हार लेने शहर जाता है, जब लौटता है तो वह मर चुकी होती है। उसकी प्रेमिका की जहां कब्र थी वहीं उसने आलीशान रिसोर्ट बनाया और सालों साल बाद...।

पाकिस्तान की जनता में रोष है कि इस सीरीज से उनका कल्चर , संस्कृति और जीवन शैली प्रभावित होगी। लोगों ने भावनाओं को आहत करने और कलचर नष्ट करने का आरोप लगाया है। जनता ने इस सीरीज के प्रचार को देखकर जबरदस्त कोहराम मचाया है। परिणामस्वरूप निर्माता, निर्देशक और चैनल ने आपसी सहमति बनाकर दर्शकों का आभार जताकर कहा है कि वे जन भावना का ख्याल रखते हुए स्वेच्छा से अपने सीरीज को पाकिस्तान– यूट्यूब से हटा रहे हैं।

यह कंट्रोवर्सी ड्रामा सीरीज पाकिस्तान–भारत के को प्रोडक्शन में निर्मित है। इस सीरीज के निर्माता हैं शैलजा केजरीवाल और वकास हसन। लेखक–निर्देशक हैं असीम अब्बासी। छायांकन किया है मोहम्मद आजमी ने। फैमिली, ड्रामा, मिस्ट्री जेनर के इस ओटीटी सीरीज की 6 कड़ियाँ रिलीज होने के बाद इसको बंद किया गया है, इसलिए उत्सुकता और बढ़ गयी है।

श्रद्धा कपूर और अनन्या पांडे की दोस्ती की मिसाल, साथ में बॉय फ्रेंड साथ से तलाक!

—शरद राय

दो खबरें इन दिनों मीडिया पर एक साथ वायरल हुई है। ये खबरें हैं श्रद्धा कपूर ने अपने प्रेमी राहुल मोदी से संबंध विच्छेद कर लिया है। उसी तरह की दूसरी खबर अनन्या पांडे से जुड़ी हुई है। अनन्या ने भी अपने प्रेमी वाकर ब्लांको से कटअप कर लिया है। इससे पहले अनन्या के अनन्य मित्र अभिनेता आदित्य रॉय कपूर हुआ करते थे। करीब छः महीने पहले अनन्या की जिंदगी में वॉकर ब्लांको ने दस्तक दिया था और दोनो ने लोगों के सामने अपनी नई दोस्ती को कबूल भी किया था। ताजी खबर है इस जोड़ी में खटास आ गयी है।

दूसरी दोस्ती (जिगरी दोस्ती) टूटने की चर्चा श्रद्धा कपूर को लेकर है। अनन्या– वॉकर रिश्ते में दरार आने के साथ ही श्रद्धा कपूर ने अपनी 'जिगरी' दोस्ती राहुल मोदी से ब्रेक किया है, यह खबर भी आई है। श्रद्धा और अनन्या ने एक ही समय में, एक ही इवेंट के दौरान अपने अपने प्रेमियों के जुड़ाव से पर्दा हटाया था। जानकारों का कहना है कि श्रद्धा और अनन्या दोस्त हैं कहीं दोनो ने जान बूझकर साथ मे तो नहीं यह रयूमर फैलाई हैं? इसके लिए हमें इनकी पिछले दोस्ती के रिकार्ड पर जाना होगा होगा।

श्रद्धा कपूर का नाम उनकी हर फिल्म के हीरो के साथ जुड़ता रहा है। कभी वह शाहिद कपूर की गर्ल फ्रेंड होती हैं, कभी उनकी

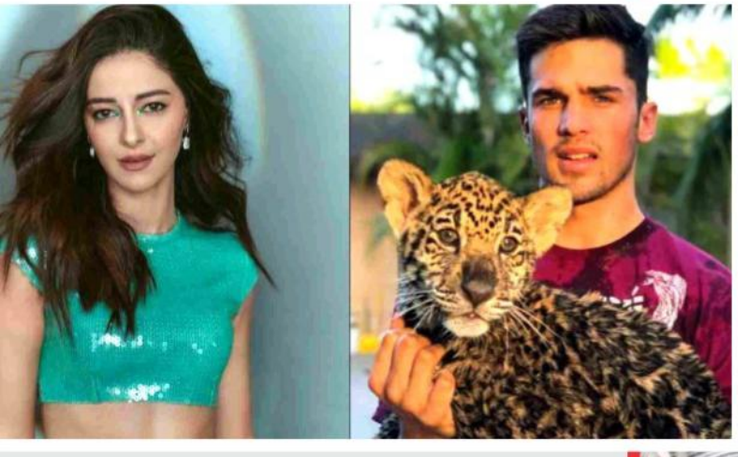

दोस्ती रणबीर कपूर से होने पर चिंता आलिया भट्ट को हो जाती है। उनकी पिछली दोस्ती की चर्चा किसी स्टार के साथ नहीं, बल्कि एक फिल्म लेखक के साथ होने की खबरें आने लगी तो लगा शायद शक्तिकपूर की बेटी इस बार प्रेम के मामले में सीरियस है। श्रद्धा और राहुल मोदी फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' की शूटिंग के समय एक दूसरे के संपर्क में आए थे और उनके बीच की दूरियां घटती गयी। राहुल एक अच्छे फिल्म लेखक हैं। उन्होंने 'तू झूठी...' के अलावा 'प्यार का पंचनामा 2', 'सोनू के टीटू की स्वीटी' जैसी फिल्में लिखा है। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की जामनगर में हुई प्री वेडिंग पार्टी में श्रद्धा और राहुल को एक साथ अत्यधिक निकटता में और डांस करते देखकर लोगों के समझ में आया कि उनमे कुछ विशेष रिश्ता बन गया है। श्रद्धा कपूर ने उस सेरिमनी में राहुल मोदी से अपने रिश्ते को कबूल भी कर लिया। लोग समझते थे श्रद्धा की यह दोस्ती ही रियल है। लेकिन, कुछ महीने में ही... मार्च में घोषित हुए रिश्ते की खबर के टूटने की खबर ने सबको हैरान कर दिया है।

अंबानी के इसी इवेंट में अनन्या पांडे और वॉकर ब्लांको को भी बहुत नजदीक हुआ देखकर लोगों को थोड़ी हैरानी हुई थी कि आदित्य रॉय कपूर और अनन्या की दोस्ती का क्या हुआ, वो तो शादी करने की बातें करते थे। अनन्या और वाकर सिर्फ जामनगर इवेंट ही नहीं बल्कि प्री वेडिंग, वेडिंग इवेंट मुम्बई और क्रूज पार्टी सेलिब्रेशन (इटली से दक्षिणी फ्रांस तक) में भी साथ थे। राधिका–अनंत अंबानी के विवाहोत्सव में दोनो को बहुत नजदीक से देखा गया। दोनो ने रोमांटिक सांग पर डांस भी खूब किया था।अंबानी विवाहोत्सव में ही अनन्या पांडे ने वॉकर ब्लांको से सबको मिलवाया था और स्पस्ट हो गया था कि मिस अनन्या चंकी पांडे के जीवन में प्यार की नई किरण लहलहाई है। वॉकर ब्लांको पूर्व मॉडल और एक कारपोरेट कंपनी से जुड़े हैं। लगा था मिस पांडे के जीवन मे आया यह युवक कोई फिल्म स्टार या फिल्म इंडस्ट्री से नहीं है तो जरूर प्यार में गहराई होगी। लेकिन यह क्या !

अनन्या ने वॉकर ब्लांको से सारे रिश्ते कट कर लिए हैं, उसने सोशल मीडिया से भी उनको अनफ्रेंड कर दिया है। मार्च में स्टेब्लिस हुई दोस्ती की दीवारें कुछ महीने में ही ढह गई।

जो भी हो, अभी तो लोग कयास लगा रहे हैं कि ये दोनों (कपूर और पांडे) इतनी अच्छी दोस्त हैं कि कुछ भी सोच सकती हैं। यह इनकी दोस्ती की ही मिसाल होगी कि दोनो बॉलीवुड तारिकाओं ने एक साथ, एक समय अपने प्यार का इजहार की और एक ही समय उनके अलगाव की खबर भी आगयी। जय हो बॉलीवुड की परियां !

'गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' के 12 साल: नवाजुद्दीन सिद्दीकी के आइकॉनिक डायलॉग्स आज भी है सभी को याद!

—मायापुरी प्रतिनिधि

'गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' को रिलीज हुए 12 साल हो गए हैं, ऐसे में चाहकर भी हम फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी की जबरदस्त परफॉर्मेंस को नजरअंदाज नहीं कर सकते। नवाजुद्दीन सिद्दीकी का फैजल खान का रोल 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में किसको याद नहीं है, उनके डायलॉग की डिलीवरी इतनी परफेक्ट थी कि वह फिल्म के यादगार पल में तपदील हो गई, और इसका पूरा क्रेडिट एक्टर को ही जाता है। आइए उन लाइंस पर नजर डालते हैं जो नवाजुद्दीन के जबरदस्त एक्टिंग टेलेंट को दर्शाती हैं और बताती हैं कि फैजल खान का किरदार आज भी इतना यादगार क्यों है।

बाप का, दादा का, भाई का, सबका बदला लेगा रे तेरा फैजल

नवाजुद्दीन द्वारा इस लाइन को दमदार ढंग से कहने से फैजल खान की बदला लेने की गहरी इच्छा खुलकर सामने आती है, जिससे यह फिल्म के सबसे मजबूत पलों में से एक बन गया है।

तुमसे ना हो पाएगा

नवाजुद्दीन द्वारा उनके अंदाज में शांत तरीके से कही गई यह सिंपल लेकिन दमदार लाइन काफी पॉपुलर हो गई। इसमें दिखाया गया है कि फैजल अपने दुश्मनों को किस तरह से नीचा दिखाता है।

कह के लूंगा

अपने शांत और सोच समझकर बोलने के तरीके से, नवाजुद्दीन ने इस डायलॉग को यादगार बना दिया। ये फैजल की बदले की मजबूत इच्छा को दिखाता है।

परमिशन लेने में टाइम लगता है भैया। इंतजार करने का टाइम नहीं है हमको

नवाजुद्दीन की एक्टिंग में फैजल की जल्दबाजी और मजबूत इरादा साफ नजर आता है। यह फैजल के तेज नजरिए और और देरी के प्रति नापसंदगी पर रोशनी डालता है।

जब तक हम तुम्हारे बाप हैं, तब तक हम बाप हैं। बाप के बाप तुम्हारे बाप

नवाजुद्दीन की दमदार मौजूदगी के साथ कही गई यह लाइन वासेपुर की ताकत को दर्शाती है। यह फैजल के कंट्रोल और ताकत को उजागर करती है।

गोली नहीं मारेंगे। कह के लेंगे उसकी

इस लाइन में फैजल के रूप में नवाजुद्दीन की चालाकी और रणनीतिक एक्टिंग साफ झलकती है। इससे पता चलता है कि फैजल को शारीरिक लड़ाई के बजाय दिमागी खेल पसंद है।

बेटे, तुमसे ना हो पाएगा

एक बार फिर, नवाजुद्दीन का आत्मविश्वास और नकारात्मक रवैया सामने आता है, क्योंकि वह अपने प्रतिद्वंद्वी की सफलता की संभावना को बहुत छोटा और नजरअंदाज करने लायक बना देते हैं।

इन यादगार डायलॉग्स के साथ फैजल खान के रूप में नवाजुद्दीन सिद्दीकी की भूमिका ने उन्हें इंडिया के बेस्ट एक्टर में से एक बना दिया है। जैसा कि हम 'गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' के 12 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, ये लाइंस अभी भी उभर कर सामने आती हैं, जो नवाजुद्दीन की शानदार परफॉर्मेंस और इंडियन सिनेमा पर फिल्म के कभी ना मिटने वाली छाप को दर्शाती हैं।

द लाफ्टर शेफ्स पर अक्षय कुमार की शरारत ने महफिल लूट ली!

—मायापुरी प्रतिनिधि

जब बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार अपने सह–कलाकारों वाणी कपूर, एमी विर्क, आदित्य सील और प्रज्ञा जयसवाल के साथ, अपने स्वतंत्रता दिवस, पारिवारिक मनोरंजन फिल्म 'खेल खेल में' का प्रचार करने के लिए 'द लाफ्टर शेफ्स' शो में पहुंचे, तो दर्शकों को हंसी और आश्चर्य की उम्मीद थी।

शो के कलाकार शरारती माने जाते हैं और उनमें हमेशा कुछ ड्रामा की गुंजाइश रहती है। उन्हें अपनी दवा का स्वाद देने के लिए, अक्षय कुमार ने एक रहस्यमय महिला को अपनी टीम का हिस्सा बनाया, उसे सह–अभिनेता के रूप में पेश किया।

ट्विस्ट तब आया जब अंततः पता चला कि वह वास्तव में अक्षय की निजी शेफ थी!

इस प्रैंक ने सभी को हंसा–हंसा कर लोटपोट कर दिया. गुलशन कुमार, टी–सीरीज और वाकाऊ फिल्म्स प्रस्तुत करते हैं 'खेल खेल में'। टी–सीरीज फिल्म, वाकाऊ फिल्म्स और केकेएम फिल्म प्रोडक्शन 'खेल खेल में' मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विपुल डी. शाह, अश्विन वर्दे, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और अजय राय द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 15 अगस्त 2024 को देशभर में रिलीज होगी।

अटकलें हैं कि प्रेरणा अरोड़ा की आगामी तेलुगु फिल्म हीरो हीरोइन में श्री विष्णु और दिव्या खोसला अभिनय करेंगे।

—मायापुरी प्रतिनिधि

संभावित कास्टिंग स्कूप जो चर्चा पैदा कर रहा है, में ऐसा प्रतीत होता है कि श्री विष्णु प्रेरणा अरोड़ा की आगामी तेलुगु फिल्म हीरो हीरोईन के लिए दिव्या खोसला के साथ जुड़ सकते हैं।

प्रेरणा अरोड़ा, जो सिनेमा निर्माण में अपनी प्रभावशाली भूमिका के लिए जानी जाती हैं, इस दिलचस्प परियोजना के पीछे हैं, जो प्रत्याशा की एक परत जोड़ती है। कथित तौर पर एक विविध और प्रभावशाली कलाकारों की टुकड़ी के साथ – जिसमें ईशा देओल, सोनी राजदान, परेश रावल, इशिता चौहान, तुषार कपूर और प्रियंका चाहर चौधरी शामिल हैं – फिल्म एक गतिशील और आकर्षक कहानी का वादा करती है।

जैसे–जैसे शुरुआत की तारीख नजदीक आ रही है, फिल्म के संभावित प्रभाव और इसके स्टार कलाकारों के तालमेल के बारे में अटकलें तेज हो गई हैं।

'आपका अपना जाकिर' के साथ 'जाकिर खान' होस्ट के रूप में कर रहे टीवी डेब्यू

–शिल्पा पाटिल

हिंदुस्तान के दिल से अपना सफर शुरू करके लाखों लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाते हुए, लोकप्रिय कॉमेडियन, कवि, अभिनेता, लेखक और निर्माता, जाकिर खान सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के 'आपका अपना जाकिर' के साथ होस्ट के रूप में टेलीविजन पर अपना डेब्यू कर रहे हैं. इस टॉक शो के अनुभव को बढ़ाते हुए, यह खुशनुमा शो कॉमेडी के ट्विस्ट के साथ रोजमर्रा के अनुभवों का सार प्रस्तुत करेगा, जिसमें 'खुशियों की गारंटी' दी जाएगी और 'मनोरंजन का वादा' किया जाएगा. हर एपिसोड में, विभिन्न सेगमेंट्स में जाकिर के सिग्नेचर स्टोरीटेलिंग स्टाइल पेश की जाएगी, जैसे कि सेलेब्रिटी इंटरव्यू, दर्शकों से बातचीत, जिंदगी के उतार–चढ़ाव पर उनके अनूठे नजरिये वाला स्टैंड–अप, जिससे सामान्य बातें भी हास्यास्पद रूप से महत्वपूर्ण लगने लगेंगी क्योंकि वह समान रूप से सलाह और सहानुभूति प्रदान करेंगे. भारत का सख्त लौंडा आपको हंसी, प्रामाणिक कहानियों, और दृष्टिकोणों के उस सफर पर ले जाएगा जो वास्तव में उसे 'आपका अपना' बनाती है. ओनली मच लाउडर और सख्त फिल्म्स द्वारा निर्मित, आपका अपना जाकिर फॉक्सवैगन इंडिया द्वारा सह–प्रस्तुत और स्मिथ एंड जोन्स जिंजर गार्लिक पेस्ट द्वारा सह–प्रायोजित है. इसका प्रीमियर 10 अगस्त को होगा, जो हर शनिवार और रविवार को रात 9:30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा.

जाकिर खान सिर्फ एक कॉमेडियन नहीं हैं. वह कहानीकार, निर्माता, लेखक, अभिनेता, कवि और अपने–आप में एक सांस्कृतिक प्रतिबिंब हैं. उनके करियर के इस नए सफर में कई सितारे उनका साथ देंगे, जिनमें से हर कलाकार शो में अपना अनूठा पहलू जोड़ेगा. जाकिर का पुराना दोस्त गोपाल दत्त उसके साथ रहता है और जाकिर जल्द से जल्द उसकी शादी कराना चाहता है. साथ ही, टेलीविजन की प्रसिद्ध अभिनेत्री और दीवा, श्वेता तिवारी जाकिर की पड़ोसन हैं. हमारे साथ जाकिर के क्रिकेट फ्रेंड रित्विक धनजानी भी होंगे जो अपनी एवरग्रीन एनर्जी और डांस मूव्स लेकर आ रहे हैं. इतना ही नहीं, खाने और पैसा कमाने के प्रेमी परेश गनात्रा, जाकिर को अपनी अजीब निवेश योजनाओं से लगातार परेशान करते रहेंगे. साथ में, दोस्तों का यह अजीबोगरीब समूह मनोरंजन का पावर–पैक पंच देते हुए आपको तब तक हंसाएगा जब तक आपके पेट में दर्द न हो जाए.

कहानीकार, निर्माता, कॉमेडियन, कवि और अभिनेता जाकिर खान ने कहा,

साधारण शुरुआत से लेकर अपने खुद के शो की होस्टिंग करते तक, यह अनुभव किसी सपने के सच होने की तरह है. यह शो आपके परिवार में सबसे छोटे से लेकर सबसे सयाने तक सभी के लिए है. प्रासंगिक कहानियों और अप्रत्याशित पलों से भरपूर हंसी–मजाक से भरे सफर के लिए तैयार हो जाइए. यह शो सिर्फ कॉमेडी के बारे में नहीं हैय यह छोटी–छोटी बातों में खुशी ढूंढने और बड़ी बातों से सबक सीखने के बारे में है, जो हमें याद दिलाती है कि हम सब इसमें एक साथ हैं. और हां, खुशियों की गारंटी और मनोरंजन का वादा, आपका दिल जीत लूंगा फ्रॉम बच्चा टू दादा.

ह्यूमर और जिंदगी के दिल छूने वाले फलसफों का आनंदमय मिश्रण, 'आपका अपना जाकिर' में सबकुछ है! देखिए 'आपका अपना जाकिर' 10 अगस्त से हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर.

कार्तिक आर्यन की मेलबर्न में वापसी, इस बार निर्देशक कबीर खान के साथ 'इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2024' में चंदू चैंपियन का जश्न मनाएंगे

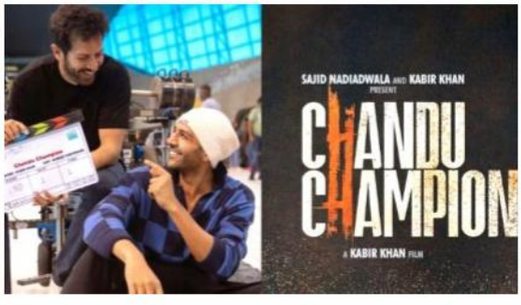

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (IFFM) होने वाला है।

इस साल जून में कार्तिक आर्यन की मुख्य भूमिका वाली कबीर खान की चंदू चैंपियन के एक विशेष उत्सव की घोषणा करते हुए रोमांचित है। एक विशेष कार्यक्रम 'फैन इंटरएक्टिव सेशन' में अभिनेता कार्तिक आर्यन और प्रसिद्ध निर्देशक कबीर खान शामिल होंगे। यह जोड़ी 15 से 25 अगस्त तक होने वाले आगामी फेस्टिवल में अपनी समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म चंदू चैंपियन के बारे में लाइव दर्शकों से बात करेंगे। यह विशेष सेशन 17 अगस्त को

चंदू चैंपियन ने भारत के प्रथम पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता पद्मश्री मुरलीकांत पेटकर के प्रेरक चित्रण से दुनिया भर के दर्शकों का दिल जीत लिया है। मुख्य भूमिका में कार्तिक आर्यन के प्रदर्शन ने भारी बदलाव की मांग की, जिसे करियर–परिभाषित क्षण के रूप में सराहा गया है, और फिल्म को इसकी गहराई, भावनात्मक अनुनाद और आश्चर्यजनक कहानी कहने के लिए मनाया गया है।

इस विशेष सेशन में, कार्तिक आर्यन और कबीर खान इस उल्लेखनीय स्पोर्ट्स बायोपिक के निर्माण के बारे में खुलकर चर्चा करेंगे। वे रचनात्मक प्रक्रिया, सामना की गई चुनौतियों और मुरलीकांत पेटकर की कहानी को जीवंत करने के लिए आवश्यक असाधारण समर्पण के बारे में अंतर्दृष्टि साझा करेंगे। दर्शकों को महान एथलीट को प्रामाणिक रूप से चित्रित करने के लिए कार्तिक की गहन तैयारी और परिवर्तन के बारे में प्रत्यक्ष रूप से सुनने का अनूठा अवसर मिलेगा।

–सुलेना मजुमदार अरोरा

2023 में भारतीय सिनेमा के उभरते वैश्विक भारतीय सुपरस्टार के रूप में प्रशंसा पाने के बाद, यह कार्तिक आर्यन की IFFM में दूसरी उपस्थिति होगी। फेस्टिवल में उनकी वापसी उद्योग के भीतर उनके बढ़ते प्रभाव और सफलता को रेखांकित करती है। फेस्टिवल के निदेशक मितु भौमिक लांगे ने कहा, 'हम इस विशेष सेशन के लिए IFFM में कार्तिक आर्यन और कबीर खान का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। चंदू चैपियन पर उनके सहयोग ने न केवल खेल बायोपिक्स के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है, बल्कि अपने शक्तिशाली कथानक और असाधारण प्रदर्शन से दर्शकों को प्रेरित भी किया है। यह सेशन फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण होने का वादा करता है, जो प्रशंसकों और फिल्म प्रेमियों को इसकी एक दुर्लभ झलक पेश करेगा। भारत के दो सबसे प्रतिभाशाली कलाकारों की रचनात्मक यात्रा।'

#MyGhuspaithiaStory ट्रेंड इवेंट में 15 सर्वाइवर्स ने साझा किए अपने दर्दनाक अनुभव, 'घुसपैठिया' ने दिया मंच'

–सुलेना मजुमदार अरोरा

फिल्म 'घुसपैठिया' 9 अगस्त को रिलीज हो गई है। सुसी गणेशन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में विनीत कुमार सिंह, उर्वशी रौतेला और अक्षय ओबेरॉय मुख्य भूमिका में होंगे। साइबर क्राइम से जुड़ी इस फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स ने #MyGhuspaithiaStory के तहत लोगों को अपनी साइबर क्राइम से जुड़ी घटनाओं को साझा करने के लिए एक प्लेटफॉर्म दिया था। इस तरह से 15 बड़ी और दर्दनाक घटनाएं सामने आई.

यह फिल्म साइबर अपराध की बढ़ती समस्याओं के बारे में जागरूकता फैलाने के एक मजबूत प्रयास में, 15 साहसी साइबर सर्वाइवर लोगों ने हाल ही में इस फिल्म के द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अपने दर्दनाक अनुभव साझा किए। इन व्यक्तियों ने साइबर खतरों, अपराधों और फोन टैपिंग की अपनी डरावनी कहानियाँ साझा कीं और बताया कि इन हमलों ने उनके जीवन पर कितना गहरा प्रभाव डाला है।

इस आयोजन को एक अनूठी पहल के रूप में सराहा गया, जिसने इस अपराध के विक्टिम होकर भी जीवित बचे लोगों को अपने संघर्षों और जीत की कहानियों को साझा करने के लिए एक शानदार मंच प्रदान किया। 'घुसपैठिया' के मास्टरमाइंड निर्देशक सुसी गणेशन और निर्माता मंजरी सुसी गणेशन ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और इन साहसी व्यक्तियों का समर्थन किया और उनका साहस बढ़ाया।

पीड़ितों ने साइबरबुलिंग और अपराधों के जाल में फंसने के अपने वास्तविक अनुभव साझा किए। एक महिला ने कहा, "मुझसे एक बहुत प्रसिद्ध कंपनी में बेहतर नौकरी के अवसर के लिए पैसे देने के लिए कहा गया था। उन्होंने एक विशेष ओहदे के लिए एक निश्चित राशि मांगी, जो मेरे बजट से बाहर थी, लेकिन मैंने फिर भी भुगतान किया। कुछ दिनों के बाद, जब मैंने उनसे संपर्क किया और कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो मुझे एहसास हुआ कि मैं साइबर अपराध के जाल में फंस गई हूं। मुझे पूरी तरह से ठगा हुआ और निराश महसूस हुआ।

एक अन्य पीड़ित ने कहा, "मुझे भारी मुनाफे के वादे के साथ बड़ी रकम का निवेश करने का लालच दिया गया था। जब पैसा खत्म हो गया, तो मुझे आखिरकार समझ आया कि मैं साइबर अपराध के जाल में फंस गया हूं। इस तरह की धोखाधड़ी में अपनी मेहनत की कमाई खोना बहुत परेशान करने वाला था।

सिर्फ महिलाएं या युवा ही नहीं बल्कि वरिष्ठ नागरिक भी इस समस्या का शिकार हो गए हैं। एक 70 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक ने अपनी कहानी साझा

की, 'एक बहुत करीबी परिचित ने मुझसे पैसे मांगे, यह कहते हुए कि उसे वित्तीय मदद की जरूरत है। उस पर भरोसा करते हुए, मैंने उसे पैसे दे दिए, लेकिन वह गायब हो गया और कभी वापस नहीं आया। यह एक कठोर सबक है कि हम सभी इस तरह की धोखाधड़ी के प्रति कितने संवेदनशील हैं।

एक अन्य विक्टिम ने एक डरावना अनुभव साझा किया जो साबित करता है कि अगर कोई सावधान न रहे तो सोशल मीडिया कितना खतरनाक हो सकता है। उन्होंने कहा, मैं फेसबुक पर किसी से मिला और हम दोस्त बन गए. उसने अपनी बीमार मां के ईलाज के लिए 30,000 रुपये मांगे, और मैंने उसे पैसे भेज दिए। बाद में, उसने कहा कि उसने अपनी नौकरी खो दी है काम और मुंबई के लिए फ्लाइट टिकट के लिए मदद मांगी। मैंने टिकट बुक किया, लेकिन वह कभी नहीं आया और उसका फोन भी बंद था। मुझे पता चला कि मैं धोखाधड़ी का शिकार हो गया हूं.

वरिष्ठ नागरिकों से लेकर युवाओं तक, गृहिणियों से लेकर कामकाजी पेशेवरों तक – कोई भी साइबर अपराध का शिकार बन सकता है, और इसलिए आज के युग में साइबर सुरक्षा पर जागरूकता बेहद महत्वपूर्ण है।

फिल्म की स्क्रीनिंग के साथ–साथ इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय में जागरूकता और सपोर्ट पैदा करना था। इसका उद्देश्य अपने प्रतिभागियों के साथ साइबर अपराधों की लाइफ चेंजिंग वास्तविकताओं और साइबर सुरक्षा के महत्व को साझा करना था। साइबर विक्टिम और सर्वइवार लोगों की कहानियाँ डिजिटल दुनिया में संभावित वास्तविक खतरों की महत्वपूर्ण याद दिलाती रहे। वे सुरक्षा उपाय करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं।

फिल्म मेकर्स ने बताया, यह आयोजन साइबर अपराध और उससे बचाव की बातचीत को प्रोत्साहित करने का तरीका है। हम साइबर खतरों से निपटने के लिए सक्रिय प्रयास करना चाहते हैं। यह स्क्रीन पर स्टार पात्रों और स्क्रीन के बाहर आम पब्लिक के बीच एक माध्यम के रूप में कार्य करना चाहता है। हमें उम्मीद है कि ये बातचीत दर्शकों के बीच बनी रहेगी। उन्हें समाज को उन खतरों के बारे में बताना चाहिए जिनका आम आदमी सामना करता है। 'घुसपैठिया' फिल्म का निर्माण एम. रमेश रेड्डी, ज्योतिका शेनॉय, और मंजरी सुसि गणेशन द्वारा किया गया है।

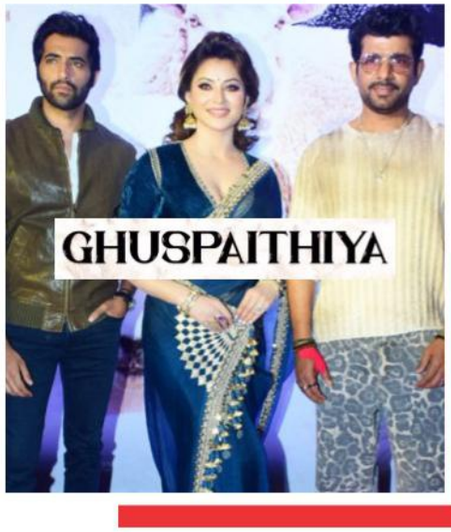

पैरिस में दिखा अनंत और राधिका का असली स्वभाव

–सुलेना मजुमदार अरोरा

भारत के सबसे अमीर इंसान, मुकेश अंबानी के सबसे छोटे पुत्र अनंत अंबानी फिर से इन दिनों खबरों में हैं, लेकिन अपने बिग फैट अंबानी शादी की वजह से या अकूत संपत्ति को लेकर नहीं। लोगों को जो सबसे प्रिय लगता है वह है उनका मूल और परोपकारी स्वभाव।

अनंत और राधिका ने महीने भर पहले ही शादी की है और यह नवविवाहित जोड़ा पेरिस में हनीमून मना रहे हैं। किसी भी अन्य जोड़े की तरह, उन्हें शहर में, आम सड़कों पर इधर–उधर देखा गया और इनमें से एक सैर के दौरान अनंत का असली चरित्र भी सामने आ गया।

जरा सोचिए, भारत के सबसे अमीर घराने का चिराग अनंत और उनकी गृहलक्ष्मी राधिका, पेरिस में हनीमून पर हैं और वे पेरिस की एक सड़क पर हाथों में हाथ डाले चल रहे हैं। अचानक उन्हें बहुत से लोगों ने घेर लिया। ऐसे अचानक घिराव होने पर, अपनी पीठ मोड़कर सिक्युरिटी की शरण लेने या गुस्से में अपनी आँखें रोल करने के बजाय, अनंत रुक जाते हैं। वह मुस्कुराते हैं और उन अजनबियों के साथ प्यार से मामला पूछ लेते हैं। यह दृश्य देखने लायक है कि कैसे अनंत ने एक आम आदमी की तरह ही बिहेव किया, किसी अरबपति की तरह नहीं।

खैर यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं है, दरअसल ऐसा हकीकत में ही हुआ है और इसका एक वीडियो भी है और वह वीडियो वायरल है। कई लोग इस बात से आश्चर्यचकित हैं कि अनंत कितना मिलनसार और सामान्य है। यहां तक कि उन्होंने विदेश की धरती पर इतने सारे लोगों से घिरने के बावजूद खुद ही उनका सामना किया और तब उन्हें पता चला कि यह हुजूम कोई और नहीं बल्कि उनके फैंस हैं। एक फैन ने तो उनके कंधे पर ही हाथ रख कर सेल्फी ले ली, ऑफकोर्स अनंत के तत्पर बॉडी गार्ड टीम ने आपत्ति जताई लेकिन जिसके कन्धे पर हाथ रखा था, उसने एक शब्द नहीं बोला। एक प्रशंसक ने अनंत के करीब जाकर पूछा कि क्या उन्हें फ्रेंच आती है? इस पर अनंत ने उत्सुकता के साथ ना बोलते हुए भी फ्रेंच बोलने का प्रयास किया। ना जानते हुए भी किसी और की भाषा बोलना एक बड़ा विनम्र और हृदयस्पर्शी प्रयास सबके बीच राधिका भी सबके साथ मुस्कुराती रही, देर तक खड़ी रही।

इंटरनेट पर लाखों लोग अनंत को उनकी विनम्रता के लिए बधाई दे रहे हैं। वे कमेंट कर रहे हैं, 'वह बहुत विनम्र हैं, और मुझे पसंद है कि वह किस तरह हर किसी का सम्मान करते हैं। अनंत की परवरिश से पता चलता है कि उन्होंने विनम्र रहने और सभी का सम्मान करने का सबक सीखा है।

यह पहली बार नहीं है जब अनंत ने अपने स्वभाव का सुंदर पक्ष को दर्शाया है। उनकी शादी से पहले भी सभी ने देखा है कि वह कितने सादे हैं। सिर्फ इंसान ही नहीं, उन्हें तो जीव जंतुओं से भी प्रेम है। वह अपने स्वभाव के दौलत को किसी भी तरह से बदलने नहीं देता है।

अनंत अंबानी धीरे–धीरे और लगातार अपने शेल से बाहर आ रहे हैं और दुनिया को दिखा रहे हैं कि आप अरबपति और सेलिब्रिटी हो सकते हैं, लेकिन फिर भी जमीन से जुड़े रह सकते हैं। वह कई लोगों के लिए प्रेरणा हैं क्योंकि उन्होंने साबित किया है कि धन यह तय नहीं करता है कि किसी व्यक्ति को कैसे कपड़े पहनने चाहिए, बल्कि कोई भी उतना ही दयालु हो सकता है जितना वह अमीर है।

उर्वशी रौतेला ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में साइबर सुरक्षा मुख्यालय का दौरा किया

उर्वशी रौतेला ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में साइबर सुरक्षा मुख्यालय का दौरा किया और साइबर खतरे के प्रति जागरूकता के लिए अपनी आगामी फिल्म 'घुसपैठिया' से पहले ट्रोल्स और धमकाने वाले लोगों के लिए एक सख्त संदेश साझा करती है।

—सुलेना मजुमदार अरोरा

हमेशा की तरह, उर्वशी अलग–अलग प्रोजेक्ट्स के बीच व्यस्त हैं क्योंकि उनके पास आगे कई प्रोजेक्ट्स हैं। इन सबके बीच, पहली फिल्म जो रिलीज होने और सामने आने के लिए तैयार है, वह है 'घुसपैठिया' जो 9 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। यह फिल्म साइबर अपराध की बारीकियों को उजागर करने के लिए तैयार है और ऐसे प्रासंगिक विषय पर , इस परियोजना के लिए अभिनेत्री के रूप में उर्वशी रौतेला से बेहतर और मजबूत कोई नहीं हो सकता था। इस अभिनेत्री ने हाल ही में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, कफ परेड में साइबर सुरक्षा मुख्यालय का भी दौरा किया था, जहां उन्होंने भारत के साथ–साथ पूरे देश में साइबर धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए महाराष्ट्र साइबर विभाग के आईजीपी श्री यशस्वी यादव, आईपीएस से मुलाकात की थी। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने हमेशा सामाजिक मुद्दों के लिए एक प्रासंगिक रुख अपनाया है, उर्वशी रौतेला महिला सशक्तिकरण के आदर्श अवतार के रूप में खड़ी हैं। साइबर क्राइम के प्रचलित मुद्दे और गुंडों और ट्रोल्स के बढ़ते खतरे के बारे में, उर्वशी रौतेला ने जो साझा किया वो हम उद्धृत करते हैं

जैसा कि हम सभी जानते हैं, ये लोग गुमनाम की बोर्ड योद्धा हैं जो जीवन में कुछ हासिल करने और आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे लोगों पर गालियां और अनावश्यक नफरत फैलाने के लिए अपने मोबाइल, पीसी और लैपटॉप की ढाल के पीछे छिपते हैं। मैंने हमेशा माना और महसूस किया है कि ट्रोल और धमकाने वाले वे लोग हैं जो किसी के आत्मविश्वास को कमजोर करने और उसे प्रभावित करने से परपीड़क आनंद प्राप्त करते हैं। वे आपको, आपके परिवार को गाली देते हैं और इतना ही नहीं, इस क्षेत्र में कई धोखेबाज भी सक्रिय हैं। बेशक, हमारा मार्गदर्शन करने के लिए हमारे पास विशेषज्ञ हैं लेकिन बुनियादी बातें वही रहती हैं। अनावश्यक लिंक पर क्लिक न करें, ईमेल को हमेशा वेरिफाई करें कि क्या वे प्रामाणिक स्रोत से हैं और बेतरतीब ढंग से गड़बड़ और लुभावनी बातों पर विश्वास न करें। इसकी एक सरल रणनीति यह है कि यदि कोई इमेल या मैसेज में बहुत अच्छा और आसान तरीके से कामयाबी या पैसा हासिल करने के उपाय बताते हो तो 99.9% संभावना है कि आपको धोखा दिया जा रहा है। कृपया याद रखें कि हमारी सुरक्षा हमारे अपने हाथों में है और रोकथाम किसी भी दिन ईलाज से बेहतर है। जहां तक ट्रोल और धमकाने वालों का सवाल है, उनसे निपटने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि उनके साथ बिल्कुल भी व्यवहार न किया जाए। कृपया याद रखें कि वस्तुतः किसी के पास आपकी स्थिरता की भावना को हिलाने का अधिकार या शक्ति नहीं है। मैं हमेशा इसी पर विश्वास करती हूं, जिसके कारण मैं कभी भी ट्रोलिंग से प्रभावित नहीं होती हूं और मैं अपने सभी प्रशंसकों और फॉलोअर्स से भी इसका पालन करने का आग्रह करूंगी। हमेशा कड़ी मेहनत करने और उत्पादक चीजें करने पर ध्यान केंद्रित करें। शॉर्टकट सफलता और विकास का सबसे बड़ा दुश्मन है। प्रक्रिया, समय और कड़ी मेहनत की शक्ति पर विश्वास करें और ब्रह्मांड आपकी प्रार्थनाओं का उत्तर देगा। घुसपैठिया इस क्षेत्र में कई लोगों के लिए आंखें खोलने वाली फिल्म होगी और मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि जब यह रिलीज होगी तो मेरे दर्शक इसे सिनेमाघरों में देखेंगे।

उर्वशी को हाल ही में पेरिस ओलंपिक 2024 द्वारा आमंत्रित होने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री होने का भी सम्मान मिला था। इस मुद्दे पर उन्होंने कहा,

पेरिस ओलंपिक 2024 में आमंत्रित होने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री होने पर वास्तव में विनम्र और सम्मानित महसूस कर रही हूं। एक जादुई सपना जो 1.4 अरब भारतीयों का है। आज, हम इसमें प्रतिस्पर्धा करने वाले दुनिया भर के सभी एथलीटों को सलाम करते हैं।

राजकुमार राव ने दिखाया अपना रोमांटिक पक्ष, मानसून को रोमांटिक बना दिया है

–सुलेना मजुमदार अरोरा

'स्त्री 2' के गाने 'तुम्हारे ही रहेंगे हम' में राजकुमार राव ने दिखाया अपना रोमांटिक पक्ष।

राजकुमार राव बॉलीवुड के सबसे स्वाभाविक अभिनेताओं में से एक हैं और उन्होंने 'स्त्री 2' के गाने 'तुम्हारे ही रहेंगे हम' से इस मानसून को रोमांटिक बना दिया है।

ऊर्जा से ओत प्रोत गीत 'आयी नई' के बाद, राजकुमार राव 'स्त्री 2' में साल का सबसे रोमांटिक गाना पेश कर रहे हैं।

प्रतिष्ठित अभिनेता राजकुमार राव अपने प्रशंसकों को फिल्म 'स्त्री' के सीक्वल के लिए उत्सुक करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। राव पहले ही फिल्म 'आयी नई' में अपने डांस से इंटरनेट पर तहलका मचा चुके हैं और अब वह एक रोमांटिक नंबर 'तुम्हारे ही रहेंगे हम' लेकर आए हैं। फिल्म में इस गाने को राव और खूबसूरत श्रद्धा कपूर ने गाया है और दोनों सितारों के बीच की केमिस्ट्री निश्चित रूप से किसी को मंत्रमुग्ध कर देगी। यहां विशेष ध्यान देने योग्य बात प्रेम की पवित्रता को चित्रित करने की राव की क्षमता है, जो फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बहुमुखी अभिनेता के रूप में उनकी पहचान की पुष्टि करती है।

वरुण जैन, शिल्पा राव, सचिन–जिगर और अमिताभ भट्टाचार्य के गीतों के साथ सनी द्वारा रचित, यह अपने पुराने अनुभव के लिए तुरंत ही लोगों का पसंदीदा बन जाएगा। इससे पहले, दर्शकों ने फिल्म के 'आई नई' और 'आज की रात' को काफी सराहा था। जहां 'आयी नई' को राव की सहज चाल के लिए सराहना मिल रही है, वहीं 'आज की रात' संगीत सूची में राज कर रही है।

मैडॉक फिल्म्स के साथ राव की हॉरर–कॉमेडी 'स्त्री 2' 15 अगस्त को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। राजकुमार राव जिन्होंने श्रीकांत और मिस्टर एंड मिसेज माही के साथ लगातार दो व्यावसायिक हिट फिल्में दीं, अब 'स्त्री 2' के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपनी तीसरी हिट पर नजर गड़ाए हुए हैं, और इस तरह, वह बॉक्स ऑफिस पर एक सर्वोत्कृष्ट हिट मशीन बन जाएंगे। यह राव की अब तक की सबसे बड़ी हिट फिल्म होगी। 'स्त्री 2' के अलावा राव 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में भी अभिनय करने जा रहे हैं। राजकुमार को बॉलीवुड का टैलेंट का पावरहाऊस कहा जाता है।

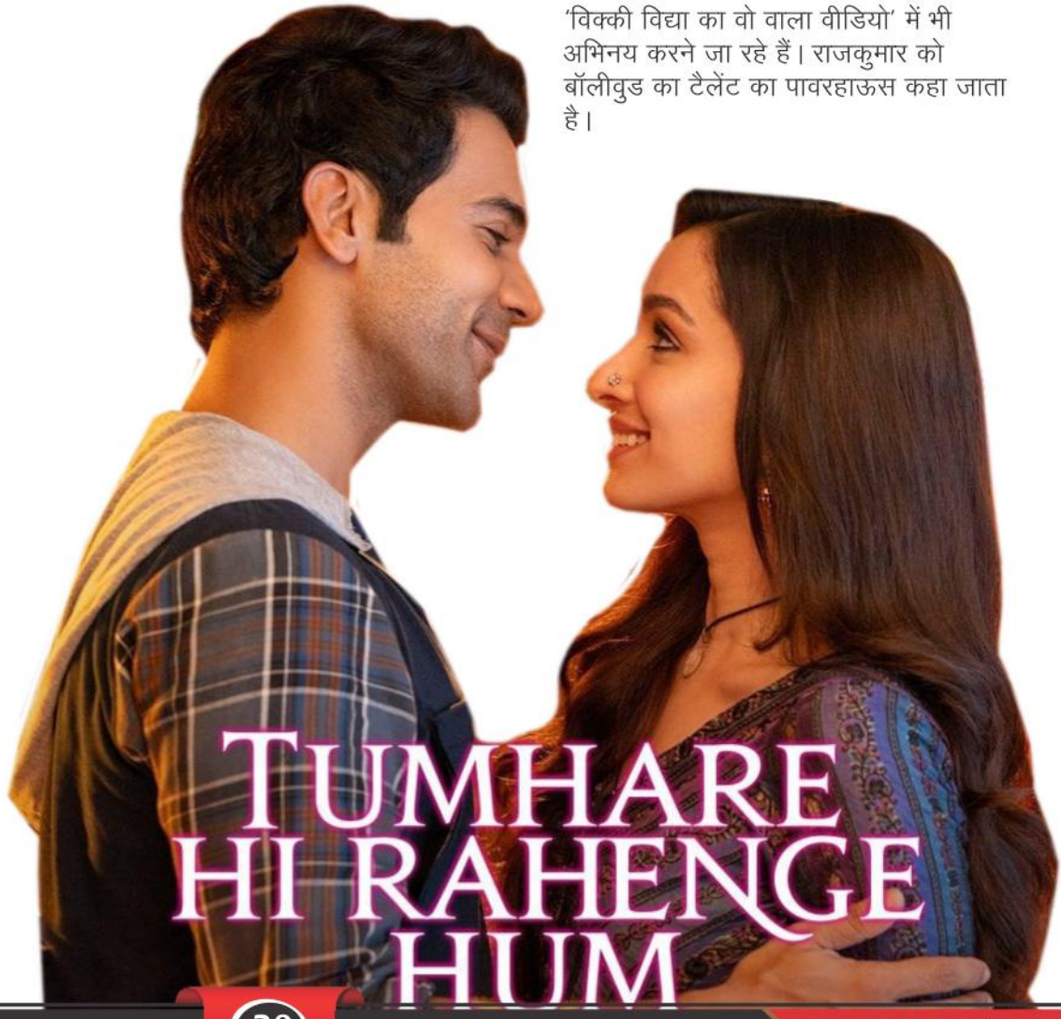

राजकुमार राव को वरुण धवन और श्रद्धा कपूर से हुई जलन?

-प्रीति शुक्ला

राजकुमार राव, वरुण धवन और श्रद्धा कपूर अभिनीत फिल्म "स्त्री 2" का बहुप्रतीक्षित गाना 'खूबसूरत' हाल ही में रिलीज हुआ है इस गाने में राजकुमार राव, वरुण धवन और श्रद्धा कपूर के बीच की केमिस्ट्री को दर्शाया गया है, जिसने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है लेकिन इस गाने के शूट के दौरान एक दिलचस्प घटना घटी, जिसमें राजकुमार राव ने वरुण धवन और श्रद्धा कपूर के बीच की नजदीकियों को देखकर थोड़ी जलन महसूस की आइए जानते हैं इस मजेदार किस्से के बारे में विस्तार से, बता दे 'खूबसूरत' गाने की शूटिंग के दौरान सेट पर काफी मस्ती और हंसी-मजाक का माहौल था इस गाने में वरुण धवन और श्रद्धा कपूर के बीच की रोमांटिक केमिस्ट्री को दिखाया गया है, जो दर्शकों को काफी पसंद आ रही है गाने के सेट पर सभी कलाकार एक-दूसरे के साथ मजाकिया अंदाज में पेश आ रहे थे

गाने के एक सीन में, जब वरुण धवन और श्रद्धा कपूर एक-दूसरे के साथ नजदीकी बढ़ा रहे थे, तब राजकुमार राव ने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्हें जलन हो रही है उन्होंने हंसते हुए कहा, "ये क्या हो रहा है? मुझे भी शामिल करो!" यह सुनकर वरुण और श्रद्धा समेत पूरे क्रू ने ठहाके लगाए राजकुमार का यह मजाकिया अंदाज सेट पर सबका मूड हल्का कर गया और सबके चेहरों पर मुस्कान ले आया 'खूबसूरत' गाने की धुन और इसके बोल दर्शकों के दिलों को छू रहे हैं गाने में वरुण और श्रद्धा की केमिस्ट्री काफी शानदार है, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा है राजकुमार राव का मजाकिया अंदाज और उनका जलन महसूस करना इस गाने की शूटिंग को और भी खास बना देता है गाने में रंगीन सेट, बेहतरीन कोरियोग्राफी और शानदार परफॉर्मेंस ने इसे और भी खास बना दिया है

रणवीर शौरी द्वारा कृतिका को किस करने पर अरमान ने दे दिया रिएक्शन

-असना जैदी

रणवीर शौरी और अरमान मलिक का बिग बॉस के घर में बेहद अच्छा बॉन्ड था. वहीं कुछ दिनों पहले बिग बॉस ओटीटी 3 के फिनाले का एक वीडियो काफी वायरल हुआ था जिसमें रणवीर शौरी कृतिका मलिक को किस करते हुए नजर आ रहे हैं. यही नहीं अब अरमान मलिक का इस वीडियो पर रिएक्शन सामने आया हैं.

आपको बता दें अरमान मलिक से एक यूजर ने उनके ब्लॉग में अरमान से पूछा कि जब रणवीर ने कृतिका को किस किया था तब उन्होंने कोई रिएक्शन क्यों नहीं दिया था. इस पर अरमान मलिक ने कहा, "सबसे पहले तो आपकी सोच और आपका नजरिया दोनों ही गलत है. वो इंसान 51 साल का है और मुझे और कृतिका को बच्चों की तरह ट्रीट करते है. जब कृतिका बाहर आईं तो वो शख्स उठकर आया और गले मिलने लगा. आपने देखा होगा कि जब बॉलीवुड स्टार्स मिलते हैं तो गले मिलते हैं. साइड हग करते हैं. कोई किस नहीं हुआ, मैंने वीडियो ध्यान से देखा. ये स्क्रिप्टेड नहीं था कि आपको फिर से गले लगना चाहिए. अपनी सोच बदलिए".

इस बारे में बात करते हुए पायल मलिक ने कहा सबकी सोच एक जैसी नहीं होती. उनकी सोच ऐसी नहीं थी, हग करना और किस करना. वह अरमान को बच्चे की तरह ट्रीट करते थे. जब मैं जा रही थी, तो उन्होंने मुझे भी गले लगाया और एक औरत को टच से पता चल जाता है कि कौन उसे किस तरह से छूआ जा रहा है.

दरअसल, सोशल मीडिया पर बिग बॉस ओटीटी 3 के फिनाले का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा था जिसमें अनिल कपूर द्वारा कृतिका के शो से बाहर होने की घोषणा के बाद के पल दिखाए गए थे. वीडियो में कृतिका मलिक को अनिल कपूर द्वारा उनके एलिमिनेशन की घोषणा के बाद सोफे से उठते हुए देखा जा सकता है. वह अपने साथी कंटेस्टेंट रणवीर शौरी को बाय कहते हुए शुभकामनाएं देती हैं. कृतिका कहती है कि "ऑल द बेस्ट, रणवीर जी". इसके बाद रणवीर कृतिका को गले भी लगाते हैं और उनके गालों पर किस भी करते हैं.

सलमान खान- संजय दत्त और एपी ढिल्लों का सॉन्ग 'Old Money' आउट

-असना जैदी

एपी ढिल्लों, सलमान खान और संजय दत्त 'ओल्ड मनी' नामक प्रोजेक्ट को लेकर साथ आ चुके हैं. वहीं एपी ढिल्लों, सलमान खान और संजय दत्त का नया सॉन्ग 'ओल्ड मनी' आज यानी 9 अगस्त को रिलीज हो गया है. सॉन्ग ओल्ड मनी में सलमान खान और एपी ढिल्लों का जबरदस्त एक्शन देखने को मिल रहा है.

एपी ढिल्लों ने कुछ दिन पहले बॉलीवुड के एक्शन स्टार सलमान खान और संजय दत्त के साथ मिलकर ओल्ड मनी की घोषणा करके अपने प्रशंसकों को चौंका दिया था. सलमान ने यह भी संकेत दिया कि एपी इस वीडियो में अभिनय करते हुए नज़र आएंगे. वहीं आज ओल्ड मनी सॉन्ग रिलीज हो चुका हैं. पांच मिनट और छह सेकंड के वीडियो में, एपी का दोस्त उसे अचानक जगाता है, और कहता है, 'एपी, वह यहां है!' वे सलमान खान को खोजने के लिए सीढ़ियों से नीचे भागते हैं, और अपनी जगह के बारे में पूछते हैं. फिर वीडियो एपी और उसके गिरोह के साथ एक नाटकीय लड़ाई के यीन्स में बदल जाता है. लेकिन जब वे संख्या में कम हो जाते हैं, तो सलमान उन्हें बचाने के लिए आते हैं. वे एक स्टाइलिश एंट्री करते हैं, उनके बाएं कंधे पर एक गुंडा लटका हुआ है. जब गुंडे घायल एपी को कुर्सी पर बंदी बनाते हैं, तो सलमान उनके पास जाते हैं. जल्द ही, एपी भी खुद भागने में सफल हो जाता है और अपने वास्तविक जीवन के सहयोगी और रील-लाइफ के खलनायक शिंदा कहलोन के पैर पर गोली मार देता है.

जैसे ही एपी शिंदा को मारने वाला होता है, उसे संजय दत्त का फोन आता है, जो खुद को "दत्त साहब" के रूप में पेश करता है, यह सरनेम उसके दिवंगत पिता और महान अभिनेता सुनील दत्त के लिए आरक्षित है.संजय फिर एपी से कहता है कि उसे उसके काम के लिए जाना जाना चाहिए, न कि उसकी हिंसा के लिए. फिर स्क्रीन पर एक संदेश आता है जिसमें दर्शकों से "हिंसा को ना कहें" कहने के लिए कहा जाता है. वीडियो के अंत में दत्त साहब द्वारा सलमान खान को संबोधित करते हुए, 'भाईजान, मैं आज रात आपसे मिलूंगा' के साथ होता है".

संजय दत्त ने वीजा खारिज होने पर UK सरकार पर साधा निशाना

-असना जैदी

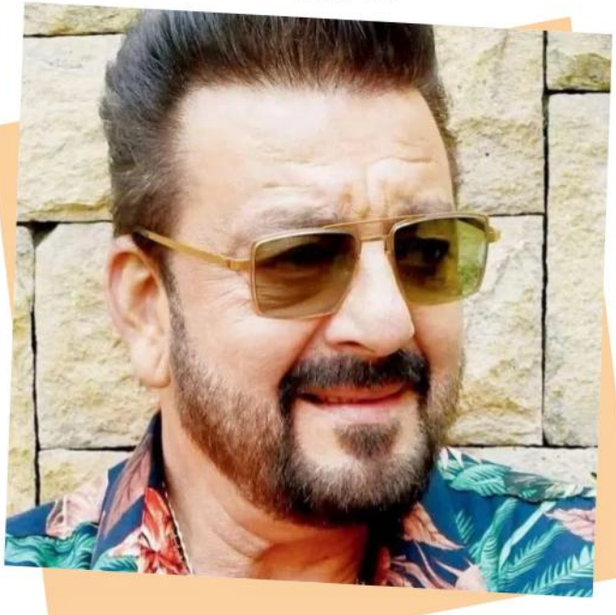

अजय देवगन और संजय दत्त की साल 2012 की कॉमेडी फिल्म सन ऑफ सरदार के सीक्वल में नजर आने वाले थे. लेकिन अब एक्टर इस फिल्म से बाहर हो चुके हैं जिसका कारण है यूके वीजा का खारिज होना हैं. वहीं अब संजय दत्त ने आखिरकार अपने पिछले आपराधिक रिकॉर्ड के कारण यूके वीजा आवेदन को खारिज किए जाने पर प्रतिक्रिया दी है.

संजय दत्त ने यूके वीजा आवेदन खारिज होने पर दिया रिएक्शन

आपको बता दें संजय दत्त की जगह रवि किशन को सन ऑफ सरदार 2 में लिया गया था क्योंकि वीजा खारिज होने के कारण वह शूटिंग के लिए स्कॉटलैंड नहीं जा पाए थे.वहीं संजय दत्त ने कहा कि यूके सरकार ने सही काम नहीं किया और खुद को कानून का पालन करने वाला नागरिक बताया.उन्होंने कहा, "मैं एक बात जानता हूं कि यूके सरकार ने सही काम नहीं किया.उन्होंने मुझे वीजा शुरू में दिया.यूके में सब पेमेंट हो गए थे.सब कुछ तैयार था.फिर एक महीने बाद, आप मेरा वीजा रद्द कर रहे हैं! मैंने आपको यूके सरकार को सभी कागजात और जरूरी सब कुछ दे दिया.आपने मुझे वीजा पहले स्थान पर क्यों दिया? आपको मुझे वीजा नहीं देना चाहिए था.आपको कानूनों को समझने में एक महीना कैसे लग गया?"

संजय दत्त ने किया यूके सरकार से आग्रह

इसके साथ संजय दत्त ने आगे कहा कि वह हर देश के कानून का सम्मान करते हैं और उन्होंने यूके सरकार से इसे 'सुधारने' का आग्रह किया.उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इस प्रोजेक्ट का हिस्सा न होने का कोई मलाल नहीं है.उन्होंने कहा, "वैसे भी यूके कौन जा रहा है? वहां बहुत सारे दंगे हो रहे हैं.यहां तक कि भारत सरकार ने भी एक बयान जारी किया है कि आपको यूके नहीं जाना चाहिए.इसलिए मैं कुछ भी मिस नहीं कर रहा हूं.लेकिन हां, उन्होंने गलत किया है.उन्हें इसे सुधारने की जरूरत है.मैं कानून का पालन करने वाला नागरिक हूं.मैं कानून के अनुसार चलता हूं और मैं हर देश के कानून का सम्मान करता हूं".

शाहरुख खान और सुहाना की फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे मुंज्या फेम अभय वर्मा

-असना जैदी

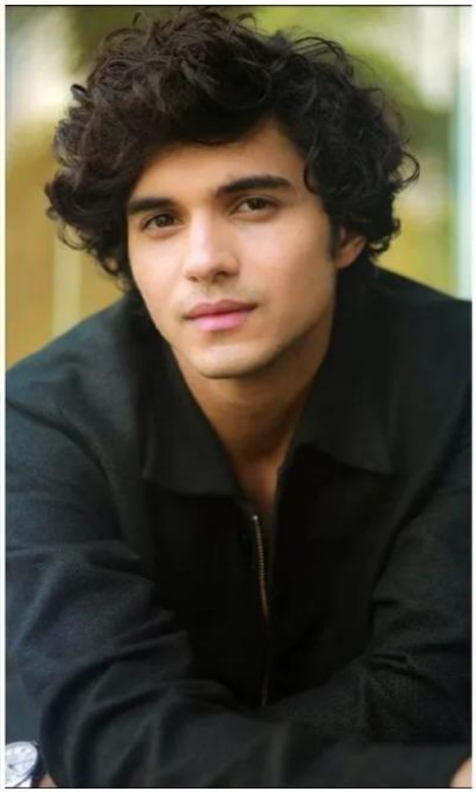

साल 2023 में 'पठान' और 'जवान' से शानदार वापसी करने वाले बॉलीवुड के बादशाह यानी शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म 'किंग' काफी चर्चा में बनी हुई हैं. इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी अभिनय करती नजर आएंगी. वहीं फिल्म को लेकर लेकर लेटेस्ट जानकारी सामने आ रही हैं किंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए अभय वर्मा भी शामिल हो गए हैं.

किंग में नजर आएंगे अभय वर्मा

दरअसल, सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, "अभय वर्मा को मुंज्या में उनके प्रदर्शन के लिए बहुत सराहना मिली वह इस टेंटपोल फीचर फिल्म में काम करने के लिए उत्साहित हैं. किंग के लिए कास्टिंग जोरों पर चल रही है. जबकि स्क्रिप्ट लॉक हो गई है. निर्माताओं ने भारत और विदेशों में शूटिंग स्थानों की भी पहचान की है. प्रोडक्शन टीम अब शाहरुख खान, सुहाना खान और अभिषेक बच्चन के साथ पूरी कलाकारों की टुकड़ी को लाने के अंतिम चरण में है, क्योंकि उनका लक्ष्य नवंबर 2024 से फिल्म को फ्लोर पर ले जाना है". इस खबर के सामने आने के बाद ऐसा लग रहा है कि अभय 'किंग' में सुहाना खान के साथ रोमांस करते नजर आ सकते हैं.हालांकि अभी तक यह खुलासा नहीं हुआ है कि अभय वर्मा 'किंग' में क्या रोल निभा सकते हैं.

लंदन में चल रही हैं फिल्म 'किंग' की शूटिंग

फिलहाल फिल्म 'किंग' की शूटिंग की तैयारियां इन दिनों लंदन में जोर-शोर से चल रही हैं और सुजॉय और शाहरुख की पूरी टीम वहां स्थानीय व्यवस्थाओं को पूरा करने में बिजी है. बतौर निर्माता सिद्धार्थ आनंद भी इन तैयारियों को जुटे हैं. शाहरुख ने पिछले साल सिद्धार्थ की फिल्म 'पठान' से चार साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की थी और इस फिल्म के सीक्वल की शूटिंग भी इसी साल शुरू होने की बात कही जा रही है. फिल्म 'किंग' की शूटिंग नवंबर में शुरू होगी और यह फिल्म अगले साल दिसंबर 2025 में रिलीज हो सकती है.

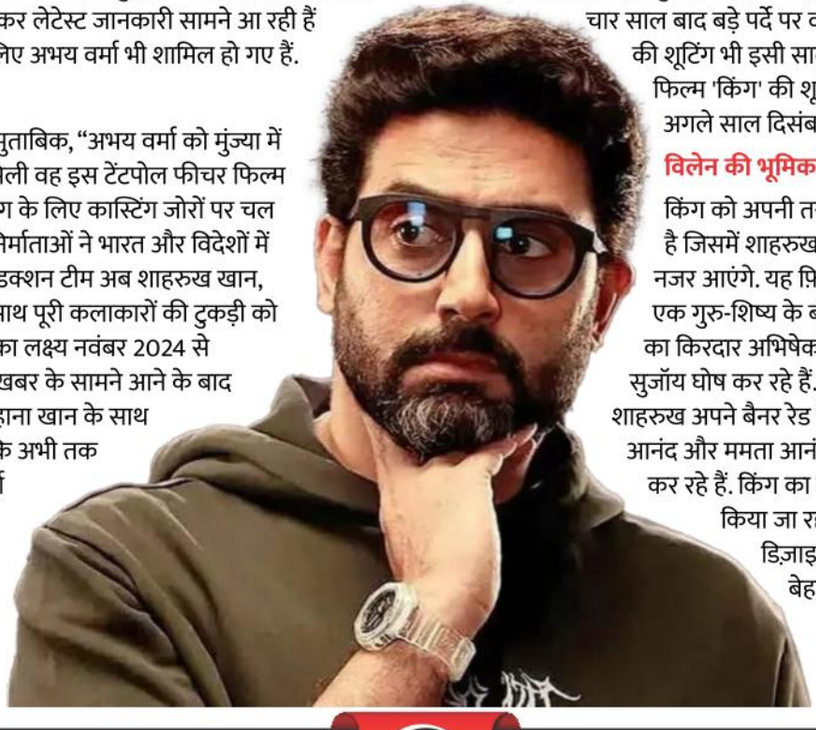

विलेन की भूमिका में नजर आएंगे अभिषेक बच्चन

किंग को अपनी तरह की अनूठी एक्शन थ्रिलर माना जा रहा है जिसमें शाहरुख खान एक रॉ और रफ एक्शन अवतार में नजर आएंगे. यह फ़िल्म शाहरुख़ और सुहाना खान के बीच एक गुरु-शिष्य के बंधन को दर्शाती है. इस फिल्म में विलेन का किरदार अभिषेक बच्चन निभाएंगे. फिल्म का निर्देशन सुजॉय घोष कर रहे हैं. इस एक्शन से भरपूर थ्रिलर का निर्माण शाहरुख अपने बैनर रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तहत सिद्धार्थ आनंद और ममता आनंद के प्रोडक्शन हाउस मार्फ्लिक्स के साथ कर रहे हैं. किंग का संगीत और बैकग्राउंड स्कोर अनिरुद्ध द्वारा किया जा रहा है, जबकि टीम ने एक्शन सीक्वेंस को डिज़ाइन करने के लिए सभी जगह से कुछ बेहतरीन नामों को शामिल किया है.

जया बच्चन को क्यों एतराज है अपने नाम के साथ पति अमिताभ बच्चन का नाम जोड़ने से?

– शरद राय

पूरी सदन में लोग भौचक्के रह गए जब चेयरमैन की सीट से समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन का नाम पुकारा गया ''जया अमिताभ बच्चन !'' अपनी सीट पर बैठी जया बच्चन ने कड़ा विरोध दर्ज करते कहा––''सर, ओनली जया बच्चन वुड हैव सफिसेड.'' (सिर्फ जया बच्चन कहना ही पर्याप्त है।) वह ऐसा क्यों बोली यह तो वह बाद में बताई लेकिन उस समय सभागृह में बैठे तमाम सांसदों के दिमाग मे तमाम तरह के फितूर आए गए होंगे, ऐसा सोचा जा सकता है। दरअसल जया का ऑब्जेक्शन इसलिए नहीं था कि वे पति अमिताभ बच्चन का नाम अपने नाम के साथ जोड़ने से परहेज करती हैं बल्कि इसलिए था कि उनके अपने वजूद का क्या?

देश की उच्च सदन राज्यसभा में जया बच्चन समाजवादी पार्टी की एमपी हैं। उप सभापति हरिबंश सिंह की चेयर से बारी बारी बोलने के लिए सांसदों को पुकारे जाने के क्रम में जब पुकारा गया ''श्रीमती जया

अमिताभ बच्चन'' तो जया जी ने कड़ा विरोध दर्ज करते कहा– 'सर, सिर्फ जया बच्चन बोलना ही पर्याप्त है।' इसपर सभापति ने मुस्कराते हुए कहा– आपका नाम रिकार्ड में इसीरुप में 'जया अमिताभ बच्चन' ही लिखा हुआ है।

दरअसल विरोध जो जया बच्चन ने दर्ज किया, उनका अभिप्राय पति (अमिताभ बच्चन) के नाम को लेकर नहीं था। उनका विरोध इसलिए था कि तब उनकी अपनी आइडेंटिटी क्या हुई जब पति के नाम से परिचय दिया गया तो ! लेकिन, जया बच्चन तो 7 बच्चन ही हैं, अपनी बातें बेरोक टोक अंदाज में कहने के लिए मशहूर हैं, यहां भी वही हुआ। सीधे शब्दों में कोई स्त्री अपने नाम से पति का नाम हटा देने की बात कहे तो बात कहां से कहाँ तलक जाएगी। खैर, बाद में उन्होंने अपनी बात स्पष्ट किया।

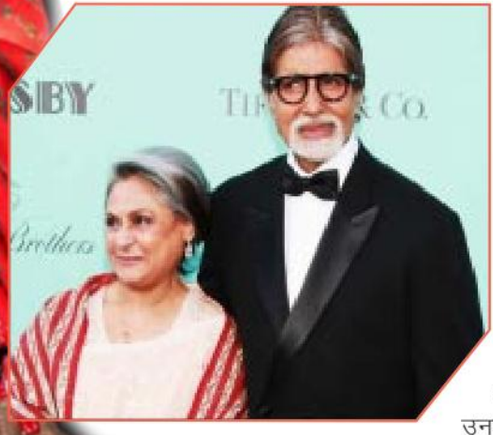

नारी सम्मान और उनकी आइडेंटिटी के लिए जागरूक जया बच्चन पहले भी एक्टिव रही हैं। हां, संसद भवन में अपनी बात पहली बार इस तरह कहकर वह जरूर दूसरे सांसदों को चौका दी होंगी। मिसेज बच्चन का उप सभापति की बात से संतुष्ट हुए बिना कहना था कि यह एक नई स्थिति है कि औरत की पहचान उसके पति के नाम से होती है। उसका (औरत) अपना औचित्य (एक्सिसटेंट) या कोई पहचान नहीं। उसकी अपनी पहचान उसके अपने काम से नहीं होती! बेशक सीनियर अभिनेत्री और सपा सांसद जया बच्चन का कहना बिल्कुल यथार्थ था लेकिन उनकी बात करने की शुरुआत चौकानें वाली थी।

यही तो जया बच्चन की स्टाइल है!

'खतरों के खिलाड़ी' के कैंडिडेट निमृत कौर अहलूवालिया ने ऊंचाई के डर पर काबू पाया

-सुलेना मजुमदार अरोरा

भारतीय टेलीविजन की बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में भारतीय रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' में भाग लिया। 'हालांकि वह बचपन से ही ऊंचाई के डर से पीड़ित थीं, लेकिन उन्होंने इस शो के दौरान सफलतापूर्वक अपने डर पर काबू पा लिया और ऊंचाई पर कई खतरनाक स्टंट किए।

शो के पहले हफ्ते में निमृत को सबसे कठिन स्टंटों में से एक को अंजाम देना था जहां उसे ऊंचाई के डर का सामना करना पड़ा। अपने दिमाग को तैयार करके और खुद को इसके लिए हेड ऑन रूप से रेडी करते हुए उसने न केवल उस टास्क को पूरा कर दिखाया, बल्कि जीवन भर के डर को खत्म करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी।

अपने अनुभव को याद करते हुए निमरित ने कहा, 'खतरों के खिलाड़ी' करना मेरे लिए एक जीवन बदलने वाला अनुभव रहा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं ऊंचाई के अपने डर पर काबू पा सकूंगी लेकिन शो ने मुझे ऐसा करने में मदद की। मैंने अपने बचपन के डर का सामना किया और अब एक से बढ़कर एक डरावने स्टंट को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम हूं, जिससे मुझे और अधिक आत्मविश्वास मिलता है। यह जानते हुए कि ऊंचाई पीएच है, मैं दृढ़संकल्पित हूं और मेरे सामने आने वाली हर परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार हूं

निमृत के लिए 'खतरों के खिलाड़ी' शो काफी चुनौतीपूर्ण रहा है लेकिन उन्होंने साबित कर दिया है कि वह एक फाइटर हैं। प्रशंसक और उनके चाहने वाले उनसे और अधिक डेंजरस स्टंट और उनकी बहादुरी और दृढ़ संकल्प की प्रतीक्षा कर रहे हैं जो वह अपने वीडियो में दिखाती हैं।

अली फ़ज़ल ने बाज़ लुहरमन, ब्लेक लाइवली के साथ वायरल फोटोशूट के पीछे की गुप्त सच्चाई का खुलासा किया

-सुलेना मजुमदार अरोरा

अली फ़ज़ल हमेशा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए तत्पर रहते हैं। शीर्षक यानी लीड भूमिका से लेकर ऑस्कर नामांकित निर्देशकों के साथ काम करने और पश्चिम के सबसे बड़े अभिनेताओं के साथ काम करने तक, अली ने बहुत ही शानदार प्रदर्शन के साथ पश्चिम में अपनी पहचान बनाई है। अली ने आखिरकार ब्लेक लाइवली शूट के दौरान, इन दिनों हर चैनेल और सोशल मीडिया पर अपनी वायरल तस्वीर का सच उजागर कर दिया है, जहां उन्होंने दिग्गज बाज लुहरमन और ह्यू जैकमैन के साथ शूटिंग की थी। जब अली एक "गुप्त प्रोजेक्ट " के लिए एलए में शूटिंग कर रहे थे, तब उन्हें एक फोन आया और वह मना नहीं कर सके क्योंकि जब बाज बुलाते हैं, तो कोई भी जाता है।

उन्होंने वायरल हो रही अपनी विवादास्पद तस्वीरों के बारे में बात करते हुए एक सोशल मीडिया पोस्ट में खुलासा किया, "ठीक है, अब मुझे इसे शांत करने दीजिए - हां, वह मैं ही हूं जो गुप्त रूप से रॉयल्टी के कपड़े पहने हुए, बाज़ लुहरमन के हिचकॉकियन व्होडुनिट कैसीनो दृश्य को क्रैश कर रहा है। हेहे! और इस खूबसूरत पहनावे के बाकी हिस्सों के लिए- मैं बाज़ @bazluhrmann के लिए कुछ भी क्या कह सकता हूँ। जब मुझे फोन आया तो मैं एलए में एक गुप्त प्रोजेक्ट की शूटिंग कर रहा था। और मैं वास्तव में भाग्यशाली हूं कि यह तीसरी बार था जब अन्ना विंटोर, जिन्हें मैं कभी भी पर्याप्त धन्यवाद नहीं दे सकता, ने मुझे अमेरिकी वोग की सैर के लिए बाहर बुलाया। तो, हम हवाई जहाज़ पर चढ़ते हैं और खेलते हैं। यह एक शॉट था, और बाज के आने की सबसे अच्छी बात यह थी कि उन्होंने पूरी चीज़ को दृश्यों की तरह शूट किया, इसलिए, उनके साथ काम करने का मेरा सपना सच हो गया है। खैर, पूरी तरह से नहीं - अभी नहीं, क्या? लगभग.. क्या??? .

और ब्लेक @blakelively आप एक रॉकस्टार हैं, मुझे उम्मीद है कि अच्छे समय में हमारे रास्ते फिर से मिलेंगे..

मिस्टर जैकमैन - ऐ ऐ। @thehughjackman

मैं स्टाइलिंग पर मेरे सुझाव देने के लिए @michael_philouze को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैंने @sabyasachiofficial की शाही शेरवानी बंद गाला पहन रखी है।

"Double ISMART" से संजय दत्त-राम पोथिनेनी स्टारर Big Bull गाना रिलीज़...

मायापुरी डेस्क

बहुप्रतीक्षित पैन इंडिया फिल्म **Double ISMART** की सिनेमाघरों में रिलीज के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है। उस्ताद राम पोथिनेनी अभिनीत और गतिशील निर्देशक पुरी जगन्नाथ के निर्देशन में बनी यह फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। संजय दत्त इस फिल्म में बिग बुल नामक खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं और काव्या थापर राम पोथिनेनी के साथ मुख्य अभिनेत्री हैं।

आज, निर्माताओं ने बिग बुल नामक एक विशेष गीत जारी किया। पुरी जगन्नाथ अपने खलनायकों को समान रूप से शक्तिशाली भूमिकाओं में प्रस्तुत करने के लिए जाने जाते हैं। एक कदम आगे बढ़ते हुए, उन्होंने Double ISMART में मुख्य खलनायक पर एक गीत शामिल किया। बिग बुल का किरदार - संजय दत्त द्वारा निभाया गया।

मणि शर्मा द्वारा रचित, "बिग बुल" एक जीवंत और ऊर्जावान गीत है जो दृश्य और श्रवण दोनों तरह से एक शानदार नज़ारा पेश करता है। एक उच्च-ऊर्जा, उत्सव के माहौल में सेट किया गया यह गीत फिल्म के प्रमुख पात्रों को एक साथ लाता है, जिसमें काव्या थापर ने ग्लैमर का तड़का लगाया है। उनका संयुक्त प्रदर्शन डांस फ़्लोर को प्रज्वलित करता है।

भास्कर भटला रवि कुमार के बोल बिग बुल के चरित्र के सार को समेटे हुए हैं, जो गीत में गहराई और व्यक्तित्व जोड़ते हैं। प्रुथ्वी चंद्रा और संजना कलमंजे की आवाज़ें ट्रैक में और भी ऊर्जा भर देती हैं।

Double ISMART का निर्माण पुरी कनेक्ट्स के बैनर तले पुरी जगन्नाथ और चार्ममे कौर ने किया है। छायांकन सैम के नायडू और गियानी गियानेली ने किया है। Double ISMART स्वतंत्रता दिवस पर दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी, यह फिल्म तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी।

एमसी स्टेन और किंग का 'फक वॉट दे से' 24 घंटों में दूसरा सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला गाना बना

—मायापुरी प्रतिनिधि

अपनी बोल्ड और आकर्षक रैप शैली के लिए मशहूर रैपर एमसी स्टेन ने 'बस्ती का हस्ती' और 'तड़ीपार' जैसे बेहतरीन हिट गानों के साथ भारतीय हिप–हॉप जगत में अपनी उपस्थिति मजबूती से स्थापित कर ली है। अपने कच्चे, सम्मोहक गीतों और विशिष्ट आवाज के लिए मशहूर एमसी स्टेन अपने अनोखे संगीत दृष्टिकोण से दर्शकों को आकर्षित करना जारी रखते हैं।

हाल ही में, एमसी स्टेन ने किंग के साथ मिलकर 'फक व्हाट दे से' नामक एक नया ट्रैक बनाया है। यह बोल्ड और बेबाक एंथम व्यक्तित्व का जश्न मनाता है और सामाजिक मानदंडों को चुनौती देता है। इस गाने में एक आकर्षक बीट और कच्ची ऊर्जा है, लेकिन यह शक्तिशाली बोल हैं जो वास्तव में प्रभाव डालते हैं।

कल ही रिलीज होने के बाद से ही 'फक व्हाट दे से' ने संगीत की दुनिया में तेजी से धूम मचा दी है। 24 घंटे से भी कम समय में, यह गाना इस अवधि के दौरान दुनिया भर में दूसरा सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला वीडियो बन गया है, जो दुनिया भर के श्रोताओं के साथ इसके तत्काल और शक्तिशाली जुड़ाव को दर्शाता है।

संगीत वीडियो की सफलता इसके लाइक काउंट से कहीं आगे तक फैली हुई है। इसने सिर्फ 24 घंटों में YouTube के ट्रेंडिंग चार्ट पर #4 स्थान भी हासिल कर लिया है। यह उच्च रैंकिंग ट्रैक की व्यापक लोकप्रियता को दर्शाती है और संगीत उद्योग में जोड़ी के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करती है। जैसे–जैसे 'फक व्हाट दे से' गति प्राप्त कर रहा है, यह एमसी स्टेन और किंग की संगीत बनाने की क्षमता को उजागर करता है जो प्रशंसकों के साथ गहराई से जुड़ता है और उनके करियर में भविष्य की उपलब्धियों के लिए मंच तैयार करता है।

सन नियो के कलाकार देवोलीना भट्टाचार्जी, नीलू वाघेला और लक्ष्य खुराना ने श्रावण के महत्व को लेकर कही ये खास बातें, जानें

—मायापुरी प्रतिनिधि

श्रावण का महीना भगवान शिव के लिए समर्पित है। इसका अपना आध्यात्मिक महत्व है, जिसके दौरान लोग शिव जी की उपासना करते हैं। इस शुभ समय के दौरान, सन नियो के कलाकार ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों और श्रावण के दौरान अपनाए जाने वाले अभ्यासों के बारे में खुलकर बात की। 'छठी मैया की बिटिया' शो में छठी मैया का किरदार निभाने वाली देवोलीना भट्टाचार्जी, 'साझा सिंदूर' शो में माँ हुकुम का किरदार निभाने वाली नीलू वाघेला और 'इश्क जबरिया' शो में आदित्य की मुख्य भूमिका निभाने वाले लक्ष्य खुराना ने अपने मत साझा किए।

देवोलीना भट्टाचार्जी का कहना है कि श्रावण उनके लिए विशेष महत्त्व रखता है, वह इसके आगमन का बेसब्री से इंतजार करती हैं। उनके दिन की शुरुआत महादेव की प्रार्थना से ही होती है। वही नीलू वाघेला का मानना है कि यह एक पावन महीना है, जिसमें लड़कियाँ और महिलाएँ मेहंदी लगाकर, हरी चूड़ियाँ पहनकर खुद को सजाती और सँवारती हैं। शिव जी की आराधना करने से लड़कियों को उनका मन चाहा पति मिलता है और महिलाओं के पतियों की उम्र लंबी होती है। श्रावण को लेकर लक्ष्य खुराना का कहना है की श्रावण केवल भक्ति का मास नहीं है, बल्कि भगवान शिव के साथ से जुड़ने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का समय भी है।

इस नेशनल बुक लवर्स डे पर, जी टीवी के कलाकारों ने बताई अपनी जिंदगी में पढ़ने की अहमियत

–शिल्पा पाटिल

हर साल 9 अगस्त को नेशनल बुक लवर्स डे मनाया जाता है, ताकि लोगों के मन में सीखने और पढ़ने का सुकून और पुस्तकों के प्रति जिज्ञासा पैदा हो। यह पुस्तक प्रेमियों को अपनी पसंदीदा पुस्तकों में डूबने, नई–नई चीजों के बारे में जानने और साहित्य के प्रति अपने जुनून को दूसरों के साथ साझा करने का मौका देता है। यह दिन पढ़ने के महत्व और मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव पर रोशनी डालता है। इस खास दिन के मौके पर, कुंडली भाग्य की श्रद्धा आर्य, कुमकुम भाग्य की राची शर्मा, प्यार का पहला नाम राधा मोहन के मनित जौरा और भाग्य लक्ष्मी की ऐश्वर्या खरे सहित जी टीवी के कलाकारों ने किताबों और पढ़ने के अपने शौक के बारे में दिलचस्प बातें बताईं। आइए जानते हैं क्या कहते हैं जी टीवी के सितारे...

जी टीवी के कुंडली भाग्य में प्रीता का रोल निभा रहीं श्रद्धा आर्य बताती हैं, ''जब भी मेरे पास खाली वक्त होता है, तब मुझे एक अच्छी किताब पढ़ना अच्छा लगता है। अपने व्यस्त शूटिंग शेड्यूल के बावजूद, एक दिलचस्प नॉवेल पढ़ने के बाद मैं हमेशा खुश और तरोताजा महसूस करती हूं। बचपन से ही मेरी किताबों का कलेक्शन बढ़ता जा रहा है और वे हमेशा मेरा दिन खुशनुमा बना देती हैं। सच कहूं तो अब मैं भूल चुकी हूं कि मेरे पास कितनी किताबें हैं या मैंने कितनी किताबें पढ़ी हैं। किसी कहानी में खो जाना वाकई जादुई एहसास होता है, जहां हर पन्ना एक नए रोमांच में बदल जाता है और हर किरदार एक पुराने दोस्त की तरह लगता है। मुझे हमेशा से किताबें पढ़ना पसंद है और मेरा घर भी किताबों के प्रति मेरे जबर्दस्त शौक को दर्शाता है। अब मेरे पास इतनी किताबें हैं कि मैं अपनी वैनिटी वैन में एक बुकशेल्फ भी रख सकती हूं। मैं इतिहास, फिटनेस, लव स्टोरी, रहस्य, ड्रामा और भावनात्मक स्वास्थ्य से जुड़ीं कई तरह की किताबें पढ़ती हूं। देखा जाए तो पढ़ना मेरा जुनून है जो मुझे ज्ञान और खुशी देता है। किसी किताब के किरदार से मेरा जुड़ाव एक अलग दुनिया में जीने जैसा है। आइए उन कहानियों को संजोये जो हमें आकार देती हैं, हमें सिखाती हैं और हमें पन्नों में छिपे जबर्दस्त रोमांच से रूबरू कराती हैं। सभी साथी पाठकों को नेशनल बुक लवर्स डे की शुभकामनाएं!''

जी टीवी के भाग्य लक्ष्मी में लक्ष्मी के रोल में नजर आ रहीं ऐश्वर्या खरे ने कहा, ''जब मैं छोटी थी, तो मुझे किताबें पढ़ना पसंद नहीं था, मैं टीवी देखना पसंद करती थी। लेकिन जब मैं हाई स्कूल में पहुंची और मैंने हैरी पॉटर नामक एक पॉपुलर नॉवेल सीरीज पढ़ी, तो सब कुछ बदल गया। तब से, मैं हैरी पॉटर की फैन बन गई हूं और अब हमेशा अच्छी किताबों की तलाश में रहती हूं। मुझे बहुत अच्छा लगता है कि कैसे जे. के. रोलिंग ने फिल्मों को इतना रियल और प्रासंगिक बना दिया। अब पढ़ना मेरा कम्फर्ट जोन है, यहां तक कि भाग्य लक्ष्मी के सेट पर भी मैं ब्रेक टाइम में पढ़ने में अपना समय बिताती हूं। मैं हर महीने कम से कम एक किताब पढ़ने की कोशिश करती हूं और मुझे लगता है कि यह मेरी सबसे अच्छी आदतों में से एक है क्योंकि यह मेरे लिए तनाव दूर करने का भी काम करती है। इस नेशनल बुक लवर्स डे पर, मैं चाहती हूं कि ज्यादा से ज्यादा लोग किताबें पढ़ने की आदत डालें।''

जी टीवी के कुमकुम भाग्य में पूर्वी का रोल निभा रहीं राची शर्मा ने कहा, ''किताबें पढ़कर मुझे सुकून मिलता है और ये खुशी और मुश्किल दोनों ही पलों में मेरी मार्गदर्शक रही हैं। मुझे अब भी याद है कि अपने शुरुआती स्कूली दिनों में मैं अपने लिए पढ़ने के लिए नई किताबें खोजने के लिए अपने आसपास की लाइब्रेरी में जाती थी। हालांकि मैंने कई भारतीय और अमेरिकी सीरीज और फिल्में स्क्रीन पर देखी हैं, लेकिन उनकी किताबें पढ़ना मुझे रोमांच से भर देता है। बचपन की क्लासिक किताबों के पुराने पन्नों से लेकर मुश्किल वक्त में सुकून देने वाले नॉवेल्स तक, किताबें मेरी हमेशा की साथी रही हैं। आज, जब हम पढ़ने के प्रति अपने प्यार का जश्न मना रहे हैं, तो मुझे वो बहुत से संसार याद आ रहे हैं, जिन्हें मैंने किताबों के जरिए खोजा है और अनमोल यादें बनाई हैं। मैं नई कहानियों की खोज करने की खुशी और पुरानी पसंदीदा कहानियों के सुकून को सलाम करती हूं! सभी को नेशनल बुक लवर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं।''

प्यार का पहला नाम राधा मोहन में युग का रोल निभा रहे मनित जौरा ने कहा, ''किताबें मेरी हमेशा की साथी रही हैं, जो सुकून, ज्ञान और प्रेरणा का अंतहीन जरिया हैं। किताबें मुझे असल दुनिया से दूर ले जाती हैं। साइकोलॉजी की किताबों के एक उत्साही प्रेमी के रूप में, मुझे इंसानी मन की पेचीदगियों को तलाशने में बहुत खुशी मिलती है। इन किताबों ने न सिर्फ इंसानी व्यवहार की मेरी समझ को बढ़ाया है, बल्कि मेरे व्यक्तिगत विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस नेशनल बुक लवर्स डे पर, मैं साहित्य की परिवर्तनकारी शक्ति को सेलिब्रेट करता हूं और सभी को किताबों की दुनिया में गहरे उतरने के लिए प्रोत्साहित करता हूं, क्योंकि उनमें गहरे ज्ञान और आत्म–खोज की चाबी है। हर पन्ना पलटना मेरे और मेरे आस–पास की दुनिया के साथ गहरे संबंध की ओर एक कदम रहा है। आइए पढ़ने के जादू को अपनाएं और अकल्पनीय तरीकों से अपने जीवन को समृद्ध बनाएं।''

बंगला देश की हिंसक आगजनी में झुलस गया सिंगर राहुल आनंदो का आशियाना। बहुत से कलाकार हुए बेघर

–शरद राय

जब हिंसा और आगजनी होती है तो वो ना व्यक्ति को पहचाने और ना उसकी हैसियत को। बंगला देश में

फैली आगजनी को मिलने वाला फ्यूल भले ही राजनीति प्रेरित हो या पड़ोसी देश की कारगुजारी हो, भुगतना पड़ रहा है सीधी सादी जनता को, वहां बसे हिन्दू समुदाय को और कोमल हृदय कलाकारों को, जो पूरी दुनिया को अपना घर समझते हैं। बसुधैव कुटुम्बकम की भावना से ओतप्रोत गायक संगीतकार राहुल आनंदो (राहुल आनंद) का घर ढाका में जलकर स्वाहा हो गया है। वह जान बचाने के लिए अपने परिवार सहित किसी गुप्त जगह में छिप गए बताए जा रहे हैं।

राहुल आनंदो एक अंतराष्ट्रीय गायक, संगीतकार, विजुअल आर्टिस्ट, एक्टर हैं जो बंगला देश कि राजधानी ढाका में रहते हैं। वह भारत सहित यूके, जापान, ब्राजील मिश्र के देशों में परफॉर्म किये हैं। उनकी लोक प्रियता और उन्हें सुनने– पसंद करने वालो की बड़ी संख्या है। जिस तरह भारत आने वाले मेहमान मुंबई आने पर अमिताभ बच्चन को मिलना पसंद करते हैं वैसे ही बंगलदेश में ढाका आए मेहमान राहुल आनंदो के यहां जाना पसंद करते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो अपनी बंगला देश विजिट में राहुल आनंदो के घर गए थे और उनके तथा उनके घर पर रखे हुए 300 हैंडमेड म्यूजिक इंस्ट्रमेंट्स के साथ तस्वीरें खिंचवाए थे। राहुल आनंदो का वह आशियाना और उनके म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट दंगाईयों ने जलाकर राख कर दिया है। राहुल आनंदो का ढाका में एक बैंड है 'फोक बैंड जोलेर' जिससे जुड़े म्यूजिशियन दुनिया भर में शो करने जाते हैं। यह बैंड 2006 में बनाए गए गान से जुड़ा है।

सिर्फ राहुल आनंदो ही नहीं बंगला देश फिल्म इंडस्ट्री (ढोलीवुड) से जुड़े तमाम कलाकार हिंसा की चपेट में फंसे हैं। दहशत गर्द यूं तो शेख हसीना और उनकी पार्टी के विरुद्ध सड़क पर उतरे हैं किंतु वे टारगेट हिंदुओं और उनके घरों को कर रहे हैं। जब पड़ोस में आग लगती है तो सभी को अपने घर की चिंता घेर लेती है। बंगला देश के सभी फिल्म व टीवी कलाकार राहुल आनंदो का घर जलाए जाने के बाद छुपकर बैठे हैं।

बंगला देश के बहुत से कलाकार बॉलीवुड में भी काम करते हैं, वे सब दहशत में हैं क्या होगा उनके घरों का, उनके लोगों का ! बंगला अभिनेत्री नुसरत फरिया (जो बंगबंधु के जीवन पर बनी फिल्म 'मुजीब– द मेकिंग ऑफ नेशन' में शेख हसीना की भूमिका की हैं) उन्होंने भी अपना संपर्क कट कर लिया है क्योंकि वह शेख हसीना को पर्दे पर जी चुकी हैं। वैसे तो, बंगला देशी आर्टिस्ट जो वहां के सिनेमा पर्दे से जुड़े हैं जैसे– पोरी मोनी, रफियत रसीद, विद्या सिन्हा सहा मीम , सलमान शाह, रज्जाक, रिकिता नन्दिनी शिमु, साकिब खान आदि कलाकार– ये सभी डरे हुए हालात में ही होंगे क्योंकि राहुल आनंदो जैसे कलाकार का 400 साल पुराना घर जलाए जाने के बाद उनकी प्रतिक्रयाएँ बाहर नहीं आ रही हैं।

सचमुच हिंसा–आग जनी कहीं भी हो, किसी भी रूप में हो, वो नरम दिल कलाकारों का भी लिहाज नही करती। उम्मीद है बंगला देश मे नव गठित अंतरिम सरकार हिंदुओ और कलाकारों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देगी।

कॉमेडी फिल्म 'प्रोब्लम तो है' का ट्रेलर व प्रिव्यू दिखाया गया व्यंजन बैंक्वेट हाल में

–माधुरी राय

सफ्रासो एंटरटेनमेंट और साईं चलचित्र के बैनर तले बनी निर्माता जैकॉब सोनावने की हिन्दी फिल्म "प्रोब्लम तो है" का ट्रेलर पिछले दिन व्यंजन बैंक्वेट हॉल मुंबई में एक भव्य समारोह में दिखाया गया। इस अवसर पर फिल्म जगत के कई नामी गिरामी हस्तियां मौजूद थीं। फिल्म 'फूल टू' कॉमेडी में है। मुश्ताक खान और एहसान कुरैशी फुल टू धमाल कॉमेडी करते नजर आते हैं।

फिल्म के निर्देशक विशन यादव हैं 'प्रोब्लम तो है' में सुनील सोनावने और पूर्व मिस महाराष्ट्र निकिता पोटे की मुख्य रोमांटिक जोड़ी है। जॉनी मंसूर की कॉमिक भूमिका भी असरदार है। अन्य कलाकारों में भूपिंदर सिंह, दीपक कुमार, उमानाथ पाठक, मौसमी, अनुपमा प्रकाश, पूजा दत्ता और जगदीश विजयवर्गी प्रमुख हैं।

"प्रोब्लम तो है" के लेखक अहमद सिद्दीकी, गीतकार राजेश घायल व अहमद सिद्दीकी तथा संगीतकार राजेश घायल व बाबा जागीरदार हैं। सरफराज खान एवं नरेन्द्र चौहान का नृत्य निर्देशन है तो मारधाड़ परवेज अहमदावादी का है, जयंत चौहान व अमित कसेरा एडिटर हैं। विशन यादव व शेर अली कैमरामैन हैं। डिजिटल कार्य प्रशांत यादव और मीमो जादव का है, डिस्ट्रीब्यूटर्स संजय जोशी व मीमो जादव (जादव फिल्म्स वाले) हैं। को–प्रोड्यूसर वर्षा सोनावने हैं। असिस्टेंट डायरेक्टर उमानाथ पाठक और ऋषभ दुबे हैं। अमरनाथ विश्वात्मा तथा देवराज राय कास्टिंग डायरेक्टर्स हैं। फिल्म 22 अगस्त 2024 को थियेटरों में रिलीज होगी।

कितनी समानता है रीयल और पर्दे की कहानी में:

विनेश फोगाट का '100 ग्राम' बढ़ा वजन याद दिलाता है फिल्म 'रश्मि राकेट' की धावक (तापसी पन्नू) के बढ़े 'टेस्टोस्टेरॉन' टेस्ट की

—शरद राय

पेरिस ओलंपिक में भारत की फ्री स्टाइल कुश्तीबाज विनेश फोगाट के साथ जो हुआ है उससे अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक संघ के खिलाफ पूरे देश मे गुस्सा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विनेश के लिए शांतवना के जो शब्द संदेश भेजे हैं, वही एहसास पूरे देश को है। गोल्ड मेडल को चूमने की हद तक जाकर विनेश खाली हाथ भारत लौट आयी हैं। प्रधानमंत्री ने लिखा है– 'विनेश आप चैंपियनों की चैंपियन हो। आप भारत का गौरव और हर एक भारतीय के लिए प्रेरणा हैं। आज के सेटबैक ने दुखी किया है। काश मैं जिस पीड़ा को अनुभव कर रहा हूं उसे शब्दों में कह पाता।'

स्मरण के लिए बता दें कि विनेश ने पेरिस में आयोजित ओलंपिक में दर्शकों पर अपना प्रभाव शुरूआत से ही जमा लिया था। वह प्री– क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नम्बर एक खिलाड़ी जापान की युई सुसाकी को हराई तो लोगों में हर्ष की सीमा नहीं रही। फिर सेमी फाइनल में क्यूबा की गुजमैन लोपेज को हराकर विनेश ने सिल्वर मेडल पर अपनी जीत पक्की की और ओलंपिक खेलों में भारत का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। देशवासियों में खुशी की लहर दौड़ गयी कि भारत की बेटी अच्छा कर रही है। अब नजर थी लोगों को कि विनेश फोगाट गोल्ड मेडल को पक्का हासिल करेगी।

50 किलोग्राम भार वर्ग के इवेंट में रजत पदक पाना पक्का हो गया तो गोल्ड पदक के पहले पेरिस ओलम्पिक में खेला हो गया... अब वो सपना टूट चुका है। विनेश फोगाट खेल की सुबह जब वजन किए जाने की प्रक्रिया से गुजरी तब उनका वजन 50 किलोग्राम से 100 ग्राम ज्यादा था। पिछली शाम को वजन बराबर हो और सुबह कुछ ग्राम बढ़ जाए तो कहीं तो कुछ गड़बड़ है, हर भारतीय के मन में यही सवाल है। लोग कह रहे हैं कि नियमों की बदमाशी के हवाले सब हुआ है। विनेश को ना सिर्फ गोल्ड रेस की कुश्ती में शामिल होने से डिसक्वालीफाई किया गया, वह मैदान में उतरने से रोक दी गयी, बल्कि उनको पिछले जीते हुए मेडल को भी मिलने से वंचित होना पड़ा। भारत की होनहार खिलाड़ी खाली हाथ भारत वापस लौट आयी है।

ऐसी ही स्थितियां खड़ी थी कुछ समय पहले ओटीटी पर आई बॉलीवुड फिल्म 'रश्मि राकेट' में। ऐसे ही हालातों की शिकार होती है भारतीय धावक (तापसी पन्नू) जो अंततः फाइट करती है। वह इंडियन खेलों में भारत की जीत के लिए जो संघर्ष करती है, लोग सोशल मीडिया पर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक खेल असोसिएशन से वैसी ही लड़ाई लड़ी जाने की अपील कर रहे हैं। रियल लाइफ ड्रामा (विनेश फोगाट का डिस्क्वालिफाई किया जाना) और फिल्मी ड्रामा ('रश्मि राकेट' की नायिका का टेस्टोस्टेरॉन टेस्ट किया जाना) एक जैसी नियति की और संकेत करता है। फिल्म और असली जिंदगी का थ्रिल एक जैसा है। विनेश फोगाट के संघर्ष में 'वजन' को मसला बनाया गया है फिल्म 'रश्मि राकेट' में नायिका को टेस्टोस्टेरॉन टेस्ट से गुजरना पड़ता है। खेलों की राजनीति में ऐसे हथकंडे प्रायः हो रहे हैं। दुती चंद और पिंकी

प्रामाणिक जैसी खिलाड़ियों के साथ ऐसा हो चुका है। इस ओलंपिक में भी, भारतीय हॉकी खिलाड़ी अमित रोहिदास और मुक्केबाज निशांत देव को भी नियमों के हवाले खेल से बाहर होना पड़ता है। आखिर यह कब तक चलता रहेगा ?

फिल्म 'रश्मि रॉकेट' में तापसी एक धावक की भूमिका में है जिसे लिंग परीक्षण के लिए मजबूर किया जाता है, उसका टेस्टोस्टेरॉन बढ़ा हुआ बताया जाता है यानी–उसमें पौरुष तत्व गुण ज्यादा है। इस ग्राउंड पर वह खेल में भागीदारी से रोकी जाती है। वह भारत के एथेलेटिक्स संघ को चुनौती देती है। अपना खोया हुआ सम्मान और पहचान पाने के लिए कानूनी रास्ता अपनाती है। फिलहाल वो फिल्म थी। फिल्म जैसी ही घटना रियल लाइफ में हो तो क्या करें?

NO ONE CAN SHINE YOUR BRAND AS

DOES.

BRIGHT OUTDOOR

PRINT TV RADIO PR DIGITAL
CELEBRITY EVENTS & CREATIVES

PAN INDIA & INTERNATIONAL OOH

info@brightoutdoor.com | www.brightoutdoor.com | +91 9320971103

सागर: एक मंत्रमुग्ध करने वाली क्लासिक

(9 अगस्त 1985 रिलीज़ दिनांक.. मुख्य थिएटर न्यूएक्सेलसियर)

-सुलेना मजुमदार अरोरा

सागर - - सुप्रसिद्ध निर्देशक रमेश सिप्पी की वो कृति जिसने अपनी रिलीज़ के दशकों बाद भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रखा है। 9 अगस्त 1985 को रिलीज़ हुई यह फ़िल्म प्रेम , जुनून और विज़न का एक अद्भुत संगम था। यह लेख इस एवरग्रीन फिल्म की शुरुआत से लेकर इसकी अटल विरासत तक इसे जीवंत बनाने की जटिल प्रक्रिया पर प्रकाश डालता है।

सागर की आत्मा निस्संदेह इसकी पटकथा थी, जिसे कलम के जादूगर जावेद अख्तर ने लिखा था। उन्होंने गोवा की सुरम्य पृष्ठभूमि पर आधारित एक प्रेम, नाकामी और त्याग की कहानी गढ़ी। अख्तर की कहानी का हर एक शब्द, वह नींव था जिस पर यह सागर की इमारत खड़ी की गई थी। कहानी और स्क्रिप्ट के साथ ही अख्तर ने सागर के गीतों को शब्द और शायरी दी थी, और संगीत के जादूगर आर.डी. बर्मन ने अख्तर की लिखी शायरी में जान फूंक दी।

'सागर' के लिए उनकी रचनाएँ खट्टी मीठी, मधुर और भावना का सुंदर मिश्रण थीं। 'ओ मारिया' 'सागर किनारे', 'सागर जैसे आंखों वाली' और 'जाने दो ना' जैसे गाने अख्तर की कलम से निकलकर स्वर्णिम क्लासिक बन गए, जिन्होंने फिल्म के भावनात्मक असर को और भी ज्यादा पुख्ता आकार दिया ।

सच पूछो तो 'सागर' की सटीक कास्टिंग के बिना यह फ़िल्म संभव ही नहीं हो सकता था। सागर वास्तव में प्रतिभाशाली और अनुभवी कलाकारों का जमावड़ा कहा जा सकता है । ऋषि कपूर, कमल हासन और डिंपल कपाड़िया, अपनी पीढ़ी के ये तीन सबसे प्रतिभाशाली स्टार्स, इस फिल्म में अपना ए-गेम लेकर आए थे । उन तीनो के बीच एक अनकही केमिस्ट्री, कमाल की थी और उनका प्रदर्शन दर्शकों के दिमाग पर आज भी कायम है।

इस फ़िल्म, 'सागर' ने एक लंबे समय के बाद सिल्वर स्क्रीन पर डिंपल कपाड़िया की सफल वापसी को रेखांकित किया था । मोना का उनका किरदार, उनके भीतर छिपी प्रतिभा का रहस्योद्घाटन जैसा था और उन्होंने अपनी सुंदरता और अभिनय कौशल से उस पीढ़ी का दिल जीत लिया था ।

मनोरम समुद्र तट और शांत परिदृश्य, सागर की प्रेम कहानी के लिए एकदम सही कैनवास के रूप में काम करते थे, लेकिन क्या आप जानते हैं कि गोवा जैसा दिखने वाला सागर का लोकेशन और बस्ती वास्तव में मुंबई के मलाड मढ़ आइलैंड में अक्सा बीच पर बस्ती

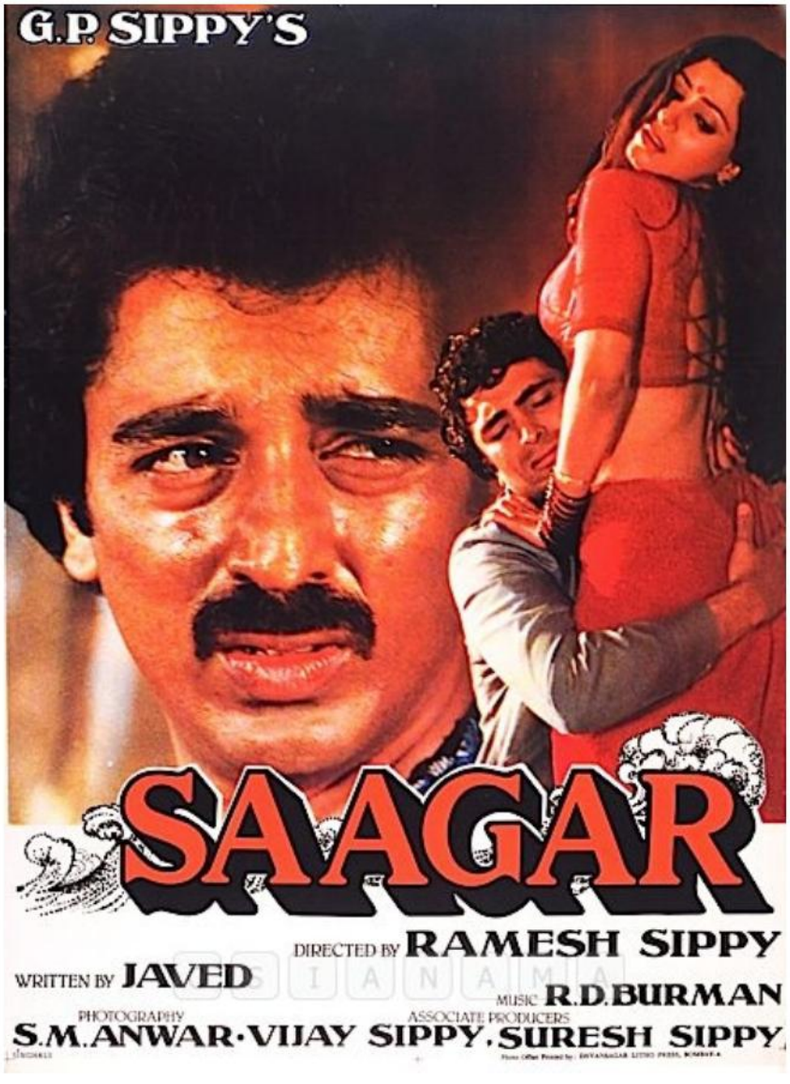

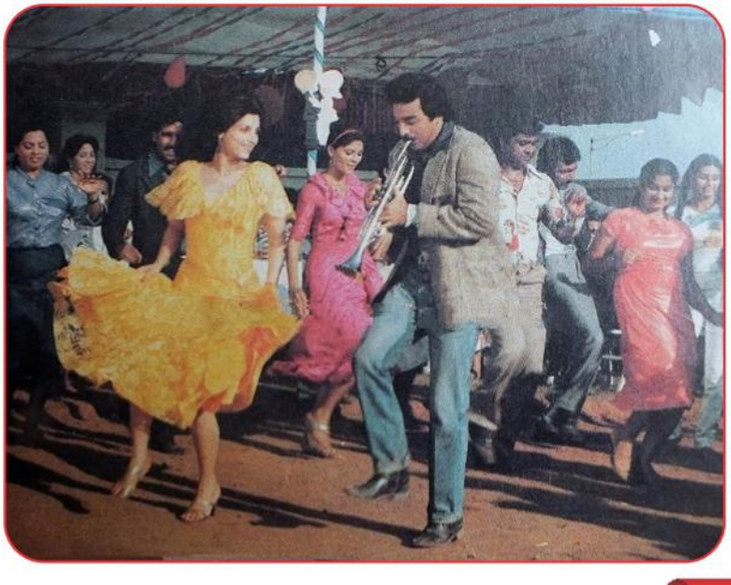

का बनाया हुआ एक सेट था। शूटिंग ख़त्म होने के बाद भी वो निर्मित सेट कई महीनों तक वहीं पड़ा रहा। चेहरा है या चांद खिला है, ओ मारिया गाने इसी सेट पर शूट किए गए थे। उस दौरान फिल्मों के सेट पर साप्ताहिक रिपोर्ट अनिवार्य रूप से पढ़ी जाती थी... इस फिल्म के सभी गाने लोकप्रिय थे।

फिल्म की सिनेमैटोग्राफी ने स्थान की सुंदरता को बड़ी बारीकी से कैद कर लिया, जिससे संपूर्ण दृश्य-अपील दोगुनी हो गई। सागर अपने आश्चर्यजनक लोकेशन और सुंदर छायांकन के साथ एक सीनरिक दृश्य था। फिल्म के निर्देशक रमेश सिप्पी ने सिनेमैटोग्राफर एस.एम. अनवर के साथ मिलकर काम किया था और अक्सा समुद्रतट में गोवा के सार को कैद करने के लिए अनवर ने कोई कमी नहीं छोड़ी।

अनवर द्वारा प्रकाश और छाया के प्रयोग से गहराई और वातावरण का एहसास पैदा हुआ। फिल्म का रंग पैलेट जीवंत था, जो तटीय परिदृश्य की सुंदरता को दर्शाता था। अपने प्राचीन भीत, हरी-भरी हरियाली और आकर्षक गांवों के साथ अक्सा समुद्र तट ने फिल्म की प्रेम कहानी के लिए एकदम सही पृष्ठभूमि के रूप में काम किया ।सागर की सिनेमैटोग्राफी ने केवल प्राकृतिक सुंदरता को कैद नहीं किया बल्कि इसने कहानी कहने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्लोज़-अप शॉट्स और कैमरा एंगल के उपयोग ने पात्रों की भावनाओं और

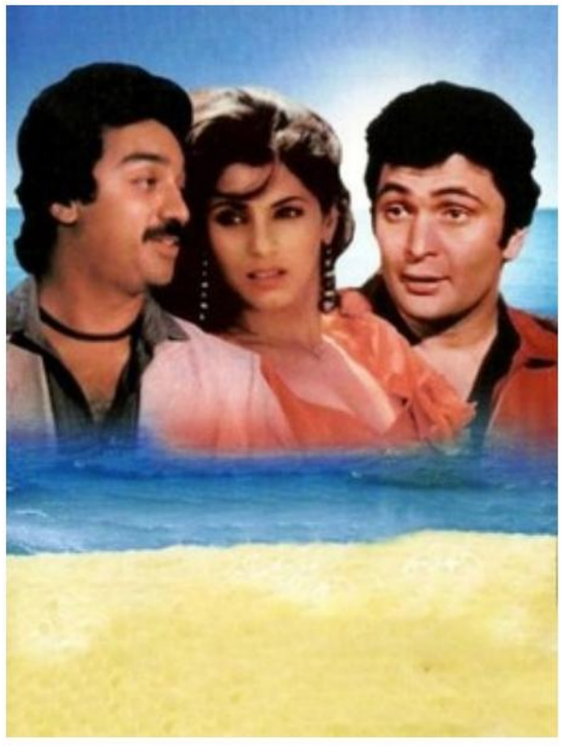

उनके रिश्तों की तीव्रता को व्यक्त करने में मदद की।

'सागर' एकतरफा प्यार और मानवीय रिश्तों की जटिलताओं की कहानी है।गोवा के सुंदर परिदृश्य में यह फिल्म अपने पात्रों की भावनात्मक उथल-पुथल को गहराई से उजागर करती है। राजा, रवि और मोना के बीच एक क्लासिक प्रेम त्रिकोण फिल्म का मूल है। मोना (डिंपल) गोवा में एक छोटा सा रेस्त्रां चलाती है।, राजा (कमल हासन) उसका पड़ोसी है और दोनों की दोस्ती है, लेकिन राजा उसे मन ही मन प्यार करता है जो वो मोना को बोल नहीं पाता। रवि (ऋषि कपूर) एक अमीर इंडस्ट्रियलिस्ट है, जो यू एस से गोवा शिफ्ट हुआ है। समुन्दर किनारे रवि की मोना से मुलाकात होती है और वो मोना से प्यार करने लगता है। दोनों शादी करना चाहते हैं लेकिन रवि की दादी इस रिश्ते के खिलाफ है। जब राजा को इस बात का पता चलता है तो वह निराश हो जाता है और मोना के लिए अपने प्यार को कुर्बान कर देता है। उनके रिश्तों की जटिलताओं को सिप्पी ने बड़े संवेदनशीलता से प्रस्तुत किया। चिंतित और हारा हुआ राजा के रूप में कमल हासन का प्रदर्शन अभिनय में एक मास्टरक्लास था। इतने जटिल चरित्र को बारीकियों और गहराई के साथ चित्रित करना, यह कमल का ही कमाल हो सकता है।

फिल्म का फैशन भाग, उस जमाने में भी अपने समय से आगे था। डिंपल कपाड़िया के कपड़े एक ट्रेंडसेटर बन गये थे , और उनकी हेयर स्टाइल और वेशभूषा ने फिल्म की सौंदर्य अपील में महत्वपूर्ण योगदान दिया था।

रमेश सिप्पी के कुशल निर्देशन का तो कहना ही क्या, उन्होने सागर के अलग-अलग तत्वों को एक सामंजस्यपूर्ण तालमेल के साथ कुछ इस तरह से लयबद्ध किया कि फिल्म के लिए उनका दृष्टिकोण स्पष्ट हो गया। वो जो चाहते थे, उन्होने वही किया।

जावेद अख्तर के धारदार संवादों ने फिल्म में गहराई और भावनाओं का सैलाब जोड़ दिया । "प्यार एक दुनिया है, जिसमें दो ही लोग होते हैं" जैसी पंक्तियाँ खूब मशहूर हो गई थी और आज भी इस्तेमाल की जाती हैं।

यह फिल्म अपने खूबसूरत दृश्यों, भावपूर्ण संगीत और सम्मोहक कहानी के साथ एक सर्वोत्कृष्ट रोमांटिक क्लासिक है।

सागर सिर्फ एक प्रेम कहानी नहीं है, यह इंसानी फितरत, त्याग, और भावनाओं का आत्म-मंथन है। पूरी फिल्म में सभी पात्र धीरे-धीरे विकसित होते हैं, जिससे वे अधिक जटिल और सम्मोहक बन जाते हैं।

सागर, बॉक्स-ऑफिस पर एक बड़ी व्यावसायिक सफलता के रूप में उभरी, जो साल की सबसे ज्यादा कलेक्शन करने वाली फिल्मों में से एक थी। 33वें फिल्मफेयर पुरस्कारों में, सागर को सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (सिप्पी), सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता (हासन), सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री (मधुर जाफरी) सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (हासन), सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (कपाड़िया), सर्वश्रेष्ठ पुरुष पार्श्वगायक किशोर कुमार सहित 10 प्रमुख नामांकन प्राप्त हुए। हसन को फिल्म में उनके प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता दोनों के लिए नामांकित किया गया था , और फिर उन्होंने जीत हासिल की, जो इस श्रेणी में उनकी पहली और एकमात्र जीत थी।

'सागर' की विरासत आज भी कायम है। फिल्म को बार-बार देखा जाता है और इसकी शाश्वत अपील, सुंदर कहानी और स्थायी संगीत के लिए इसका जश्न मनाया जाता है।

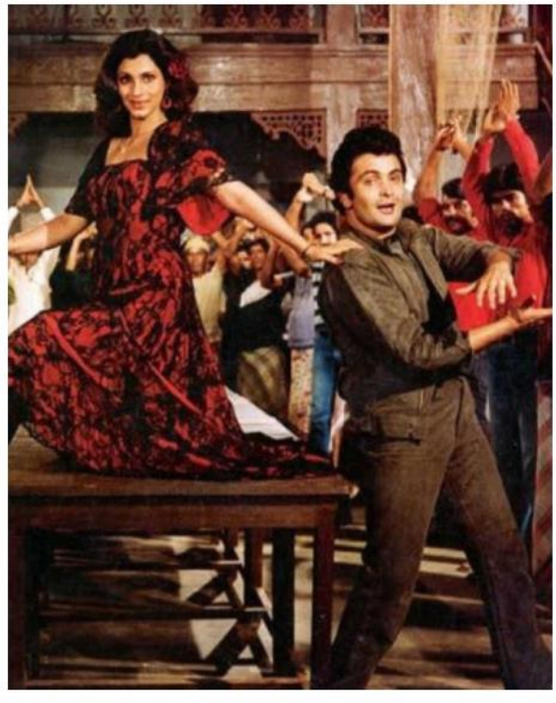

-सुलेना मजुमदार अरोरा

परदेस (1997) प्यार, संस्कृति और संगीत का एक सेलिब्रेशन

सत्ताईस साल - - -, उफ! समय कैसे पलक के एक निमेष में, बस एक झपकी में गुज़र जाता है। फिर भी जब सिनेमाई अनुभवों के दायरे में देखते हैं तो लगता है, एक काल खंड गुज़र गया। भारतीय सिनेमा के इतिहास में सुभाष घई का वो बहुचर्चित और कुछ कुछ विवादास्पद फ़िल्म *परदेस* एक चमकता हुआ पन्ना बनकर अंकित है, जिसकी चमक आज भी कम नहीं हुई है, और जिसकी उष्णता हमेशा की तरह आज भी एक कम्फर्ट फ़िल्म के रूप में देखा जाता है।

फिल्म की पृष्ठभूमि, प्रेम, लालसा और भारतीय संस्कृति के जीवट रंगों से बुनी गई एक शानदार दर्शन गैलेरी है जहां एक ऐसी दुनिया का निमंत्रण है जो स्वप्नआकाश की तरह असीमित है, जहां दिल, जुड़ाव के लिए तरसता है, लेकिन संस्कृति की दीवारें पूर्व और पश्चिम को जीवन की विभिन्न धुनों की ताल पर धड़काता है ।

'परदेस' , 1997 में रिलीज़ हुई वो रोमांटिक ड्रामा म्यूजिकल फिल्म है जिसे प्रसिद्ध फिल्म निर्माता सुभाष घई ने भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका की पृष्ठभूमि पर आधारित किया था। इसकी कथा, प्रेम, संस्कृति और पहचान के विषयों पर प्रकाश डालती है।

1997 में, जब हिंदी सिनेमा ने नए जमाने के संगीत में मधुरता की तलाश करना शुरू कर दिया था, ऐसे में बॉलीवुड के जादूगर, शाहरुख खान के साथ नवागंतुक महिमा चौधरी और अपूर्व अग्निहोत्री अभिनीत, इस फिल्म ने अपने मधुर साउंडट्रैक और सम्मोहक कथा के साथ दर्शकों के दिलों पर कब्जा कर लिया। अमरीश पुरी, आलोक नाथ और हिमानी शिवपुरी जैसे अनुभवी अभिनेताओं ने फ़िल्म को एक मजबूत ढांचा दिया।

कहानी, अमेरिका में स्थित एक भारतीय व्यवसायी किशोरीलाल (अमरीश पुरी) की है, जो अपने पश्चिमी हवा में रंगे बेटे राजीव (अपूर्व अग्निहोत्री) के लिए एक भारतीय दुल्हन की तलाश करता है। आखिर अपने एक भारतीय दोस्त (आलोक नाथ) की सरल, शुद्ध, सुशील, संस्कारी बेटी गंगा (नवोदित महिमा चौधरी) उसे पसंद आ जाती है, लेकिन अपने वेस्टर्न कल्चर में डूबे शराबी और असंस्कारी बेटे को कैसे राजी करे, और गंगा के मन में भी किस तरह राजीव के लिए जगह बनाए, यह काम वो अपने एक दत्तक पुत्र अर्जुन (शाहरुख खान) पर छोड़ देता है। अर्जुन एक बेहद संस्कारी और भारतीय संस्कृति में रंगा हुआ लड़का है।

अर्जुन गंगा से मिलकर राजीव के बुरे चरित्र को छिपाते हुए उसके बारे में अच्छी अच्छी बातें बताता है और दोनों को करीब लाने के लिए हर कोशिश करता है। लेकिन जब एक रात राजीव शराब के नशे में गंगा का शील हरण करने की कोशिश करता है, और विफल होने पर उसका गन्दा और भयानक रूप उजागर हो जाता है तो गंगा उसे थप्पड़ मार कर भाग जाती है। ऐसे में अर्जुन उसे हिफाजत में ले लेता है। गंगा अर्जुन के प्रेम में पड़ जाती है और अर्जुन भी गंगा से प्रेम करने लगता है। बहुत सारे ट्विस्ट और टर्न्स के बाद आखिर किशोरीलाल को सब बातों का पता चलता है और वो गंगा तथा अपने दत्तक पुत्र अर्जुन के पवित्र प्यार को स्वीकार कर लेता है।

भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के सुरम्य स्थानों पर फिल्माई गई परदेस एक अद्भुत विजुअल ट्रीट साबित हुई।

आइए अब परदेस मेकिंग के दौरान, पर्दे के पीछे की कुछ बातें बताएं।

1997 में रिलीज़ हुई 'परदेस' एक ब्लॉकबस्टर से कहीं अधिक थी। इस फ़िल्म ने, इसमें शामिल कई लोगों के करियर को एक महत्वपूर्ण उछाल दिया। नायक शाहरुख खान, सह नायक अपूर्व अग्निहोत्री, नायिका महिमा चौधरी, गायक कुमार शानू, सोनू निगम के साथ साथ खुद सुभाष घई के करियर को भी इस फ़िल्म ने एक नई जान दी। उन दिनों

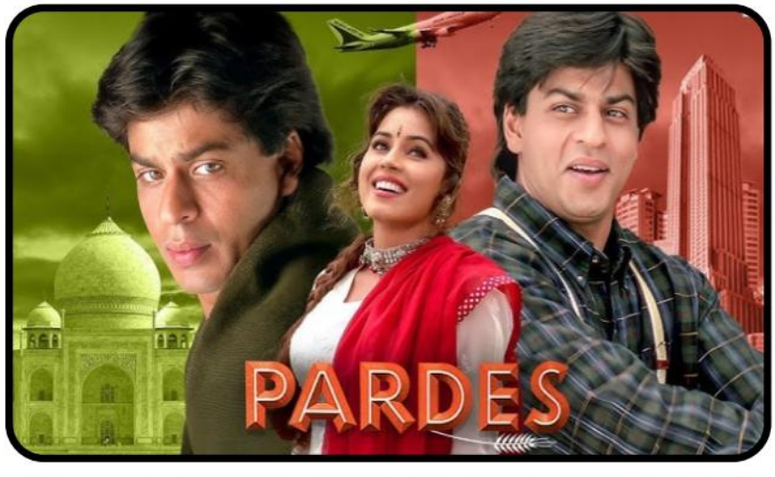

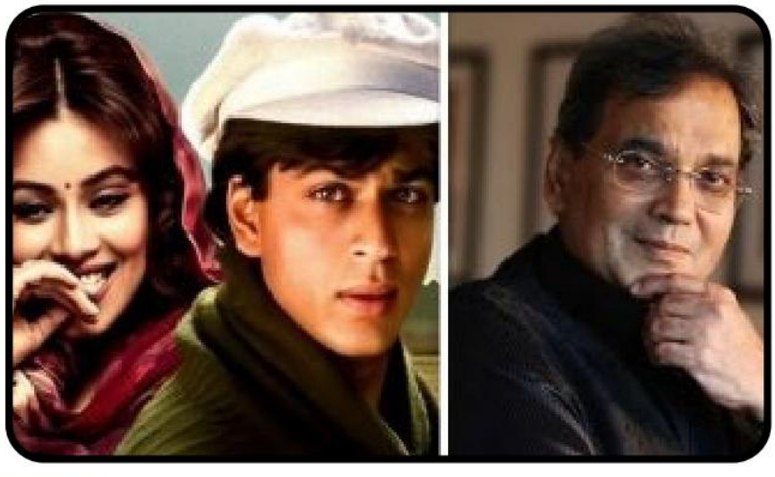

घई की 'परदेस' की यात्रा चुनौतियों से भरी थी। उनकी फ़िल्म 'त्रिमूर्ति' की व्यावसायिक विफलता के बाद, उन्हे भारी दबाव और इंडस्ट्री द्वारा उनकी काबिलियत पर संदेह का सामना करना पड़ रहा था। संदेह के आगे झुकने के बजाय, उन्होंने अपनी ऊर्जा अपने अगले प्रोजेक्ट 'परदेस' में लगा दी और उन्हे कामयाबी मिल गई।

फ़िल्म की सफलता का राज इसके ध्यान से गढ़े गए पात्र, सधी हुई कथा और दिल छूने वाले गीत थे। घई ने स्टार पावर से अधिक चरित्र-चित्रण के महत्व पर जोर दिया। अर्जुन की भूमिका के लिए, उन्होंने शाहरुख खान के प्रसिध्द ऑन-स्क्रीन व्यक्तित्व को हटा कर उसे एक नया, कच्चा सा रूप दिया। शाहरुख़ ने भी उल्लेखनीय समर्पण के साथ इस चुनौती को स्वीकार किया, यहां तक कि अपने चरित्र को प्रामाणिक रूप देने के लिए उन्होने अपना पेटेंट जींस छोड़कर ट्राउसर्ज़ पहने।

गंगा की कास्टिंग एक और मास्टरस्ट्रोक थी। घई को एक नए चेहरे की तलाश थी जो एक ग्रामीण लड़की की मासूमियत और उसके सपनों को आकार देने में सक्षम हो सके। गंगा की भूमिका के लिए माधुरी दीक्षित को लेने की इच्छा होने के बावजूद, घई की पारखी डाइरेक्शन दृष्टि ने एकदम नई महिमा चौधरी को पसंद किया , जिनका प्राकृतिक आकर्षण और प्रतिभा ने घई को इम्प्रेस किया। यह निर्णय घई और चौधरी दोनों के करियर के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।

फ़िल्म की सफलता का श्रेय उसके संगीत को भी मिलनी चाहिए जिसने इस फ़िल्म की आत्मा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐसी अफवाहें भी हैं कि प्रारंभ में, घई ने एआर रहमान से संपर्क किया था, लेकिन शेड्यूलिंग विवादों के कारण उन्हें नदीम-श्रवण को चुनना पड़ा। अपनी चार्ट-टॉपिंग धुनों के लिए मशहूर नदीम श्रवण की जोड़ी ने एक ऐसा साउंडट्रैक दिया जो दर्शकों को सालों साल तक याद रहा। इस फ़िल्म के संगीत रिकॉर्डिंग पर एक खास किस्सा, इसकी क्रिएटिव प्रक्रिया के जादू पर प्रकाश डालता है। बताया जाता है कि घई को संगीत की काफी समझ होने के कारण उन्हे कोई भी गायक आसानी से खुश नहीं कर पाते थे लेकिन "दो दिल मिल रहे मगर चुपके-चुपके" गाने के लिए कुमार शानू की एक ही टेक में बेहतरीन प्रस्तुति ने घई के दिल को ऐसा छू लिया कि उन्होने उन्हे वहीं खड़े खड़े उन्हे गले लगा लिया।

फ़िल्म 'परदेस', सोनू निगम की सफलता के लिए भी एक मंच के रूप में काम आया। इस फ़िल्म ने उनकी पिछली, मोहम्मद रफ़ी से प्रेरित शैली से हटाकर उन्हें एक बहुमुखी और स्वतंत्र गायक के रूप में स्थापित किया।

फिल्म का संगीत तुरंत सनसनी बन गई थी । 'दो दिल मिल रहे हैं', "ये दिल दीवाना" 'जहां पिया वहां मै', 'मेरी महबूबा' और "आई लव माई इंडिया" जैसे गाने सिर्फ चार्ट-टॉपर्स से कहीं अधिक थे। वे ऐसे गाने बन गए जो एक नई मिलीनियम पीढ़ी को परिभाषित करते हैं। कविता कृष्णमूर्ति, आदित्य नारायण, के, एस चित्रा, अल्का याग्निक ने भी इस फ़िल्म में अपना मिडास टच जोड़ा।

1997, के दशक में यह फिल्म, भारत में बढ़ते अनिवासी भारतीय (एनआरआई) प्रवासी के अस्तित्व, संस्कृति और दर्द के साथ गहराई से जुड़ी हुई थी। इस फ़िल्म ने विदेश में रहने वाले भारतीयों की पहचान बनाए रखने की जटिलताओं पर उंगली रखी। यह एक ऐसा विषय था जिसने लाखों लोगों को प्रभावित किया।

'परदेस' में भारतीय और पश्चिमी संस्कृतियों के टकराव और सद्भाव को खूबसूरती से दर्शाया गया है। इसने दो दुनियाओं के बीच नेविगेट करने वाले व्यक्तियों के सामने आने वाली चुनौतियों को प्रदर्शित किया, जो कई लोगों के लिए एक सच्चा अनुभव था।

हमेशा की तरह इस फ़िल्म को भी सुभाष घई ने

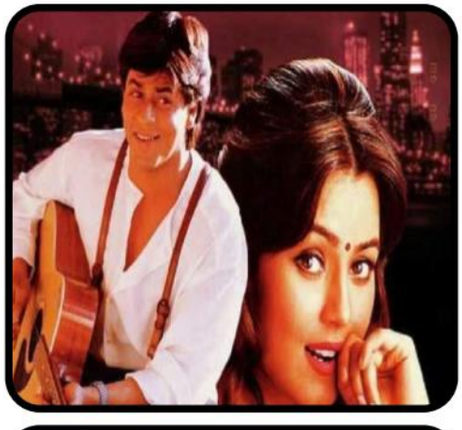

महिला प्रतिनिधित्व में एक कदम आगे रखा।

गंगा के रूप में महिमा सामान्य बॉलीवुड नायिका से हटकर एक ताज़ा उदाहरण थी । उन्हें संकट में फंसी युवती के बजाय आकांक्षाओं वाली एक सरल, मासूम ग्रामीण लड़की के रूप में प्रस्तुत किया गया था। गंगा ने स्वतंत्र और महत्वाकांक्षी महिला पात्रों की एक नई लहर का प्रतिनिधित्व किया।

'परदेस' शाहरुख खान के करियर में भी एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। जबकि वह पहले से ही एक सुपर स्टार थे, लेकिन इस फिल्म ने उनकी अभिनय क्षमताओं का एक अलग पहलू दिखाया। प्यार और कर्तव्य से जूझ रहे अर्जुन का उनका किरदार उनकी सामान्य रोमांटिक हीरो की छवि से हटकर था।

और अंत में इस फ़िल्म ने अपने मेकर सुभाष घई को एक बार फिर एक मास्टर के रूप में पुनरुत्थान किया।

सुभाष घई के लिए, 'परदेस' एक विजयी वापसी थी जो उनके करियर में एक मील का पत्थर बन गया।

अपनी रिलीज़ पर, परदेस को मिश्रित समीक्षाएँ मिलीं। जबकि आलोचकों ने मुख्य अभिनेताओं के प्रदर्शन और फिल्म के संगीत स्कोर की प्रशंसा की, कुछ ने पाया कि पटकथा में गहराई की कमी है। फिर भी, फिल्म व्यावसायिक सफलता के रूप में उभरी और 1997 की सबसे अधिक कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्मों में से एक बन गई। 'परदेस' बॉक्स ऑफिस पर हिट रही, जिसने ₹10 करोड़ के बजट के मुकाबले दुनिया भर में ₹41 करोड़ (भारत में ₹35 करोड़, विदेशों में ₹6 करोड़) की कलेक्शन की। इसने ₹3.4 करोड़ के मजबूत शुरुआती सप्ताहांत के साथ, भारत के 1997 के शीर्ष कलेक्शन करने वालों में चौथा स्थान हासिल किया।

इस फिल्म के प्रभाव को 43वें फिल्मफेयर पुरस्कारों में पहचाना गया, जहां इसे कई नामांकन प्राप्त हुए और सर्वश्रेष्ठ महिला पदार्पण (महिमा चौधरी), सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका ("मेरी मेहबूबा" के लिए अलका याज्ञनिक), और सर्वश्रेष्ठ पटकथा (सुभाष घई) के पुरस्कार जीते।

परदेस ने भारतीय सिनेमा की विरासत पर एक स्थाई असर छोड़ी,जिसने सिनेमा के इतिहास में एक क्लासिक के रूप में अपनी जगह पक्की कर ली है और बाद में इसे तेलुगु में "पेली कनुका" के नाम से बनाया गया।

फिल्म 'असली चेहरा' के गीतों की रिकॉर्डिंग का मुहूर्त सम्पन्न...

मायापुरी डेस्क

रुद्राक्ष मूवीज एंड एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही हिंदी फीचर फिल्म "असली चेहरा" के गीतों की रिकॉर्डिंग मुम्बई के स्पेस म्यूजिक स्टूडियो में की गई इसके साथ ही फ़िल्म के सभी चार गीतों की रिकॉर्डिंग सम्पन्न हुई। फ़िल्म के निर्माता गौरव मिश्रा और निर्देशक श्रीपति मिश्रा हैं। मुम्बई के स्टूडियो में जलेबीबाई फेम गायिका रितु पाठक की मधुर आवाज में गाने की रिकॉर्डिंग की गई। फ़िल्म का प्री प्रोडक्शन चल रहा है।

फ़िल्म असली चेहरा में अभिनेता विक्की पवार हीरो हैं जिन्होंने हिंदी और छत्तीसगढ़ी फिल्मों में अभिनय किया है और बड़ी फैन फॉलोइंग रखते हैं। वहीं फ़िल्म की हिरोईन अभिनेत्री मधुलग्ना दास हैं जो एक विख्यात साउथ एक्ट्रेस हैं। फ़िल्म के अन्य कलाकारों का नाम जल्द ही फाईनल किया जाएगा।

फ़िल्म के निर्माता गौरव मिश्रा ने बताया कि बहुत जल्द इस फ़िल्म की शूटिंग शुरू होगी। फ़िल्म के लिए रितु पाठक, केशव आनंद, प्रिया पाटीदार और सौमी शैलेश की आवाजों में गाने रिकॉर्ड किए गए हैं। संगीत केशव आनंद ने कम्पोज़ किया है। इस सस्पेंस रोमांटिक ड्रामा की शूटिंग मुंबई और नागपुर में होगी।

बतौर निर्माता पहली फ़िल्म बना रहे गौरव मिश्रा इस सब्जेक्ट और इस प्रोजेक्ट को लेकर बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि फ़िल्म का टाईटल "असली चेहरा" ही बहुत कुछ कह देता है। धोखेबाजी और बेवफ़ाई जैसे मुद्दे पर इसकी कहानी बुनी गई है। हम सब फ़िल्म के नाम, इसकी स्टोरीलाइन और इसके गीतों को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। फ़िल्म दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी इसमे रहस्य है, रोमांस है, ड्रामा है और एक प्यारी सी कथा है।

मुंबई प्रतिनिधी : रमाकांत मुंडे

&TV' का नया शो "Bheema" देखने के 6 प्रमुख कारण

मायापुरी डेस्क

एण्डटीवी के सोशल ड्रामा 'भीमा' में एक छोटी सी लड़की 'भीमा' की दमदार कहानी और समान अधिकारों के लिए संघर्ष करने के उसके सफर को दिखाया गया है. इस शो का प्रसारण 6 अगस्त, 2024 से रात 8:30 बजे किया जाएगा. इसका निर्माण राज खत्री प्रोडक्शंस ने किया है. यह शो 1980 की पृष्ठीभूमि पर आधारित है और अपनी जोरदार कहानी तथा मजबूत एवं अनोखे किरदारों से दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार है. 'भीमा' क्यों अलग है और सबसे दिलचस्प शोज में से एक कैसे बन जाता है, इसके कारण नीचे बताये जा रहे हैं.

फिर से उठ खड़े हाने और चुनौती का सफरः

'भीमा' में भीमा नाम की एक लड़की की दिल को झकझोर देने वाली, लेकिन प्रेरणादायी यात्रा है. यह किरदार प्रतिभाशाली तेजस्विनी सिंह निभा रही हैं. भीमा का जीवन न्याय के लिये लगातार संघर्ष करने की गवाही देता है. यह शो बड़ी सावधानी से भीमा के परिवार, समाज और आर्थिक स्थिति के कारण बनने वाले बुरे हालात के साथ उसका सामना दिखाता है. कई तरह के अन्याय और भेदभाव झेलने के बावजूद भीमा निडर होकर इन बाधाओं पर जीत हासिल की कोशिश करती है.

1980 के ग्रामीण परिदृश्य की एक झलकः

इस शो का काल्पनिक, लेकिन प्रेरक कथानक 1980 के दशक के ग्रामीण परिवेश को दिखाता है. इसमें उस वक्त की सामाजिक-आर्थिक स्थितियाँ और सांस्कृतिक आयाम दिखाये गये हैं. कहानी बयां करने में वह दौर गहराई लेकर आता है. ऐसे में किरदारों के संघर्ष और जीत ज्यादा असर डालती है.

दिल को छू लेने वाले किरदारः

इस शो में अमित भारद्वाज ने भीमा के सहयोगी, लेकिन उलझन में रहने वाले पिता मेवा की भूमिका निभाई है जबकि स्मिता साबले ने उसकी माँ धनिया की भूमिका अदा की है. नीता मोहिन्द्रा इसमें प्रभावशाली कैलाशा बुआ बनी हैं, जबकि माया शर्मा को जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) का किरदार मिला है. हर किरदार इस शो की कहानी में बड़ा योगदान देता है.

डॉ. बी.आर.आम्बेडकर की विरासत को एक श्रद्धांजलिः

'भीमा' की कहानी कानूनों के लिये एक बच्ची की अटूट प्रतिबद्धता और भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. बी.आर.आम्बेडकर के आदर्शों के लिये उसके समर्पण पर केन्द्रित है. समाज में व्याप्त वर्गीकरण, भेदभाव और प्रताड़ना को देखकर भीमा संविधान में बताये गये समानता के सिद्धांतों को बनाये रखने के मिशन के लिये प्रेरित होती है. ताकतवर लोगों के भयानक विरोध के बावजूद भीमा अपने अधिकारों के लिये लगातार लड़ती है.

माँ-बेटी का ताल-मेलः

'भीमा' के सबसे दमदार पहलुओं में से एक है माँ और बेटी के रिश्ते का खूबसूरत चित्रण. अपनी बेटी के भविष्य और उसकी सुरक्षा के लिये धनिया का डर भीमा के मजबूत संकल्प से टकराता है, जिससे बनने वाला आयाम मार्मिक और दमदार भी होता है. उनकी बातचीत में पीढ़ी-दर-पीढ़ी से चले आ रहे तनावों और साझा सपनों का उल्लेख होता है, जिससे कहानी आगे बढ़ती है.

एक ऐसा सोशल ड्रामा, जिसे जरूर देखा जाना चाहियेः

भीमा का प्रीमियर होने वाला है और दर्शक ऐसी कहानी की उम्मीद कर सकते हैं, जो उनका मनोरंजन करने के साथ ही सामाजिक बाधाओं से उभरने की एक जोरदार कहानी भी लेकर आएगा. इसमें आशा, संकल्प और बदलाव के सार्वभौमिक विषय होंगे. यह सीरीज अपने दिलचस्प कथानक और शानदार किरदारों के कारण अनोखी है. दर्शकों को भीमा की चुनौतियाँ और जीत अपने जैसी लगेगी और ऐसे में उसका सफर प्रेरणादायक तथा दिल को छू लेने वाला बन जाएगा.

ओलंपिक 2024 में नीरज चोपड़ा के सिल्वर मेडल जीतने पर सेलेब्स ने दी बधाई

—आसना

नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक 2024 ने इतिहास रच दिया हैं. नीरज चोपड़ा ने 8 अगस्त को पुरुषों की भाला फेंक कॉम्पिटिशन में सिल्वर मेडल जीत लिया है. नीरज चोपड़ा की जीत पर हर कोई उन्हें बधाई दे रहा है. वहीं बॉलीवुड हस्तियों ने अपने–अपने सोशल मीडिया हैंडल पर नीरज चोपड़ा को बधाई दी हैं.

सनी देओल ने दी चोपड़ा और भारतीय हॉकी टीम को बधाई

सनी देओल ने पेरिस में चल रहे ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने पर नीरज चोपड़ा और भारतीय हॉकी टीम को बधाई देने के लिए एक्स पर एक पोस्ट लिखा. सनी देओल ने नीरज चोपड़ा की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, '#पेरिसोलिंपिक2024 #सिल्वर और #कांस्य जीतने के लिए #नीरज चोपड़ा और रुभारतीय हॉकी टीम पर बेहद गर्व है. गोल्डन मैन नीरज, आप तिरंगा फहराने वाले हमारे देश का गौरव हैं.'

मलाइका अरोड़ा ने बढ़ाया नीरज चोपड़ा का हौसला

मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर करते हुए लिखा कि कैसे वह भाला फेंक प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा के रजत पदक जीतने वाले प्रदर्शन को देखकर सम्मानित महसूस कर रही थीं. उन्होंने लिखा, 'मेरे भारतीय के लिए इसे लाइव देखना गर्व का पल है नीरज चोपड़ा'.

आर माधवन ने दी नीरज चोपड़ा को बधाई

आर माधवन ने सोशल मीडिया पर अरशद नदीम और नीरज चोपड़ा दोनों को बधाई दी. स्कोरबोर्ड का स्नैपशॉट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'क्या शानदार मैच था. ओलंपिक रिकॉर्ड अरशद नदीम और रजत पदक नीरज चोपड़ा के लिए बधाई. दोस्तों आज खेल की जीत हुई'.

विक्की कौशल ने शेयर किया पोस्ट

विक्की कौशल भी ओलंपिक खेलों पर नजर बनाए हुए हैं. पहलवान विनेश फोगाट के अयोग्य घोषित होने के बाद उनके लिए एक भावुक नोट लिखने के बाद, उन्होंने नीरज की बड़ी जीत पर उनके लिए एक खुशनुमा नोट लिखा. विक्की कौशल ने नीरज चोपड़ा की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'सीजन की बेस्ट परफॉर्मेंस. आप हमेशा हमें गौरवान्वित करते हैं भाई.नीरज चोपड़ा'.

रकुल प्रीत सिंह ने दी नीरज चोपड़ा को बधाई

रकुल प्रीत सिंह ने भी नीरज चोपड़ा को बधाई देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया. उन्होंने नीरज की एक्शन में एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'वाह! नीरज, आपने फिर कर दिखाया! अपना दूसरा ओलंपिक पदक हासिल करने के लिए बधाई. भारत गर्व से झूम रहा है.

Subhash Dawar (Chairman Grappling Committee of Gujarat) ने भी नीरज चोपड़ा को बधाई दी

पेरिस ओलंपिक में मेरे दोस्त

नीरज चोपड़ा के देश के पहले

Silver Medal

जीतने पर खूब खूब बधाई

नीरज जी आप देश का गौरव हो

89.45 मीटर का बेस्ट थ्रो में नीरज चोपड़ा ने किया शानदार प्रर्दशन

बता दें अपना गोल्ड मेडल बरकरार रखने से चूकने के बावजूद नीरज चोपड़ा ने 89.45 मीटर का बेस्ट थ्रो हासिल करते हुए सराहनीय प्रदर्शन किया. लगातार चार फाउल थ्रो के बावजूद, दूसरे स्थान पर रहने के बावजूद, वह स्वतंत्रता के बाद के भारत के दूसरे पुरुष एथलीट बन गए, जिन्होंने व्यक्तिगत कॉम्पिटिशन में दो ओलंपिक पदक जीते. पाकिस्तान के अरशद नदीम ने अपने दूसरे प्रयास में 92.97 मीटर की शानदार थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, यह दूरी इतिहास में छठी सबसे लंबी दूरी है, जिसने स्टेड डी फ्रांस को आश्चर्यचकित कर दिया.

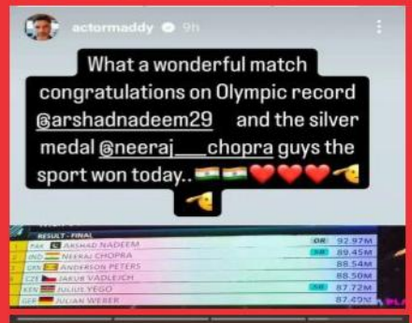

पोते प्रो मैक्स अगस्त्य, नानाजी के साथ रविवार के दर्शन के लिए जलसा में अमिताभ बच्चन के साथ शामिल हुए..

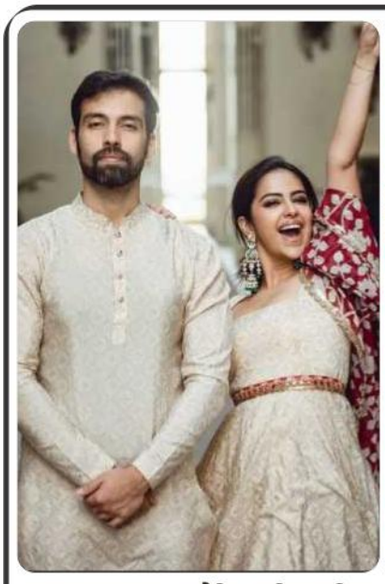

मैंने उनसे अपने मन में ही शादी कर ली": अभिनेत्री अविका गोर ने अपने प्रेमी मिलिंद चंदवानी के बारे में कहा..

अभिनेत्री सीरत कपूर के लिए यह सिर्फ कैजुअल पोज़ दिए...

'डबल आईस्मार्ट' खलनायक संजय दत्त (बिग बुल) अपने सह-कलाकार राम पोथिनेनी और काव्या के साथ, आशीर्वाद लेने पहुंचे इस्कॉन मंदिर में!

–चैतन्य पडुकोण

"मेरा दिमाग अब तेरे भेजे में घुसने वाला है–तू मेरी तरह बदलने वाला है, संजय दत्त ने चेतावनी दी 'डबल आईस्मार्ट' के आकर्षक ट्रेलर में ऑन–स्क्रीन सह–कलाकार हीरो राम पोथिनेनी

अभिनेता संजय दत्त (संजू बाबा) आगामी तेलुगु ब्लॉकबस्टर फिल्म 'डबल आईस्मार्ट' में घातक लेकिन करिश्माई खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे।

सदाबहार मर्दाना इस साइंस–फिक्शन एक्शन थ्रिलर म्यूजिकल के साथ संजय ने तेलुगु सिनेमा में (खलनायक के रूप में) अपनी शुरुआत की फिल्म। दक्षिण के क्षेत्रीय दिल की धड़कन राम पोथिनेनी द्वारा निर्देशित, फिल्म दक्षिण के शोमैन निर्देशक–लेखक पुरी जगन्नाथ द्वारा निर्देशित है ।

फिल्म? डबल आईस्मार्ट संगीता अहीर द्वारा सह–निर्मित, इस फिल्म में 'ब्रेन मेमोरी – ट्रांसप्लांट–ट्रांसफर' नामक एक अनोखी रोमांचक विज्ञान–कथा विषयवस्तु है। जहां बिग बुल नामक कुख्यात हत्यारा अपनी यादों को स्थानांतरित करके 'अमर' बनने का फैसला करता है, जिसके मस्तिष्क में पहले से ही किसी अन्य व्यक्ति की यादें स्थानांतरित हो चुकी हैं।

यह फिल्म डबल आईस्मार्ट सुपरहिट फिल्म आईस्मार्ट शंकर (2019) का एक शानदार आध्यात्मिक सीक्वल है, जिसमें राम पोथिनेनी भी शीर्षक भूमिका में थे

गुरुवार देर शाम आयोजित प्रमोशनल कार्यक्रम के दौरान, संजय दत्त से पूछा गया कि उन्हें साउथ की फिल्मों में नेगेटिव रोल क्यों पसंद हैं.. अपने मर्दाना अंदाज के साथ उन्होंने जवाब दिया 'दक्षिण क्षेत्रीय फिल्म (उद्योग) में रहना मेरे लिए एक चुनौती है और मुझे लगता है कि नकारात्मक भूमिकाएं अच्छी जगह हैं। बहुत कुछ करने को मिलता है मारने को मिलता है, मार खाने को मिलता है। रेप कट गया है लेकिन वो . .. (आपको बहुत कुछ करने को मिलता

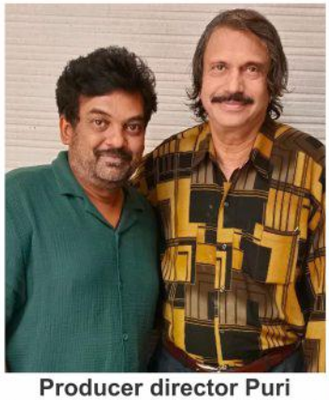

Producer director Puri Jagannadh with sr journalist Chaitanya Padukone

इस बीच फिल्म के मुख्य कलाकार 'डबल आईस्मार्ट' (संजय दत्त सहित) इस्कॉन हरे कृष्ण मंदिर गए दर्शन और आशीर्वाद भगवान कृष्ण और भगवान राम की प्रतिमा। वे सभी मंदिर परिसर में नंगे पैर थे धार्मिक नियमों का पालन करने में।

मणि शर्मा द्वारा रचित 'बिग बुल' एक जीवंत और ऊर्जावान गीत है जो दृश्य और श्रवण दोनों तरह से एक शानदार नजारा पेश करता है। एक उच्च–ऊर्जा, उत्सवी माहौल में सेट किया गया यह गीत फिल्म के मुख्य किरदारों को एक साथ लाता है, जिसमें काव्या थापर ने एक स्पर्श जोड़ा है। शानदार ग्लैमर का संगम। उनका संयुक्त प्रदर्शन डांस फ्लोर पर जोश भर देता है।

भास्करभटला रवि कुमार के तीखे, आकर्षक बोल बिग बुल के किरदार के सार को समेटे हुए हैं, जो गाने में गहराई और व्यक्तित्व जोड़ते हैं। प्रुध्वी चंद्रा और संजना कलमंजे की आवाजें ट्रैक में और भी ऊर्जा भर देती हैं।

'डबल आईस्मार्ट' का लेखन और निर्देशन पुरी जगन्नाथ और चार्ममे कौर ने पुरी कनेक्ट्स के बैनर तले किया है। यह म्यूजिकल मेगा–थ्रिलर फिल्म स्वतंत्रता दिवस पर दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, और हिंदी.

है आपको मारना पड़ता है, आपको पीटा जाता है। अब बलात्कार की अनुमति नहीं है, अन्यथा...) यह अच्छा है कि कम से कम कुछ तो करने को है इतनी सारी फिल्में करने के बाद मैं एक अभिनेता बन गया हूं।

क्या संजू बाबा को हीरोइनों के साथ रोमांस करने और पर्दे पर रोमांटिक गाने गाने में कोई दिलचस्पी नहीं थी? "अतीत में, मेरी पीढ़ी के मुख्य अभिनेता हीरो थे मैंने कई रोमांटिक, शानदार संगीतमय फिल्में की हैं, जैसे 'साजन' (1991) जो लोगों से जुड़ी हुई है। शायद मुझे ऐसी ही एक और फिल्म करनी चाहिए। 'साजन', 'खलनायक' और 'वास्तव' और 'मुन्नाभाई' सीरीज में मुस्कुराए मुख्य अभिनेता.

बहुप्रतीक्षित पैन–इंडिया फिल्म 'डबल आईस्मार्ट' की भव्य थिएटर रिलीज के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है। इस फिल्म में 'उस्ताद' राम पोथिनेनी मुख्य भूमिका में हैं और डायनैमिक डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ हैं। यह फिल्म हिंदी और सभी साउथ की क्षेत्रीय भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।स्वतंत्रता दिवस––15 अगस्त पर.

संजय दत्त बिग बुल नामक खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं और खूबसूरत अभिनेत्री–मॉडल काव्या थापर (मूल रूप से मुंबई की) राम पोथिनेनी के साथ प्रमुख महिला हैं।

निर्माताओं ने बिग बुल नामक एक विशेष धमाका, लयबद्ध, लोकगीतात्मक, तेज गति वाला नृत्य–गीत जारी किया है, जो ट्रेंड कर रहा है और वायरल हो गया है। पुरी जगन्नाथ अपने खलनायकों को समान रूप से शक्तिशाली भूमिकाओं में प्रस्तुत करने के लिए जाने जाते हैं। एक कदम आगे बढ़ते हुए, उन्होंने 'डबल आईस्मार्ट' में मुख्य खलनायक पर एक गाना शामिल किया।

डब्बू मलिक की यादगार शाम किशोर कुमार, आर डी बर्मन, राजेश खन्ना के नाम

—चैतन्य पडुकोण

अभिनेता–संगीतकार–गायक–प्रवर्तक डब्बू मलिक द्वारा आयोजित बॉलीवुड के चार–आयामी ("4&D") के विभिन्न संगीत–केंद्रित दिग्गजों को उनके प्रसिद्ध एमडब्लूएम संगीत–लेबल बैनर के तहत भव्य लाइव कॉन्सर्ट श्रद्धांजलि एक रेट्रो–बैंगर–हिट शानदार अनुभव था! 'सेलिब्रेटिंग द लीजेंड्स' को समर्पित उनके शो में किशोर कुमार, आर. डी. बर्मन और राजेश खन्ना के अलावा कुछ अन्य प्रशंसित दिग्गज प्रसिद्ध संगीतकार–गायक भी शामिल थे. यह शो डब्बू के प्रसिद्ध एमडब्लूएम संगीत–लेबल के तहत पिछले गुरुवार रात मुक्ति कल्चरल हब ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया था. जबकि मुख्य गायक बहुमुखी प्रतिभा के धनी डब्बू खुद थे, जिन्होंने सदाबहार कालातीत रेट्रो–गीतों को गाने में महारथ हासिल की, जिसके लिए उन्हें एक बार फिर से ('एक बार और') प्रतिक्रिया मिली. शो की शुरुआत भावुक डब्बू द्वारा अपने महान संगीतकार पिता सरदार मलिक को श्रद्धांजलि देने के साथ हुई, जब उन्होंने दो सदाबहार रेट्रो–रचनाएं सारंगा तेरी याद में और हां दीवाना हूं मैं गाकर तालियों की गड़गड़ाहट के बीच प्रस्तुति दी.

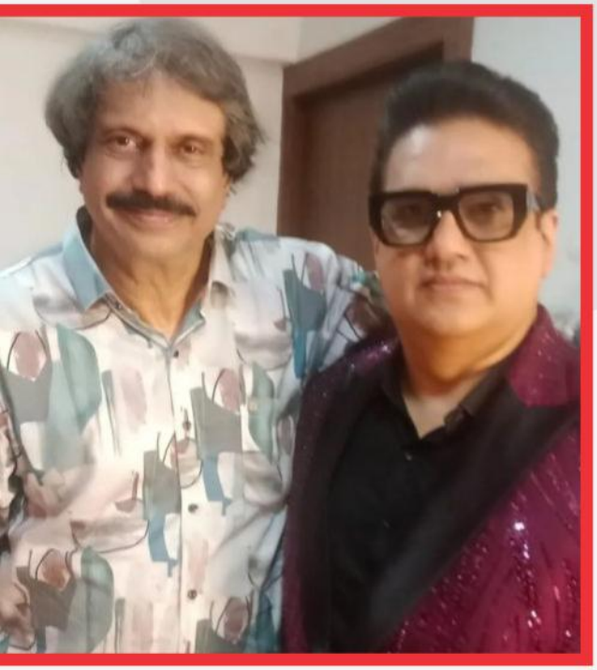

'जादुई आरडीबी–केके–आरके' कॉम्बो के शीर्ष चार्टबस्टर रेट्रो–गीतों (जैसे 'हमें तुमसे प्यार कितना' और 'अगर तुम न होते') को गाने के अलावा डब्बू ने मंच से कई आश्चर्यचकित भी किए, जब उन्होंने पश्चिमी फुट–टैपिंग बीट्स किशोर–दा का गाना 'एक हसीना थी' लक्ष्मी–प्यारे की रचना 'कर्ज' से और 'सफर' से 'जीवन से भारी' नामक भावपूर्ण गीत कल्याणजी आनंदजी द्वारा रचित गाया. इसके अलावा आश्चर्य तब हुआ जब लोकप्रिय गुल सक्सेना जैसे एमडब्ल्यूएम के साथ सहयोग करने वाले गायकों ने डब्बू के साथ फिल्म आंधी से एक सुखदायक युगल गीत (तेरे बिना जिंदगी) गाया. प्रतिभाशाली गायिका–संगीतकार–एंकर छवि सहाय ने अपना खुद का अद्भुत संगीतबद्ध गीत दुआ खुदा से बी गाया. इसके बाद सुंदर मुख्य अभिनेता और प्रशिक्षित शास्त्रीय गायक विकास भल्ला ने (सदाबहार किशोर दा का एकल) अर्थपूर्ण, भावपूर्ण आ चलके तुझे खूबसूरती से गाया, जिसने दर्शकों का दिल जीत लिया.

मुझसे खास बातचीत करते हुए, गतिशील डब्बू (संगीतकार–गायक अनु मलिक के छोटे भाई) जिन्होंने शाहरुख खान की हिट फिल्म 'बाजीगर' में एक शानदार कैमियो भूमिका निभाई है) ने बताया,

जिन महान कलाकारों को मेरा अनूठा शो समर्पित था, वे थे किशोर–दा, पंचम–दा (आरडीबी) और राजेश ('काकाजी') खन्ना, इन महान कलाकारों की तिकड़ी मेरे लिए जीवन रेखा की तरह है. मेरे सभी शो मूल रूप से पंचम दा के संगीत और किशोर दास की आवाज के आकर्षण और राजेश खन्ना के अभिनय पर आधारित हैं. इसलिए इनमें से प्रत्येक का थोड़ा–बहुत हिस्सा मेरी आत्मा को छूता है, और मैं इसे ध्यान में रखते हुए अपने शो करता हूँ. लेकिन चूँकि मैं महान कलाकारों का जश्न मनाता हूँ, इसलिए मैं कुछ अन्य महान कलाकारों के गाने भी लेता हूँ, जिनमें लक्ष्मीकांत–प्यारेलाल, सचिन–दा, मदन मोहन और कई अन्य प्रसिद्ध संगीतकार शामिल हैं, जिनके संगीत ने मुझे और भारतीय सिनेमा की महान धुनों को प्रभावित किया है, अगस्त की तारीख मेरे पसंदीदा गायक का जन्मदिन है. हम सभी बहुमुखी प्रतिभा के धनी किशोर कुमार के वफादार भक्त हैं क्योंकि उनकी आवाज, उनकी गतिशीलता, उनकी अभिनय आवाज में जादू था, जिसने 70 के दशक पर राज किया और उसे शिखर पर पहुंचाया और वह अमर हैं.

डब्बू मलिक (जिनके जेन–नाउ म्यूजिकल रॉक–स्टार बेटे अरमान मलिक और अमाल मलिक दोनों अपने पिता के गतिशील प्रदर्शन के दौरान जोर से जयकार करने और ताली बजाने के लिए दर्शकों में मौजूद थे) ने कहा,

1 अगस्त को मेरा लाइव परफॉर्मेंस ट्रिब्यूट शो, मैंने विनम्रतापूर्वक किशोर दा को समर्पित किया था. मुख्य गायक होने के नाते, जिनके गाने मैंने गाए, एक संगीतकार के रूप में, रफी साहब, मुकेश जी और अन्य दिग्गज संगीतकारों के गाने भी गाए, जिससे मेरा लाइव कार्यक्रम, एक तरह से महान कालातीत रेट्रो–धुनों का श्रद्धांजलि संगीतमय गुलदस्ता बन गया. मौजूदा संगीत सत्र बहुत यादगार रहा क्योंकि 22 जुलाई मुकेश–जी से जुड़ा था, 04 अगस्त किशोर–दा से जुड़ा था और 31 जुलाई रफी साहब की दुखद पुण्यतिथि थी. और किसी तरह, मैंने इन महान गायकों द्वारा गाए गए प्रत्येक गीत को छुआ है. और मुझे वास्तव में बहुत संतुष्टि होती है जब मैं दर्शकों से लाइव तालियाँ बटोरने में सक्षम होता हूँ क्योंकि हम इन महान गायकों के बराबर भी नहीं हैं, हम कभी भी पूर्णता से गाने का सपना भी नहीं देख सकते, ऐसी महान धुनें और ऐसा शानदार गायन, लेकिन उनकी यादें, उनका संगीत शाश्वत है, और यही हमें आगे बढ़ाता है, और हम इन गीतों को प्रस्तुत करते रहते हैं. मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मैं ऐसे दिग्गजों की विरासत को मंच पर ले जा पा रहा हूं – जो मेरा जुनून है. मलिक परिवार अपनी धुनों और रचनाओं के माध्यम से (मेरे संगीतकार पिता) सरदार मलिक के झंडे को जीवित रखे हुए है. साथ ही मैं इस मंच पर गाने का अवसर पाकर खुद को धन्य महसूस करता हूं, जो रेट्रो क्लासिक्स भी हैं, जो मेरे परिवार के दिल की धड़कन भी हैं और मेरा कार्यक्रम एक अनूठा आयाम लेता है.

चैतन्य पडुकोण और विकास भल्ला

मिथुन चक्रवर्ती अपने बेटे नमाशी चक्रवर्ती के साथ "बैड बॉय" अभिनेत्री अर्मिन कुरैशी के साथ थ्रोबैक फोटो...

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला की आज सगाई हो रही है...

दिलजीत दोसांझ "बॉर्डर 2" में सनी देओल के साथ शामिल हो गए हैं। उनके किरदार का विवरण फिलहाल गुप्त रखा गया है, लेकिन दोसांझ एक असली सेना अधिकारी की भूमिका निभाने के अवसर को लेकर उत्साहित हैं

अनन्या पांडे, मॉडल वॉकर ब्लैंको को डेट कर रही हैं। वास्तव में, यह भी कहा गया है कि दोनों अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की भव्य शादी में एक साथ शामिल हुए थे...

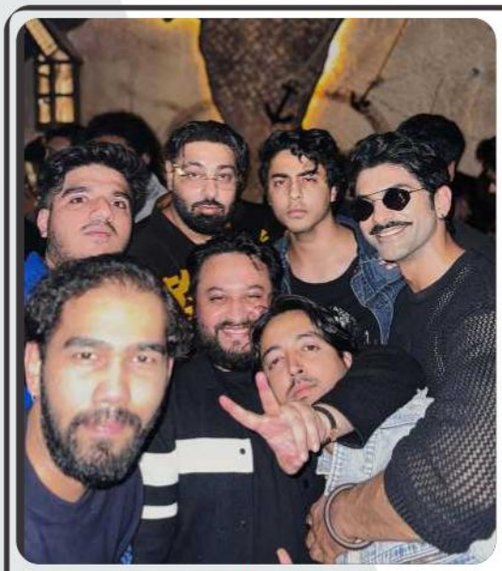

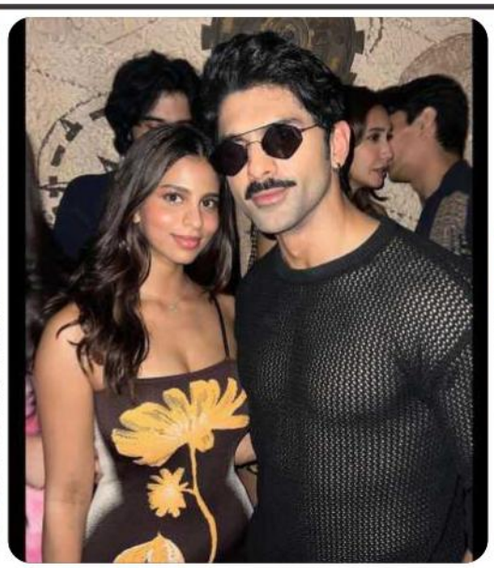

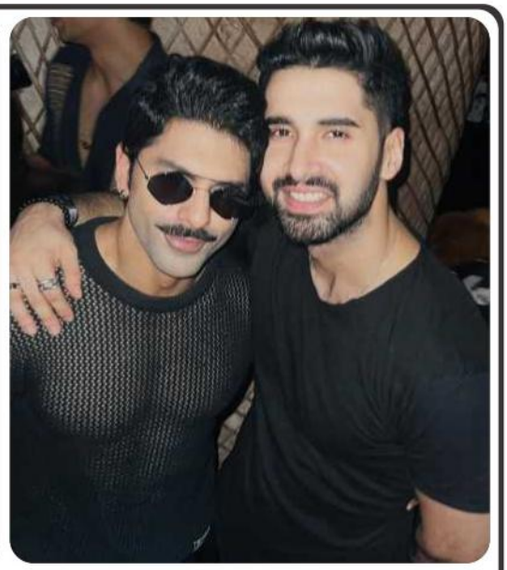

आर्यन खान और सुहाना खान एक शानदार रात के लिए ताहा शाह बदुशा और लक्ष्य के साथ शामिल हुए...

जॉन अब्राहम ओलंपिक चैंपियन और भारत के गौरव **मनु भाकर** के साथ पोज़ देते हुए, अभिनेता अगली बार **"वेदा"** में दिखाई देंगे, जो 15 अगस्त को रिलीज़ होगी।

मृणाल ठाकुर ने **विराट कोहली** के साथ 'पागलपन से प्यार' वाले अपने बयान पर चुप्पी तोड़ी...

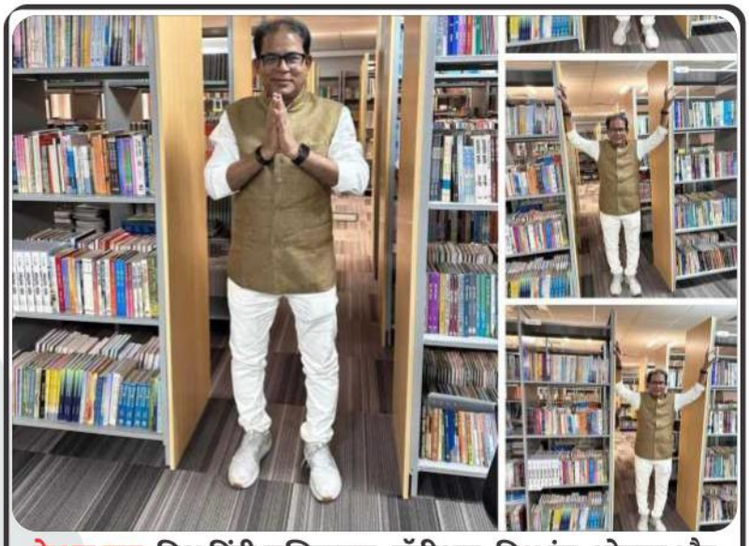

केशव राय: विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस, विश्व रंग, भोपाल और विश्व हिंदी अकादमी, मुंबई से शामिल होने पंहुचे..

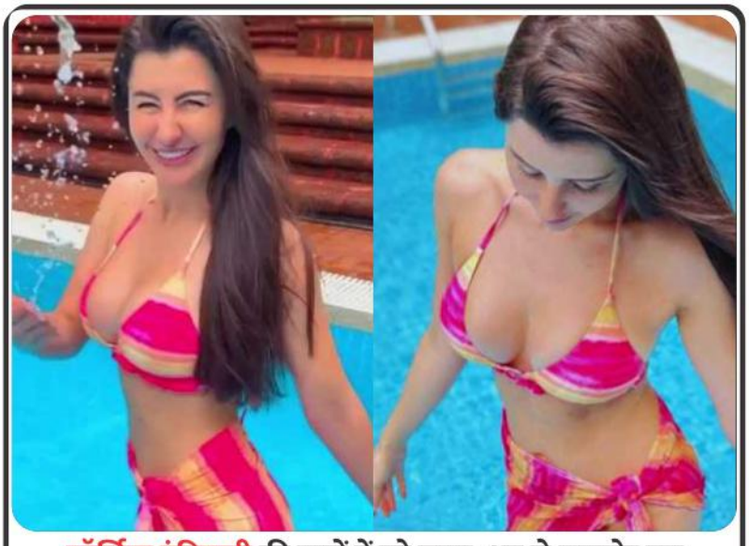

जॉर्जिया एंड्रियानी की यादों में खो जाना, धूप से सराबोर पूल के दिन और अंतहीन हंसी!

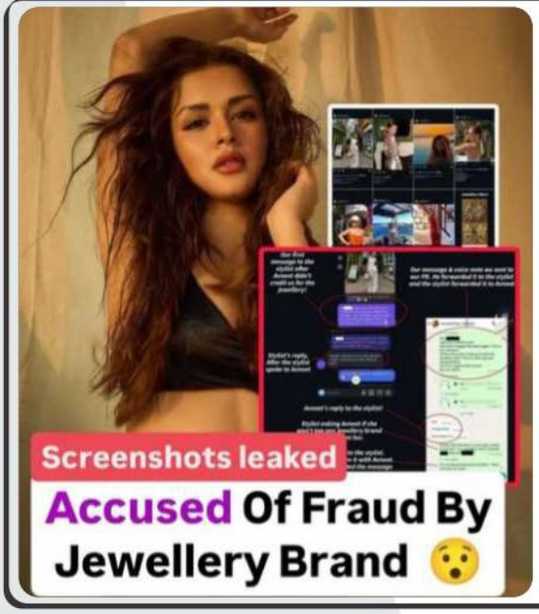

ज्वेलरी ब्रांड ने एक्टर-डांसर **अवनीत कौर** पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया, शोषण के खिलाफ समर्थन मांगा

सलमान खान और माधुरी दीक्षित की "हम आपके हैं कौन" होगी री-रिलीज...

एक्शन प्रिंस ध्रुव सरजा की विनम्रता "Martin" ट्रेलर लॉन्च में दिखी...

मायापुरी डेस्क

एक्शन **प्रिंस ध्रुव सरजा** कन्नड़ सिनेमा की ओर से अखिल भारतीय स्तर पर सबसे बड़ी एक्शन फिल्म **"मार्टिन"** के साथ वापस आ गए हैं। 13 भाषाओं में रिलीज होने वाली इस महत्वाकांक्षी फिल्म का उद्देश्य भारतीय सिनेमा को बड़े पैमाने पर प्रस्तुत करना है, एक नए युग की शुरुआत करना है, जहां क्षेत्रीय सीमाएं पार की जाती हैं और कहानियों को महाद्वीपों के पार साझा किया जाता है। ध्रुव सरजा की अगुआई में "मार्टिन" दुनिया भर के दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है, जिससे यह एक सच्ची वैश्विक घटना बन जाएगी।

दिलचस्प बात यह है कि अपनी लोकप्रियता और स्टारडम के बावजूद, ध्रुव सरजा, जिन्हें 'एक्शन प्रिंस' के नाम से जाना जाता है, शालीनता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति बने हुए हैं। यह बात "मार्टिन" के भव्य ट्रेलर लॉन्च के दौरान मीडिया के सामने उनके परिचय से भी स्पष्ट थी।

सरजा का परिचय दिल को छूने वाला और विनम्र दोनों था - उन्होंने यह कहकर शुरुआत की, "मुझे अपना परिचय देने दीजिए क्योंकि बहुत से लोग नहीं जानते कि मैं कौन हूँ। सभी को नमस्कार, मेरा नाम ध्रुव सरजा है। मैं एक कन्नड़ फिल्म अभिनेता हूँ, मैंने सिर्फ़ 4 फ़िल्में की हैं। यह मेरी पाँचवीं फ़िल्म है और अपने परिवार, प्रशंसकों और कर्नाटक के लोगों के प्यार और समर्थन के साथ मैं यहाँ आया हूँ। मार्टिन नामक हमारी भारतीय फ़िल्म के लिए यह मेरी पहली विश्वव्यापी प्रेस मीट है। मैं यहाँ उपस्थित होकर वास्तव में गर्व और अभिभूत महसूस कर रहा हूँ, कृपया अगर हमसे कोई गलती हुई हो तो हमें माफ़ करें और थोड़ा प्यार दिखाएँ। चलिए शुरू करते हैं।"

ध्रुव सरजा के शब्दों में उनकी विनम्रता

और अपने दर्शकों के प्रति सम्मान झलक रहा था, उन्होंने अपने अपेक्षाकृत छोटे लेकिन प्रभावशाली करियर को स्वीकार किया और उन्हें मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। भारतीय सिनेमा में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति होने के बावजूद, उनका जमीनी स्वभाव चमक उठा और उपस्थित सभी लोगों पर एक अमिट छाप छोड़ गया।

जैसे-जैसे "मार्टिन" अपनी वैश्विक रिलीज के लिए तैयार हो रही है, फिल्म की यात्रा, ध्रुव की यात्रा की तरह, बाधाओं को तोड़ने और सिनेमा की दुनिया में नए मानक स्थापित करने के लिए तैयार है।

कन्नड़ की पैन इंडिया स्तर की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म, "मार्टिन" का निर्माण वासावी एंटरप्राइजेज और उदय के मेहता प्रोडक्शन द्वारा किया गया है। एपी अर्जुन द्वारा निर्देशित, कहानी और पटकथा अर्जुन सरजा द्वारा लिखी गई है। सत्य हेज द्वारा सिनेमैटोग्राफी के साथ, फिल्म का संगीत मणि शर्मा द्वारा तैयार किया गया है, जिसमें केजीएफ फेम रवि बसरूर द्वारा रोमांचक बैकग्राउंड स्कोर दिया गया है।

फहाद फासिल को 'Pushpa 2: The Rule' की टीम ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं....

मायापुरी डेस्क

फिल्म 'पुष्पा: द राइज' की शानदार सफलता के बाद, अब 'पुष्पा2: द रूल' के लिए उत्साह और बेताबी सब कुछ में है। फिल्म के टीजर ने ही अपनी कहानी के बारे में एक संकेत दिया है, जो न केवल रोमांचक है बल्कि वादा करता है कि यह फिल्म पहली से भी अधिक गहराई में जाएगी। इस उत्कृष्ट फिल्म की उम्मीदों को और भी बढ़ाने में 'पुष्पा2: द रूल' की दो गाने, "पुष्पा पुष्पा" और "आंगारो", ने म्यूज़िक चार्ट्स पर तहलका मचा दिया है।

इसी उत्साह के बीच, फिल्म की टीम ने अदाकार फहद फासिल को उनके जन्मदिन पर खास उपहार दिया है। उन्होंने फिल्म में उनके किरदार, भगवान सिंह शेखावत IPS के नए चित्र के साथ एक नया पोस्टर जारी किया है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर इस मौके पर एक दिल से भरी नोट भी साझा की है, जिसमें उन्होंने फहद फासिल को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं और उनके किरदार की वापसी का एलान किया है। उन्होंने लिखा!

"टीम #Pushpa2TheRule शानदार अभिनेता #FahadhFaasil को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देती है ... भंवर सिंह शेखावत IPS बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी करेंगे.. #Pushpa2TheRule 6 दिसंबर 2024 को दुनिया भर में भव्य रिलीज होगी।"

'पुष्पा: द राइज' में उनके रूप में ब्यावर सिंह शेखावत की भूमिका ने क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों को प्रभावित किया था, जिसे कई लोग फिल्म की उत्कृष्ट प्रदर्शनों में गिना है। अब फिल्म 'पुष्पा2: द रूल' में फहद फासिल फिर से भगवान सिंह शेखावत के रूप में वापस आ रहे हैं, जिससे इस चुनौतीपूर्ण दुनिया में नई ऊँचाईयों तक पहुँचने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। उनके और अल्लू अर्जुन के बीच का एक्शन-पैक्ड टक्कर इस बार भी एपिक होने का वादा करती है।

'पुष्पा2: द रूल' की विश्वव्यापी मुक्ति की तारीख 6 दिसंबर 2024 को तय की गई है। यह फिल्म सुकुमार द्वारा निर्देशित है और मिथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित है, जिसमें अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की संगीत T सीरीज़ ने किया है।

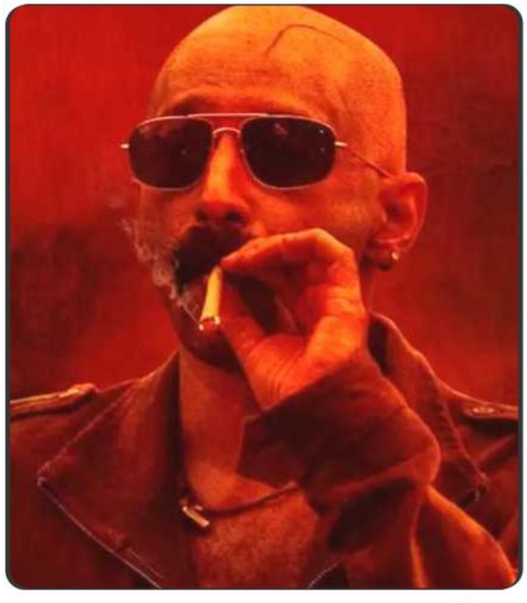

इस फिल्म की रिलीज़ से पहले ही सके टीज़र और गाने धमाल मचा चुके हैं, जिससे फिल्म दर्शकों के बीच बहुत ही उत्साह और अभिरुचि का विषय बन गई है। इस फिल्म की रिलीज़ के बाद की विश्वव्यापी बढ़ी उम्मीदों के साथ, फहद फासिल और उसके किरदार की वापसी से दर्शकों की अपेक्षाएं भी बहुत बढ़ गई हैं!...

अजय देवगन 'शैतान 2' की कमान संभालने को तैयार, स्क्रिप्ट पर काम शुरू...

कुमार सानू का कहना है कि उन्हें इंडस्ट्री में सम्मान तो मिलता है लेकिन काम नहीं मिलता: "पता नहीं वे मेरी आवाज़ का इस्तेमाल क्यों नहीं कर रहे हैं"

"मुंज्या" के लिए शर्वरी वाघ बनीं IMDB ब्रेकआउट स्टार...

लवकेश कटारिया के साथ एल्विश यादव का बेडरूम वीडियो वायरल, बोले- 'गे होना बुरी बात नहीं है'

मलाइका अरोड़ा को अस्पताल जाते समय देखा गया,

वह बे है, वह यहाँ धमाल मचाने आई है, वह अनन्या पांडे है, एक बहुत ही स्टाइलिश तरीके से बाहर निकलते हुए, अनन्या "बे" पांडे को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया! और अगर यह सब लोगों का ध्यान खींचने के लिए काफी नहीं था, तो अभिनेत्री ने एक और तस्वीर भी शेयर की है।

फिल्म "ग्यारह ग्यारह" की स्क्रीनिंग में शामिल हुई,

कृतिका कामरा, राघव जुयाल, धैर्य करवा, निर्देशक उमेश बिस्ट, निर्माता करण जौहर, गुनीत मोंगा कपूर, अचिन जैन और मनीष कालरा (सीबीओ, ज़ी5 इंडिया)

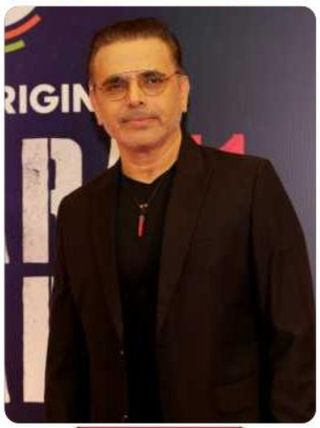

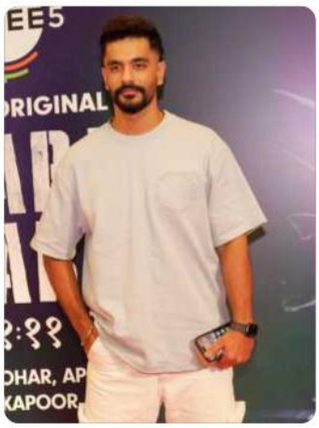

बॉलीवुड के यह नए जमाने के बैड मैन, ये हैंडसम किलर

-सुलेना मजुमदार अरोरा

बॉलीवुड के लगातार विकसित हो रहे परिवेश में, खलनायकों की एक नई नस्ल फलने फूलने लगी है. ये अभिनेता, अपने कमाल के स्वैग, शानदार लुक और करिश्माई स्क्रीन उपस्थिति के साथ, भारतीय सिनेमा में विलेन के रूप दहशत फैलाने में कामयाब रहे हैं। यहां 8 अभिनेता हैं जिन्होंने खलनायक की भूमिकाओं में भी यह साबित किया है कि बुरे लोग इतने अच्छे भी दिख सकते है।

बॉबी देओल - देवरा और कंगुवा

जहां एनिमल ने बॉबी देओल को फिर से सुर्खियों में ला दिया, वहीं देवरा और कंगुवा में उनकी भूमिकाएं उन्हें एक मज़बूत खलनायक के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार हैं। दोनों फिल्में, जो दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग से उत्पन्न हुई थीं, लेकिन हिंदी में रिलीज़ होने वाली थीं, में देओल को खलनायक के रूप में दिखाया गया है। उनकी सुगठित काया और गहन स्क्रीन उपस्थिति उन्हें हाल के दिनों में सबसे फिट और सबसे डराने वाले खलनायकों में से एक बनाती है।

अभिषेक बनर्जी - वेदा

बहुमुखी अभिनेता अभिषेक बनर्जी, जो स्त्री और स्त्री 2 में जना के रूप में अपनी हास्य भूमिका के लिए प्रसिद्ध हैं, अपनी गंभीर भूमिकाओं से धूम मचा रहे हैं। जॉन अब्राहम अभिनीत फिल्म वेदा में, बनर्जी के खलनायक के किरदार को उनके सह-कलाकार जॉन अब्राहम से भी काफी प्रशंसा मिली है। हास्य और खतरे के बीच सहजता से स्विच करने की उनकी क्षमता एक अभिनेता के रूप में उनकी असाधारण रेंज को दर्शाती है, जो उनकी खलनायक की भूमिकाओं को और भी अधिक आकर्षक बनाती है।

अर्जुन कपूर - सिंघम अगेन

रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में अर्जुन कपूर ने अंधेरे पक्ष में कदम रखा। अजय देवगन के विपरीत एक खलनायक किरदार निभाते हुए, कपूर की मर्दाना और सौम्य उपस्थिति फिल्म के खलनायक में एक नया आयाम जोड़ती है। उनका चित्रण साहस और परिष्कार का एक आदर्श मिश्रण है, जो उन्हें एक सम्मोहक प्रतिपक्षी बनाता है।

गुलशन देवैया - उलझ

गुलशन देवैया की लेटेस्ट फिल्म, उलझ, शहर में चर्चा का विषय रहा है, मुख्यतः प्रतिपक्षी के रूप में उनके मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्रदर्शन के कारण। चार कट आत्माराम के अपने प्रतिष्ठित चित्रण के लिए जाने जाने वाले, उलझ में गुलशन का किरदार उनकी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ता है। फिल्म में उनके कई व्यक्तित्वों की जटिलता बॉलीवुड में नए युग के खलनायक का उदाहरण है।

रणबीर कपूर - एनिमल पार्क

एनिमल पार्क में रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित भूमिका के लिए दर्शक उत्सुकता से अज़ीज़ के किरदार का इंतज़ार कर रहे हैं, जो एनिमल के क्लाइमेक्स में दिखाया गया एक किरदार है। संदीप वांगा रेड्डी द्वारा निर्देशित, यह भूमिका कपूर के एक नकारात्मक चरित्र को निभाने के कदम का प्रतीक है, एक ऐसा कदम जिसने प्रशंसकों के बीच बहुत उत्साह और प्रत्याशा पैदा की है।

राघव जुयाल - किल

किल में फानी के रूप में राघव जुयाल का प्रदर्शन नए युग के खलनायक का एक आदर्श उदाहरण है। अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाने वाले, जुयाल ने हास्य को एक भयानक धार के साथ मिश्रित किया है, जिससे एक ऐसा चरित्र तैयार होता

है जो मनोरंजक और भयानक दोनों है। भूमिका में उनका अनोखा दृष्टिकोण पारंपरिक खलनायक आदर्श में एक ताज़ा मोड़ जोड़ता है।

अक्षय ओबेरॉय - घुसपैठिया

बॉलीवुड के नीली आंखों वाले लड़के, अक्षय ओबेरॉय, घुसपैठिया में खलनायक की भूमिका में एक नया दृष्टिकोण लेकर आए हैं। किसी की निजता पर हमला करने वाले एक पीछा करने वाले को चित्रित करते हुए, अक्षय ओबेरॉय का अच्छा लुक उसकी खतरनाक हरकतों के साथ मेल खाता है, जो डर में शाहरुख खान के प्रतिष्ठित चरित्र से तुलना करता है। छोटे बजट की फिल्म होने के बावजूद ओबेरॉय के अभिनय को व्यापक प्रशंसा मिली है।

सैफ अली खान - देवरा

सैफ अली खान, जो ओमकारा में लंगड़ा त्यागी के प्रतिष्ठित किरदार के लिए जाने जाते हैं, देवारा में अंधेरी दुनिया में लौट रहे हैं। अपने किरदारों को गहराई और बारीकियों से भरने की उनकी क्षमता उन्हें बॉलीवुड खलनायकों के दायरे में अलग करती है। इस नए युग में, सैफ ने साबित कर दिया है कि वह किसी भी समकालीन प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी पकड़ बना सकते हैं, और खलनायकी की विरासत ला रहे हैं जो लगातार विकसित हो रही है।

जब ऋषि कपूर ने पिता राज कपूर और नरगिस के अफेयर को 'लेकर कही थी ये बात

-प्रीति शुक्ला

महान फिल्म निर्माता राज कपूर और अभिनेत्री नरगिस का रोमांस हिंदी सिनेमा की कहानियों का एक हिस्सा है, एक ऐसी प्रेम कहानी जिसकी लहरें सालों तक महसूस की गईं और जिसने कई लोगों के जीवन को प्रभावित किया राज कपूर के बेटे ऋषि कपूर ने अपनी आत्मकथा खुल्लम खुल्ला में इस अध्याय के बारे में लिखा और 2020 में अपनी मृत्यु से कुछ साल पहले एक साक्षात्कार में इसे 'इतिहास का हिस्सा' बताया उन्होंने कहा कि दोनों परिवारों ने एक सौहार्दपूर्ण संबंध विकसित किया और अफेयर होना तय है आप की अदालत में उपस्थित होने पर ऋषि कपूर से उनके पिता और नरगिस के अफेयर के बारे में पूछा गया और उन्होंने कहा, "हम इस बात का सम्मान करते हैं कि एक फिल्म निर्माता काम करते हुए दोस्ती विकसित करता है कभी-कभी, ये दोस्ती किसी और चीज में बदल जाती है हम रचनात्मक क्षेत्र में काम करते हैं, हम एक-दूसरे से प्रेरणा लेते हैं, हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं आखिरकार हम इंसान हैं और एक इंसान दूसरे इंसान से ही प्यार करेगा कभी-कभी शादीशुदा लोगों का ऐसा हादसा हो जाता है मुझे लगता है कि यह जीवन का हिस्सा है"

ऋषि ने बताया इतिहास

उन्होंने आगे कहा, "हम अपने जीवन के इस अध्याय को लेकर शर्मिंदा नहीं हैं दोनों परिवार एक-दूसरे के साथ सौहार्दपूर्ण हैं लेकिन ऐसा हुआ यह इतिहास है, और हम इसका सम्मान करते हैं यह इतिहास का एक हिस्सा है" अपनी किताब में, ऋषि कपूर ने लिखा था कि जब राज कपूर वैजयंतीमाला के साथ जुड़े थे, तो उनकी माँ ने अपना पैर पीछे खींच लिया था, क्योंकि वह पहले ही नरगिस के साथ उनके संबंध से निपट चुकी थीं "मैं बहुत छोटा था जब मेरे पिता का नरगिस जी के साथ संबंध था, और इसलिए इससे प्रभावित नहीं हुआ मुझे याद नहीं है कि घर पर कुछ भी गलत हुआ हो लेकिन मुझे याद है कि जब पापा वैजयंतीमाला के साथ जुड़े थे, उस दौरान मैं अपनी माँ के साथ मरीन ड्राइव पर नटराज होटल में रहने चला गया था, "

अफवाहों को संबोधित किया था

राज कपूर ने खुद प्रसार भारती द्वारा उनके जीवन पर बनाई गई एक डॉक्यूमेंट्री में इन अफवाहों को संबोधित किया उन्होंने कहा कि न तो नरगिस और न ही उनकी पत्नी कृष्णा ने 'धोखा' महसूस किया क्योंकि दोनों जानते थे कि वे एक दूसरे के लिए 'दूसरा-सामना' नहीं कर रहे थे "शुरू से ही मैंने एक रेखा खींची और यह एक बहुत ही स्पष्ट तथ्य है कि मेरी पत्नी मेरी अभिनेत्री नहीं है, मेरी पत्नी से मेरा मतलब है मेरे बच्चों की माँ इसलिए, मेरा घरेलू जीवन, कहीं न कहीं, वहाँ था कृष्णा मेरे बच्चों की माँ थीं जबकि यहाँ मेरी अभिनेत्री थी वह साझा करती थी, और मेरी रचनात्मकता में योगदान देने की संतुष्टि रखती थी यही उसकी संतुष्टि है, "उन्होंने साक्षात्कार में कहा बता दे नरगिस नीतू सिंह के साथ ऋषि की शादी में शामिल हुईं और कृष्णा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया उन्होंने अपनी आत्मकथा में लिखा, "1956 में जागते रहो पूरी करने के बाद नरगिस जी ने आरके स्टूडियो में कदम नहीं रखा था हालांकि, उस दिन, वह समारोह में भाग लेने के लिए सुनील दत्त के साथ आई थीं वह चौबीस साल बाद कपूर के किसी कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर बहुत घबराई हुई थीं मेरी माँ ने उनकी झिझक को भांपते हुए उन्हें एक तरफ ले जाकर कहा, 'मेरे पति एक सुंदर आदमी हैं वह रोमांटिक भी हैं मैं आकर्षण को समझ सकती हूँ मैं जानती हूँ कि तुम क्या सोच रही हो, लेकिन कृपया अतीत को लेकर खुद को परेशान मत करो तुम एक खुशी के मौके पर मेरे घर आई हो और हम आज यहाँ दोस्त के तौर पर हैं'"

काजोल ने अपने खास दिन को प्रशंसकों और मीडिया के साथ मनाया, प्यार और हंसी के बीच काटा अपना जन्मदिन का केक...

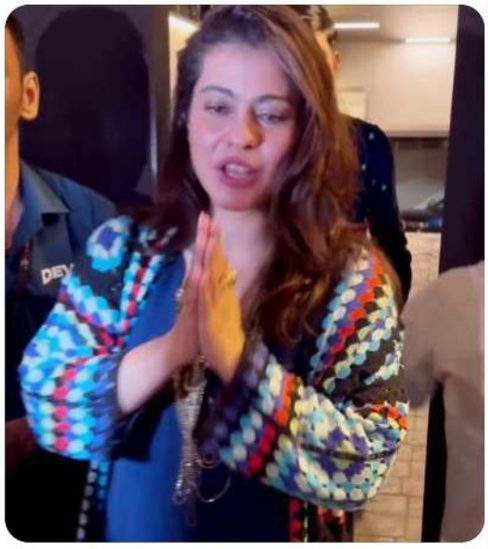

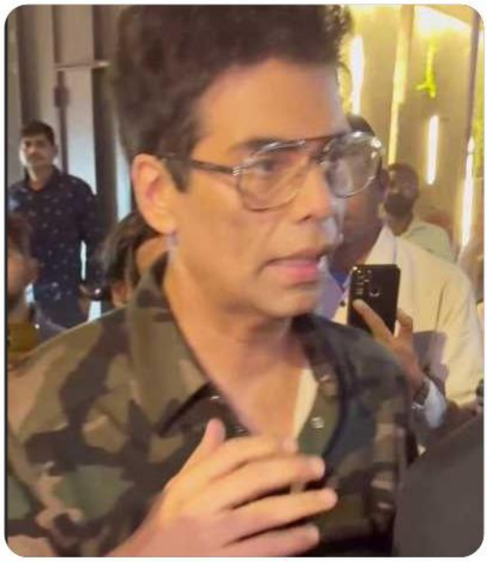

मनीष मल्होत्रा और करण जौहर, काजोल की बर्थडे पार्टी में आए नजर...

रवीना टंडन बेटी राशा, अतुल अग्निहोत्री, अलवीरा अग्निहोत्री और निर्वान खान के साथ अरबाज खान की पार्टी में पहुंचीं...

शनाया कपूर, महीप कपूर और अनन्या पांडे हाल ही में फरहान अख्तर के घर फ्रेंडशिप डे सेलिब्रेशन के लिए पहुंची हैं...

अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध शांति पुरस्कार से सम्मानित हुई सुनीता राजवार...

प्रतिष्ठित मैंने प्यार किया स्टार भाग्यश्री ने पिछले दिनों तीज महोत्सव की शोभा बढ़ाई, जिसमें वह गाती हुई और दर्शकों के सामने अपना दूसरा पक्ष दिखाती हुई नजर आईं, बहुत प्रभावशाली है

'बागी 4' में #TheTigerEffect अपनी पूरी ग्लोरी में

डांस के प्रति अपने जुनून को एक कदम आगे ले जाते हैं टाइगर श्रॉफ

–सुलेना मजुमदार अरोरा

बॉलीवुड के सबसे युवा एक्शन सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ अपने एंटी ग्रैविटी एक्शन दृश्यों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अक्सर अपने सिग्नेचर डांस मूव्स से इंटरनेट पर धूम मचाई है। 'व्हिसल बजा' से लेकर 'जय जय शिवशंकर' से लेकर 'मस्त मलंग झूम' तक, श्रॉफ के नृत्य कौशल ने बॉक्स ऑफिस पर तूफान ला दिया है। अब यह अभिनेता अपनी पहली नृत्य अकादमी, 'मैट्रिक्स डांस अकादमी' के लॉन्च के साथ नृत्य के प्रति अपने जुनून को अगले स्तर पर ले जा रहे हैं।

एक्टर 'प्रोल' एक एक्टिववियर और एक्सेसरीज ब्रांड और 'एमएमए मैट्रिक्स' के पीछे भी प्रेरक शक्ति हैं। उनका नया एंटरप्राइस एंटरप्रिंनीअर के रूप में उनकी क्षमता में एक और इजाफा है।

इस खूबसूरत, हैंडसम शख्स ने अपनी पहली डांस अकादमी लॉन्च की 'टाइगर श्रॉफ ने डांस के प्रति अपने जुनून को एक कदम आगे बढ़ाते हुए 'मैट्रिक्स डांस अकादमी' की स्थापना करते हुए खुशी जाहिर की।

'मैट्रिक्स डांस अकादमी' के माध्यम से, टाइगर श्रॉफ देश भर में नृत्य का असली सार फैलाने की कल्पना करते हैं। वह समकालीन जैज, हिप–हॉप बैले और अन्य जैसे विभिन्न नृत्य रूपों की जटिलताओं में उतरना चाहता है। अकादमी के, विशेष रूप से क्यूरेटेड बैच अपने कार्यक्रम के शुरुआती, उन्नत शिक्षार्थियों और अनुभवी शिक्षार्थियों के लिए डिजाइन किए गए हैं। वे सर्वांगीण अनुभव और सीख लेकर आते हैं।

इस नए एंटरप्राइस के साथ श्रॉफ का लक्ष्य महत्वाकांक्षी कलाकारों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षक, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और मंच पर चमकने का अवसर प्रदान करना है। जैसे ही टाइगर श्रॉफ इस रोमांचक भूमिका में कदम रखते हैं, उनके दर्शक फैंस, भारत में नृत्य के भविष्य पर उनकी अकादमी के प्रभाव का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं। करियर के मोर्चे पर, टाइगर श्रॉफ अब 'बागी 4' में #TheTigerEffect को पूरी महिमा के साथ दिखाने के लिए तैयार हो रहे हैं।

सेलिब्रिटी एंकर और होस्ट, एक्टर सचिन कुंभार ने नस्लवाद

का सामना करने की चौंकाने वाली आपबीती साझा की

–सुलेना मजुमदार अरोरा

सेलिब्रिटी एंकर और होस्ट सचिन कुंभार ने अभिनय में वापसी की, पहले नस्लवाद का सामना करने की चौंकाने वाली आपबीती साझा की जिसके कारण उन्हें पहले अभिनय छोड़ना पड़ा था।

सचिन कुंभार व्यक्तिगत रूप से मनोरंजन जगत से एक ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने स्वैग, लोकप्रियता, प्रसिद्धि और अच्छी बातचीत करने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। वह देश के सबसे अच्छे और अग्रणी एंकर, होस्ट और मॉडरेटर तथा वॉयस कलाकारों में से एक हैं जिनके पास एक अभूतपूर्व पोर्टफोलियो और ग्राहक हैं। एक एंकर और होस्ट के रूप में, उन्होंने कई प्रशंसाएं हासिल की हैं और मनोरंजन उद्योग में उनके कुछ प्रमुख ग्राहकों में नेटफ्लिक्स, अमेजॉन प्राइम वीडियो, डिज्नी प्लस हॉटस्टार, मिस इंडिया और कई अन्य हाई–प्रोफाइल ब्रांड शामिल हैं। इन वर्षों में, उन्होंने एक एंकर, मॉडरेटर, वॉयस–ओवर अभिनेता के रूप में अपनी जगह स्थापित की है और उन्हें निश्चित रूप से बहुत अधिक विश्वसनीयता और सम्मान प्राप्त है जिसके वे हमेशा हकदार रहे हैं। हालाँकि उन्होंने मनोरंजन से संबंधित लगभग हर चीज की है, अभिनय एक ऐसी चीज थी जिस पर उन्होंने अपने बिरादरी के सहयोगियों की कई सिफारिशों के बावजूद ध्यान नहीं दिया। अच्छा अंदाजा लगाए? ऐसा लगता है कि वह आसमान छू रहे हैं और नई ऊंचाईयों को छू रहे हैं क्योंकि उन्होंने एक अभिनेता के रूप में भी अपनी यात्रा शुरू कर दी है। हाँ यह सही है। सचिन लघु फिल्म 'तू चल मैं आया' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि उनके कई प्रशंसक खुश हैं।

जहां तक उनके अभिनय की बात है तो चीजें बाहर से बहुत आसान और समान्य लग सकती हैं, लेकिन वास्तविकता इससे बहुत अलग है। दुर्भाग्य से, सचिन को अपने शुरुआती दिनों में नस्लवाद से जूझना पड़ा जिसने एक अभिनेता के रूप में उनके आत्मविश्वास को तोड़ दिया। तभी उन्होंने एक मेजबान के रूप में अपने करियर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी अभिनय महत्वाकांक्षाओं को एक तरफ रखने का फैसला किया। हालाँकि, नियति ने निश्चित रूप से उसके लिए अन्य योजनाएँ बनाई थीं और कोई आश्चर्य नहीं, वह वहीं वापस आ गया जहाँ वह पहले यकीनी तौर से था। इस बारे में अधिक पूछे जाने पर कि कैसे एक आत्मविश्वासी होस्ट, मॉडरेटर और वॉइस–ओवर कलाकार ने एक अभिनेता के रूप में खुद पर विश्वास खो दिया था और कैसे चीजें उसके लिए एक बार फिर से काम करने लगीं, भावुक सचिन ने यह कहते हुए साझा किया,

'मैं 2011–2012 के आसपास दुबई से भारत आया था। मैं यहां इसलिए आया था क्योंकि मैं एक एंकर, वॉयसओवर कलाकार और एक अभिनेता भी बनना चाहता था। मुझे याद है कि यह 2014 था जब मैं एक अभिनय ऑडिशन के लिए गया था और मुझे मेरे चेहरे पर स्पष्ट रूप से बताया गया था कि वे एक गोरे व्यक्ति की तलाश में हैं। इसने मुझे पूरी तरह से निराश कर दिया और तब से पिछले साल तक, मैंने अभिनय की ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया। विडंबना यह है कि यह एक ऑडिशन था जहां मुझे सहयोगियों द्वारा बुलाया गया था। यह नस्लवाद कुछ ऐसा था जिसने एक अभिनेता के रूप में मेरी दृष्टि को पूरी तरह से धूमिल कर दिया।

वह आगे कहते हैं,

मुझे पिछले कुछ वर्षों में कई लोगों ने अभिनय पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा है, लेकिन मैंने इसे कभी नहीं अपनाया। हालांकि, इस परियोजना के निर्माता और कास्टिंग निर्देशक, कश्यप चंडोक ही हैं जिन्होंने मुझे वापस लाया। वह मेरे पीछे रहे हैं पिछले 6–7 वर्षों से हम दोस्त रहे हैं और उन्हें हमेशा मुझ पर विश्वास था कि मुझे अभिनय करना चाहिए। हालाँकि, मैंने किसी तरह इस पर कभी समय या ध्यान नहीं दिया। हम जब भी मिले, उन्होंने हमेशा इस बात पर जोर दिया कि मुझे अभिनय करना चाहिए। आखिरकार पिछले साल, उन्होंने मुझे फोन किया और सचमुच कहा कि उन्हें एक फिल्म के लिए मेरे तीन दिन चाहिए। इस तरह उन्होंने मुझे अभिनय की ओर खींचा और इसने मेरे लिए दरवाजे खोल दिए। वह ऐसा व्यक्ति है जिसने मुझे देखे बिना भी मुझ पर विश्वास किया और कोई आश्चर्य नहीं, यह मेरे लिए एक पूर्ण रहस्योद्घाटन था। तो हाँ, अभिनय में एक बार फिर मेरे लिए चीजें इसी तरह घटित हुईं।

अपनी भूमिका और चरित्र के बारे में अधिक पूछे जाने पर, उन्होंने साझा किया,

मुझे एक फैशनेबल आइकन के रूप में जाना जाता है, जो हमेशा टक्सीडो और शानदार पोशाकें पहनते हैं। हालांकि, यहां मेरा किरदार बिल्कुल विपरीत है। यह गैर–ग्लैमरस है। मैं मुंबई के बाहरी इलाके (नालासोपारा) के एक जीवन बीमा एजेंट का किरदार निभा रहा हूं, जिसका नाम संकेत पाटिल है, जो एक जागरूक लेकिन कम आत्मविश्वास वाला, कम कपड़े पहनने वाला व्यक्ति है। वह एक निम्न मध्यम वर्गीय महाराष्ट्रीयन परिवार से है और उनका सपना एक दिन अमीर आदमी बनना और मुंबई में एक बंगले का मालिक बनना है। एक एंकर के रूप में यह मेरे वास्तविक जीवन के व्यक्तित्व से बिल्कुल अलग है और यह मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि यह 'मराठी मुल्गा' है और इसलिए मैं भी इस किरदार से काफी प्रभावित हो सकता हूं। डेब्यू वाकई खास है और मेरे दिल के करीब है।

एक एंकर और होस्ट के रूप में, सचिन हमेशा अपने खेल में शीर्ष पर रहे हैं और उन्होंने हर विभाग में शानदार प्रदर्शन किया है

"हमें अपने बेटे नागा चैतन्य की सगाई की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है, जो आज सुबह 9:42 बजे सोभिता धुलिपाला से हुई!!

हम उसे अपने परिवार में स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं। खुशहाल जोड़े को बधाई!

उन्हें जीवन भर प्यार और खुशियों की शुभकामनाएं।

भगवान भला करे!"

माता-पिता बनने वाले प्रिंस नरूला और युविका चौधरी अपने बेबी शॉवर समारोह में बेहद प्यारे लग रहे हैं

प्रिंस नरूला और युविका चौधरी अपने बेबी शॉवर समारोह में माही विज अपने बच्चों के साथ शामिल हुई...

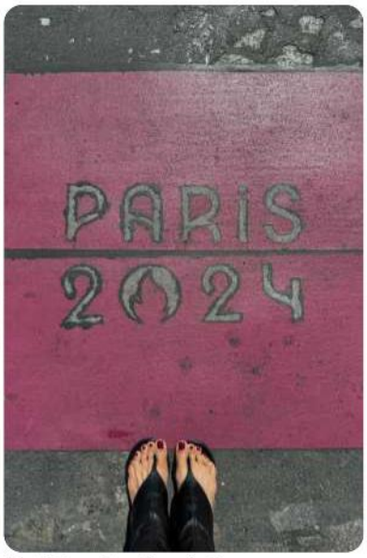

मलाइका अरोड़ा पेरिस ओलंपिक देखने पहुंची...

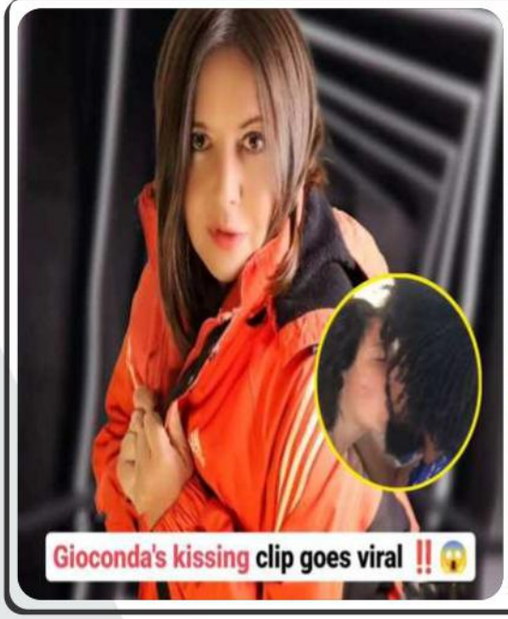

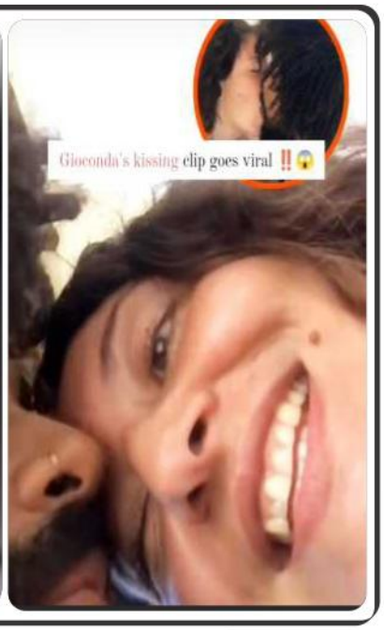

"लैला मजनू" की आकर्षक मुख्य जोड़ी अविनाश तिवारी और तृप्ति डिमरी ने अपनी फिल्म की पुनः रिलीज के लिए आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबका दिल जीत लिया।

बॉलीवुड की फॉरएवर क्वीन माधुरी दीक्षित नेने अपने फैन मीट प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए श्रेया गुप्ता के साथ अमेरिका में नजर आईं

तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी की लैला मजनू 9 अगस्त को सिनेमाघरों में वापसी करेगी। साजिद अली द्वारा निर्देशित यह रोमांटिक ड्रामा छह साल पहले रिलीज़ हुई थी। हालाँकि यह फ़िल्म बॉक्स ऑफ़िस पर अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रही, लेकिन ओटीटी पर आने के बाद इसे एक कल्ट क्लासिक के रूप में व्यापक प्रशंसा मिली।

Khal Nayak के 31 साल: सुभाष घई ने कल्ट फिल्म की विरासत पर विचार किया

मायापुरी डेस्क

हाल के दिनों में अल्फा-पुरुष की छवि के इर्द-गिर्द चर्चा ने केंद्र में जगह बनाई है और अब पहले से कहीं ज़्यादा हम हाल की फ़िल्मों में इसकी विशेषताओं की ओर झुक रहे हैं. हम यहाँ दशकों पहले खलनायक के ज़रिए अल्फा-पुरुष बल्लू बलराम के ओजी निर्माता को याद करते हैं, जिसे बॉलीवुड के खलनायक संजय दत्त ने निभाया था, जो कि महान सुभाष घई के दिमाग की उपज है, क्योंकि खलनायक 31 साल का हो गया है! यह एक बुकमार्क बन गया और फिल्म निर्माताओं के लिए "बल्लू" जैसे किरदार बनाने के लिए एक प्रेरणा के रूप में काम किया, जिन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए याद किया जाएगा और इस तरह हमें आज के सुपरस्टार दिए गए हैं.

इकतीस साल पहले, 6 अगस्त को, पूरे देश के सिनेमाघरों में "नायक नहीं खलनायक हूँ मैं" गीत के साथ धूम मची थी. संजय दत्त द्वारा निभाया गया बल्लू बलराम का किरदार एक आइकॉनिक बन गया और फिल्म निर्माता सुभाष घई ने एक बार फिर बॉलीवुड में लार्जर-दैन-लाइफ सिनेमा बनाने की अपनी बेजोड़ क्षमता का प्रदर्शन किया

फिल्म के प्रभाव पर विचार करते हुए, सुभाष घई ने कहा,

"मैं फिल्म के किरदारों, गानों और फिल्म से जुड़ी हर चीज के प्रति दर्शकों के असीम प्यार के लिए उनका बहुत आभारी हूं, जो इसके रिलीज होने के 31 साल बाद भी बरकरार है. यह कहने की जरूरत नहीं है कि 'बल्लू बलराम' भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे प्रतिष्ठित किरदार बन गया और आज भी गर्व के साथ खड़ा है, क्योंकि फिल्म के संदर्भ दुनिया

भर से लिए जाते हैं, यह सब दर्शकों के प्यार की वजह से है."

बल्लू बलराम ने अपने अल्फा पुरुष व्यक्तित्व से दर्शकों की कल्पना पर कब्जा कर लिया और आज भी बहुत प्रासंगिक हैं. उनकी शक्तिशाली उपस्थिति, विद्रोही रवैया और चुंबकीय आकर्षण ने उन्हें एक अविस्मरणीय चरित्र बना दिया. बल्लू की भेद्यता और अवज्ञा की जटिल परतें, उनके मजबूत करिश्मे के साथ मिलकर उन्हें एक सर्वोत्कृष्ट एंटी-हीरो के रूप में परिभाषित करती हैं. फिल्म निर्माता सुभाष घई ने अल्फा पुरुष की परिभाषा बदल दी, अच्छे और बुरे को खूबसूरती से समेटा

31वीं वर्षगांठ पर, सुभाष घई ने कहा,

"तीन दशक बाद भी 'खलनायक' के लिए प्यार और प्रशंसा विनम्र करने वाली है. यह सिनेमा की शक्ति और यह कैसे समय को पार कर सकता है, इसकी याद दिलाता है. बल्लू बलराम आज भी प्रासंगिक हैं क्योंकि वे हम सभी के भीतर अच्छाई और बुराई के बीच शाश्वत संघर्ष का प्रतीक हैं."

इकतीस साल बाद भी, "खलनायक" और इसका मुख्य किरदार बल्लू बलराम प्रासंगिक और मशहूर बने हुए हैं. इस फिल्म में जबरदस्त ड्रामा, मनोरंजक कहानी और अविस्मरणीय संगीत का मिश्रण दर्शकों को आकर्षित करता है...

फिल्म 'वेदा' में शरवरी की अचंभित करने वाली रोमांचक यात्रा

–सुलेना मजुमदार अरोरा

शारवरी वाघ अपनी आने वाली एक्शन से भरपूर थ्रिलर फिल्म, 'वेदा' में अपने ताकत से ओत प्रोत परफॉर्मेंस से बड़े स्क्रीन पर आग लगाने के लिए पूरी तरह तैयार है। एक्शन हीरो जॉन अब्राहम के साथ स्पॉटलाइट साझा करते हुए, यह फिल्म सस्पेंस और ड्रामा से भरपूर एक हाई–ऑक्टेन फिल्म है जिससे शरवरी को बड़ी उम्मीदे हैं।

इस फिल्म में शरवरी एक साहसी लड़की वेदा का किरदार निभाती है, जो परिस्थिति के अजब मोड़ पर, खुद को एक खतरनाक स्थिति में उलझा हुआ पाती है और न्याय की प्रबल भावना से प्रेरित होकर, वह उस परिस्थिति में चल रहे गलत धंधों को सही करने की खतरनाक मिशन पर निकल पड़ती है। इस फिल्म में शरवरी का चरित्र संवेदनशीलता और सख्ती का मिश्रण है, जो उनके चरित्र में एक प्रेरणादायक और भरोसेमंद व्यक्ति होने की छाप छोड़ती है।

बातचीत के दौरान शरवरी ने कहा, अनुभवी अभिनेता जॉन अब्राहम के साथ काम करना मेरे लिए एक अमूल्य अनुभव रहा है। जॉन, जो अपनी गंभीर और गहन एक्शन भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं, मेरे और इस फिल्म के सपोर्ट तथा मार्गदर्शन के निरंतर स्रोत रहे हैं। उन्होंने हाई–ऑक्टेन स्टंट करने, शारीरिक फिटनेस बनाए रखने और हर प्रकार के दबाव और तनाव पर ध्यान केंद्रित करने और उन्हे टैकल करने पर अमूल्य सुझाव साझा किए। अपनी कला के प्रति जॉन के समर्पण को लेकर शरवरी की प्रशंसा उन्मुक्त और स्पष्ट है, और उनका मानना है कि उनके मार्गदर्शन ने 'वेदा' में उनके प्रदर्शन को बल दिया है।

शरवरी से यह पूछने पर कि क्या 'वेदा' के फिल्मांकन के दौरान चुनौतियाँ सामने आईं? इस पर शरवरी ने बताया कि हां, 'वेदा' के शूटिंग के दौरान एक नहीं बल्कि कई चुनौतियों से मुठभेड़ हुआ जिसे उन्होंने उत्साह के साथ स्वीकार किया। विश्व दर्जे के जटिल एक्शन दृश्यों में महारत हासिल करने से लेकर अपने किरदार की भावनात्मक यात्रा में भी गहराई तक उतरने तक, उन्होंने एक पुष्ट अभिनेता के रूप में अपनी सीमाओं को लांघने की हिम्मत की तथा अपनी कठिन भूमिका के लिए आवश्यक शारीरिक और मानसिक तैयारी ने उसकी सीमाओं का परीक्षण किया, और वह कुछ ज्यादा मजबूत और अधिक आत्मविश्वासी बनकर उभरी।

अब तक शरवरी ने जिस तरह की फिल्मों में काम किया उससे एकदम अलग, 'वेदा' दर्शकों के लिए स्क्रीन पर उनके आमूल परिवर्तन को देखने और वेदा की रोमांचक दुनिया का अनुभव करने के लिए उत्सुक है। अपनी मनोरंजक कहानी, शानदार प्रदर्शन और बेहतरीन एक्शन के साथ, यह शर्बती आखों वाली लड़की शरवरी फिल्म दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने और बॉलीवुड के बदलते परिवेश में एक ताकत के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार है।

शरवरी ने कहा कि वो आशा करती हैं कि 'वेदा' को भारी सफलता मिलेगी।

रश्मिका और विजय' क्या वाकई कुछ हॉट खबर हैं?

–सुलेना मजुमदार अरोरा

कुछ सुना आप लोगों ने?

तो विजय देवरकोंडा, वह सुपर कूल हीरो है, जिसने अपनी नई फिल्म, 'वीडी 12' के पोस्टर के साथ एक धमाका कर दिया है वह सर से पांव तक एक सुपरहीरो की तरह इंटेंसिटी का जलवा बिखेर रहा है और फैंस उनका दीवाना हो रहे हैं।

लेकिन जरा गेस लगाइए कि इस मामले को और अधिक रोमांचक किसने बनाया? यस, वो है रश्मिका मंदाना। विजय की प्रेमिका होने की अफवाह से रश्मिका इन दिनो सुर्खियों में है। जैसे ही विजय का पोस्टर साझा हुआ और रश्मिका ने तुरंत हरकत में आते हुए एक फायर इमोजी के साथ 'दीवानगी' लिखा तो बस हंगामा हो गया। रश्मिका के ऐसा करते ही उन सभी अफवाहों पर आग में घी डालने जैसा हो गया जो अब तक सिर्फ अटकलें ही लगा रहे थे कि दोनों के बीच कुछ–कुछ हो रहा है।

नेट की दुनिया में हर कोई इस बारे में बात कर रहे हैं कि वे एक साथ, एक युगल के रूप में कितने आकर्षक दिखते हैं और कहीं वे वास्तव में डेटिंग तो नहीं कर रहे हैं? (हालाँकि दोनों की सगाई की खबरें खारिज हो गई) दोनों के बीच केमिस्ट्री कुछ इतनी साफ नजर आ रही हैं कि ऑब्जर्वर्स, विजय की नवीनतम फिल्म के सुपरहिट होने की सौ प्रतिशत आशा कर रहे हैं ओन्ली इस फ्रेश रोमांटिक जोड़ी के कारण।

बहुत सारे रहस्य के पर्दों के साथ यह एक रियल लाइफ ड्रामा है जिसका इंतजार करना होगा और देखना होगा कि आगे क्या होता है। क्या वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं या कुछ और? केवल समय बताएगा।

तो क्या रश्मिका कुछ खास संकेत दे रही है? क्या वह हमें कुछ बताना चाह रही है, या वह हम सबको चिढ़ाने में मजा ले रही है? नेटिजंस आश्चर्यचकित हुए बिना नहीं रह सकते कि क्या इन दोनों के बीच कुछ गर्मागरम पक रहा है? हो सकता है कि वे आग से खेल रहे हों या हो सकता है कि इस युवा जोड़ी के दिलों में प्रेम की वास्तविक लौ जल रही हो। केवल समय ही बताएगा कि क्या ये दोनों सिर्फ दोस्त हैं, या पर्दे के पीछे कुछ और मसालेदार चल रहा है।

हालाँकि, अफवाहें यह भी बता रहा है कि यह सब खालिस सुर्खियां है क्योकि रश्मिका मंदाना, राहुल सांकृत्यायन द्वारा निर्देशित फिल्म में विजय देवरकोंडा के साथ अभिनय कर रही हैं। यह फिल्म 120 करोड़ रुपये के बड़े बजट में बनी है। इस फिल्म में रश्मिका 'पुष्पा' में अपने किरदार की तरह ही गांव की लड़की का किरदार निभाएंगी। विजय देवरकोंडा के साथ यह उनकी तीसरी फिल्म है।

विजय की हालिया फिल्में 'लाइगर', 'कुशी' और 'फैमिली स्टार' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं। इसलिए उस पर बहुत दबाव है। उम्मीद है कि रश्मिका की भूमिका सकारात्मक बदलाव लाएगी। यह फिल्म 18वीं सदी पर आधारित है। इसका निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा किया जा रहा है, जिन्होंने 'पुष्पा' पर भी काम किया था। रश्मिका अन्य बड़ी फिल्मों में भी काम कर रही हैं। इसमें सलमान खान के साथ 'सिकंदर' और अल्लू अर्जुन के साथ 'पुष्पा 2' शामिल है। फैंस एक बार फिर विजय के साथ उनकी केमिस्ट्री देखने के लिए उत्साहित हैं लेकिन खैर, चाहे वे डेटिंग कर रहे हों या नहीं, उनकी केमिस्ट्री निर्विवाद है। वास्तव में यह एक अच्छा सोप ओपेरा देखने जैसा है, शायद वास्तविक जीवन में या फिल्म में। तो चलिए अपना पॉपकॉर्न तैयार रखें।

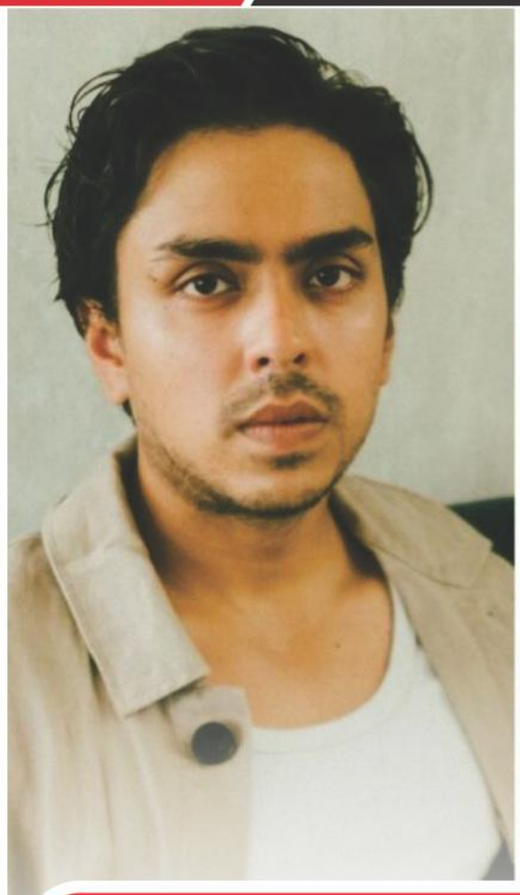

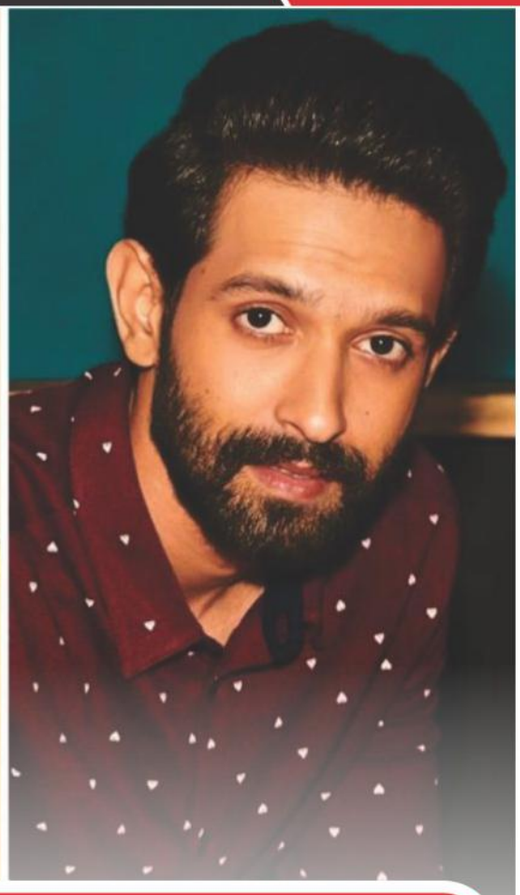

विक्रांत मैसी, रसिका दुग्गल और आदर्श गौरव आईएफएफएम 2024 में भारतीय सिनेमा की युवा आवाजों का प्रतिनिधित्व करेंगे

—सुलेना मजुमदार अरोरा

मेलबर्न का भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफएम) 2024 भारत के तीन सबसे प्रतिभाशाली और बहुमुखी अभिनेताओं: विक्रांत मैसी, रसिका दुग्गल और आदर्श गौरव को शामिल करने वाले एक आकर्षक पैनल की घोषणा करते हुए रोमांचित है। अपने सशक्त और विविध प्रदर्शनों के लिए मशहूर, ये युवा आवाजें भारतीय सिनेमा के भविष्य, इसके वैश्विक प्रभाव और इसकी कथा को आकार देने में युवा अभिनेताओं की भूमिका के बारे में विचारोत्तेजक बातचीत में शामिल होंगी।

विक्रांत मैसी ने '12वीं फेल', 'छपाक, कार्गो', 'लिपस्टिक अंडर माई बुर्का' जैसी फिल्मों और श्रृंखलाओं में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए प्रशंसा हासिल की है, और हसीन दिलरुबा अन्य दो अभिनय प्रतिभाओं के साथ मंच साझा करेंगी।

दिल्ली क्राइम, मंटो, मिर्जापुर, किस्सा और हामिद में अपने मंत्रमुग्ध कर देने वाले अभिनय के लिए जानी जाने वाली रसिका दुग्गल अपनी बहुमुखी भूमिकाओं के साथ मानदंडों को चुनौती देना जारी रखती हैं। अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, दुग्गल ने कहा, 'उन कहानियों का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात है जो लगातार सीमाओं को लांघ रही हैं, चाहे वह सामग्री में हो या रूप में, जबकि अभी भी खुद के प्रति सच्ची हैं मैं हमेशा मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव जैसे त्योहारों का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक रहता हूं जहां हमें अपनी कहानियों को बहुत ही विविध और समझदार दर्शकों के साथ साझा करने का अवसर मिलता है। भारतीय सिनेमा हमेशा से विविध कहानियों का घर रहा है और इसका जश्न मनाना अद्भुत और महत्वपूर्ण है।'

आदर्श गौरव, जिन्होंने 'द व्हाइट टाइगर' से अंतर्राष्ट्रीय ख्याति हासिल की और 'गन्स एंड गुलाब', 'रुख', 'मॉम', 'एक्सट्रपोलेशन' और आगामी रिडले स्कॉट की एलियन वेब श्रृंखला, रीमा कागती की सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं, ने अपने विचार साझा किए, 'भारतीय सिनेमा एक अनोखी आवाज है, एक जो दोनों हैपरंपरा में निहित है और निरंतर विकसित हो रहा है। मैं उस बातचीत का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं जो इसकी वैश्विक पहुंच और इसे तैयार करने के नवोन्मेषी तरीकों का पता लगाती है। मेलबर्न का भारतीय फिल्म महोत्सव इसी भावना का उत्सव है और मैं इस रोमांचक यात्रा में दर्शकों और साथी फिल्म निर्माताओं के साथ जुड़ने के लिए उत्सुक हूं।

प्रतिभाशाली तिकड़ी IFFM 2024 में एक लाइव चर्चा पैनल में भाग लेगी, जो भारतीय सिनेमा के गतिशील परिदृश्य और उद्योग में उनकी व्यक्तिगत यात्राओं पर ध्यान केंद्रित करेगी। यह सत्र इस बात पर एक अनूठा दृष्टिकोण पेश करता है कि युवा कलाकार फिल्म और कहानी कहने पर वैश्विक संवाद में कैसे योगदान दे रहे हैं।

मेलबर्न का भारतीय फिल्म महोत्सव 2024 15 अगस्त से 25 अगस्त तक होगा, जिसमें फिल्म स्क्रीनिंग, कार्यशालाओं और विशेष कार्यक्रमों के साथ सर्वश्रेष्ठ भारतीय सिनेमा का जश्न मनाया जाएगा।

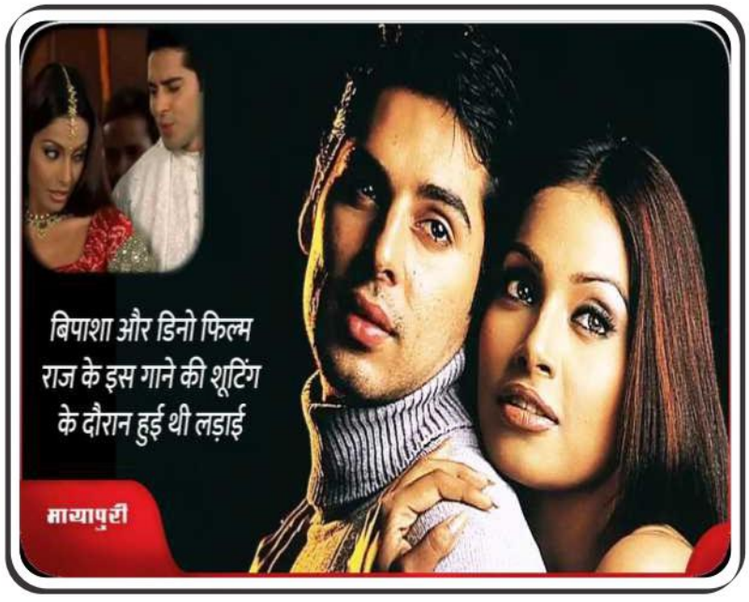

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने-सुनने के लिए Mayapuri.Com

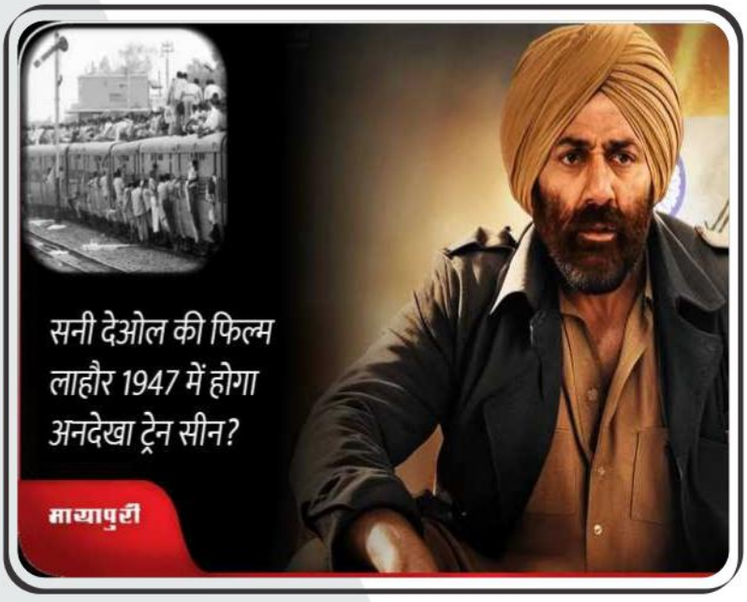

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने-सुनने के लिए Mayapuri.Com

सुरेश वाडकर 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' में सेलेब-होस्ट के अवतार में छाएंगे

—चैतन्य पडुकोण

महान शास्त्रीय गायक, अद्भुत पार्श्व गायक और संगीत–गुरु 'पद्म श्री' सुरेश वाडकर बहुत ही उत्साहित मूड में थे. हारमोनियम बजाते हुए अपनी गंभीर, शांत छवि से हटकर, सुरेश मंच पर लगभग रॉक–स्टार बन गए – यहाँ तक कि उन्होंने इस तरह से अभिनय किया जैसे कि वे इलेक्ट्रिक गिटार बजा रहे हों! यह उनके जन्मदिन समारोह (07 अगस्त) की पूर्व संध्या पर था और बड़ी धूमधाम के साथ उन्होंने इस अवसर को यादगार बनाने के लिए केक काटा. इस अद्भुत अवसर को मनाने के लिए सुरेश–जी ने स्टूडियो रिफ्यूल द्वारा निर्मित 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' नामक एक नए रेडियो कार्यक्रम की शुरुआत की घोषणा की.

प्रीमियम रहेजा क्लासिक क्लब में देर शाम आयोजित जन्मदिन समारोह में उनकी पत्नी,

बहुमुखी प्रतिभावान गायिका–गुरु पद्मा वाडकर, एक 'विशेष अतिथि' के रूप में उपस्थित थीं, साथ ही गतिशील शो एंकर (एमडी) देव कुमार (उनकी करिश्माई सहायक पत्नी रिद्धि कुमार के साथ) और स्टूडियो रिफ्यूल के सीईओ इंडिया चैप्टर सचिन तैलंग और दुबई चैप्टर के सीईओ रमन छिब्बर भी मौजूद थे.

अपनी भावपूर्ण आवाज और सदाबहार जोशीले और दिल को छू लेने वाले मधुर गीतों के लिए मशहूर बहुमुखी प्रतिभा के धनी सुरेश वाडकर ने इस अवसर पर ऐतिहासिक फिल्म 'सदमा' (1983) के सदाबहार गीत 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' को याद किया. और उन्होंने साउथसाइड जीनियस इलैयाराजा (जिन्हें प्यार से 'राजा' भी कहा जाता है) द्वारा रचित सदाबहार रेट्रो–गीत की कुछ पंक्तियां भी गाईं और इस गीत की रिकॉर्डिंग के पीछे के किस्से (बीटीएस) और आज भी इसकी लोकप्रियता के बारे में बताया. बाद में, मीडिया–फार्मेश सुरेश ने चप्पा चप्पा चरखा चले (पाचिस–1996), मेघा रे मेघा रे (प्यासा सावन) और तुमसे मिलके (परिंदा–1989) की कुछ पंक्तियां भी लाइव गाईं.

इस प्रतिष्ठित गीत से प्रेरित होकर, सुरेश वाडकर 'पहली बार' रेडियो में कदम रख रहे हैं, इस नए रेडियो–शो–सेलेब–होस्ट की यात्रा के बारे में अपनी उत्तेजना व्यक्त कर रहे थे. यह रेडियो शो, जो दिवाली के शुभ अवसर पर उपलब्ध होगा, एक संगीतमय यात्रा होने का वादा करता है, जहाँ मुखर सुरेश वाडकर अपनी यादों से कुछ अनसुनी कहानियाँ और अपने गीत–रिकॉर्डिंग, अपने गीत–सिटिंग और अपने लाइव कॉन्सर्ट के बारे में दुर्लभ अल्पज्ञात तथ्य और रोचक तथ्य प्रकट करेंगे 'मेरे जीवन और करियर की मीठी खुशनुमा पुरानी घटनाओं के अलावा, लेकिन (खट्टा–मीठा) शायद बिना फिल्टर किए थोड़ी–सी कड़वी और खट्टी यादें और अनुभव भी मैं साझा करूँगा और मेरे करियर और गानों के बारे में कुछ चौंकाने वाले तथ्य भी बताऊँगा. सुरेश–जी ने आश्वासन दिया, जिन्हें अपनी जीवन–साथी पत्नी पद्मा वाडकर का निरंतर समर्थन प्राप्त है।

गतिशील एंकर देव कुमार ने भी पुष्टि की कि रेडियो शो में सुरेश वाडकर कड़वी–मीठी रोचक यादें सुनाएंगे, लॉन्च इवेंट एक लाइव संगीत संध्या में बदल गया, जहां सुरेश वाडकर ने अपने धमाकेदार गाने गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. गुरु–शिष्य की परंपरा को कायम रखते हुए, सुरेश वाडकर चलाते हैं, (जो संगीत गुरु और शास्त्रीय संगीत के दिग्गज पंडित जियालाल वसंत को समर्पित है) जहां वे और उनकी टीम छात्रों को गायन और संगीत का प्रशिक्षण देती है.

7 अगस्त, 1955 को जन्मे विनम्र, मृदुभाषी सुरेश ईश्वर वाडकर ने कई ब्लॉकबस्टर हिंदी और क्षेत्रीय भाषा के गाने गाए हैं. रेडियो शो 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' का बेसब्री से इंतजार उनके प्रशंसकों, संगीत प्रेमियों और सिनेमा प्रेमियों में है. शो के होस्ट देव कुमार और सुरेश वाडकर ने अपने नए शो 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' के साथ भारतीय संगीत के मधुर और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध युग को पुनर्जीवित करने का बीड़ा उठाया है.

70 वें जन्म दिन पर खास :

"हम अपने खट्टे मीठे अनुभव गीतों के साथ रेडियो पर पेश करने वाले हैं.."

-सुरेश वाडकर

शांतिस्वरूप त्रिपाठी

सर्वश्रेष्ठ गायक के राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजे जा चुके मशहूर गायक सुरेश वाडकर ने सात अगस्त को अपने जीवन का सत्तरवां जन्म दिन मनाया.यह जन्म दिन उनके लिए दोहरी खुशी लेकर आया.उनके जन्म की पूर्व संध्या पर ''स्टूडियो रीफ्यूल'' के कुमार और रमन ने एक भव्य समारोह आयोजित कर इस बात की घोषणा की कि वह सुरेश वाडकर के साथ 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' नामक रेडियो कार्यक्रम को शुरू करने जा रहे हैं.उसी समय सुरेश वाडकर से हमारी बातचीत हुई.

❍ 1983 में प्रदर्शित फिल्म ''सदमा'' में आपने गीत ''ऐ जिंदगी गले लगा ले'' गाया था,जो कि श्री देवी पर फिल्माया गया था.इस गीत को लेकर आपकी क्या यादें हैं?

—इस गीत को गाने के अनुभव आज भी ताजे हैं.लगभग 41 साल पहले मैने इस गीत को गाया था और यह गीत आज भी लोग सुनना पसंद करते हैं.इस फिल्म के संगीतकार इलैया राजा साहब थे.मैं पहली बार इलैया राजा साहब से मिला था.इलैया राजा भारत के सर्वाधिक प्रतिभाशाली व लोकप्रिय संगीतकार हैं.यह मेरी खुशकिस्मती थी कि उन्होने मुझे यह प्यारा सा गीत गाने का अवसर दिया.जब मैं पहली बार उनसे मिला तो वह एकदम साधारण इंसान की तरह मिले.सफेद कुर्ता और सफेद धोती पहने हुए थे.माथे पर भस्म लगा रखी थी.ऊपर वाला साक्षी है कि मैं उस वक्त उनके बारे में बहुत ज्यादा नही जानता था. दक्षिण भारत के संगीत के प्रति मेरा ध्यान नही था.सबसे पहले भाषा की समस्या थी.पर संगीत तो पूरे विश्व में वही —''सारेगामा पा ध नि सा..''ही है.पर संगीत के साथ शब्द समझ में आए तो उसका मजा ही अलग होता है.के सी लाड और उत्तम सिंह जी ही इलैया राजा को लेकर मेरे पास आए थे कि फिल्म 'सदमा' के लिए दो गीत गाने हैं.इलैया राजा की यह पहली हिंदी फिल्म थी.हमे उनके साथ काम करके इतना मजा आया कि मैं भूल नही सकता.जब 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' रिकॉर्ड हो रहा था,तो करीबन डेढ़ सौ म्यूजीशियन थे. इसके अलावा इस गाने को सुनने के लिए बॉलीवुड के बड़े बड़े म्यूजीशियन व संगीतकार भी आए हुए थे.यह बड़े लोग सिर्फ गाना सुनने और इसलिए आए थे कि इलैया राजा साहब किस तरह से काम करते हैं.तो आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उस दिन का मंजर क्या रहा होगा? यह गाना फिल्म सेंटर में रिकॉर्ड किया जा रहा था और एक उत्सव जैसा माहौल था.फिल्म के प्रदर्शन के बाद तीन वर्ष तक मुझे अहसास ही नहीं हुआ कि यह गाना कितना लोकप्रिय है. क्योंकि उन दिनों मैं हर दिन तीन से चार गाने गाया करता था.एक स्टूडियो से दूसरे स्टूडियो की भागदौड़ हुआ करती थी.शायद 1986 की बात है.दिल्ली में एक कार्यक्रम था.स्टेज पर कम से कम पचास चिट्ठियां मेरे पास आयीं कि 'ऐ जिंदगी गले लगा ले..' गाना आप क्यों नही गा रहे हैं. तब मुझे याद आया कि यह तो इलैया राजा साहब का गीत है. आपको यकीन नही होगा,पर मैने उसी वक्त बड़ी विनम्रता के साथ घोषणा की कि इस गाने के शब्द / बोल मुझे याद नही हैं,कोई मुझे यदि लिखकर दे दे,तो मैं गा दूंगा.उन दिनों आज की तरह सुविधा नही थी कि हम तुरंत मोबाइल पर गूगल सर्च में जाकर गाने के शब्द ढूंढ़ लेते. बामुश्किल पांच मिनट के अंदर एक सुंदर सी लड़की इस गाने को लेकर मेरे पास आयी,तो मुझे अच्छा लगा.मैने इस गाने को गाया.उस दिन मुझे इस गाने को तीन बार गाना पड़ा था.इसी से अप अंदाजा लगा सकते हैं कि यह गाना कितना लोकप्रिय था. मैने इलैयाराजा के ही संगीत निर्देशन में फिल्म ''सदमा' का ही गाना 'ये हवा ये फिजा' को आशा भोसले के साथ गाया था.

जहां तक 'ऐ जिंदगी गले लगा ले..' का सवाल है तो इसकी लोकप्रियता कभी कम नही हो सकती.अभी कुछ दिन पहले इस गाने को दोबारा अरजीत सिंह ने गाया है.बहुत सुंदर गाया है. अरजीत सिंह मेरे बेटे जैसा ही है.जब श्रीदेवी जी का निधन हुआ,तो उन पर उस वक्त जितने भी वीडियो यूट्यूब पर बने,सभी में यह गाना उपयोग किया गया था.

❍ तभी ए आर रहमान से भी आपकी मुलाकात हुई थी?

जी हॉ! इलैया राजा के ही साथ एक बारह वर्ष का युवा आया हुआ था.जो कि 'की बोर्ड' बजाया करता था. मैं तो उसके 'की बोर्ड' बजाने की कला पर मोहित हो गया था.वह बालक ए आर रहमान साहब थे.

❍ आपने कुमार के साथ मिलकर रेडियो कार्यक्रम ''ऐ जिंदगी गले लगा ले..' बनाने का इरादा क्यों बनाया?

—हमारी भारतीय संस्कृति व भारतीय संगीत का का सुनहरा दौर लुप्त होता जा रहा है.मैं काफी समय से इसे दोबारा वापस लाने पर विचार कर रहा था.ऐसे ही दौर में एक दिन कुमार साहब इस रेडियो प्रोग्राम का मसौदा लेकर आ गए.इसमें भारतीय सस्कृति व संगीत के पुराने दौर को वापस लाना ही मूल मकसद है. इसलिए हमने हामी भर दी. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' रेडियो कार्यक्रम में मेरे खट्टे मीठे अनुभव गीतों के साथ आने वाले हैं. यह वह अनुभव होंगे,जिन्हें आप लोगो ने अब तक नही सुना होगा.खट्टे अनुभवो में कितनी खटास होगी और मीठे अनुभवों में कितनी मिठास होगी इसका आप अंदजा लगा सकते हैं.इस कार्यक्रम का निर्माण कुमार जी अपने स्टूडियो 'स्टूडियो रीफ्यूल' के तहत कर रहे हैं.रीफ्यूल तो रोज ही करना पड़ता है,फिर चाहे वह पेट्रोल हो या वॉयस हो.संगीत में इतनी ताकत हे कि वह हर इंसान के अंदर सुर बनकर रहते है.संगीत का यह फ्यूल कभी खत्म नही होने वाला फ्यूल है.इसके लिए तो स्टार्टर भी नही लगाना पड़ता.मैं अपनी जिंदगी में पहली बार रेडियो के लिए ऐसा कोई कार्यक्रम कर रहे हैं.इससे पहले हमने रेडियो पर अपने फौजी भाईयों के लिए गाने गाए थे.हम इसके म्यूजिकल कंसर्ट भी करने वाले हैं.पॉडकास्ट से लेकर काफी कुछ करने की योजना है.वैसे रेडियो पर मेरे गाने बहुत बजते रहे हैं.क्योंकि अक्सर ऐसा होता रहा है कि जब मैं अपना कोई गाना किसी कार्यक्रम में गाता हूँ,तो लोग कहते हैं कि अच्छा तो आपने यह गाना गाया था.मतलब कि उन्होने रेडियो पर मेरा गाना सुना होता है,पर उन्हे रेडियो पर शक्ल देखने को नही मिली थी.

❍ यह कार्यक्रम किस रेडियो पर आने वाला है?

थोड़ा सा इंतजार करें.इसकी शुरूआत दिवाली तोहफे के रूप में होगी,उसी वक्त हम रेडियो का नाम घोषित करने वाले हैं.

❍ आप अपनी संगीत शिक्षा पर कुछ कहना चाहेंगें?

मेरी परवरिश गिरनी गांव यानी कि 'मिलों' वाले क्षेत्र अर्थात वर्ली,मुंबई में हुई.इस इलाके के बच्चों को 15 साल की उम्र से ही नौकरी करनी पड़ती थी.बचपन से ही संगीत का शौक रहा है.एक दिन मेरे पिता जी ने मुझे गाते हुए सुना तो उन्हें लगा कि यह मेरा बच्चा अच्छा गा सकता है,अगर मैं इसको गाना सिखवा दूँ.मगर मेरे पिता जी के पास मुझे संगीत सिखाने की क्षमता नही थी.एक दिन उन्हे गुरू पंडित जिया लाल वसंत के बारे में पता चला तो दस साल की उम्र में मेरे पिता जी मुझे लेकर गुरू पंडित जियालाल वसंत के पास पहुँच गए.पंडित जियालाल वसंत कश्मीर से मुंबई आकर गुरू शिष्य परंपरा के तहत बच्चों को संगीत व गायन सिखाया करते थे.तो एक दिन मेरे पिता जी ने मुझे गुरु जी की शरण में लाकर यह कहते हुए छोड़ दिया कि 'अब पंडित जी आप ही इसे देख लीजिए. मुझे इसे ना बैरिस्टर बनाना है ना डॉक्टर बनाना है.मगर मेरा बेटा एक अच्छा गाने वाला होना चाहिए.इसके लिए हम इसे यहां छोड़ देते हैं. हम लोग कभी आएंगे भी नहीं, पूछेंगे भी नहीं. मगर सिर्फ आप इसे गाना सिखा दीजिए. ''तो मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मेरे माता–पिता ने मेरे बारे में सोचा.हमारे गुरू जिया लाल वसंत जी ने कभी किसी से एक पैसा फीस नहीं ली.पहले बैच के बच्चों को तो वह म्युनिसिपल स्कूल से लाए थे. मैं उस वक्त नौ साल का था.कहते है कि 'जिसे सदगुरु मिल जाता है जिंदगी में उसको सब कुछ मिल जाता है.'तो मैंने गुरु जी के घर में रहकर गाना सीखा.पढ़ाई लिखाई पुरी की.

❍ क्या अपने गुरू को गुरू दक्षिणा देने की सोच के साथ आपने आजीवासन संगीत विद्यालय शुरू करने के बारे में कैसे सोचा?

–जब तक मेरे गुरू जी रहे,वह बच्चों को संगीत की तालीम देते रहे.इस संसार से गुरु जी के जाने के बाद मैंने सोचा कि वह कश्मीर से आकर यहां हम बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा किया.उन्होंने तो यह जो पेड़ लगाया है,इन्होंने इसको सींच कर बड़ा करना हमारा काम है.यही सोचकर हमने ''आजीवासन संगीत विद्यालय'' शुरू किया.आप तो कई बार वहां पर आ चुके हैं. आज वहां दो ढाई हजार बच्चे हैं.दो ढाई हजार बच्चे गाना बजाना सीखते हैं.उसी में से मेरे बहुत सारे बच्चे जिन्हें आप सुन रहे हैं,वह हैं. विजय प्रकाश,राहुल वैद्य,श्रेयश,रविकांत त्रिपाठी यह सब हमारे ही 'आजीवसन संगीत विद्यालय' से हैं. अभी आपने नया सुपरस्टार अथर्व बक्शी को चुना है,वह भी मेरे आजीवासन का ही शिष्य है.हम तो नई पीढ़ी को शास्त्रीय संगीत की शिक्षा देते रहना चाहते हैं.

बाक्स आईटमः

69 वर्षीय फिल्म पार्श्वगायक व शास्त्रीय गायक सुरेश वाडकर अब तक हिन्दी और मराठी फिल्मों में गीत गाने के अलावा भोजपुरी, कोंकणी और ओड़िया गाने भी गाए हैं। 2011 में उन्हें श्रेष्ठ पार्श्वगायक की श्रेणी में राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार से नवाज़ा गया था. सुरेश वाडकर ने 20 वर्ष की उम्र में एक संगीत प्रतियोगिता 'सुर श्रृंगार' में भाग लिया, जहां संगीतकार जयदेव और रवींद्र जैन बतौर निर्णायक मौजूद थे.सुरेश की आवाज से दोनों निर्णायक प्रभावित हुए, और उन्होंने उन्हें फिल्मों में पार्श्वगायन के लिए भरोसा दिलाया.

रवींद्र जैन ने राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'पहेली' में उनसे पहला फिल्मी गीत 'वृष्टि पड़े टापुर टुपुर' गवाया था. इसके बाद जयदेव ने उन्हें फिल्म 'गमन' में 'सीने में जलन.' गीत गाने का मौका दिया, जिससे उन्हें लोकप्रियता प्राप्त हुई.उसके बाद उन्होंने लक्ष्मीकांत प्यारेलाल के लिए 1981 की फिल्म 'क्रोधी' में 'चल चमेली बाग में' और 'प्यासा सावन' में 'मेघा रे मेघा रे' गीत लता मंगेशकर के साथ गाया था.1982 में फ़िल्म 'प्रेम रोग' में 'मेरी किस्मत में तू नहीं शायद' और 'मैं हूं प्रेम रोगी' गीत गाए.इस फिल्म के बाद ऋषि कपूर की फिल्मों के गीतों के लिए सुरेश वाडकर को ही चुना जाने लगा। अगले कुछ वर्षों में सुरेश ने कई बड़े संगीत निर्देशकों के लिए गीत गाए। इनमें 'हाथों की चंद लकीरों का' (कल्याणजी आनंदजी), 'हुजूर इस कदर भी न' (आर. डी. बर्मन), 'गोरों की न कालों की' (बप्पी लाहिड़ी), 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' (इलैयाराजा) और 'लगी आज सावन की' (शिव–हरि) जैसे कई गीत शामिल हैं.

सुरेश वाडकर ने आर. डी. बर्मन और गुलजार के साथ मिलकर कुछ गैर फिल्मी गीतों के कई एल्बम भी बनाए, लेकिन वह व्यावसायिक दृष्टि कामयाब नहीं हो पाए.उन्होंने लंबे अंतराल के बाद अपनी फिल्म 'माचिस' में 'छोड़ आए हम' और 'चप्पा चप्पा चरखा चले' जैसे गीत गाए.2000 के दशक में सुरेश ने प्रमुखतः विशाल भारद्वाज के साथ काम किया, जिनमें फिल्म 'सत्या', 'ओमकारा','कमीने' और 'हैदर' के कुछ गीत प्रमुख हैं.उन्होने कुछ भक्ति एल्बम भी बनाए हैं.

सुरेश वाडकर की पत्नी पद्मा भी शास्त्रीय गायिका हैं.उनकी दो बेटियाँ जिया और अनन्या हैं...

बॉक्स ऑफिस कसौटी

वेब सीरीज रिव्यु : 'ग्यारह : ग्यारह'

''कमजोर लेखन व निर्देशन ने किया मजा किरकिरा...''

रेटिंग - ★★

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

निर्माता : करण जौहर व गुनीत मोंगा
लेखक : कोरियाई सीरीज का भारतीय करण कर्ता पूजा बनर्जी और सुंजॉय शेखर
निर्देशक : उमेश बिस्ट
कलाकार : कृतिका कामरा, राघव जुयाल, धैर्य करवा, नितेश पांडे, ब्रजेंद्र काला, गौतमी कपूर, हर्ष छाया, पूर्णेदु भट्टाचार्य और मुक्ति मोहन.
अवधि : पैंतालिस से पचास मिनट के आठ एपीसोड
ओटीटी : नौ अगस्त से जी 5 पर

अतीत में 'टाइम ट्रावेल' पर कई फिल्में बन चुकी हैं, मगर किसी को भी सफलता नहीं मिली। अब 'टाइम ट्रावेल' के साथ ही रहस्य व अपराध प्रधान वेब सीरीज 'ग्यारह : ग्यारह' लेकर करण जौहर व गुनीत मोंगा आए हैं, जो कि दक्षिण कोरिया की रहस्य व अपराध सीरीज ''सिग्नल' का भारतीय करण है। यह क्राइम थ्रिलर फैंटसी है। इसमें ड्रामा है, एक्शन है, थ्रिल है, रहस्य है। मगर दर्शकों के दिलों में जगह नहीं बना पाती।

कहानी :

इस रहस्य अपराध फैंटसीं सीरीज में समय सबसे बड़ी पहेली है, जो अतीत और भविष्य के रहस्यमय धागों को वर्तमान पल के ताने– बाने में बुनता है। रहस्य व अपराध प्रधान फैंटसी सीरीज की कहानी के केंद्र में देहरादून पुलिस स्टेशन में कार्यरत इंस्पेक्टर युग आर्या (राघव जुयाल) हैं. जो कि रात ग्यारह बजकर ग्यारह मिनट पर महज एक मिनट के लिए इंस्पेक्टर शौर्य अंथवाल (धैर्य करवा) से एक टूटे हुए वॉकी टॉकी पर बात करते हैं। 2001 उसके बाद इस वॉकी टॉकी का कभी उपयोग ही नहीं किया गया। इंस्पेक्टर शौर्य 1990 के दशक में हैं और इंस्पेक्टर युग 2016 में हैं.इंस्पेक्टर शौर्य 2001 के बाद से गायब हैं, वह जिंदा हैं या मर गए, किसी को पता नहीं। 2016 में सरकार कानून लेकर आती है कि 15 वर्ष पुराने आपराधिक केस बंद कर दिए जाएंगे. इस नए कानून के तहत 2001 में हुआ अदिति तिवारी के अपहरण व हत्या का केस भी बंद हो जाएगा। दो दिन बाकी हैं और युग को इस केस को हल करना है। 2001 में युग दस ग्यारह साल के थे और उस दशहरे मेले में मौजूद थे, जहां से एक औरत ने अदिति का अपहरण किया था। वैसे उत्तराखंड के आई जी को 15 साल पहले के अनसॉल्व केस खत्म करने की जल्दी है। जब इंस्पेक्टर युग को लगता है कि वह अदिति के हत्यारे को सामने नहीं ला पाएगा, तभी एक रात 11:11 बजे चमत्कार होता है। वॉकी टॉकी पर शौर्य व युग की जो एक मिनट में बात होती है,उससे अपराध के मामले हल करने में युग को मदद मिलती है। इंस्पेक्टर शौर्य द्वारा साझा की गई जानकारी आर्य और एस पी वामिका रावत (कृतिका कामरा) को अदिति तिवारी हत्याकांड को

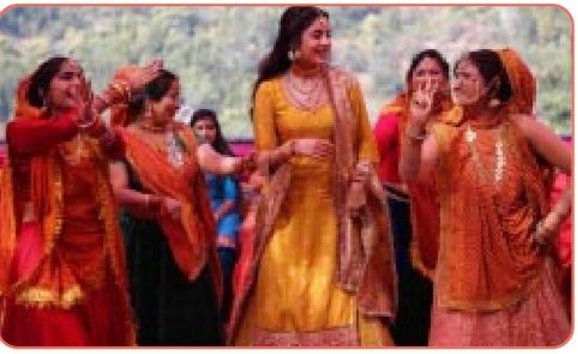

सुलझाने में काफी मदद करती है। इससे उसके साथ एसपी वामिका रावत (कृतिका कामरा) भी हो जाती हैं। जबकि आईजी समीर भाटिया (हर्ष छाया) रहते हैं. अदिति तिवारी का केस हल होने के साथ ही अदालत सरकार के फैसले को पलट देती है। तब आई जी गुस्से में सारे पुराने केस हल करने की जिम्मेदारी वामिका रावत, युग, बलवंत (नितेश पांडे) व दीपू की टीम के कंधे पर डाल देते हैं। आठ एपिसोड की इस सीरीज में एक नहीं कई आपराधिक मामले हल किए जाते हैं।

रिव्यू :

निर्देशक उमेश बिस्ट ने सीरीज की शुरूआत शानदार की है। दो एपिसोड तक लगता है कि यह सीरीज हंगामा करेगी, मगर तीसरे एपिसोड से उमेश बिस्ट की इस सीरीज पर से पकड़ खत्म होती जाती है। तीसरे एपिसोड के शुरूआत होते ही अदिति तिवारी का केस हल होते ही लेखक व निर्देशक के हाथ से पूरी सीरीज निकल जाती है। सातवें एपिसोड में नए आपराधिक मामले के साथ एक बार फिर सीरीज पटरी पर लौटती है और सातवां व आठवां एपीसोड लोगों को बांधकर रखता है। इस तरह आठ में से चार एपिसोड रोचक और चार एपीसोड बकवास हैं। फिल्म की पटकथा काफी कमजोर व बिखरी हुई है। तीसरे एपिसोड से ही सीरीज गति खो देती है। इसकी मूल वजह यह भी है कि जो आपराधिक मामले जांच के लिए चुने जाते हैं, उनमें दम नजर नहीं आता. मसलन–तीसरे एपिसोड से जिस कांड की जांच शुरू होती है, वह 1990 का 'टाई एंड डाई' है। यह नाम ही अपने आप में गड़बड़ है। इसका अपराध से कोई लेना देना नहीं है। इसके अलावा इसमें सीरियल किलर द्वारा नौ हत्याएं करने को सुलझाने में तीसरे से छठे तक एपिसोड तक पहुँच जाते हैं। बीच में कई दृश्य बेवजह ठूँसे हुए नजर आते हैं। लेखक व निर्देशक को यह भी नहीं पता कि 9 नवंबर 2000 से पहले उत्तरप्रदेश का हिस्सा था। 1990 व 1998 में भी उत्तराखंड ही बताया गया। यूँ भी 'पगलैट' जैसी असफल फिल्म के निर्देशक उमेश बिस्ट से उम्मीद रखना भी बेमानी ही है।

अतीत को बदलने के प्रयास में वर्तमान पर कितना असर पड़ता है, उसकी कहानी है। पर यह इस सीरीज की सबसे बड़ी कमजोर कड़ी है,क्योंकि इसे दर्शन शास्त्र का उपयोग कर बताया गया है। जिसके चलते हर आम आदमी इस सीरीज के साथ रिलेट नहीं कर सकता। फिल्म में बीच–बीच में कुछ धार्मिकता जोड़ी गयी है, उसकी जरुरत नहीं थी।

निर्देशक उमेश बिस्ट व उनकी लेखकों की टीम ने कई किरदारों को संदेह के दायरे में रखकर सीरीज का कबाड़ा ही किया है। मसलन–पुलिस इंस्पेक्टर युग आर्य भेष बदले हुए पुलिस वाले की तरह महसूस होता है, जिसका भंडाफोड़ किसी भी क्षण हो सकता है।

पिछले 15–20 वर्षों से 'सीआईडी', 'क्राइम पेट्रोल', 'सावधान इंडिया' जैसे सीरियल देखने के आदी दर्शक तो 'ग्यारह ग्यारह' देखते हुए बोर ही होंगे. सातवें व आठवें एपिसोड में अलग अपराध कथा है और यह दोनों एपिसोड जरुर काफी चुस्त व रोचक हैं। चमत्कार हर दिन या बार बार नहीं होते। शौर्य व युग के बीच रात ग्यारह बजकर ग्यारह मिनट पर एक मिनट की बातचीत बार बार होने से भी दर्शक को अजीब–सा लगना स्वाभाविक है। सवाल यह है कि इस सीरीज में 'टाइम ट्रावेल की जो बात दिखायी गयी है वह विज्ञान सम्मत है? निश्चित रूप से कुछ भी कह पाना संभव नहीं। जिस तरह से कहानी बार बार अतीत में आती जाती रहती है, उससे भी भ्रम की स्थितियां बनती हैं। सीरीज न्यायिक प्रणाली की निराशाजनक खामियों के साथ ही ईमानदार पुलिस अधिकारियों की बेबसी को भी उजागर करने में जरुर सफल है। लगभग आठ एपिसोड के सात घंटे लंबी अवधि के बाद भी मूल रहस्य तो रहस्य ही रह गया है। शायद इसे सीजन दो में उजागर किया जाए।

कैमरामैन कुलदीप ममानिया बधाई के पात्र है। वह उत्तराखंड की खूबसूरती को बेहतर ढंग से अपने कैमरे में कैद करने में सफल रहे हैं।

एक्टिंग :

आवेगशील और दृढ़निश्चयी पुलिस कर्मी युग आर्या के किरदार में राघव जुयाल कमजोर साबित हुए है। केस को निपटाने की जल्दी के बीच एक पुलिस ऑफिसर की बेचैनी को अपने अभिनय से राघव जुयाल जुबान नहीं दे पाए। समर्पित पुलिस कर्मी शौर्य अंथवाल के किरदार में धैर्य करवा कुछ दृश्यों में जमे हैं, मगर कई जगह उनका अभिनय भी स्तरहीन है। गौतमी कपूर, हर्ष छाया, पूर्णेदु भट्टाचार्य, ब्रजेंद्र काला और मुक्ति मोहन सहित बाकी सहायक कलाकार कहानी को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। वामिका रावत के किरदार में कृतिका कामरा को देखकर यह अहसास होता है कि वह 2001 और 2016 के बीच इंसान के व्यक्तित्व, सोच व कार्यशैली में जो बदलाव आता है, उसे न्हीं पकड़ पायी। वामिका का करियर 2001 में शौर्य के साथ शुरू होता है और अब 2016 में वह एसपी हैं।

IMPPA प्रतिनिधिमंडल ने फिल्म नीति लाने पर उपमुख्यमंत्री को दी बधाई..

मायापुरी डेस्क

इंडियन मोशन पिक्चर्स प्रोड्यूसर एसोसिएशन (IMPPA) के अध्यक्ष अभय सिन्हा, इम्पा के कार्यकारिणी सदस्य और फिल्म मेकर कम्बाइन के जनरल सचिव निशांत उज्जवल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आज बिहार सरकार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा से मुलाकात कर बिहार में फ़िल्म नीति लागू करने के लिए आभार व्यक्त किया. इस मौके पर उप मुख्यमंत्री माननीय विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि इम्पा से जुड़े निर्माता बिहार में आकर अपनी फिल्मों का निर्माण करें. बिहार में एक से बढ़ कर एक लोकेशन हैं. बिहार प्राकृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी बेहद समृद्ध है, जिसकी छवि का इस्तेमाल निर्माता अपनी फिल्मों के जरिये दर्शकों के सामने कर पाएंगे. इससे बिहार में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसर मिलेंगे. इसलिए मैं सभी फिल्म मेकर को बिहार की पावन धरती पर शूटिंग के लिए आमंत्रित करता हूँ. मेकर्स को राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग एवं सहायता प्रदान की जाएगी.

इस अवसर पर **इम्पा अध्यक्ष अभय सिन्हा** ने कहा कि बिहार कला और संस्कृति के मामले में काफी समृद्ध है. अवसर की कमी से बिहार का यह पक्ष सामने नहीं आ पाता था. लेकिन फिल्म नीति के बाद ऐसा नहीं होगा और अब बिहार की कला के साथ - साथ यहाँ के धरोहर स्थल को भी लोग फिल्मों के माध्यम से देख पाएंगे और लोगों को पर्यटन के लिए बिहार आकर्षित करेंगे. निशांत उज्जवल ने कहा कि हमें ख़ुशी है कि फिल्म निर्माताओं को बिहार की धरती पर शूटिंग करने का अवसर मिलेगा. इसके लिए हम बिहार सरकार का आभार व्यक्त करते हैं. वहीं, उन्होंने प्रतिनिधिमंडल ने कला संस्कृति व युवा विभाग के अपर मुख्य सचिव हरजीत कौर से भी मिलकर उन्हें एक अपनी मांगों का ज्ञापन भी सौंपा.

आपको बता दें कि फिल्म निर्माताओं के लिए इम्पा की स्थापना सन 1937 में हुई थी, जिसके निवर्तमान अध्यक्ष अभय सिन्हा हैं. वे बिहार से आने वाले पहले अध्यक्ष हैं. उनके साथ इस राष्ट्रीय स्तर की संस्था में बिहार से जनरल सचिव के पद पर निशांत उज्जवल भी चुने गये हैं. दोनों मिलकर राष्ट्रीय स्तर पर बिहार का मान बढ़ा रहे हैं और उनके प्रयासों से ही बिहार में फिल्म नीति को लागू करना संभव हो सका है...

इम्पा अध्यक्ष अभय सिन्हा

कंगना रनौत ने हिमाचल प्रदेश के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया...

मायापुरी डेस्क

हिमाचल प्रदेश में आई विनाशकारी बाढ़ के मद्देनजर, अभिनेता से नेता बनीं कंगना रनौत ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने का अपना वादा पूरा किया है. हाल ही में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत राशि के संबंध में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात करने के बाद, कंगना अब व्यक्तिगत रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की तबाही देखने के लिए वहां पहुंची हैं.

अपने दौरे की तस्वीरें साझा करते हुए, मंडी के नवनिर्वाचित सांसद ने लिखा, "आज हिमाचल प्रदेश में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया. हम इस विशाल ब्रह्मांड के सामने बहुत कमज़ोर हैं... हे धरती देवी, जीवन की माता हम पर दया करें."..

बहुमुखी प्रतिभा के धनी फिल्म डायरेक्टर,प्रोड्यूसर, गीतकार, लेखक सावन कुमार टाक से एक्सक्लूसिव मुलाकात

सुलेना मजुमदार अरोरा

मायापुरी के जरिए मेरी ये बात लाखों लोगों तक पहुंचा दीजिये कि मुझे जेनुइन फाइनेन्सर की तलाश है!

बहुमुखी प्रतिभा के धनी **सावन कुमार टाक** बॉलीवुड के उन चंद निर्माता निर्देशक लेखक गीतकार में से एक हैं जिनकी फिल्मों में एक अजब सी सुगंध और धड़कन है और जो रुपहले पर्दे के हर मानक और जरूरत को पूरा करते हुए कमर्शियल फिल्मों की सारी खूबियों के बावजूद शिक्षा मूलक और भावना प्रधान और कलात्मक होती है! और हो भी क्यों नहीं, वे एक कवि शायर और गीतकार हैं जो पैसे कमाने के उद्देश्य से कभी फिल्में नहीं बनाते थे! जब–जब उन्हें भावना प्रधान शिक्षा मूलक कहानी मिलती थी वे उसे सेल्यूलाइट के कैनवास पर सात रंगों के साथ उतार दिया करते थे, जब नहीं मिलती तो फिल्में नहीं बनाते। पिछले दिनों हमारे **मायापुरी के संपादक श्री प्रमोद कुमार बजाज जी** से **सावन कुमार** का पर्सनल नम्बर मिल गया तो बरसों बाद मैं उनसे संपर्क कर पाई! ढेर सारी भूली बिसरी यादें उभर कर सामने खड़ी थी! मेरी उनसे पहचान उस जमाने के व्यस्त **पीआरओ दीपसागर अंकल** ने करवाई थी! उसके बाद कई बार इंटरव्यू लेना हुआ! वे मुझे अक्सर **'मिनी टीना मुनीम'** कहकर पुकारते थे! वे 65 के दशक से बतौर डायरेक्टर, प्रोड्यूसर, गीतकार और लेखक बेहद चर्चित थे। उनकी ढेर सारी हिट फिल्में , जैसे **'नौनिहाल', 'गोमती के किनारे', 'हवस', 'द लव', 'सनम बेवफा', 'सौतन', 'दिल परदेसी हो गया', 'बेवफा से वफा', 'सौतन की बेटी', 'चांद का टुकड़ा', 'साजन बिना सुहागन', 'सलमा पे दिल आ गया', 'साजन की सहेली', 'प्यार की जीत', 'सनम हरजाई', 'अब क्या होगा', 'लैला', 'मदर', 'ओ बेवफा', 'मदर 98', 'प्रीति', 'डाकू रामकली', 'प्रेम दान', 'लेडी विलन'** ने उन्हें टॉप पोजीशन पर ला खड़ा कर दिया था! एक डाइरेक्टर के रूप में मैंने उन्हें हमेशा काफी ठसकदार और नो नॉनसेंस मूड में देखा। वे बड़े–बड़े स्टार्स के भी नखरे कभी नहीं उठाते थे और जरूरत पड़ी तो सरेआम डाँट भी देते थे, चाहे वो **राजेश खन्ना** हो, **टीना मुनीम** हो या कोई भी हो। सावन कुमार, कभी भी पोल खोल इंटरव्यू देने में पीछे नहीं हटते थे, लल्लो चप्पो करना तो उन्हें आता ही नहीं था। अब कई बरसों बाद एक बार फिर मैं उनसे मुखातिब थी जिनके व्हाट्सएप्प स्टेटस अबाउट में लिखा था, **'बॉर्न टू विन'** ! मैनें इसी मेसेज से बात शुरू की ,

❍ 'बॉर्न टू विन' यानी आपने जीवन में जीत हासिल कर ली है?

किसी हद तक! यह मन की बात है और मैं उन लोगों में से नहीं हूँ जो लालच और चाहतों के घोड़े पर हमेशा जीन कसे हुए रहते हैं। मैंने हमेशा अपने मन कि करी है, बॉलीवुड में कदम रखने के दिन से लेकर आज तक, कुछ भी मजबूरी में नहीं की, जो भी किया हमने किया शान से। वो कहावत है **न, मन के हारे हार है, मन के जीते जीत'**।

❍ आप एक बेहतरीन डायरेक्टर प्रोड्यूसर गीतकार है लेकिन आप तो एक्टर बनने आए थे। क्या आपको एक्टर न बन पाने का अफसोस है?

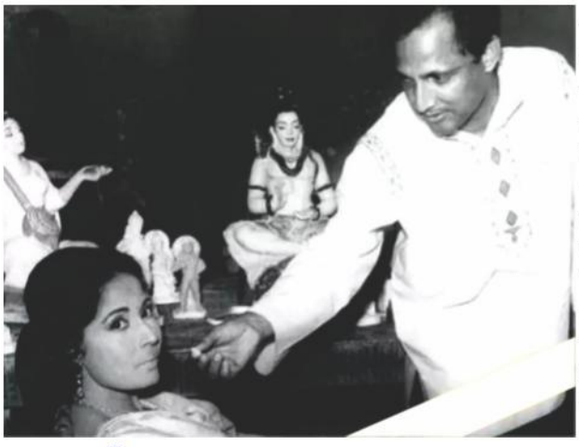

बिल्कुल नहीं, (हँसकर) भला मुझे अफसोस क्यों रहेगा, एक्टर नहीं एक्टर का बॉस बन गया। हाँ यह सही है कि मैं बॉलीवुड में एक्टर ही बने आया था जयपुर से। जब मैं उन्नीस बीस वर्ष का था तब किशोरावस्था का जोश था और हीरो जैसा दिखता था! इसके चलते मैं चाहता था बॉलीवुड में कुछ बन जाऊं। मैं कई स्टूडियोज में गया काम की तलाश में और वहां जो नजारा देखा तो दंग रह गया। **दिलीप कुमार** और **मीना कुमारी** को मैं टॉप मोस्ट स्टार मानता था। आज भी मानता हूं, लेकिन वहां जब मैं एक शूटिंग देख रहा था तो देखा कि एक सादा सा दिखने वाला आदमी, बड़े रूआब से दिलीप कुमार और मीना कुमारी को बता रहा था कि फलां सीन ऐसा करना चाहिए, वैसा करना चाहिए। कई बार तो उनकी आवाज में झिड़क भी होती थी, 'ऐसा नहीं वैसा करो, उधर से चलकर आओ, यह मत करो', मैं हैरान रह गया, जिन एक्टर्स को मैं सुप्रीम समझता था, उन्हें डांट कर सिखाने वाला यह कौन आदमी है? मैंने वॉचमैन से पूछा तो उसने बताया कि वे **बिमल राय** है फिल्म का डायरेक्टर। मैंने पूछा कि वो इस तरह एक्टर को डांट क्यों रहा है? तो वह बोला, 'डायरेक्शन ऐसे ही दिया जाता है।' ,बस फिर क्या था, मैंने उसी वक्त फैसला कर लिया कि मुझे एक्टर नहीं एक्टर का बाप बनना है,यानी मुझे डाइरेक्टर बनना है और मैंने फैसला कर लिया कि पहले बतौर प्रोड्यूसर एक अपनी फिल्म बनाऊंगा और उसके बाद डाइरेक्टर भी बनूँगा। मैंने किसी तरह पच्चीस हजार रुपये का बंदोबस्त किया! मेरे मन में एक अनाथ बच्चे की कहानी थी, मैनें उसपर फिल्म बनाने का फैसला किया। वहां से मेरी यात्रा शुरू हुई फिल्म बनाने की। उसके बाद मैं डाइरेक्टर भी बना! बाद में दिलीप कुमार से जब मेरी अच्छी दोस्ती हो गई तो मैने उन्हें भी वो घटना सुनाई थी कि मेरे डाडरेक्टर बनने के पीछे एक तरह से उनका हाथ है, जब तक दिलीप जी स्वस्थ थे, मेरे निमन्त्रण पर मेरे फिल्मों के मुहूर्त पर, क्लैप देने या किसी भी स्पेशल ओकेशन पर जरूर आते थे!

❍ आप चाहते तो अपनी पहली पिक्चर 'नौनिहाल' में प्रड्यूसर होने के साथ–साथ हीरो बनकर अपनी एक्टर बनने की इच्छा भी पूरी कर सकते थे?

एक बार जब मैंने बॉलीवुड निर्माता निर्देशक का रुतबा और पावर देख लिया तो उसके बाद मुझे एक्टर बनना ही नहीं था! जब मैं जयपुर से नया–नया बॉलीवुड में आया था तब मैं हीरो को ही सर्वे सर्वा मानता था लेकिन उस दिन **बिमल रॉय** का जो जलवा देखा तो सोचा, एक्टर तो बनना ही नहीं है। एक्टर तो निर्देशक के हाथों की कठपुतली होते है, मैंने मास्टर बनने का फैसला किया कठपुतली नहीं! उन्ही दिनों मैंने **हरि जरीवाला** नामक एक एक्टर को किसी थिएटर में परफॉर्म करते देखा तो मैंने उसे ही अपनी पहली फिल्म **'नौनिहाल'** में ब्रेक देने का फैसला किया और उसका नाम बदलकर **संजीव कुमार** रख दिया। मुझे आज भी याद है, कि उस फिल्म को टैक्स माफ कराना था, किसी ने बताया कि **हरिवंश राय बच्चन जी** के साथ उस वक्त की प्राइम मिनिस्टर **श्रीमती इंदिरा गांधी** की अच्छी दोस्ती है, वे चाहे तो टैक्स माफ हो सकता है। मैंने **हरिवंश जी** के साथ मुलाकात की और उनसे कहा 'अंकल, मेरी फिल्म को टैक्स फ्री कराना है, कुछ कीजिए।' उन्होंने कहा, 'ठीक है बेटा' और उन्होंने इंदिरा जी के साथ अपॉइंटमेंट फिक्स कर दिया। जब मैं इंदिरा जी से मिलने गया तो मैं उनके सामने के सोफे पर बैठ गया और फिल्म के पोस्टर्स वगैरह दिखाने लगा। उन्होंने बहुत प्यार से पेश आते हुए कहा, 'आओ मेरे बगल में बैठकर दिखाओ' और उन्होंने ध्यान से मेरे फिल्म की कहानी सुनी थी। उन्होंने देश भर में फिल्म को टैक्स फ्री कर दिया था! मेरी उस फिल्म को नैशनल अवॉर्ड्स में प्रेसिडेंशियाल सराहना मिली थी!

❍ आपने इतनी सारी फिल्में प्रोड्यूस और डायरेक्ट की है लेकिन किस फिल्म ने आपकी जिंदगी बदल डाली?

वैसे तो सभी फिल्मों ने कुछ न कुछ सीख दी है लेकिन **मीना कुमारी** अभिनीत मेरी फिल्म **'गोमती के किनारे'** ने मेरा जीवन बदल दिया। मेरी पहली फिल्म **'नौनिहाल'** की भूरी–भूरी प्रशंसा के बाद मैं अपनी अगली फिल्म **'गोमती के किनारे'** के लिए उस वक्त की चोटी की नायिका मीना कुमारी को साइन करना चाहता था। मैं जब उनसे मिला और फिल्म की कहानी सुनाई तो वे बहुत इमोशनल हो गई। मैंने पूछा कि इस फिल्म के लिए वे किसे निर्देशक के रूप में लेना पसंद करेंगी। मीना जी ने कहा, जिसने मुझे इतनी भावनात्मक कहानी सुनाई वही डायरेक्ट करे तो ही मैं फिल्म में काम करूँगी। मैं चौंक गया। मैंने उन्हें बताया कि मूझे डायरेक्शन देना नहीं आता है, मैंने तो आज तक किसी को असिस्ट भी नहीं किया, मुझे तो क्लैप देना भी नहीं आता है, मैं तो अभी सिर्फ प्रोड्यूसर हूँ। लेकिन मीना जी नहीं मानी, उनके जोर देने पर मैं उस फिल्म को डायरेक्ट करने को राजी हो गया , उन्होंने कहा, 'फिक्र मत करो, मैं तो हूँ न'! जैसे ही घोषणा हुई कि **सावन कुमार** निर्देशित फिल्म में मीना कुमारी नायिका है तथा और भी बड़े–बड़े कलाकार है तो बॉलीवुड में मेरे नाम का डंका बजने लगा। रातों–रात मैं स्थापित निर्देशक निर्माता की श्रेणी में आ गया।

❍ मीना जी को डायरेक्ट करने का अनुभव कैसा रहा?

अतुलनीय। वे तो थीं ही कमाल की अभिनेत्री उनसे बेहतर एक्ट्रेस आज तक कोई है ही नहीं। कुछ दिनों के शूटिंग के बाद **मीना जी** बहुत बीमार हो गई, मुझे शूटिंग रोकनी पड़ी लेकिन वे चाहती थी कि शूटिंग ना रोकी जाए। पर मैं उन्हें आराम देना चाहता था। तब उन्होंने मुझे समझाने के लिए नर्गिस जी को भेजा! आखिर उनकी बात माननी पड़ी। जैसे तैसे शूटिंग शुरू की गई, वे इतनी कमजोर हो गई थी कि ठीक से खड़ी भी नहीं हो पा रही थी, रिहर्सल के दौरान मुझे उन्हें पीछे से होल्ड करना पड़ता था। और शॉट के दौरान मैं हट जाता था, फिर भी ऐसे अरेजमेंट करके रखा था कि वे गिर ना पड़े, उन्हें चोट न लगे। फिल्म अच्छी बनी लेकिन उनकी बीमारी के कारण बात बन नहीं पाई!

❍ क्या ये सही है कि मीना कुमारी चाहती थी कि आपकी फिल्म 'गोमती के किनारे' उनकी आखरी फिल्म बने?

ऐसा वे कैसे कह सकती थी? उन्हें थोड़े ही मालूम था कि, उनकी डेथ होने वाली है। ये गलत अफवाह है। लेकिन हाँ, यह सही बात है कि मेरी यह फिल्म उनकी जिन्दगी की आखरी फिल्म बन गई!

❍ मैंने कहीं पढा था कि, आप कहते थे कि मीना कुमारी जी को गुलाब के फूल बहुत पसंद थे, वे अपने बिस्तर पर गुलाब की पंखुड़ियाँ बिछा कर सोती थी और आप उनके लिए रोज गुलाब के फूल ले आते थे?

मीना जी को हर तरह के फूलों से प्यार था, चाहे गुलाब हो, गुलछड़ी हो, जूही हो, मोगरा हो, चमेली हो। मैं देखता था कि, वे गुलाब , गुलछड़ी के फूलों को कितने प्यार से, अपने हाथों से अपने गुलदस्ते में और अपने बिस्तर पर सजाती थी, वे बालों में मोगरा लगाती थी, उनका पूरा शरीर हर वक्त फूलों की खुशबू से महकता था! इसलिए मैं अक्सर उन्हें गुलाब और तरह–तरह के फूल लाकर देता था। वे बहुत खुश होती थी, कौन इंसान फूलों से प्यार नहीं करेगा। और मीना कुमारी जैसी कोमल मन की

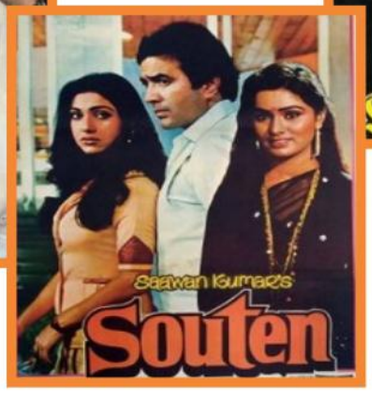

शायरा, भावुक अभिनेत्री को तो फूलों से प्यार होना ही था!

❍ सुना है आपने कभी ये भी कहा था कि मीना जी को खूबसूरत फूल भी रास नहीं आए और हैंडसम मर्द भी किसी काम नहीं आए?

ये मैंने कब कहा था पता नहीं, यह सही बात है की उन्हें कई लोगों से मोहब्बत हो गई थी, मैं नाम नहीं लूंगा क्योकि आज भी उनमें से कई जिंदा है, भरे पूरे परिवार वालें है, क्या करना है नाम लेकर, जबकि ये सबको पता है! मैं कह नहीं सकता कि उनके और मीना जी के बीच क्या प्रॉब्लम हो गई थी, किसने किसको धोखा दिया, किसने किससे बेवफाई की। लेकिन ये सच है कि मीना जी ने उन सबको हर मामले में हेल्प किया था, उन्हें आगे बढ़ाया, आसमान की बुलन्दी तक पहुंचाया और वे लोग फिर धीरे–धीरे अपने रास्ते चले गए और मीना जी तन्हा रह गई। इसमें किसका कितना दोष था पता नहीं क्योंकि मीना जी ने कभी किसी की शिकायत नहीं की , किसी पर इल्जाम नही लगाया इसलिए समझ नहीं आया कि किसने क्या किया। लेकिन जबसे मैं उनके साथ जुड़ा, मैनें उन्हें कभी अकेला नहीं छोड़ा था। मैं ये कभी नहीं भूल सकता कि उन्हीने मुझे निर्देशक बनने की हिम्मत दी, मुझे आगे बढ़ाया। मुझे क्या से क्या बना दिया। आज मैं जो कुछ भी हूं मीना कुमारी के कारण ही हूं। मैंने इतने कलाकारों के साथ काम किया है लेकिन अपने घर में किसी की भी तस्वीर नहीं लगाई। मेरे घर में सिर्फ मेरी मां और मीना कुमारी की तस्वीर लगी है। मीना जी के प्यार और आशीर्वाद के कारण ही मैं **सावन कुमार टाक** बन पाया! मैं उन्हें कभी भूल नहीं पाउँगा।

❍ मैंने ये भी सुना है कि जब वे बीमार थी तो आप रात–रात भर उनके सिरहाने जगे बैठे रहते और उन्हें बिस्तर पर सुला देते थे, कई बार बैठे–बैठे ही दीवार से सर टेककर आप सो जाते थे और जब उनके मुँह से खून निकलता था तो खून को अपनी हथेलियों में समेट लेते थे?

अरे, इतना सब आपको कैसे पता चला, सही होमवर्क करके आयीं हैं। हां, यह सच है, उन दिनों मीना जी बहुत बीमार थी! उन्हें लिवर सिरोसिस का प्रॉब्लम था तो कई बार खांसते हुए उनके मुंह से खून निकल आता था और मैं उस खून को अपनी हथेली में जल्दी से समेट लेता था ताकि बिस्तर की चादर पर खून ना गिरे और रात को उन्हें उठना ना पड़े!

❍ सच–सच ,बताइए प्लीज, कि क्या आपको मीना कुमारी जी से मोहब्बत हो गई थी, या आपको उनकी गिरती तबियत पर और उनकी हालत पर तरस आ गया था, क्या आपको उनके प्रति फिजिकल अट्रैक्शन था, या महज एहसान तले थे इसलिए ये सब कर रहे थे?

सच ही बताऊंगा, इसमें छुपाना क्या है, क्या प्यार करना गुनाह है? मुझे उनसे मुहब्बत हो गई थी, **रूहानी मुहब्बत**, दिल से दिल का रिश्ता जुड़ा था। ना तो वो मुहब्बत किसी तरस के कारण पैदा हुआ ना एहसान उतारने के लिए पैदा हुआ क्योंकि उन्होंने मेरे लिए जो किया वो कभी किसी तरह चुकाया नहीं जा सकता। मुझे उनके स्वभाव से, उनके दिल से, उनके जज्बात से, उनकी शायरी से, उनकी आंखों से, उनकी हंसी से और उनके आंसुओं से प्यार हो गया था। वरना ऐसा कोई नहीं करता जो मैं कर रहा था। हाँ, उनके प्रति मेरा फिजिकल अट्रैक्शन भी था, वे बेहद खूबसूरत थी, हसीन थी, जवान थी, मैं भी जवान, हैंडसम और जज्बाती था। हम दोनों के दिल एक हो गए थे। मीना जी मेरे लिए सब कुछ थी, मेरी फ्रें , फिलॉसफर, गाइड, मेरी गर्लफ्रैंड, मेरी इंस्पिरेशन, मेरी महबूबा, मेरी हमराज, मेरी हंसी मेरी खुशी, सबकुछ वो थी। सच कहूँ तो प्यार मुहब्बत से भी ऊँचा कुछ और अलग सा एहसास था जिसे उनसे कहते हैं। प्यार मुहब्बत शब्द इस फीलिंग के सामने छोटा पड़ता है। उन्होंने मुझे ग्रो करना सिखाया! वो मेरी पहली मुहब्बत थी, आई वाज क्रेजी फॉर हर। दीवाना था। वो मेरे लिए खुदा थी, मैं रिस्पेक्ट करता था उन्हें। उन दिनों सबको ये पता था, कुछ लोग मेरे प्यार को समझते थे कुछ जलते थे!

❍ लेकिन आप तो उनसे उम्र में कम से कम दस वर्ष छोटे थे?

तो क्या हुआ, जज्बात उम्र नहीं देखती है, प्यार , इश्क, मुहब्बत, दिवानगी कभी उम्र नहीं देखती। वो दिल का मिलान होता है और फिर वो इतनी बड़ी भी नहीं थी, जब मैं मिला तो वे फ्रेश और सुंदर थी, वे बहुत कम उम्र में गुजर गई!

❍ तो आपने उनसे शादी क्यों नहीं की?

(शायद सावन जी को मेरा ये प्रश्न बचकाना लगा, वे एम्यूज्ड होकर हंस पड़े) नहीं, शादी की हमने कभी नहीं सोची, वे एकबार शादी करके परेशान हो चुकी थी, दोबारा नहीं करना चाहती थी! और फिर मुहब्बत, प्यार इश्क, उन्स, ये जज्बात, भगवान की बनाई होती है। शादी वादी तो इंसान की बनाई रीत रिवाज है जिसकी हम दोनों परवाह नहीं करते थे!

❍ आप काफी रोमांटिक नेचर और दिल के है, लेकिन आपके रोमांस के किस्से ज्यादा नहीं सुनाई दिए, आपने शादी भी एक बार की और वो टूटने के बाद दोबारा नहीं की?

जो असली रोमांटिक होते हैं वो बार–बार शादी नहीं करते, एक बार तो चलो हो जाती है, लेकिन फिर दोबारा वे नहीं करते। इश्क बार–बार हो सकता है क्योंकि वो दिल का मामला होता है! इश्क रूहानी मसला है और शादी दुनियादारी का मामला है! शादी से इंसान का दिल, दिमाग, हाथ, पैर सबमें बेड़ियां डल जाती है। (हँस पड़ते हैं सावन) एक एक बात का जवाब देना पड़ता है, रातों की नींद उड़ जाती है। मैंने एक बार उषा जी (उषा खन्ना) से शादी की थी, वो टूट गईं, मैंने अलग होते–होते उन्हें कहा था कि मैं उनके संगीत को हमेशा पसन्द करता था, करता हूँ करता रहूंगा और मेरी आगे की

भी फिल्मों में वे ही म्यूजिक डायरेक्टर होंगी और मैंने अपना कमिटनेन्ट रखा। अलग होने के बावजूद मेरी अगली बीस फिल्मों में मैंने **उषा जी** को ही म्यूजिक डायरेक्टर लिया। आज भी वो मेरी अच्छी फ्रेंड है और जब भी जरूरत होती है, किसी संगीत कंपोजिशन के लिए तो हम मिलकर काम करते हैं। रोमांस मैं आज भी कर सकता हूँ अगर किसी से दिल मिल जाए लेकिन शादी नहीं।

❍ आपने अपनी कई फिल्मों में शादीशुदा नायक की अवैध रिश्तों को जायज ठहराया है जबकि अक्सर फिल्मों में पत्नी यानी घरवाली को देवी दिखाया जाता है और बाहरवाली को विलन के रूप में, लेकिन आपने शादीशुदा मर्द की प्रेमिका को महिमामण्डित किया?

अगर किसी मर्द को पत्नी से नहीं बल्कि किसी दूसरी स्त्री से सच्चा प्रेम हासिल हो तो वो उधर ही जाएगा जिधर सच्चा प्रेम मिलता है! सच्चा प्रेम रूहानी होती है, दिल की पुकार होती है, प्रेरणा होती है, वो देवी होती है, जैसे **श्रीकृष्ण का राधा से प्रेम था**। इस तरह के पवित्र प्रेम को उंसियत कहते है। मैंने अपनी फिल्मों में दिखाया कि जरूरी नहीं कि प्यार सिर्फ किसी बंधन के कारण होता है, प्यार बिना किसी बन्धन, बिना कारण, बिना स्वार्थ के भी होता है। मेरी फिल्म 'सौतन' में **पदमिनी कोल्हापुरे** का प्यार ऐसा ही निस्वार्थ प्रेम था।

❍ आपने इतने सारे बड़े–बड़े स्टार्स जैसे राजेन्द्र कुमार, सुनील दत्त, नूतन, संजीव कुमार, राजेश खन्ना, जितेंद्र, सलमान खान, रेखा, श्रीदेवी, नीतू सिंह, विनोद मेहरा, महमूद, टीना मुनीम, जया प्रदा, पदिमनी कोल्हापुरे, पूनम ढिल्लों, जूही चावला,को डायरेक्ट किया, आपको सबसे अच्छी या अच्छा कौन लगा और सबसे ज्यादा टेंशन आपको किसने दिया?

वैसे तो सभी एक्टर और ऐक्ट्रस अच्छे थे लेकिन सबसे अच्छी कलाकार **मीना कुमारी** ही थी, इससे मैं क्या, कोई भी इंकार नहीं कर सकता है, उनका क्लास ही अलग था, उनके जैसा कोई हो ही नहीं सकता, आज भी नहीं! जहां तक टेंशन देने वाली बात है तो क्या बताऊँ, कोई क्या टेंशन देगा मुझे, ज्यादातर मैं ही सबको टेंशन देता था। हाँ, **राजेश खन्ना** अपनी लेट लतीफी की वजह से बहुत टेंशन देता था, मुझे गुस्सा भी बहुत आता था लेकिन जैसे ही वो कैमरे के सामने परफेक्ट शॉट देता तो मेरी तबियत खुश हो जाती और मेरा गुस्सा उतर जाता। राजेश खन्ना के साथ तो मेरी बहुत अच्छी दोस्ती भी हो गई थी, एक साथ खाना पीना होने लगा था। कभी गुस्सा आता तो उसके कान में पूछता था कि **'सबके सामने डाँटूँ क्या?'** वो हँस कर कहता था, 'नहीं नहीं प्लीज प्लीज'!

❍ सावन जी क्या आपकी उम्र वाकई उतनी है जितनी गूगल सर्च में दिखाई देता है, मुझे आपकी आवाज और बोलने के अंदाज से नहीं लगता है आप 1936 में पैदा हुए?

(सावन जी हँस पड़ते हैं) मैं तो अभी सोलह साल का हूं। चेहरे से भी लड़का ही दिखता हूँ, आप ऐसा करो 1936 को पलट कर 1963 कर दो! खैर, सच बताऊँ तो मैं समझता हूँ कि हर इंसान को अपनी हेल्थ ठीक रखना चाहिए, हेल्थ से बढ़कर कुछ नहीं। कम खाओ, कम पीयो और एक्सरसाइज करो तो कुछ हद तक लोग अपनी उम्र को मात दे सकता है। मैं भी ऐसा ही करता हूं। मैं कम खाता हूं, सिर्फ एक पैग पीता हूँ, कभी पार्टी में या किसी खास मौके पर एक का दो बना लेता हूँ। बचपन से एक्सरसाइज करता रहा हूँ, आज भी करता हूँ, किस्मत से मेरे दोस्त भी कम पीने वाले हैं, **जितेंद्र, राकेश रोशन**। इसलिए इनकी कम्पनी में ज्यादा पीने की आदत नहीं पड़ी। थैंक गॉड, वर्ना न जाने क्या होता।

❍ आप एक बेहतरीन डायरेक्टर प्रोड्यूसर के अलावा एक बेहतरीन कहानीकार और गीतकार भी हैं, आपने कितने सारे गीत अपनी और बाहर की फिल्मों के लिए लिखे हैं, जैसे, 'बरखा रानी जरा जम के बरसो','शायद मेरी शादी का ख्याल दिल में आया है इसलिए मम्मी ने मेरी तुम्हे चाय पे बुलाया है','ये जो हल्का हल्का सुरूर है','भरी बरसात में दिल जलाया', 'चूड़ी मजा ना देगी कंगन मजा ना देगा','हो गए दीवाने तुमको देख कर','हम भूल गए रे हर बात मगर तेरा प्यार नहीं भूले','चाँद सितारे फूल और खुशबू ये तो सारे पुराने है ताजा ताजा कली खिली है, हम उसके दीवाने है (कहो न प्यार है), जानेमन जानेमन पलट तेरी नजर (कहो ना प्यार है), प्यार की कश्ती में (कहो न प्यार है) कौन सुनेगा किसको सुनाए, अल्लाह करम करना लिल्लाह करम करना, ओ हरे दुपट्टे वाली, रंग दिनी रंग दिनी, तूने दिल मेरा तोड़ा, जिनके आगे जी जिनके पीछे जी, कहां थे आप जमाने में, कमरे में बंद सोनिए, वगैरह लेकिन आम

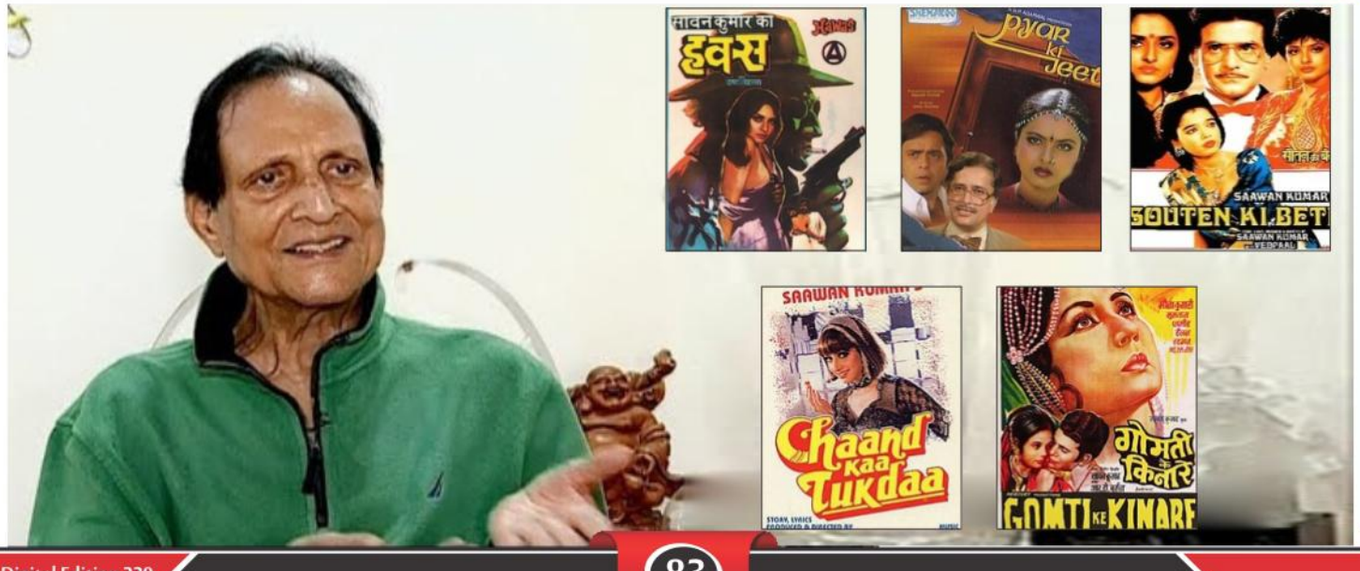

पब्लिक को ये बात ज्यादा पता नहीं है, आप अपने गीतकार होने की चर्चा क्यों नही करते?

मुझे किसी बात की पब्लिसिटी करना अच्छा नहीं लगता, मैंने कभी किसी मामले में अपना प्रचार नहीं किया! लेकिन इंडस्ट्री में सबको पता है, आम पब्लिक को क्या लेना देना कि गीत के बोल किसने लिखे, उन्हें सिर्फ गाने से मतलब होता है, जब मेरी कोई गीत हिट हो जाती है तो सभी इसे गाते हैं, पसन्द करते हैं, स्टेज पर गाकर खूब पैसा कमा लेते हैं। मेरी ज्यादातर गाने बहुत हिट हुए, एक बार **अमीन सयानी जी** कह रहे थे कि आपके गाने सालभर टॉप पर बने रहें पब्लिक डिमांड पर और अब नए गाने को सामने ला ही नहीं पा रहा हूँ, इन्हें उतारूँ कैसे? (सावन जी दो तीन गाने गुनगुनाने लगे। उनकी आवाज किसी प्रोफेशनल गायक की तरह सुनकर मैंने पूछ लिया – –)

❍ आपकी आवाज इतनी अच्छी है, आप अपनी आवाज में क्यों नहीं गाते?

नहीं भाई, गायकों को ही गाने दीजिये, मैं जब गाने लिखता हूँ तो खुद ट्यून बनाते हुए गा गा कर लिखता हूँ। **उषा जी** (संगीतकार उषा खन्ना) और मैं जब गीत की धुन बनाने बैठते हैं तो क्या समा बंध जाता है!

❍ आपके बारे में ये कहा जाता है कि आप बहुत सख्त डायरेक्टर हैं, किसी भी एक्टर के नखरे नहीं सहते, साफ साफ बोल देते हैं, किसी की धौंस नहीं सहते, नकचढ़े और जरा प्राउड हैं, आखिर 'लियो' राशि के जो हैं?

नहीं नहीं ऐसा बिल्कुल नहीं है, यूँ ही बदनाम ना करो भाई, मैं भला क्यों करूँ घमंड?, बड़े–बड़े दिग्गज आए और चले गए, उनके आगे मैं कौन हूँ, मैं किसी से ना सख्ती करता हूँ ना जबरदस्ती। पर ये सही बात है कि मैं ना किसी के नखरे सहता हूँ ना धौंस। जो मेरा रेस्पेक्ट करते हैं, मैं उनका तहे दिल से रेस्पेक्ट करता हूँ। मैं आज भी अपने को एक स्टूडेंट मानता हूँ और रोज कुछ ना कुछ सीखता हूँ।

❍ आपने अक्सर उन स्टार्स को अपनी फिल्मों में लेकर फिल्में बनाई जो या तो नए थे या जिनके सितारे गर्दिश में चल रहे थे और आपकी फिल्म में काम करके उन्हें दोबारा नई जिंदगी मिली जैसे, राजेश खन्ना, राजेन्द्र कुमार, नूतन, सलमान, ये रिस्क आप क्यों लेते थे?

जिन जिनके आपने नाम लिए सभी बहुत ग्रेट एक्टर हैं, हाँ, कई बार समय उनका ठीक नहीं चल रहा होता है। मैं ऐसे सितारों को इसलिए लेता रहा हूँ क्योंकि वे पूरा समय देकर अच्छी तरह काम करते हैं और जो बहुत व्यस्त स्टार होते हैं उनके हजार नखरे होते हैं, वे डाइरेक्टर की बात ही नहीं मानते। कई बार तो नए नए आए हुए एक्टर, एक फिल्म में हिट होते ही ना जाने अपने को क्या समझने लगते है, डाइरेक्टर को तो बेवकूफ समझते हैं। खैर इन सबके बावजूद ऐसे कई नए पुराने स्टार्स भी हैं जो डाइरेक्टर को बहुत रेस्पेक्ट करतें हैं। जब भी मिलते हैं गले मिलतें हैं। सलमान खान मेरी बहुत रेस्पेक्ट करते हैं।

❍ फिल्म इंडस्ट्री के बदलते रंग ढंग से आपको कोई नुकसान हुआ, आपको खामियाजा भुगतना पड़ा?

(हँसकर) मुझे क्या फर्क पड़ा, मुझे कौन सा बीवी के नखरे उठाने है। लेकिन हां, फिल्म इंडस्ट्री के बदलते स्वरूप के कारण दर्शकों को खामियाजा भुगतना पड़ा। आज के जमाने में कोई ढंग की फिल्म बनती ही नहीं है, पिछले दस पन्द्रह सालों में आप

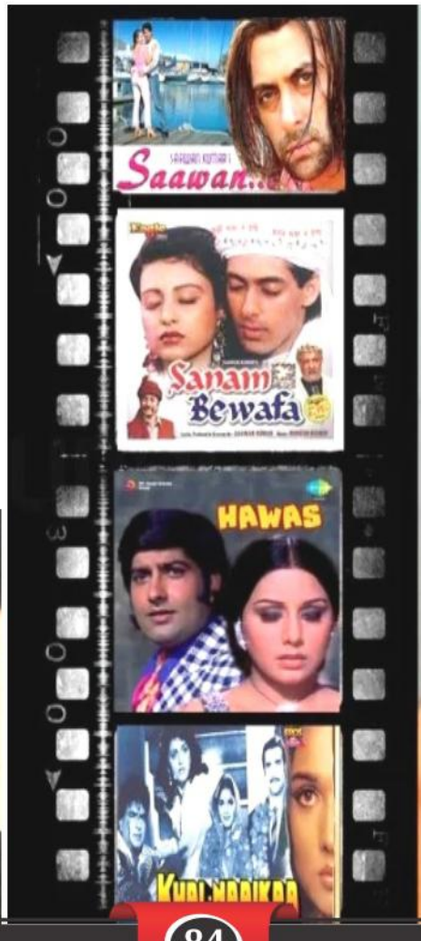

कोई यादगार फिल्म का नाम बताइए। आज कोई भी उठकर डाइरेक्टर प्रोड्यूसर बन जाता है भले ही उसे फिल्म बनाने का शऊर ही नहीं। दिलीप कुमार, मीना कुमारी वैजयंतीमाला, नरगिस, माला सिन्हा, राजेन्द्र कुमार, राजेश खन्ना की पुरानी फिल्मों को देख लीजिए, फिल्म 'सौतन', 'साजन बिना सुहागन' जैसी फिल्मों में दिल छूने वाली कहानी थी, दर्शकों को बांधे रखने के लिए उनके दिल दिमाग में तूफान पैदा करने वाली कथानक होनी चाहिए जो आज के फिल्म मेकर्स की बूते की बात नहीं है।

❍ आप पिछले कुछ समय से फिल्में नहीं बना रहे हैं, क्यों?

मेरे समय के जो फाइनेन्सर थे, जो पैसे लेकर मेरे आगे पीछे दीवानों की तरह घूमते थे और मुझसे फिल्म शुरू करने की गुजारिश किया करते थे, उन सबकी डेथ हो गई। अब फिल्म बनाने के लिए फंड्स की जरूरत तो होती है। वैसे आज भी फाइनेन्सर लोग ऑफर लेकर आते तो हैं लेकिन मुझे समझ आ जाता है कि ये लोग सीरियस भी नहीं है और जेनुइन भी नहीं है, उन्हें बस हेरोइन से मतलब होता है। मैं ऐसे फाइनैंसर्स को मना कर देता हूँ। मुझे आज भी तलाश है किसी जेनुइन, सिरिअस फाइनेन्सर की। अगर मिल जाये तो मैं फिर से फिल्में बनाने लग जाऊँ। मायापुरी के जरिए मेरी ये बात लाखों लोगों तक पहुंचा दीजिये कि मुझे जेनुइन फाइनेन्सर की तलाश है!

❍ आज कल ओटीटी यानी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की धूम मची है, आप इसमें कुछ करना चाहेंगे?

नहीं, फिल्म के प्लेटफॉर्म के आगे यह सब बच्चे प्लेटफॉर्म्स है। मुझे टीवी और ओटीटी से ऑफर आते हैं, लेकिन जिसने फिल्म मेकिंग की भव्यता चख ली हो उसे यह सब अच्छा नहीं लगता। जो एस्टैब्लिश्ड फिल्ममेकर, स्टार्स, एक्टर्स है वे कभी इसमें नहीं जाएंगे जैसे **सलमान, शाहरुख, दीपिका, रणवीर!**

❍ मायापुरी के बारे में आप क्या कहेंगे?

ए.पी बजाज जी, पी के बजाज जी और **अमन बजाज जी** के एफर्ट्स इस मैगजीन में साफ महसूस होता है। सबसे पुरानी, सबसे जेनुइन, सब से पॉपुलर हिंदी फिल्म पत्रिका के रूप में यह पिछले 45 वर्षों से, लाखों लोगों के दिलों में बसी है। यह वो पत्रिका है जो कॉमन से कॉमन और अमीर गरीब सब को मुहैया है। हैट्स ऑफ!

अंतत: तीस वर्ष बाद 23 अगस्त को कई अवरोंधों को पार कर 1994 की फिल्म ''द क्रो'' का इसी नाम से सिक्वअल होगा रिलीज

रूपर्ट सैंडर्स द्वारा निर्देशित फिल्म '' द क्रो'' प्रेम,हानि और प्रतिशोध की एक रोमांचक कहानी है,जो इस बात को रेखांकित करती है कि सच्चा प्यार कभी नहीं मरता. इस फिल्म में बिल स्कार्सगार्ड, एफकेए ट्विग्स और डैनी हस्टन सहित असाधारण कलाकार शामिल हैं। इस फिल्म को ''पीवीआर आईएनओएक्स पिक्चर्स'' 23 अगस्त को सिनेमाघरों में लेकर आ रहा है. फिल्म की कहानी प्यार और प्रतिशोध से भरी है, जो गलत चीजों को सही करने के लिए जीवित और मृत लोगों की दुनिया का पता लगाती है। यह फिल्म जेम्स ओश्बार के प्रतिष्ठित ग्राफिक उपन्यास पर आधातिर है.

'द क्रो' एरिक (बिल स्कार्सगार्ड) और शेली (एफकेए टिग्स) की मनोरंजक कथा को उजागर करता है, जिसमें एक व्यक्ति अपने प्यार को छुड़ाने के लिए उठाए जाने वाले चरम उपायों पर प्रकाश डालता है।

फिल्म ''द क्रो'' एक आगामी गॉथिक सुपरहीरो फिल्म है, जिसका निर्देशन रूपर्ट सैंडर्स ने किया है और इसकी पटकथा जैच बायलिन और विलियम श्नाइडर ने लिखी है। 'द क्रो' फिल्म श्रृंखला का रीबूट, यह फ्रैंचाइज़ की पांचवीं फिल्म है, जो जेम्स ओश्बार की इसी नाम की 1989 की कॉमिक बुक श्रृंखला पर आधारित है।फिल्म में बिल स्कार्सगार्ड ने एरिक / द क्रो की भूमिका निभाई है, जो एक हत्यारा है संगीतकार जो अपनी और अपनी मंगेतर की मौत का बदला लेने के लिए पुनर्जीवित हुआ है, जिसका किरदार एफकेए टिग्स ने निभाया है।

जेम्स ओश्बार की कॉमिक बुक ''द क्रो' पर 1994 में एलेक्स प्रोयास ने इसी नाम से 102 मिनट की फिल्म बनायी थी.

अस्सी के दशक में अमरीका के लेखक जेम्स ओश्बार के जीवन में दुःखद घटना घटित हुई थी.जेम्स ओश्बार अपनी प्रेमिका के साथ विवाह करने वाले थे,उससे एक दिन पहले उनकी प्रेमिका के साथ गैंगरेप हो जाता है और प्रेमिका की मौत हो जाती है.उसके बाद किस तरह बदला लिया गया.अपने जीवन की इस सत्य घटना पर जेम्स ओश्बार ने ग्राफिक नावेल 'द क्रो' लिखा,जो कि 1989 में प्रकाशित हुआ. वास्तव में 16 साल की उम्र में जेम्स ओश्बार की अपनी मंगेतर से मुलाकात हुइ थी और उनके जीवन में एक ऐसी नई रोशनी आ गई थी,जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखी थी.जैसे ही ऐसा लग रहा था कि उनका जीवन खुशियों से भर गया है, तभी उसे बेरहमी से उनसे छीन लिया गया और वह टूट गए थे.एक प्रतिभाशाली कलाकार और लेखक के रूप में ओश्बार ने अपनी मंगेतर को खोने के बाद 'द क्रो' पर काम करना शुरू किया, और अपने नायक में अपना ढेर सारा गुस्सा और दिल का दर्द उड़ेल दिया था.इसी नावेल पर फिल्म निर्देशक एलेक्स प्रोयास ने अभिनेता ब्रांडन ली को लेकर 102 मिनट की अवधि वाली फिल्म 'द क्रो' का निर्माण किया था.1994 में प्रदर्शित इस फिल्म को 'कल्ट सिनेमा' माना जाता है.इतना ही नहीं इस गॉथिक सुपरहीरो वाली फिल्म ने फैशन, संगीत व फिल्म राजनीति को नए आयाम दिए थे. यह सेवन या पल्प फिक्शन जैसी 90 के दशक की उन सर्वोत्कृष्ट फिल्मों में से एक है, जो उस दशक की सिनेमाई पहेली का एक टुकड़ा है. गॉथ नियो–नोयर सीधे–सीधे बदले की भावना से मिलता है और कॉमिक बुक संवेदनाओं से मिलता है. यह कभी–कभी बेहद हास्यास्पद होता है.

प्रतिशोधी नायक एरिक ड्रेवेन के रूप में ब्रैंडन ली अपूरणीय रूप से परिपूर्ण थे.उस फिल्म को देखकर हर इंसान सोचने पर विवश होगा.

11 मई 1994 को प्रदर्शित फिल्म ''द क्रो'' के नायक ब्रैंडन ली ने समर्पित भाव से अपने किरदार को निभाया था.अपने पुनर्जन्म के दृश्य की शूटिंग के दौरान उन्होंने खुद को बर्फ के पानी में डुबा लिया था,क्योंकि उन्हें लगा कि मृतकों में से वापस आने पर अत्यधिक ठंड महसूस होगी.अफसोस फिल्म की शूटिंग के दौरान महज 28 साल की उम्र में ब्रैंडन ली की मौत हो गयी थी,जे कि ब्रूसली के बेटे थे. उसके बाद इस फ्रेंचाइजी पर तीन अन्य फिल्में बन गयी.पर मूल फिल्म से बदतर रही.

लेकिन दिसंबर 2008 में मशहूर फिल्म निर्देशक स्टीफन नॉरिंगटन ने ऐलान किया कि वह 'द क्रो 'रीबूट' का लेखन व निर्देशन करेंगे। लेकिन उसके बाद इसके कई निर्देशकं पटकथा लेखकं और विभिन्न बिंदुओं कई जुड़े कलाकार ओर अलग हो गए। इनमें नॉरिंगटन, जुआन कार्लोस फ्रेस्नाडिलो, एफ. जेवियर गुतिरेज़ और कोरिन हार्डी को शुरू में निर्देशन के लिए साइन किया गया था,,पर अंत में रूपर्ट सैंडर्स ने किया। इसी तरह अभिनेताओं में ब्रैडली कूपर, ल्यूक इवांस, जैक हस्टन और जेसन मोमोआ भी इस फिल्म से जुड़ने के बाद अलग हो गए। अप्रैल 2022 में सैंडर्स के साथ निदेशक के रूप में स्कार्सगार्ड को ड्रेवेन के रूप में घोषित किया गया था। फिल्मांकन जुलाई में शुरू हुआ, जो म्यूनिख के पास प्राग और पेनज़िंग में हुआ।

23 अगस्त को प्रदर्शित हो रही फिल्म ''द क्रो'' की कहानी स्टार–क्रॉस प्रेमियों, एरिक और शेली पर केंद्रित है, जिनका जीवन शैली के अंधेरे अतीत की भयावह छाया से दुखद रूप से बाधित होता है, जिससे उनकी असामयिक मृत्यु हो जाती है। हालाँकि, घटनाओं के एक मोड़ में, एरिक पुनर्जीवित हो जाता है और एक मिशन पर जाने वाला व्यक्ति बन जाता है। उसका एक ही, अटल उद्देश्य है,उन लोगों से बदला लेना जिन्होंने उनके साथ अन्याय किया। न्याय की अदम्य इच्छा से प्रेरित होकर, एरिक अपने दुश्मनों का सामना करने और उन्हें नष्ट करने के लिए एक निर्दयी खोज पर निकल पड़ता है, और रास्ते में अपने राक्षसों से लड़ता है।

'द क्रो' की रोमांचक कथा रोमांस और प्रतिशोध की गहन तीव्रता को उजागर करती है। यह प्रेम के गहरे पहलुओं का स्पष्ट रूप से पता लगाता है, विश्वासघात और हानि से उत्पन्न होने वाली कच्ची और अक्सर परेशान करने वाली भावनाओं को पकड़ता है। अपने अथक एक्शन और मनमोहक रोमांस के साथ, यह फिल्म दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखती है, उन्हें एक ऐसी दुनिया में डुबो देती है जहां जुनून और प्रतिशोध एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली और रहस्यमय यात्रा में जुड़ जाते हैं।

फिल्म के संबंध में बात करते हुए, निर्देशक रूपर्ट सैंडर्स कहते हैं, ''तो, 'द क्रो' एक में दो फिल्में हैं। बदले की एक एक्शन–थ्रिलर कहानी, और एक रोमांस की। फिल्म की प्रतिशोधपूर्ण कहानी, शक्तिशाली भावनाओं और अभिनेताओं के बीच निर्विवाद केमिस्ट्री के साथ मिलकर, ''द क्रो'' को प्यार, रोमांस और बदले का अंतिम अनुभव बनाती है।''

'द क्रो' 23 अगस्त, 2024 को लायंसगेट फिल्म्स द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

29 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी छह भाग की मिनी सीरीज 'आईसी 814: द कंधार हाईजैक'

—शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

हर भारतीय के लिए 24 दिसंबर 1999 का दिन मनहूस खबर लेकर आया था। इसी दिन 176 यात्रियों को काठमांडू,नेपाल से नई दिल्ली लेकर आ रही इंडियन एयरलाइंस की उड़ान 'आईसी 814' का पांच आतंकवादियों द्वारा अपहरण कर कई शहरों में घुमाने के बाद अंततः तालिबान शासित अफगानिस्तान में कंधार नामक एयरपोर्ट पर ले जाया गया था। जी हॉ! इस उड़ान को नेपाल के काठमांडू हवाई अड्डे से उड़ान भरते ही अपहृत कर सबसे पहले लाहौर ले जाया गया था। पर पाकिस्तानी अधिकारियों ने विमान को उतरने की

अनुमति नहीं दी। पर इसमें ईंधन की कमी थी, इसलिए विमान को अमृतसर में रोककर ईंधन भरा गया। अमृतसर से यह दोबारा पाकिस्तान के लाहौर शहर व फिर दुबई गया। दुबई में आतंकवादियों ने 27 यात्रियों को रिहा कर दिया था। वहां से, उड़ान अंततः अफगानिस्तान के कंधार पहुंची, जहां तत्कालीन तालिबान सरकार यात्रियों की रिहाई के लिए बातचीत में शामिल हुई।

इन यात्रियों की सुरक्षित वार्ता के लिए एक सप्ताह तक बातचीत चली थी, इस बातचीत के दौरान कई उतार–चढ़ाव देखने को मिले थे। अंततः बंधकों के बदले में तीन आतंकवादियों उमर सईद शेख और मुश्ताक अहमद जरगर के साथ मसूद अज़हर को रिहा किया गया था इन आंतकवादियों को एक खास विमान से नई दिल्ली से काधार भिजवाया गया था। इसी पूरे घटनाक्रम पर अब निर्देशक अनुभव सिन्हा ने एक मिनी सीरीज ''आई सी 814 द कंधार हाईजेक' बनायी है,जिसे नेटफ्लिक्स ने 29 अगस्त से स्ट्रीम करने का ऐलान करते हुए इसका एक मिनट का टीजर भी जारी कर दिया है। एक मिनट के टीज़र में विजय वर्मा उड़ान के पायलट के रूप में दिखाया गया है, क्योंकि यह काठमांडू से उड़ान भरता है लेकिन जल्द ही विमान में आतंकवादियों द्वारा अपहरण कर लिया जाता है। वैसे ही उड़ान दहशत में आ जाती है। टीज़र में भारतीय अधिकारियों को स्थिति को नियंत्रण में लाने की पूरी कोशिश करते दिखाया जाता है। इस मिनी सीरीज में

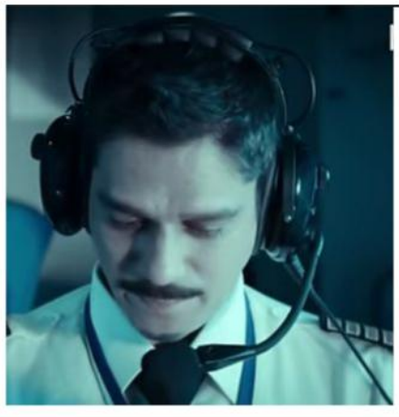

नसीरुद्दीन शाह, पंकज कपूर, विजय वर्मा, अरविंद स्वामी, दीया मिर्जा, पत्रलेखा, अमृता पुरी, अनुपम त्रिपाठी, कुमुद मिश्रा, मनोज पाहवा सहित कई कलाकार नजर आएंगे।

नेटफ्लिक्स ने आतंक, संकट, धैर्य और वीरता की इस दर्दनाक कहानी को बयां करने के लिए ''बनारस मीडियावर्क्स'' ओर ''मैचबॉक्स शॉट्स'' के साथ हाथ मिलाया है। इस सीरीज का निर्देशन कर अनुभव सिन्हा ओटीटी पर अपनी निर्देशकीय पारी की शुरूआत कर रहे हैं।

अनुभव सिन्हा और त्रिशांत श्रीवास्तव द्वारा निर्मित और लिखित, यह छह–एपिसोड की मिनी सीरीज दर्शकों को तीस हजार फीट की ऊंचाई पर फंसे यात्रियों और चालक दल द्वारा सामना की जाने वाली घबराहट भरी वास्तविकता से रूबरू कराएगी। हर पल तनाव में डूबे रहने के साथ, यह श्रृंखला भारत में एक अथक टीम को समय के खिलाफ दौड़ने, अपहर्ताओं की गलत मांगों को समझने और विमान में सवार सभी लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए बाधाओं से लड़ने का अनुसरण करती नजर आएगी।

यह एक ऐसी कहानी है जिसने सबसे अभूतपूर्व संकटों से अप्रत्याशित नायकों का निर्माण किया। यह उन सात दिनों की तबाही, कौशल और चातुर्य की कहानी है। इस मिनी सीरीज की कहानी में के केंद्र में विमान के अंदर और बाहर घटित हुए घटनाक्रम शामिल हैं।

31 इंटरनेशनल अवॉर्ड जीत चुकी रहस्य व रोमांच प्रधान फिल्म 'होकस फोकस' नौ अगस्त को होगी रिलीज़??

–शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

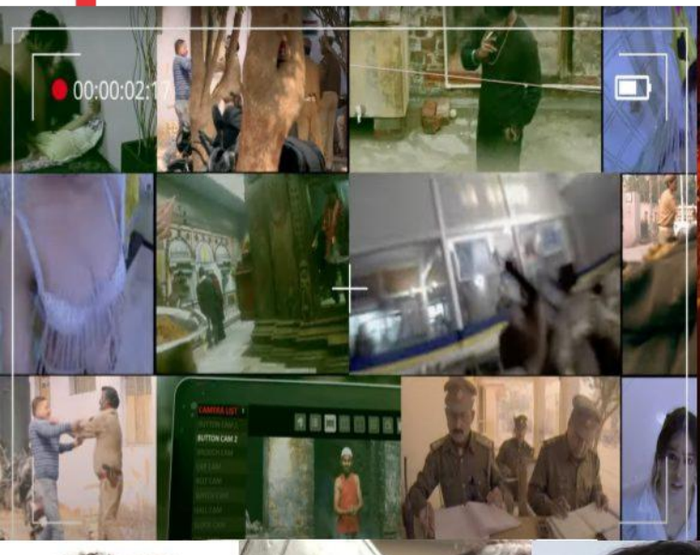

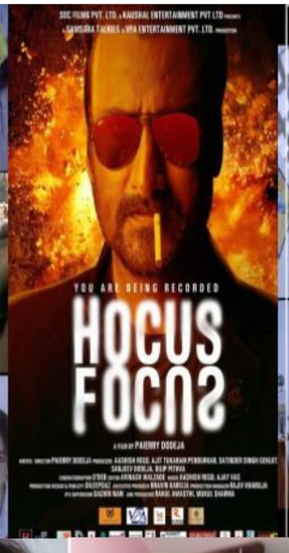

Aashish Rego

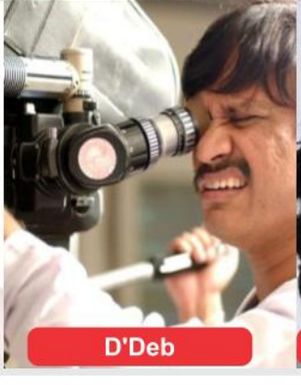
D'Deb

Paierry Dodeja

Satinder Singh Gahlot

Sona Bhandari

Suchhi Kumar

31 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों को अपनी झोली में डाल चुकी मनोरंजन व रहस्य प्रधान रोमांचक फिल्म ''होकस फोकस'' नौ अगस्त से भारत सहित विश्वभर के तीस देशों के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म का प्रोमो हैरतअंगेज टर्न, ट्विस्ट व धोखे से भरी रोमांचक फिल्म होने का अहसास कराता है। फिल्म की टैग लाइन है– आर यू वाच्ड'?? हर पहला जुर्म,दूसरे जुर्म की ओर ले जाता है और फिर वह इंसान को अपराध के ऐसे दलदल में फंसा देता हैं,जहां से निकलने की सोचना भी उनके लिए संभव नहीं होता। कुछ इसी तरह की कहानी फिल्म ''होकस फोकस' की है,जिसमें आठ इंसान बैंक डकैटी करने के लिए पहुँचते हैं,पर वह इस बात से अनभिज्ञ हैं,कि उन पर आठ कैमरों की नजर है.वह इस बात से भी अनभिज्ञ हैं कि रहस्य और रोमांच भरी एक इस यात्रा में हर विश्वासघात को कैमरे में कैद किया जा रहा है। फिल्म के निर्देशक पैरी डोजेजा खुद कहते हैं–'' हमारी फिल्म 'होकस फोकस' की कहानी ऐसी है,जो इंसानी कल्पना से भी ज़्यादा उलझी हुई है। इसमें 8 लोग.. 8 इरादे.. 8 कैमरे और एक अपराध है। धोखे के जाल में उलझती यह कहानी दर्शकों को उनकी सीट से हिलने नहीं देगी।"

फिल्म की कहानी के केंद्र में आगरा का एक गैंगस्टर अजीत पंडित (सुचि कुमार) है। अजीत पंडित की जिंदगी में उस वक्त तूफान आ जाता है,जब उसे एक चालाक काल गर्ल अपने चंगुल में फंसाकर उसे एक बैंक डकैटी करने के लिए कहती है। जैसे कहानी खुलती है,शॉकिंग तथ्य सामने आते हैं। इस बैंक डकैती को आठ छिपे हुए कैमरे से रिकॉर्ड किया जा रहा है। यानी कि फिल्म 'होकस फोकस' आठ छिपे हुए कैमरे के माध्यम से एक कहानी बयां करती है, जिसका केंद्र एक बैंक डकैती के इर्द–गिर्द घूमती एक खौफनाक साजिश का खुलासा करते हैं। इस थ्रिलर में हर मोड़ पर एक रहस्य है और असली तस्वीर को उजागर करने का खेल जारी रहता है।

आगरा में फिल्माई गई फ़िल्म में सुच्वी कुमार, सतिंदर सिंह गहलोत और सोना भंडारी ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं। इस फिल्म को पूरे विश्व भर में अफ्रीका, ब्रिटेन,यूरोप सहित तीस देशो में पहुँचाने का जिम्मा अभिनेता सुचि कुमार की कंपनी ''सिल्वर डॉलर प्रोडक्शन लि.'कंपनी ने उठाया है।

फिल्म में अजीत पंडित का किरदार निभाने वाले अभिनेता सुचि कुमार मूलतः वाराणसी के रहने वाले हैं। भारतीय कला और संस्कृति के प्रति अटूट जुनून के लिए मशहूर, सुचि की वाराणसी के घाटों से लेकर अंतरराष्ट्रीय मनोरंजन की चकाचौंध से भरी दुनिया तक की यात्रा किसी प्रेरणा से कम नहीं है। सुचि कुमार के अपने करियर की शुरूआतसुचि कुमार ने ''होकस फोकस' से इतर ''वंस अपॉन ए टाइम इन मॉरिशस' सहित कई भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्में साइन की हैं, जिनमें प्रसिद्ध आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जीवनी पर आधारित एक बहुप्रतीक्षित फिल्म भी शामिल है।

फिल्म 'होकस फोकस' की कहानी बड़ी अंधेरी और रहस्यमयी दुनिया में बुनी गई है, जहाँ कुछ भी वैसा नहीं है जैसा नज़र आता है। छिपे हुए जासूसी कैमरे एक चौंकाने वाले राज़ को उजागर करते हैं जो एक बैंक डकैती की तरह दिखता है। अपनी अपनी वजह से आठ अलग अलग लोग एक प्लान के लिए एक साथ आते हैं। लेकिन वह यह नहीं जानते कि वह एक बहुत बड़े और खतरनाक खेल के सिर्फ मोहरे हैं। अपराध की जगह की फुटेज में खौफनाक घटनाएँ और एक भयानक सच्चाई सामने आती है। कोई व्यक्ति पूरे समय उन सभी पर नज़र रख रहा था। उन्हें दौलतमंद बनाने के लिए प्लान की गई यह डकैती तब बिखर जाती है जब असली मास्टरमाइंड के इरादे उजागर होते हैं।

एसओसी फिल्म्स और कौशल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी फिल्म 'होकस फोकस" के निर्माता आशीष रेगो, अजीत पेंडुरकर, सह निर्माता सतिंदर सिंह गहलोत, माधवी अष्टेकर , गणेश दिवेकर और दिलीप पिथवा हैं एवं लेखक व निर्देशक पैरी डोडेजा हैं। जबकि फिल्म में सुचि कुमार, सोना भंडारी,सतिंदर सिंह गहलोत, संदीप यादव व अन्य की अहम भूमिकाएं हैं।

जिंदगी का 'सफर' है ये कैसा सफर, वक्त के पंखों पर यादों की एक यात्रा

—सुलेना मजुमदार अरोरा

कानपुर के गंगा किनारे, जे के कॉलोनी में मेरी पैदाइश और सेंट जोसेफल्स कान्वेंट में मेरी प्रारंभिक शिक्षा के दौरान फिल्मों के प्रति मेरी रुचि कब और कैसे बढ़ने लगी, पता ही नहीं चला. हो सकता है कि उसी स्कूल में पढ़ रहे उस जमाने के मशहूर फिल्म निर्माता मुशीर रियाज के परिवार वालों की जुबानी फिल्मों की कहानियों का ही वो असर हो. वो दशक था 1980 का, उन दिनों बॉलीवुड में मुशीर रियाज का खूब बोलबाला था. उस जमाने मे जिसे देखो वही मुशीर रियाज की दस साल पहले (1970), की सुपर हिट फिल्म 'सफर' जैसी फिल्म बनाना चाहते थे. आइए जानते हैं फिल्म 'सफर' के बारे मे जिसे एक कल्ट फिल्म माना जाता है.

साल था 1970, एक ऐसा समय जब सपने आशा के धागों से बुने जाते थे और भारतीय सिनेमा, एक विशाल भावनाओं का रगमंच था, इसी दौर में इस फिल्म का जन्म हुआ, ये सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक जिंदगी का कालचक्र था, ये वो 'सफर' था जिसमें प्यार, संदेह, आत्मघात और मानवीय रिश्तों की जटिलताओं की कहानी थी, जिसे भारतीय सिनेमा के चार दिग्गज, राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर, फिरोज खान और अशोक कुमार जैसे कलाकारों द्वारा जीवंत किया गया था, और जिसे मर्मस्पर्शी फिल्मों के रचयता, असित सेन द्वारा निर्देशित किया गया था.

'सफर' की यह फिल्मी यात्रा, मुशीर आलम और मुहम्मद रियाज की कानपुरिया जोड़ी के साथ शुरू हुआ था, जिनके प्रोडक्शन हाउस, 'मुशीर रियाज' ने पहली बार असित सेन के कुशल निर्देशन में, दिलीप कुमार अभिनीत फिल्म, 'बैराग' से सुर्खियां बटोरी थी. दरअसल मुशीर रियाज की जोड़ी चाहते थे 'बैराग' को पहले बनाकर रिलीज करना, लेकिन बड़े स्टार्स (दिलीप कुमार, सायरा बानो) की फिल्म होने की वजह से शूटिंग में देरी हो रही थी, तब मुशीर रियाज ने बॉलीवुड के कुछ युवा उभरते स्टार्स को लेकर एक और फिल्म बनाने का विचार किया, उन्हें उस वक्त क्या पता था कि उनके इस एक विचार ने भारतीय सिनेमा को कितना समृद्ध किया.

मुशीर आलम ने एक दिन एक दिलचस्प बंगाली उपन्यास लेकर सुपरस्टार राजेश खन्ना से संपर्क किया और उन्हें बताया कि इस उपन्यास पर पहले ही एक बंगाली फिल्म 'चलाचल' बन चुकी थी, उन्होंने राजेश खन्ना को 'चलाचल' दिखाया, जिससे प्रेरित होकर राजेश खन्ना तुरंत 'सफर' साइन करने पर राजी हो गए. इस प्रकार 'सफर' के बीज बोये गये. इस फिल्म ने एक नये ढंग की फिल्म मेकिंग की शुरुआत की, जिसने आगे हमें 'कमांडो', 'राजपूत', 'शक्ति' और 'विरासत' जैसे सिनेमा दिए.

उस युग के सुपरस्टार, राजेश खन्ना, सिर्फ एक मैटनी आईडल से कहीं अधिक थे. उन्हें अभिनय का कवि माना जाता था, जिन्होंने भारतीय हृदय के मूल ताने–बाने में, प्रेम और भ्रम की पीड़ा को उकेरा. राजेश खन्ना का प्रभाव, सिल्वर स्क्रीन से कहीं आगे तक फैला हुआ था और उनकी इस विरासत के केंद्र में फिल्म 'सफर' को माना जाता है जो पांच दशक बाद, आज भी गूंजती रहती है और जीवन के उतार–चढ़ाव तथा उसके सुख–दुख को प्रतिबिंबित करती रहती है.

यह कहानी एक संघर्षरत कलाकार अविनाश की कहानी है, जो अपनी साथी मेडिकल छात्रा नीला से बहुत प्यार करता है. जीवन और मृत्यु से जूझ रही जिंदगी की पृष्ठभूमि पर आधारित, उनकी प्रेम कहानी, युवा प्रेम की एक मार्मिक गाथा है, जो गलतफहमियों और बलिदानों से भरी है.

निर्देशक असित सेन, जो एक कुशल कथाकार भी थे, ने इस कथा में जान फूंक दी. आशुतोष मुखर्जी के बंगाली उपन्यास, 'चलाचल' से प्रेरित होकर, सेन ने एक ऐसी पटकथा तैयार की जो समकालीन और कालातीत दोनों थी. सेन का उद्देश्य इस फिल्म को हिंदी भाषी दर्शकों के लिए उपलब्ध कराते हुए भी इसके भावनात्मक मूल को बनाए रखना था.

संवाद लिखा था इंदर राज आनंद ने.

सफर के साथ उन्होंने तकनीशियनों की एक सशक्त टीम को इकट्ठा किया, जिसमें प्रसिद्ध छायाकार कमल बोस भी शामिल थे, जिन्होंने फिल्म के आश्चर्यजनक दृश्यों के साथ फिल्म की भावनात्मक गहराई को कैद किया.

अविनाश के रूप में राजेश खन्ना का चरित्र चित्रण, उत्कृष्ट प्रतिभा का एक नायाब नमूना था. प्यार में डूबे, एक ऐसे व्यक्ति का उनका किरदार, जो अपनी प्रेमिका के भविष्य के लिए अपनी खुशी का त्याग करने को तैयार है, किसी प्रेम तपस्वी से कम नहीं था. प्रेम, त्याग और नैतिक दुविधा से जूझ रहे उस चरित्र को राजेश खन्ना की भावपूर्ण आँखों ने अमर कर दिया. खन्ना ने एक बार कबूल किया था,

'अविनाश मेरा ही हिस्सा था. उसका दर्द, उसकी उलझन, उसका प्यार..., मैंने यह सब महसूस किया. तब, राजेश खन्ना का किरदार लाखों युवाओं के लिए एक आदर्श बन गया. उनका अद्भुत परफॉर्मेंस इस बात की याद दिलाता है कि उन्हें भारतीय सिनेमा के प्रथम सुपरस्टार का ताज क्यों पहनाया गया था.

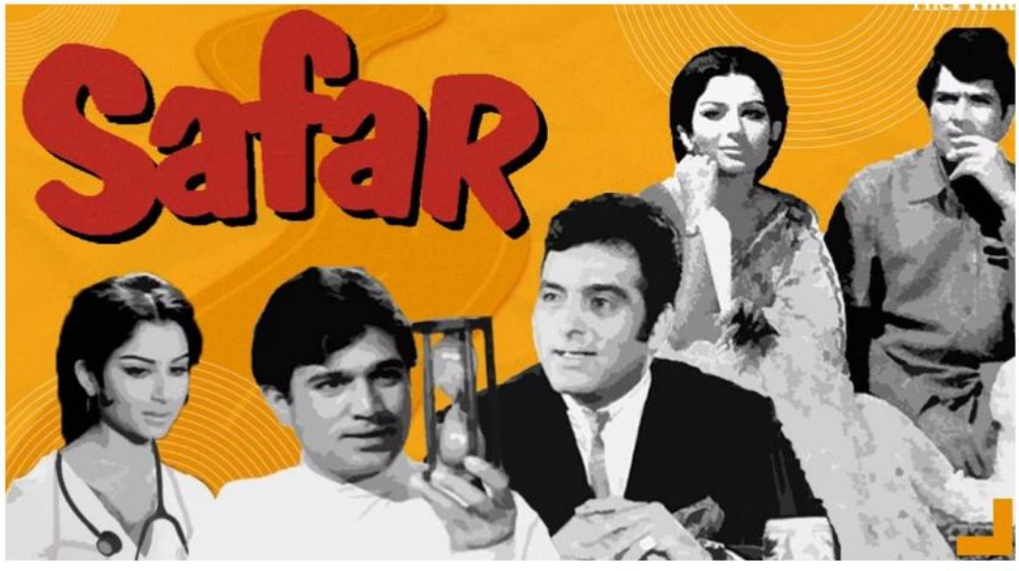

डॉक्टर नीला के रूप में शर्मिला टैगोर, ने राजेश खन्ना के अभिनय को कांटे की टक्कर दी थी. भावनाओं के बवंडर में फंसी एक स्त्री का, उनका चित्रण, प्रेम की शक्ति और कमजोरी दोनों को बयां किया है.

शर्मिला ने याद करते हुए कहा, नीला अपने समय से आगे की महिला थीं. वह बहादुर थी, स्वतंत्र थी, और फिर भी, दिल की गहराई से घायल थी.

उस जमाने में नीला के संघर्ष की गूंज पूरे देश की महिलाओं में गूंज उठी. राजेश खन्ना और टैगोर के बीच की केमिस्ट्री अद्भुत थी. उनका प्यार, उनके झगड़े, उनकी खामोशियाँ – सब, बहुत कुछ कहते थी. यह वह समय था जब अभिनेता सिर्फ अभिनय नहीं करते थे, वे अपने किरदारों को जीते थे.

अविनाश, नीला और शेखर के बीच दिल दहला देने वाला वो टकराव, हवा में तनाव, अनकहे शब्द, नायकों के चेहरे पर उकेरा गया वो दर्द – यह सब दर्शकों को दीवाना बना रहे थे.

इस फिल्म में फिरोज खान, अशोक कुमार और आई. एस. जौहर के अलावा, कई शानदार सहायक कलाकार भी काम कर रहे थे. जौहर, वो कलाकार थे जो, जब सशक्त प्रदर्शन करते थे तो कथा के स्तर को ऊंचा उठा देते थे.

'सफर' का संगीत, कल्याणजी–आनंदजी (कल्याणजी वीरजी शाह और आनंद जी वीरजी शाह) द्वारा संगीतबद्ध और इंदीवर द्वारा लिखा गया था जो फिल्म की आत्मा का एक महत्वपूर्ण अंग रहा. उनकी धुनें फिल्म के भावनात्मक परिदृश्य को प्रतिबिंबित करती रही. जिंदगी का सफर है ये कैसा सफर, जीवन से भरी तेरी आंखें, तुम दिन को अगर रात कहो रात कहेंगे, हम थे जिनके सहारे जैसे गाने मधुर कालजयी क्लासिक बन गए हैं. प्रत्येक गाना फिल्म की कहानी का एक आदर्श पूरक बन गया.

बताया जाता है कि 'सफर' की शूटिंग के दौरान कलाकारों और क्रू को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा था. दृश्यों की भावनात्मक इनटेंसिटी, और मौसम की मार ने हर किसी पर बहुत गहरा असर डाला था. फिर भी, इस प्रोजेक्ट के प्रति सबके जुनून ने हर चुनौती को पार किया.

क्रू के एक सदस्य ने याद करते हुए कहा था, ष्कलाकारों के साथ साथ हमने भी किरदारों को जिया. फिल्म के सेट, हमारे जीवन के अंग की तरह रच बस गए थे. हंसी, आंसुओं और थकावट के क्षण ढेरों थे, लेकिन सिनेमा के जादू ने हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया. इन चुनौतियों ने 'सफर' की विरासत को एक ऐसी फिल्म के रूप में योगदान दिया जो दर्शकों के बीच आज भी गूंजती है.

'सफर' के सीमित बजट ने प्रोडक्शन टीम को कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए मजबूर किया था.

बजट की कमी के कारण, क्रू को विशाल सेट बनाने के बजाय प्राकृतिक स्थानों और मौजूदा सेटों पर बहुत अधिक निर्भर रहना पड़ा था. आज की तरह उन दिनों प्रोमोशनल पब्लिसिटी का ना कोई चलन था न कोई बजट. पोस्टर और माउथ पब्लिसिटी ही किया जाता था.

तकनीकी दृष्टिकोण से, फिल्म के भावनात्मक स्तर को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करने के लिए सिनेमैटोग्राफर कमल बोस ने अथक मेहनत की थी.

'सफर' 1970 की भारत में दसवीं सबसे ज्यादा कलेक्शन करने वाली फिल्म बन गई थी. उस जमाने में इस फिल्म ने तीन करोड़ की बिजनेस की थी, जो आज के हिसाब से लगभग 150 करोड़ बनता है. इसे दो फिल्मफेयर पुरस्कार नामांकन प्राप्त हुए, जिसमें असित सेन ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता. राजेश खन्ना, BFJA बेस्ट एक्टर अवॉर्ड के लिए नामांकित हुए थे शर्मिला टैगोर को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए नामांकित किया गया था. फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ पटकथा, सर्वश्रेष्ठ संवाद और सर्वश्रेष्ठ संपादन के लिए तीन बंगाल फिल्म जर्नलिस्ट एसोसिएशन पुरस्कार भी जीते.

फिल्म 'सफर' को 1969–1971 के बीच राजेश खन्ना की लगातार 17 हिट फिल्मों में से एक माना जाता है.

खबरों के अनुसार इस फिल्म के साथ एक मजेदार बात यह भी हुई कि जब मीना कुमारी ने इस फिल्म को देखा तो इसे बहुत पसंद किया लेकिन राजेश खन्ना की चुटकी लेते हुए यह भी कहा था कि हट्टे–कट्टे मोटे ताजे राजेश खन्ना किसी भी एंगल से कैंसर के मरीज नहीं दिखते.

54 वर्ष के बाद भी, यह फिल्म सिनेमा की शक्ति का एक अभिन्न प्रमाण पत्र बना हुआ है. यह एक ऐसी फिल्म है जो समय से परे है, और मानवीय भावनाओं की यथार्थवादी सुंदरता की याद दिलाती है. यह एक ऐसी फिल्म है जो हमें हंसाती है, रुलाती है और अंततः उम्मीद जगाती है.

बॉक्सर रामला अली की बायोपिक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म "इन द शैडोज' का फिल्मांकन लंदन में शुरू

-शांति स्वरुप त्रिपाठी

बॉक्सर रामला अली की बायोपिक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म "इन द शैडोज' का फिल्मांकन लंदन में शुरू

शरणार्थी रामला अली की अविश्वसनीय सच्ची कहानी 'इन द शैडोज़' पर लंदन में फिल्मांकन शुरू हो गया है, जिसने अपने माता-पिता की जानकारी के बिना,पहली सोमाली -ब्रिटिश पेशेवर मुक्केबाजी चैंपियन बनने के लिए गुप्त रूप से मुक्केबाजी की।

बाफ्टा विजेता अभिनेता जैस्मिन जॉब्सन, जो नेटफ्लिक्स के टॉप बॉय में जाक के रूप में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते हैं और एएंड्रिया अर्नोल्ड के बर्ड में बैरी केघन अभिनीत हैं, अग्रणी सोमाली-ब्रिटिश पेशेवर मुक्केबाज, मॉडल और यूनिसेफ राजदूत की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। फिन कोल (लास्ट ब्रीथ, पीकी ब्लाइंडर्स, फास्ट एंड फ्यूरियस 9) जॉब्सन के साथ उनके पति रिचर्ड मूर की भूमिका में होंगी, जबकि गेर्शविन यूस्टाचे जूनियर (एंडोर, स्मॉल एक्स, फोर्टीट्यूड) उनके बॉक्सिंग कोच की भूमिका निभाएंगी। रामला अली और रिचर्ड मूर कार्यकारी निर्माता के रूप में काम करेंगे।

'इन द शैडोज़' का निर्देशन एमी पुरस्कार और तीन बार के बाफ्टा विजेता वृत्तचित्र फिल्म निर्माता एंथनी वोनके (डेटोरी, सीरियारू चिल्ड्रन ऑन द फ्रंटलाइन, रोनाल्डो) द्वारा किया गया है, जो अपनी कथात्मक फिक्शन फिल्म की शुरुआत करेंगे।

यह फिल्म सिविक स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत की गई है, जो एक वैश्विक मीडिया कंपनी है जो सामाजिक प्रभाव के साथ मनोरंजन पैदा करती है। सिविक स्टूडियोज़ की सीईओ अनुष्का शाह ने टिप्पणी की,'रामला की कहानी वास्तव में प्रेरणादायक है और दुनिया भर के दर्शकों द्वारा सुनने लायक है। यह विपरीत परिस्थितियों में दृढ़ता, अप्रवासी अनुभव और सबसे महत्वपूर्ण रूप से एक चैंपियन मुक्केबाज की कहानी है।

रामला अली ने कहा- "मेरा लक्ष्य महिला मुक्केबाजी के लिए एक राजदूत और रोल मॉडल बनना है। अन्य युवा लड़कियों को प्रेरित करने के लिए जो बदमाशी और शारीरिक वजन की समस्याओं से पीड़ित हैं। यह संदेश देने के लिए कि मुक्केबाजी के माध्यम से, आप न केवल शारीरिक रूप से पुरस्कृत होते हैं बल्कि मानसिक रूप से भी पुनर्जन्म लेते हैं। बॉक्सिंग मेरे लिए छाया से बाहर निकलने का एक तरीका था; खुद को अभिव्यक्त करने और दूसरों को, विशेषकर महिलाओं को प्रेरित करने के लिए, आत्मविश्वास पैदा करने के लिए जो हम सभी को एक खुशहाल और स्वस्थ जीवन जीने के लिए चाहिए।"

एंथोनी वोन्के ने कहा- "इसमें कोई संदेह नहीं है कि जैस्मिन जॉब्सन आज ब्रिटेन के सबसे बेहतरीन और सबसे रोमांचक अभिनेताओं में से एक हैं और अपनी भूमिकाओं में अविश्वसनीय बुद्धिमत्ता और भावनात्मक रूप से कच्ची ईमानदारी लाती हैं। रामला की कहानी बाधाओं के बावजूद दृढ़ता और बहादुरी की कहानी है और हम एक ऐसे अभिनेता को पाकर इससे अधिक खुश नहीं हो सकते जो रामला की कहानी से इतने गहराई से जुड़ता है और सहानुभूति रखता है।"

फिल्म का कार्यकारी निर्माण टू ब्रिट एंटरटेनमेंट के लिए ज़िगी कमासा, एल्टीट्यूड के लिए विल क्लार्क, एंडी मेसन और माइक रूनागॉल, सिविक स्टूडियो के लिए अनुष्का शाह, एफ़िन फिल्म्स के लिए रिचर्ड फ़र्न और जेन रीड फ़र्न, द वर्ल्ड वी वांट स्टूडियो के लिए नताशा मुधर, ऐनी द्वारा किया गया है। शीहान, रामला अली और रिचर्ड मूर।

पटकथा नाटककार और पटकथा लेखिका उर्सुला रानी सरमा (बोडकिन, डिलीशियस) द्वारा लिखी गई है। पुरस्कार विजेता क्रिस्टोफर औन (कैपेरनम) छायाकार हैं और खारमेल कोचरन (ए क्वाइट प्लेसरू डे वन, साल्टबर्न, राई लेन) फिल्म की कास्टिंग कर रहे हैं।

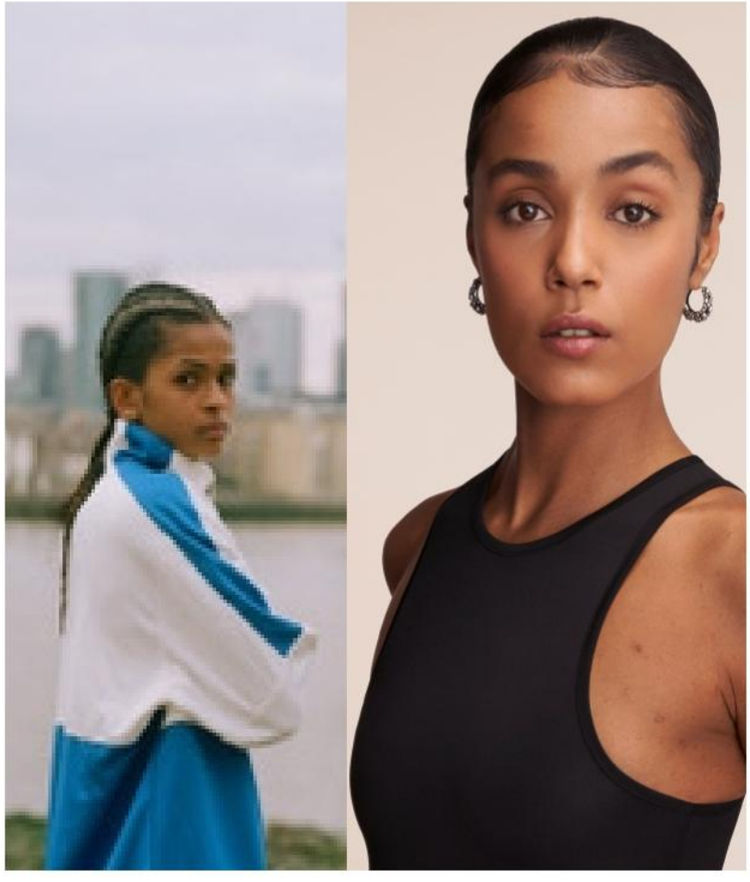

टू ब्रिट एंटरटेनमेंट, स्वतंत्र ब्रिटिश फीचर फिल्मों का अग्रणी वितरक, 2025 में यूके और आयरलैंड के सिनेमाघरों में फिल्म रिलीज करेगा, जिसमें एल्टीट्यूड अंतर्राष्ट्रीय बिक्री संभालेगा।

'इन द शैडोज' विशिष्ट खेल नाटक से परे है, गहरे सामाजिक मुद्दों और पहचान, अपनेपन, परिवार, प्रेम और विश्वास के विषयों की खोज करता है। यह मार्मिक आगामी फिल्म लंदन के बहुसांस्कृतिक ईस्ट एंड में एक सख्त मुस्लिम परिवार के भीतर रामला की असाधारण यात्रा का पता लगाती है, जो उसकी आत्म-खोज और सशक्तिकरण की खोज को दर्शाती है। इससे उन्हें अपने धार्मिक और सांस्कृतिक ढांचे के बीच अपनी पहचान और आवाज का दावा करने के लिए 'छाया से बाहर निकलने' में मदद मिली। यह फिल्म सांस्कृतिक और सामाजिक बाधाओं के खिलाफ दृढ़ता की शक्ति का प्रदर्शन करते हुए, विश्व स्तर पर सोमाली ब्रिटिश मुस्लिम महिलाओं और समान प्रवासी और शरणार्थी समुदायों द्वारा सामना की जाने वाली सामूहिक चुनौतियों पर भी प्रकाश डालती है।रामला अली के अडिग दृढ़ संकल्प और सभी बाधाओं के बावजूद सफल होने की अथक इच्छा ने उन्हें बॉक्सिंग रिंग के अंदर और बाहर महत्वपूर्ण चुनौतियों पर काबू पाने, लैंगिक बाधाओं को तोड़ने और सांस्कृतिक रूढ़िवादिता को तोड़ने में सक्षम बनाया। उनकी दृढ़ता ने उन्हें ऐतिहासिक उपलब्धियों तक पहुंचाया, जिसमें 2020 ओलंपिक खेलों में सोमालिया का प्रतिनिधित्व करने वाले पहले मुक्केबाज, पुरुष या महिला बनना और सऊदी अरब में पहली बार पेशेवर महिला मुक्केबाजी मैच जीतना शामिल है। 2023 में, अली ने मैडिसन स्क्वायर गार्डन में सुपरबैंटम वेट में अपना पहला पेशेवर आईबीएफ इंटरकांटिनेंटल खिताब जीता और उन्हें टाइम पत्रिका की 2023 महिलाओं में से एक के रूप में मान्यता दी गई।"

Toxic: A fairy tale for Grown ups की शूटिंग बेंगलुरु में हुई शुरू...

मायापुरी डेस्क

रॉकिंग स्टार यश की बहुचर्चित एक्शन ड्रामा Toxic: A fairy tale for Grown Ups की शूटिंग आज से बेंगलुरु में शुरू हो गई है। अभिनेता को केवीएन प्रोडक्शंस के निर्माता वेंकट के नारायण के साथ फिल्म के सेट पर पूजा में भाग लेते हुए देखा गया, जो विशेष रूप से परियोजना की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए आयोजित की गई थी।

सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीर में हम दोनों निर्माताओं (वेंकट के नारायण और यश) को इस नई यात्रा की शुरुआत के समय एक साथ एक पल साझा करते हुए देख सकते हैं। सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा करते हुए, अभिनेता-निर्माता ने लिखा, "यात्रा शुरू होती है #टॉक्सिक।"

Toxic: A fairy tale for Grown Ups का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और इसका निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस ने संयुक्त रूप से किया है।

खजुराहो से आधुनिक दुनिया तक:
जियोकोंडा की खोज,परंपरा के विरुद्ध जियोकोंडा का गुहार

सुलेना मजुमदार अरोरा

जियोकोंडा वेसिचेल्ली एक विश्व प्रसिद्ध ओपेरा क्वीन हैं, वह प्रतिभाशाली, युवा, सेक्सी, चाइल्ड प्रोडिजी और बॉलिवोपेरा की आविष्कारक हैं, कई सम्मान से नवाजी गई है, लेकिन इन सब उपलब्धियों के पहले वो एक स्वतंत्र लड़की है। स्वतंत्रता के आगे वो किसी चीज़ को नहीं मानती और ना ही जानती है। वह बहुत साहसी, मुखर, वाइल्ड, स्वतंत्र पक्षी की तरह हैं और किसी बंधन में नहीं बंधना चाहती हैं। दुनिया के कई युवा सुंदर और सबसे अमीर पुरुषों ने उन्हे प्रपोज किया, कई युवा किशोर लड़के उसके सबसे अच्छे दोस्त हैं, उसपर तन मन से न्योछावर है। जियोकोंडा भी उनसे प्यार करती है, उनकी कंपनी में आनंद लेती है, वह उनसे मिलकर खाती, पीती, नाचती, गाती, मस्ती करती है। वो पुरुषों के साथ मजाकिया, प्यार भरे, खुश, अंतरंग क्षण गुजारती हैं, लेकिन वह उन्हें पाने या उनसे बंधने से इनकार करती है। वो प्यार और सेक्स के खिलाफ नहीं है, क्योंकि यह प्राकृतिक भावनाएं हैं लेकिन वो प्रतिबद्धता और शादी के बंधन के खिलाफ है।

तो पिछले दिनों जियोकोंडा से टेलीफोनिक बातचीत में मैंने उनसे इस विषय पर बातचीत की।

● शादी के बारे में क्या आप क्या सोचती है?

यह एक बंधन है और थोड़ा क्रूड तरीके से कहूँ तो शादी एक जेल है, एक पारंपरिक संस्था है जिसका आविष्कार सभ्य देशों ने लोगों को दबा कर रखने के लिए किया है ताकि वे जनता को आसानी से बरगला सकें। यदि हम आदिवासी लोगों को देखें या ऐतिहासिक रूप से तथाकथित "सभ्यता" से पहले के समय को खंगाले तो पाएंगे कि तब के समय में पुरुष और महिलाएं स्वतंत्र थे, अपने स्वभाव को व्यक्त करने के लिए। खुद, को पिंजरे में डाले बिना..वो स्वाभाविक शारीरिक जरूरतों को पूरा करते थे। आदि काल से यह मान्य है। उदाहरण के लिए खजुराहो मंदिर के समय को देखिये! या आज के समय में भी उन आज़ाद आदिवासी लोगों को जानिए, वे मुक्त और स्वाभाविक जीवन जीते हैं, . मैं भी कई बार उनके साथ जाकर रही हूँ .. वे नेचर के साथ जीते हैं, शरीर के अंगों को खुला रखने या ढकने को लेकर उनमें कोई बहस नहीं है, वे अपनी मर्जी के मालिक हैं। मनोवैज्ञानि बीमारियां, अवसाद आदि को वे नहीं जानते हैं, क्योकि वे किसी प्रेशर में नहीं जीते। सिर्फ इसलिए कि वे खुद को स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त करते हैं, जैसे ही वे किसी से, यानी अपने पार्टनर से थक जाते हैं, वे किसी और के साथ आगे बढ़ जाते हैं, बिना किसी विद्वेष, पूर्वाग्रह या आलोचना के.. सिर्फ प्रकृति की लय का पालन करते हुए क्योंकि वे मानव जाति की वास्तविक प्रकृति से अवगत हैं। हम आख़िरकार हैं तो पशु प्रजाति के ही, हम कोई सब्जी प्रजाति के तो नहीं है न? इसलिए हमारा आचरण भी स्वाभाविक होना चाहिए।

● क्या आपको, कभी किसी से प्यार हुआ है ?

मुझे जीवन से और सहजता के किसी भी स्पन्दन से प्यार है, इसलिए मैं प्रकृति और उन लोगों से लगातार प्यार करती हूं जो उनके स्वभाव का पालन करते हैं।

● क्या आप किसी खास पुरुष की तलाश में हैं? अगर हाँ, तो कैसा पुरुष चाहिए आपको?

मैं किसी पुरुष की तलाश में नहीं हूं क्योंकि मैं ना रिक्त हूं, ना प्यासी। मेरे अंदर सब कुछ है और मैं खुद से बहुत प्यार करती हूं.. मेरे अंदर कोई खालीपन नहीं है, लेकिन हाँ, मुख्य रूप से मैं उन लोगों को पसंद करती हूं जो भेड़ चाल से अलग हैं और अपनी अपरंपरागत ऊर्जा से मुझे स्पंदित करते हैं.. वे भले ही सुपर हैंडसम न हों, लेकिन उनमें उस तरह का वाइब्रेशन होना चाहिए जो मेरे वेव लेंथ में हो। अपने अब तक के छोटे से जीवन में मैंने कई हैंडसम अभिनेताओं, अति अद्भुत पुरुषों, अति धनी मर्दों को अस्वीकार कर दिया है, (वे जिनका शरीर अत्यंत सुगठित जरूर था, वे खूब धनी भी थे लेकिन उनके मस्तिष्क में मांसपेशियां कम थीं, उनके ब्रेन खूबसूरत नहीं थे और उनका मस्तिष्क धनी नहीं था :-)। इसके बनिस्पत मैंने उन पुरुषों को चुनना ज्यादा पसंद किया जो कम सुंदर थे लेकिन जो मेरे मस्तिष्क को उत्तेजित करते थे (और- - - - सिर्फ मस्तिष्क को ही नहीं बल्कि, ह्म्म्म ..) जब मैं किसी मर्द से अपने वाइब्रेशन और स्पन्दन का मिलान करती हूँ तो सबसे पहले, आम तौर पर मैं उनका डांसिंग टेस्ट करती हूं.. उनके नृत्य करने का ढंग और उन्हे अपना शरीर को हिलाने के तरीके को देखकर, मैं समझ सकती हूँ कि क्या वह मेरे द्वारा चुना जा सकता है या नहीं।

● आप लिव इन रिलेशनशिप के बारे में क्या सोचती है?

शादी के समान ही लिव इन रिलेशनशिप भी एक बंधन तो है लेकिन शादी से थोड़ा बेहतर है। क्योंकि कम से कम जब आप एक ही आदमी के साथ, हमेशा एक ही काम करते करते ऊब और थका हुआ महसूस करते हैं, तो आप तलाक लेने के लिए वकीलों को ज्यादा पैसे दिए बिना भी पार्टनर का बदलाव कर सकते हैं।

● क्या इस वक्त आप किसी पुरुष के साथ संलिप्त है?

संलिप्तता से आप क्या समझती या समझाना चाहती हैं? मैं अपने जीवन में सैकड़ों बेहतरीन वाइब्रेशन देने वाले लोगों के साथ संलिप्त रही हूं., वो जुड़ाव सिर्फ उतनी ही गहन भागीदारी थी कि यह कुछ घंटों या कुछ दिनों या कभी-कभी कुछ महीनों तक चली, यह इस बात पर निर्भर करता था कि उनमें से प्रत्येक के अंदर कितनी आग जल रही थी। वे मुझे कितना तपा सकते थे। मुझे लगता है कि जीवन की सुंदरता किसी रिश्ते की अवधि के बारे में नहीं बल्कि उसकी तीव्रता के बारे में है। वही इनटेंसिटी ही एकमात्र चीज़ है जो आपको वास्तविक गहरी खुशी दे सकता है और आपको जीवन की ब्रह्मांडीय सुंदर ऊर्जाओं से जोड़ सकता है।

● लेकिन अगर कभी, जीवन के किसी मोड़ पर, आप अपनी ही इन भावनाओं, इन तर्कों से ऊब जाएं और इनसे मुँह मोड़ लें तो मुझे जरूर बताइएगा।

(अपनी खनखनाती हँसी को दबाते हुए) डेफिनेटली, प्रॉमिस, सबसे पहले आपको ही बताऊँगी।

"उसी दिन से मेरी थिएटर व फिल्म की यात्रा शुरू हो गयी थी।"

गौरव रावल

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

मुंबई में पले बढ़े और पत्रकार के बेटे गौरव रावल को बचपन से ही अभिनय का शौक रहा है। पर उन्होंने गुप्त रूप से अपनी तैयारी की और जब एक बड़ी प्रतियोगिता में उनका नाटक शामिल हुआ, तो वहां पर उन्होंने अपने पिता को बुलाया। उस नाटक को और उन्हें पुरस्कृत नहीं किया गया, मगर देखकर उनके पिता गदगद हो गए और यहीं से थिएटर व फिल्मों के लिए उनकी राह खुल गयी। तब से वह काफी काम कर चुके हैं।

प्रस्तुत है गौरव रावल से 'मायापुरी' के लिए हुई बातचीत के अंश

आपको अभिनय का चस्का कैसे लगा?

– देखिए सर, यूँ तो मेरे घर में कला का माहौल नहीं है। मगर मेरे पिता जी पत्रकार हैं, इस वजह से घर मे लिखने पढ़ने के माहौल के साथ सांस्कृति कार्यक्रमों पर चर्चा जरुर होती रहती है। मुझे बचपन से ही फिल्में देखने का शौक रहा है। फिल्म देखने के बाद मैं घर पर फिल्म में कलाकारों द्वारा किए गए डांस खुद करने का प्रयास करता था। पर उस वक्त यह सब मेरा शौक था। तब तक मैंने अभिनेता बनने की सोची भी नहीं थी। दसवीं कक्षा यानी कि हाई स्कूल में अच्छे नंबर आने के बाद मेरा फिल्में देखने का सिलसिला कुछ ज्यादा ही बढ़ गया। फिर मुझे अहसास हुआ कि मुझे आजीवन यही काम करना है। जब मैं स्टेज पर आता हूँ, तो अपने आपको जिंदा महसूस करता हूँ। पर पिताजी से कहने की हिम्मत नहीं पड़ रही थी, जबकि मैंने स्कूल के एनुअल डे पर एक नाटक में अभिनय किया था, जिसे देखकर मेरे मम्मी पापा काफी खुश हुए थे। इस नाटक में मेरा नाम "हवलदार उछल उछल शाहरुख खान" यह कॉमिक किरदार था। वैसे जिन लोगों ने मुझे नाटकों में या टीवी सीरियल या वेब सीरीज में मुझे देखा है, उन सभी का मानना है कि मैं हास्य किरदार बहुत अच्छे से निभाता हूँ। फिर मैंने कई नाटकों में बैक स्टेज पर काम किया। कई प्रोफेशनल नाटको में बैक स्टेज करने के साथ ही छोटे किरदार भी निभाए। मैंने दूसरों को काम करते हुए सीखता रहा हूँ। दसवीं के बाद फिल्म व नाटक दोनों देखने का मेरा नजरिया ही बदल गया। मैं हर फिल्म में यह जानने का प्रयास करता कि कलाकार ने किस इमोशन को किस तरह से पेश किया है।

तो आपको अभिनय सीखने की जरुरत नहीं पड़ी?

– मैंने पहले ही कहा कि फिल्म देखते हुए या नाटक के लिए बैक स्टेज काम करते हुए मैं सीख ही रहा था। यह सब मेरे लिए ट्रेनिंग ही थी। इसके अलावा ग्यारहवीं पहुँचने के साथ ही मैंने फिल्म, एड व टीवी सीरियल के लिए ऑडीशन देना शुरू किया। ऑडीशन देते हुए भी मैं सीख ही रहा था। ऑडीशन में बार–बार रिजेक्ट होते देखकर मैंने खुद ही पता किया कि कहां कमी है? उसके बाद ही मैंने थिएटर से जुड़ने का मन बनाया था। यह मिथ है कि जब कोई लड़का बॉलीवुड में एक्टर बनने के लिए कदम रखता है, तो वह खुद को शाहरुख खान या अमिताभ बच्चन से कम नहीं समझता। वह सोचता है कि मौका मिलते ही मैं परदा फाड़ दूँगा। जबकि असलियत में ऐसा कुछ नहीं होता। इसी तरह हर इंसान सोचता कुछ है, पर उसकी जिंदगी के साथ नियति कुछ और ही कराती रहती है। इसी तरह अब तक के मेरे करियर में काफी उतार चढ़ाव आ चुके हैं। जब 2019 में मैं थिएटर से जुड़ा तब मैंने खुद से कहा–"अब आया ऊंट पहाड़ के नीचे"।

थिएटर पर शुरूआत कहां और किसके संग हुई?

– कालेज में मेरा एक दोस्त हुआ करता है–संस्कार। उसे पता है कि मुझे अभिनय का चस्का है। उसी ने एक दिन मुझे या सर से मिलवाया, जो कि आज मेरे गुरू हैं। श्याम भिंसारिया सर ने पहली मुलाकात में ही मुझे एक 'मोनोलॉग' देते हुए कहा था कि इसकी तैयारी करके आना। उन्होंने मुझे अभिनय के श्रृंगार, हास्य, सहित हर रस से परिचित करवाया। उन्होंने ही मुझे 'वॉयस मॉडलिंग' की ट्रेनिंग दी। इमोशंस किस तरह बाहर निकाले जाते हैं, उसकी ट्रेनिंग दी। फिल्म या सीरियल की शूटिंग के दौरान हमें रीटेक कर अपनी गलती को सुधारने का मौका मिलता है। मगर थिएटर में ऐसा नहीं है। थिएटर में हमें इस तरह अभिनय करना होता है कि पहली पंक्ति में बैठे दर्शक से लेकर अंतिम पंक्ति में बैठे दर्शक तक हम पहुँच जाएं। थिएटर में न कट होता है और न ही रीटेक होता है। हमें उसी वक्त परिणाम मिल जाता है कि हमने अच्छा किया या खराब। यह बात हमें अपने अभिनय को सुधारने में बहुत मदद करती है। इससे मेरे अंदर एक बात यह उभरी कि अब मैं कैमरे के सामने 'वन टेक' में ही अपना शॉट ओके देता हूँ।

आपने किन नाटकों में अभिनय किया?

– श्याम भिंसारिया के साथ मैंने दो साल तक नाटकों में बैक स्टेज आदि करते हुए गुजार चुका था। मुंबई में हर वर्ष एनसीपीए थिएटर में एनएसडी की तरफ से 'हाऊस कम्पटीशन होता है। श्याम भिंसारिया सर का ग्रुप हर वर्ष इसमें हिस्सा लेता रहता है। हमारा एक नाटक 'वन क्वाइन प्लीज' हैं। यह नाटक फिल्म व टीवी इंडस्ट्री में जो

उतार–चढ़ाव आते हैं, उस पर है। श्याम सर मुझे हर सप्ताह एक मोनोलॉग की घर पर प्रैक्टिस करने के लिए कहते थे। फिर वह हमें अलग–अलग समय की कुछ फिल्में दिखाते थे। मेरी पसंदीदा फिल्म है–एक रूका हुआ फैसला। एक दिन अचानक श्याम भिंसारिया सर ने मुझसे कहा कि मैं नाटक 'एक क्वाइन प्लीज' में मेन किरदार निभाऊं। इसमें दो पैरलल लीड हैं। दोनों समान महत्व के हैं। एक मैं कर रहा था और दूसरा महेंद्र भईया कर रहे थे। मैं अति उत्साहित था। मैंने अपनी तरफ से तैयारी करने में अपनी पूरी जान लगा दी। इस नाटक में जो किरदार था, रीयल लाइफ में मैं वैसा ही हूँ। जिस दिन यह नाटक होना था, उसकी जानकारी मैंने डरते डरते अपने पापा को दे दी थी। तो वह भी इस नाटक को देखने के लिए पहुंच गए थे। मेरा नाटक देखने के बाद मेरे पापा ने कहा–''तू जब भी स्टेज पर आता है,बहुत क्यूट एक्टर लगता है। पर तूने पहले नहीं बताया कि ऐसा कुछ कर रहा है।'' तब मैंने उनसे कहा कि मैं पहले खुद को जांच रहा था। उसके बाद मेरे पापा ने मेरा हौसला बढ़ाना शुरू किया। जब नाटक खत्म होने के बाद मैं बाहर निकला तो तमाम लोग मुझे बधाई देने के लिए मौजूद थे। यह मेरे लिए फैन मोमेंट था। उस वक्त मैंने सभी से एक ही बात कही थी कि मैं जो कुछ बन पाया वह सब श्याम भिंसारिया सर की वजह से ही बन पाया हूँ। उस दिन हम प्रतियोगिता जीतने में असफल रहे थे। पर उसी दिन से मेरी थिएटर व फिल्म की यात्रा शुरू हो गयी थी।

उसके बाद मैंने नाटक 'प्याज के छिलके' किया। फिर एक नाटक 'बिरजू का चौथा ब्याह' किया। इसमें मेरा किरदार दुश्यंत कुमार का था. जो कि लेखक है। मैं निजी जिंदगी में भी लिखता रहता हूँ। इसके बाद पिता और उनके बेटे के रिश्ते पर आधारित नाटक 'पिता' किया। इस नाटक में पिता एक 'अनसंग हीरो' के तौर पर उभरकर आता है। बिना बोले बहुत कुछ करते हैं। इसमें मेरा किरदार एक वेटर का है। इस गंभीर नाटक में मैं जब भी स्टेज पर आता हूँ, तो सभी को हंसा कर जाता हूँ।

फिल्म व सीरियल की तरफ कब मुड़े?

– थिएटर से जुड़ने की मूल वजह फिल्म व सीरियल से जुड़ना ही था। मैं यदि फिल्म में हास्य या गंभीर किरदार निभा रहा हूँ, तो उसका लेवल पता होना चाहिए। हर इमोशन में वेरिएशन लाना सीखना था। नाटक करते हुए मैंने सबसे पहले 'नेस्ले' की एड किया। फिर मैंने सीरियल 'सजन घर जाना है' किया। उसके बाद मैंने 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में कुछ एपीसोड किए। फिर 'सूर्यपुत्र कर्ण' किया। मैंने फिल्म 'काई पो चे' फिल्म में एक छोटा सा किरदार निभाया था। संजय लीला भंसाली की फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' किया। उसके बाद मुझे 'स्टार प्लस' का सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' मिला। इसमे मैंने नकुल मेहता के नौकर का किरदार निभाया। कास्टिंग डायरेक्टर चेतन की मदद से मुझे 'कुंमकुंम भाग्य' से जुड़ने का अवसर मिला। फिर मुझे डीडी नेशनल पर सीरियल 'स्वराज' का एक एपिसोड करने का अवसर मिला। अभी तक यह एपिसोड प्रसारित नहीं हुआ है। इसमें मैंने स्वतंत्रता सेनानी का किरदार निभाया है। मैंने कई लघु फिल्में की है। मेरी पहली प्राथमिकता हमेशा फिल्में रहेंगी। मैं लगातार ऑडीशन देता जा रहा हूँ। मेरा मानना है कि हम जितना सहेंगे, उतना ही सफल बनेंगे। हर रिजेक्शन के बाद मैं अपनी गलती को ढूंढ़कर उसे सुधारने का प्रयास करता हूँ। मेरा मानना है कि हर रिजेक्शन के पीछे कोई न कोई वजह होती है। मुझे चेतन शर्मा, जिम केरी व संतन सर जैसे कास्टिंग डायरेक्टरों से अच्छा सहयोग मिला।

अभी भी कुछ सीखना जारी है?

– मैंने सुना है कि हर कलाकार में एक्स फैक्टर होना चाहिए। उसे अभिनय के साथ ही नृत्य करना भी आना चाहिए। मार्शल आर्ट भी आना चाहिए। मैं तो आज भी अपने आपको स्टूडेंट ही मानता हूँ। मैं डांस बचपन से सीख रहा हूँ। मेरे पहले डांस टीचर केपी सर थे। आज मैं डांस कोरियोग्राफ करता हूँ। बच्चों को भी डांस सिखाता हूँ। मार्शल आर्ट सीख रहा हूँ। स्वीमिंग करना सीखा है। क्रिकेट भी खेल लेता हूँ। अब मैं गिटार बजाना सीखना चाहता हूँ।

आपने किससे क्या सीखा?

– मैंने संजय लीला भंसाली के साथ छोटा सा किरदार करके सीखा कि उनके अदंर डेडीकेशन है। वह अपने काम के प्रति बहुत गंभीर रहते हैं। मैंने उनसे सीखा कि सेट पर पूरी तैयारी के साथ ही जाना चाहिए। मैंने अब तक जिनके साथ भी काम किया, सभी से कुछ न कुछ सीखा।

किन लोगों के साथ काम करना चाहते हो?

– संजय लीला भंसाली, इम्तियाज अली, अनुराग कश्यप, किरण राव के अलावा मैं क्रिस्टोफर नोलन के साथ काम करना चाहता हूँ। मुझे एक साइंस फिक्शन फिल्म करनी है।

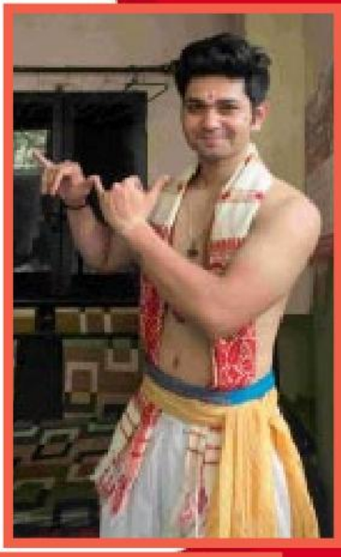

नया क्या कर रहे हो?

– एक नाटक 'अकबर डिकोडेड' की रिहर्सल चल रही है। मैंने दो तीन फिल्में की हैं, पर अभी तक निर्माता की तरफ से घोषणा नहीं की गयी है, इसलिए चुप रहना चाहूंगा।

आप कविताएं भी लिखते हैं?

– जी हॉ! साफ्ट पोयम लिखता हूँ। रोमांटिक पोयम लिखता हूँ।

रोहित शेट्टी श्रावण सोमवार से रुद्राभिषेक किया..
रुद्राभिषेक मंत्रों द्वारा किया जाता है और वास्तव में रुद्राभिषेक मंत्र कोई एक मंत्र नहीं बल्कि मंत्रों का समूह है, जो 'शुक्लयजुर्वेदीय रुद्राष्टाध्यायी' के रूप में भी जाना जाता है...

आईएफएफआई में वेव्स के शामिल होने पर शेखर कपूर विचार साझा किए: इमर्जिंग मीडिया और टेक्नोलॉजी के बीच कॉन्फ्लुएंस

—मायापुरी प्रतिनिधि

वेटरन फिल्ममेकर शेखर कपूर, जिन्हें हाल ही में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया, गोवा (आईएफएफआई) के 55वें और 56वें एडिशन के लिए फेस्टिवल डायरेक्टर के रूप में अपॉइंट किया गया था, उन्होंने घोषणा की कि फिल्म फेस्टिवल में WAVES (वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट) को जोड़ा जा रहा है, जो उन्होंने इसे 'कॉन्फ्लूएंस बिटवीन इमर्जिंग मीडिया एंड टेक्नोलॉजी' के रूप में वर्णित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एआई इसमें एक 'बिग वर्टीकल' बनने जा रहा है।

कपूर, जिनका लक्ष्य आईएफएफआई को ट्रेडिशनल सिनेमा और कटिंग एज कॉन्टेंट टेक्नोलॉजी दोनों के लिए एक ग्लोबल हब के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि WAVES का उद्देश्य भारत के टेक सेक्टर में इन्वेस्टमेंट को प्रोत्साहित करना भी है। IFFI का 55वां एडिशन 20 नवंबर से होने वाला है। इसका समापन 28 नवंबर को होगा।

फिलहाल, कपूर अपनी आगामी रिलीज 'मासूम...द नेक्स्ट जेनरेशन' की तैयारी कर रहे हैं, जो इस विचार की पड़ताल करती है कि घर क्या है। कपूर ने पहले एक इंटरव्यू में कहा था, 'मासूम' इंसान होने की सादगी और इंसान होने की जटिलता, लेकिन इंसान बने रहने और इंसान होने की कहानी की ओर लौटने का एक तरीका है। यह फिल्म उनकी बेटी कावेरी कपूर के डेब्यू की शुरुआत करेगी।

अतीन बार के ग्रैमी अवॉर्ड विजेता रिकी केज ने भारतीय राष्ट्रगान का एक स्मारकीय संस्करण 'नए भारत का जश्न' बनाकर बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

—मायापुरी प्रतिनिधि

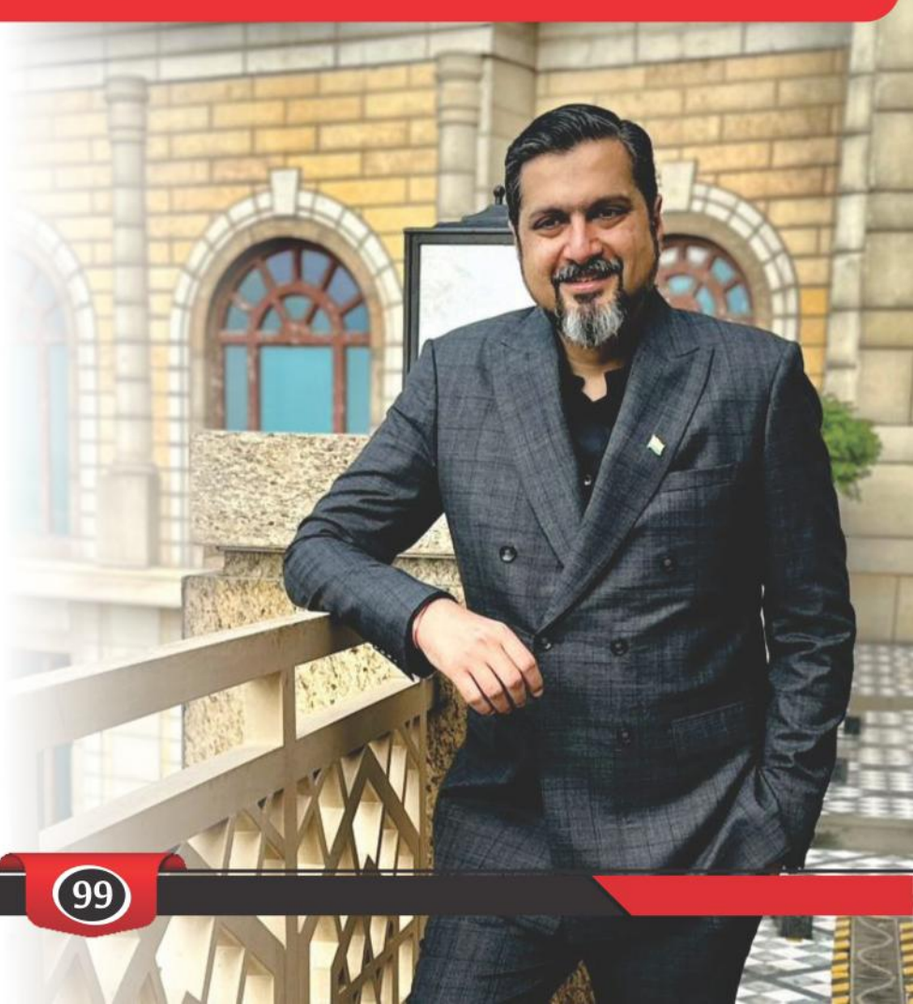

वर्ष 2023 में लंदन के एबी रोड स्टूडियो में भारतीय राष्ट्रगान का प्रदर्शन करने के लिए अब तक के सबसे बड़े सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा (100–पीस रॉयल फिलहारमोनिक ऑर्केस्ट्रा, यूके) का संचालन करने के बाद भारतीय संगीत संगीतकार और तीन बार के ग्रैमी अवार्ड विजेता रिकी केज ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़कर 'नए भारत का जश्न' को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। अपनी पिछली उपलब्धि को आगे बढ़ाते हुए, रिकी केज ने भारतीय जीवित किंवदंतियों का एक असाधारण समूह एकत्र किया है, जो भारतीय राष्ट्रगान के एक अभूतपूर्व संगीतमय अनुभव में परिणत हुआ है।

रिकी केज ने डॉ. अच्युत सामंत के साथ मिलकर ओडिशा के 14,000 आदिवासी बच्चों का एक गायन दल तैयार किया है, जिससे एक विस्मयकारी गायन रिकार्ड तैयार हुआ है, जिसने ओडिशा के भुवनेश्वर में कलिंगा सामाजिक विज्ञान संस्थान में एक ही स्थान पर एक साथ प्रदर्शन किया।

रिकी केज ने कहा, श्हमें इन समुदायों से बहुत कुछ सीखना है। प्रकृति और संधारणीय जीवन पद्धतियों के साथ उनका गहरा संबंध ऐसी शिक्षाएं हैं, जिन्हें दुनिया को अपनाने की जरूरत है।श रिकॉर्डिंग 14 अगस्त (भारत की स्वतंत्रता की पूर्व संध्या) को शाम पांच बजे सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, यूट्यूब और रिकी केज के सोशल मीडिया अकाउंट पर जारी की जाएगी।

यह घोषणा राजधानी दिल्ली के द लीला पैलेस, होटल्स एंड रिसॉर्ट्स में की गई, जिसने भारतीय असाधारणता के प्रतीक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने जैसी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाया।

अमेजॉन मिनीटीवी नाम नमक निशान प्रस्तुत करता है, जो भाईचारे और देशभक्ति से एकजुट युवा कैडेटों की एक सम्मोहक कहानी है। ट्रेलर अभी जारी!

–शिल्पा पाटिल

अमेजॉन मिनीटीवी, अमेजॉन की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा, अपनी आगामी श्रृंखला, जिसका नाम 'नाम नमक निशान' है, के साथ दोस्ती और भाईचारे की भावना का जश्न मनाने के लिए तैयार है। स्ट्रीमिंग सेवा ने आज ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी (ओटीए) की पृष्ठभूमि में युवा कैडेटों की प्रेरणादायक यात्रा की झलक पेश करने वाले आकर्षक ट्रेलर का अनावरण किया। श्रृंखला इन युवा कैडेटों का अनुसरण करती है जो एक भारतीय सैनिक बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपने व्यक्तिगत मतभेदों के साथ–साथ वर्ग, संप्रदाय और बहुत कुछ के विभाजन को पार करते हैं। यह नाटक सम्मान, वीरता और अटूट भाईचारे के सार को दर्शाता है। जगरनॉट स्टूडियो द्वारा निर्मित, जिसमें वरुण सूद, दानिश सूद, हेली शाह और रोशनी वालिया प्रमुख भूमिका में हैं, 'नाम नमक निशान' का प्रीमियर 14 अगस्त से अमेजॉन मिनीटीवी पर मुफ्त में किया जाएगा।

उत्साहवर्धक ट्रेलर हमें ओटीए के केंद्र में ले जाता है, जहां भारत के विभिन्न कोनों से कैडेट अपनी मातृभूमि की सेवा और सुरक्षा के लिए एक साझा सपने के साथ आते हैं। जैसा कि भारत अपनी आजादी के 77वें वर्ष का जश्न मनाने के लिए तैयार है, 'नाम नमक निशान' विविधता में एकता का सार और भारतीय सशस्त्र बलों की अटूट भावना को दर्शाता है। ट्रेलर विपरीत दुनिया के दो युवा कैडेट युवराज और गुरबाज की यात्रा की एक झलक देता है, जो शुरू में कर्तव्य और सम्मान पर अपने अलग–अलग विचारों को लेकर झगड़ते हैं। हालाँकि, अपनी यात्रा के माध्यम से, उन्हें समान आधार मिलता है, और पता चलता है कि सच्ची ताकत एकता और भाईचारे में निहित है।

अमेजॉन मिनीटीवी के कंटेंट प्रमुख अमोघ दुसाद कहते हैं, "नाम नमक निशान के साथ, हमारा लक्ष्य एक अनूठी कहानी पेश करना है जो कैडेटों के बीच भाईचारे को सामने लाती है क्योंकि वे मातृभूमि की सेवा के लिए एक–दूसरे के साथ प्रशिक्षण लेते हैं। ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी में स्थापित, यह शो न केवल हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी और लचीलेपन का प्रमाण है, बल्कि कठोर प्रशिक्षण और व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना करने पर बने बंधनों का भी प्रमाण है।

"हमें 'नाम नमक निशान' पर बेहद गर्व है। यह श्रृंखला हमारे लिए प्यार का परिश्रम है और भाईचारे और दोस्ती की भावना को सलाम है जो सेना प्रशिक्षण संस्थान जीवन भर के लिए बनाते हैं। यह शो व्यक्तिगत चुनौतियों से लेकर साथी कैडेटों के साथ मजबूत बंधन बनाने तक, प्रत्येक कैडेट के अनुभवों में गहन परिवर्तन को दिखाने की कोशिश करता है, और हमने उन क्षणों को भी कैद करने की कोशिश की है जो दिखाते हैं कि प्रशिक्षण केवल कैडेटों के लिए काम नहीं है, बल्कि बहुत मजेदार भी है। अमेजॉन मिनीटीवी के साथ, हम एक ऐसी कहानी बनाना चाहते थे जो दर्शकों को पसंद आए और **उन्हें एक ऐसे जीवन की झलक दिखाए जिसे कई लोगों ने पहले स्क्रीन पर नहीं देखा हो। समर खान, सीईओ, जगरनॉट प्रोडक्शंस ने कहा।**

सीरीज में युवराज की भूमिका निभाने वाले वरुण सूद ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, नाम नमक निशान का हिस्सा बनना मेरे करियर के सबसे फायदेमंद अनुभवों में से एक रहा है। यह सीरीज भावनात्मक और शारीरिक परीक्षणों का गहरा अनुभव है। कैडेटों द्वारा अपने देश की सेवा करने की तैयारी के बारे में, यह केवल गहन प्रशिक्षण या संघर्षों के बारे में नहीं है, यह एक सैनिक होने का वास्तविक अर्थ जानने की यात्रा के बारे में है। मुझे उम्मीद है कि मेरा चरित्र दर्शकों को प्रेरित करेगा और गर्व और सम्मान की भावना पैदा करेगा उन लोगों के लिए जो हमारे देश की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं।"

अभिनेत्री रोशनी वालिया ने साझा किया, 'नाम नमक निशान' की कहानी मेरे दिल के करीब है, जो बलिदान, एकता और अग्रिम पंक्ति के लोगों के गहरे संबंधों को दर्शाती है। हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी और दृढ़ प्रतिबद्धता का जश्न मनाना एक सम्मान की बात है।, विशेष रूप से मेरे दादा, मेजर राजिंदर सिंह सैनी, एक सेना अधिकारी थे, हालांकि मेरा किरदार निया शो में ज्यादा नहीं है, वह एक अनोखा स्पर्श जोड़ती है जो इसे और भी खूबसूरत बनाती है।

ओटीए में कैडेटों की प्रेरक यात्रा के साक्षी बनें क्योंकि वे 'नाम नमक निशान' में भारतीय सैनिकों की अगली पीढ़ी में बदल रहे हैं। यह श्रृंखला 14 अगस्त से विशेष रूप से अमेजॉन मिनीटीवी पर मुफ्त में स्ट्रीम होगी, जो अमेजॉन के शॉपिंग ऐप, प्राइम वीडियो, फायर टीवी, स्मार्ट टीवी और प्ले स्टोर पर उपलब्ध है।

प्रसिद्ध बॉलीवुड गायक 'झनक' शो की शोभा बढ़ाएंगे, अर्शी और झनक एक डांस फेसऑफ के लिए तैयार हैं? अधिक जानने के लिए 12 अगस्त को जुड़ें–

–मायापुरी प्रतिनिधि

हम सभी के शो 'झनक' में हिबा नवाब झनक की मुख्य भूमिका निभा रही हैं, उनके साथ क्रुशाल आहूजा उर्फ अनिरुद्ध मुख्य नायक हैं, और चांदनी शर्मा शो में अर्शी का किरदार निभाएंगी। 'झनक' एक प्रतिभाशाली लड़की की कहानी है जो कठिनाइयों और बाधाओं के बीच बड़ी होती है और एक नर्तकी बनने की इच्छा रखती है। शो 'झनक' को कलाकारों, हिबा नवाब, क्रुशाल आहूजा और चांदनी शर्मा के साथ दर्शकों से अपार प्यार और सराहना मिल रही है।

शो 'झनक' का मौजूदा ट्रैक झनक, अनिरुद्ध और अर्शी पर केंद्रित है। झनक ने डांस कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया है जहां वह दिलकश परफॉर्मेंस देने के लिए तैयार हैं, लेकिन इसके साथ ही दर्शकों को 12 अगस्त को झनक और अर्शी के बीच डांस का आमना–सामना देखने का भी मौका मिलेगा. जैसे ही झनक और अर्शी अपने डांस फेस–ऑफ के लिए तैयार हो रहे हैं, दर्शक एक और आश्चर्य के लिए तैयार हैं। 12 अगस्त की रात एक ऐसी रात होने जा रही है जहां दर्शक संगीत का आनंद लेंगे और उनकी आंखों को खुशी मिलेगी। ऐसा लग रहा है कि दिग्गज बॉलीवुड गायक 'झनक' शो की शोभा बढ़ाने और प्रतियोगिता को और अधिक मनोरम और रोमांचकारी बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ऐसी अटकलें हैं कि कुमार शानू, सोनू निगम, शान और फाल्गुनी पाठक जैसे कुछ प्रतिष्ठित बॉलीवुड गायक इस शो का हिस्सा होंगे। यदि ये अफवाहें सच हैं, तो हम निश्चित रूप से यह जानने का इंतजार करेंगे कि यह गायक कौन है जो संगीत का तड़का लगाएगा। क्या आप अंदाजा लगा सकते हैं कि ये गायक कौन हैं? यह न केवल एक दृश्य आनंद होगा बल्कि सभी दर्शकों के लिए एक संगीतमय उत्सव भी होगा। यह वास्तव में प्रशंसकों के लिए यादगार पल होने वाला है।

12 अगस्त को रात 10.30 बजे स्टार प्लस पर झनक देखें।

पेरिस में उर्वशी रौतेला का वोग गेम में दबदबा है, ओलंपिक में आमंत्रित होने से उनके पोशाक ने मचाई धूम..

सुलेना मजुमदार अरोरा

ओलंपिक में आमंत्रित होने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनने के बाद उर्वशी रौतेला पेरिस में वोग गेम पर हावी हो गईं। लाल फर-परतों के साथ उनकी आकर्षक बहुरंगी पोशाक 'शहर में चर्चा' का विषय बन गई है।

समय-समय पर, उनकी उपलब्धियाँ अपने बारे में बोलती रही हैं कि वह भारत का वैश्विक गौरव हैं। कुछ समय पहले, उन्होंने ओलंपिक में आमंत्रित होने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनकर एक बार फिर वैश्विक स्तर पर देश को गौरवान्वित किया। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने अविश्वसनीय और सौम्य स्टाइल गेम से भी कई लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया, जहां डिजाइनर मैसनजे सिमोन द्वारा डिजाइन की गई उनकी खूबसूरत और भव्य डुएना ड्रेस पोशाक वायरल हो गई। इसका मुख्य आकर्षण, निश्चित रूप से उस पर मदर मैरी की तस्वीरें होने के कारण था और सोशल मीडिया ने इसे खूब पसंद किया। लंबे समय से, पश्चिमी फ़िल्म इंडस्ट्री हॉलीवुड का मानना था कि भारत और बॉलीवुड उनके स्टाइल स्टेटमेंट की भारी नकल कर रहे हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि इस मामले में उर्वशी रौतेला के टॉर्च बियरर बनने से, स्थिति निश्चित रूप से बदल गई है। न केवल उर्वशी रौतेला का पहनावा शानदार और बेहद चर्चित था, बल्कि इसे अभिनेत्री एशले पार्क ने भी कॉपी किया था, जो लोकप्रिय नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट "एमिली इन पेरिस" में मिंडी चेन की भूमिका निभाने के लिए जानी जाती हैं। जैसे ही एशले उर्फ मिंडी का लुक इंटरनेट पर वायरल हुआ, नेटिज़न्स को निश्चित रूप से एहसास हुआ कि इसे कॉपी किया गया है और इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि, उर्वशी रौतेला को 'ओजी' के रूप में सराहा जा रहा था। यह कहने की जरूरत नहीं है कि उर्वशी रौतेला ने इस पोशाक को बेहतर ढंग से कैरी किया क्योंकि उन्हें निश्चित रूप से 'दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की' का दर्जा दिया गया है और यह यह भारतीयों के लिए गर्व की बात है कि उर्वशी के स्टाइल स्टेटमेंट को पश्चिम के अभिनेताओं द्वारा कॉपी किया जा रहा है।

सच तो यह है कि सम्मोहक और मनमोहक सुंदरता को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं होती है और सम्मान और विश्वसनीयता के साथ-साथ वह, फैनडम या किसी भी अन्य मानदंड के संदर्भ में, बिना किसी संदेह के भारत की सबसे कम उम्र की सबसे ग्लैमरस अभिनेत्री हैं।

जब से उर्वशी पेरिस पहुंची, वह सभी सही कारणों से 'शहर में चर्चा का विषय' बन गई। जैसा कि कई वीडियो में देखा गया है, अंतर्राष्ट्रीय पैपराज़ी उर्वशी रौतेला को अपने सामने देखकर दीवाने हो गए। उनका फैशन गेम बिल्कुल सही रहा है और उन्होंने जो कुछ भी पहना है उसने प्रभाव पैदा किया है। जबकि पहले वह डिजाइनर मैसनजे सिमोन की एक खूबसूरत डुएना ड्रेस पहनने के लिए वायरल हुई थीं, जिसमें आत्मविश्वास से मदर मैरी की तस्वीरें थीं, उनका एक और पहनावा जो बहुत चर्चा पैदा कर रहा है, वह उनकी बहुरंगी पोशाक है जिसमें लाल फर की परतें जुड़ी हुई हैं। जब फैशन की बात आती है तो उर्वशी निश्चित रूप से 'G.O.A.T' हैं और एक बार फिर, उन्होंने इस पोशाक के साथ भव्य शैली में इसे साबित कर दिया है। उनके प्राकृतिक सौंदर्य को देखते हुए कई लोग उसे दुनिया की सबसे ग्लैमरस लड़की भी मानते हैं, उसका न्यूनतम मेकअप उसे एक कातिलाना लुक देने के लिए पर्याप्त है जो 24/7 और 365 दिनों के लिए तैयार है। वह स्वप्निल लग रही है और उस खूबसूरत पोशाक में स्वर्ग से आई किसी दिवा से कम नहीं है।

काम के मोर्चे पर, अक्षय ओबेरॉय और अन्य के साथ उर्वशी रौतेला की 'घुसपैठिया' इस समय शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है। उनके पास कमल हासन और शंकर के साथ इंडियन 2 और नंदमुरी बालकृष्ण, दुलकीर सलमान और बॉबी देओल के साथ 'एनबीके 109' जैसी कई अन्य फिल्में भी हैं। उनके पास आफताब शिवदसानी और जस्सी गिल के साथ 'कसूर' भी है। वैश्विक भारतीय सुपरस्टार उर्वशी रौतेला के पास अन्य बड़े प्रोजेक्ट भी हैं जैसे अक्षय कुमार के साथ "वेलकम 3", जस्सी गिल के साथ आगामी फिल्म, सनी देओल और संजय दत्त के साथ 'बाप' (हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर एक्सपेंडेबल्स का रीमेक), रणदीप हुडा के साथ "इंस्पेक्टर अविनाश 2", "ब्लैक रोज़" . इन सबके अलावा, उर्वशी रौतेला एक अंतर्राष्ट्रीय संगीत वीडियो में भी दिखाई देंगी और अभिनेत्री एक आगामी बायोपिक में परवीन बाबी की भूमिका भी निभाएंगी। इसके साथ ही, उनके पास जेसन डेरुलो के साथ एक बहुत ही खास संगीत वीडियो और भी बहुत कुछ है!..

बीस्ट बनाम ब्रेव: कलर्स के 'खतरों के खिलाड़ी 14' के प्रतियोगियों का सामना रोमानिया के सबसे खूंखार जीवों से होगा

-शिल्पा पाटिल

कलर्स के 'खतरों के खिलाड़ी 14' ने अपने तीसरे हफ़्ते में रोमांच का माहौल बना दिया है, रोमानिया के खूबसूरत नज़ारे को खौफ़नाक जीवों के अखाड़े में बदल दिया है। फ़ोबिया के लड़ाकों को एलिमिनेशन के लिए प्रतियोगियों को नामांकित करना होगा और नामांकितों को घर भेजे जाने से बचने के लिए कड़ी चुनौतियों में एक-दूसरे के खिलाफ़ प्रतिस्पर्धा करनी होगी। इस हफ़्ते, हमारे डेयरडेविल्स को एक ऐसे मोड़ का सामना करना पड़ेगा जो पिशाच की भूख से भी ज़्यादा लाल है - खूंखार लाल फ़ंडा! भयावह फ़ंडा निरंतर ख़तरे का प्रतीक है जो हारने वाले प्रतियोगियों को तब तक सताता रहता है जब तक कि वे जीत की ओर वापस नहीं लौट जाते। जैसे-जैसे खिलाड़ी नर्व-ब्रेकिंग नॉमिनेशन की एक सीरीज़ में आमने-सामने होते हैं, हवा में तनाव की लहर दौड़ जाती है, हर कोई फ़ंडा से बचने की उम्मीद करता है।एक अभूतपूर्व मोड़ में, शो ने पहली बार अपने स्टंट की लाइन-अप में एक शक्तिशाली भालू को पेश किया है! गश्मीर महाजनी और करण वीर मेहरा एक दुर्जेय भालू से भिड़ते हैं, जो कच्चे पशु शक्ति के खिलाफ मानव साहस की सीमाओं का परीक्षण करता है। बहादुरी और सहज ज्ञान के बीच चाकू की धार पर नाचते हुए प्रतियोगियों के रूप में आदिम भय स्पष्ट है। गश्मीर के संकल्प का एक और परीक्षण एक ऐसी चुनौती में होता है जो सबसे बहादुर लोगों को भी डरा देगी। टिड्डों से भरे एक कांच के बक्से में बंद, उसे अपने मुंह में कीड़ों को पकड़ना होगा और उन्हें एक पाइप के माध्यम से थूकना होगा, उसकी घृणा समय के खिलाफ दौड़ में दृढ़ संकल्प के साथ संघर्ष करती है।कार्पेथियन पर्वतों के ऊपर, अभिषेक और नियति एक चक्करदार केबल कार स्टंट करते हैं। जब वे अनिश्चित रूप से लटकते हैं, तो नीचे के आश्चर्यजनक दृश्य खेल में दांव पर लगे खूबसूरत लेकिन डरावने अनुस्मारक के रूप में काम करते हैं। एक रोमानियाई लड़की के साथ अभिषेक की अजीबोगरीब छेड़खानी के रूप में हास्य राहत मिलती है। जैसे ही बॉलीवुड के प्रेम गीत पृष्ठभूमि में गूंजते हैं, उनकी भाषाई टैंगो प्रतिस्पर्धी आग के बीच हंसी के पल प्रदान करती है। यह एपिसोड तब चरम पर पहुँचता है जब कृष्णा को अपने सबसे गहरे डर का सामना करना पड़ता है। रेंगते हुए साँपों और तिलचट्टों से घिरी हुई, उसे एक दुःस्वप्न पैदा करने वाली चुनौती का सामना करना पड़ता है, हर बीतते सेकंड के साथ उसकी घबराहट बढ़ती जाती है।गठबंधनों के परीक्षण और भय का सामना करने के बाद, जोखिमों की इस रोमानियाई धुन का निडर चैंपियन कौन होगा?

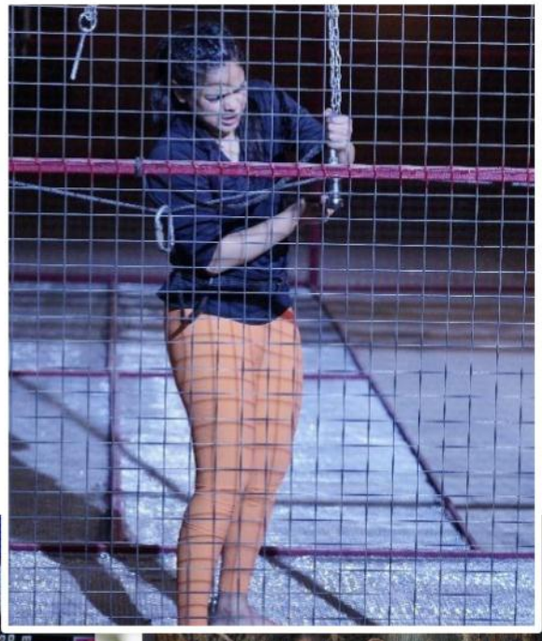

शाहरुख खान नहीं बल्कि ये एक्टर था Don के लिए फरहान अख्तर की पहली पसंद

-असना जैदी

बॉलीवुड के बहुमुखी प्रतिभा के धनी फरहान अख्तर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म डॉन-3 को लेकर सुर्खियों में हैं. इस फिल्म में शाहरुख खान की जगह रणवीर सिंह नजर आएंगे. वहीं फरहान अख्तर ने शाहरुख खान को पहले पार्ट यानी डॉन में टाइटल किरदार के रूप में लिया, जो 2006 में रिलीज हुआ था. लेकिन क्या आप जानते हैं डॉन के लिए शाहरुख नहीं बल्कि कोई और एक्टर था फरहान अख्तर की पहली पसंद.

दरअसल फरहान अख्तर ने इंटरव्यू के दौरान याद किया कि, "ऋतिक और मैंने लक्ष्य पर काम किया और साथ काम करके हमने अविश्वसनीय, शानदार समय बिताया. इसलिए मैंने ऋतिक से संपर्क किया और कहा, 'मैं डॉन का रीमेक बनाने जा रहा हूं.' उन्होंने कहा, 'बहुत बढ़िया लगता है यार!' मैंने कहा, 'मुझे इसे लिखने दो और मैं इसे तुम्हारे पास लाऊंगा.' तो उन्होंने कहा, 'ठीक है.' जब मैं लिख रहा था, तो मेरे दिमाग में सिर्फ शाहरुख का चेहरा ही आ रहा था, जहां तक मैं उन्हें जानता था. हमने कुछ समय साथ बिताया था, दिल्ली में कुछ कॉमन दोस्तों के साथ यहां-वहां किसी पार्टी में घूमते हुए. तो जिस तरह से वह थे, उनकी सिनेमाई छवि नहीं, बल्कि उनका व्यक्तित्व, उनकी बुद्धि, उनका थोड़ा व्यंग्यात्मक सेंस ऑफ ह्यूमर, आत्म-हीनता, वह खुद का मज़ाक उड़ा सकते हैं. जब मैं लिख रहा था, तो मुझे लगा कि यह लड़का इस किरदार के लिए सबसे अच्छा अभिनेता है".

ऋतिक रोशन ने फरहान अख्तर को दी थी ये सलाह

वहीं फरहान अख्तर ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, "लेकिन मैंने पहले ही ऋतिक रोशन को अपनी बात कह दी थी. इसलिए मैंने ऋतिक को फोन किया और उनसे कहा, 'मैं वह फिल्म लिख रहा हूं जिसके बारे में मैंने तुमसे बात की थी. लेकिन जितना ज्यादा मैं लिख रहा हूं, मुझे लग रहा है कि मुझे इस फिल्म के लिए शाहरुख से संपर्क करना चाहिए. मैं कभी नहीं भूलूंगा, उन्होंने कहा, 'फरहान, तुम्हें अपनी फिल्म बनानी है, और सबसे अच्छे तरीके से. अगर तुम्हें लगता है कि शाहरुख इसके लिए सही व्यक्ति है, तो कृपया आगे बढ़ो और उसे फ़ोन करो. मेरी चिंता मत करो.' यह बहुत ही अच्छी बात है".यही नहीं ऋतिक रोशन ने डॉन 2 (2011) में शाहरुख के किरदार के एक भेष में कैमियो किया था.

आपको बता दें 'डॉन 3' में शाहरुख खान की जगह रणवीर सिंह नजर आएंगे. इस फिल्म में उनके साथ कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका निभाती हुई नजर आएंगी. फिल्म डॉन 3 साल 2025 में रिलीज होगी. वहीं 'डॉन 3' में शाहरुख खान की जगह रणवीर सिंह को कास्टर कने पर किंग खान के फैंस थोड़े निराश हैं. कई फैंस ने रणवीर को नए डॉन के रूप में स्वीकार करने से इनकार कर दिया था जिसके बाद ट्रोलिंग और विवाद पर फिल्म निर्देशक फरहान अख्तर ने चुप्पी तोड़ी थी.

फरहान अख्तर ने रणवीर सिंह को डॉन 3 में कास्ट करने पर दी थी ये प्रतिक्रिया

निर्देशक फरहान अख्तर ने रणवीर को नए डॉन के रूप में कास्ट कर ने की बात कही. उन्होंने खुलासा किया कि कैसे अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान की जगह लेने को लेकर भी उत्सुक थे और जब शाहरुख ने डॉन के रूप में सीनियर बच्चन की जगह ली तो उन्हें भी इसी तरह के अनुभव से गुजरना पड़ा. फरहान अख्तर ने कहा, "मैं वास्तव में इसे आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूं. मेरा मतलब है कि रणवीर सिंह अद्भुत हैं. वह इस भूमिका के लिए महान हैं. जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, वह भी वास्तव में उत्साहित और वास्तव में घबराएं हुए है, इस बात को लेकर कि आप अपने सामने कुछ बड़े पद भर रहे हैं. लेकिन जब शाहरुख ने ऐसा किया तो हम उसी भावनात्मक प्रक्रिया से गुजरे और सभी ने कहा, 'हे भगवान, आप मिस्टर बच्चन की जगह कैसे ले सकते हैं?' वह पूरी घटना तभी घटित हुई".

कंगना और आर माधवन की तनु वेड्स मनु 3 पर आनंद एल राय ने लगाई मुहर

-प्रीति शुक्ला

निर्देशक ने आगे खुलासा किया कि शुरू में तनु वेड्स मनु का सीक्वल बनाने की कोई योजना नहीं थी "तनु वेड्स मनु रिटर्न्स के साथ, हमने एक नया किरदार, दत्तो पेश किया ये सभी किरदार तीसरे भाग की मांग कर रहे हैं जैसे ही हमारे पास एक बढ़िया कहानी होगी- वह कहानी जिसकी तनु, मनु और दत्तो हकदार हैं- हम उसे बनाएंगे," उन्होंने कहा तनु वेड्स मनु 3 के लिए वह किस तरह की कहानी की तलाश कर रहे हैं, इस बारे में बात करते हुए उन्होंने आगे कहा, "मैं वास्तव में एक अनोखे पुरुष-महिला संबंध की तलाश कर रहा हूं तनु वेड्स मनु , रांझणा से अलग थी, जैसे रांझणा अतरंगी रे से अलग थी, और अतरंगी रे हसीन दिलरुबा से बहुत अलग है। एक निर्देशक और निर्माता के रूप में, मुझे हर बार एक नई प्रेम कहानी तलाशने की आवश्यकता महसूस होती है। मैं एक खास तरह की तीक्ष्णता की तलाश करता हूं तनु वेड्स मनु में, मैंने एक लड़की को दिखाया जो शराब पीती है और धूम्रपान करती है, और एक निर्देशक के रूप में, मैंने उसे जज नहीं किया- और यही कारण है कि मेरे दर्शकों ने उसे जज नहीं किया"

कंगना रनौत और आर. माधवन की जोड़ी ने पहले दो भागों में दर्शकों को खूब हंसाया और रुलाया इस बार भी वे अपने पुराने किरदारों में नजर आएंगे कंगना अपने बिंदास और निडर तनुजा त्रिवेदी के किरदार में और आर. माधवन अपने सादगी भरे और संवेदनशील मनोज शर्मा के किरदार में वापसी करेंगे,फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है, और निर्माताओं ने इसे अगले साल की शुरुआत में रिलीज करने की योजना बनाई है हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट अभी आधिकारिक रूप से घोषित नहीं की गई है, लेकिन फैंस को उम्मीद है कि यह फिल्म जल्द ही बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी इनके अलावा, पप्पी जी (दीपक डोबरियाल) और स्वरा भास्कर जैसे लोकप्रिय सहायक कलाकार भी फिल्म में नजर आ सकते हैं

जॉन ने बताया कि वेदा ट्रेलर लॉन्च पर उन्होंने रिपोर्टर पर क्यों भड़के

-प्रीति शुक्ला

हाल ही में आयोजित वेदा फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम ने एक रिपोर्टर पर भड़कते हुए सभी को चौंका दिया इस घटना के बाद, जॉन ने स्पष्ट किया कि उन्होंने ऐसा क्यों किया और इसके पीछे की वजह क्या थी वेदा फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में, एक रिपोर्टर ने जॉन से उनकी आगामी फिल्म और उनकी फिटनेस रूटीन के बारे में सवाल पूछा सवाल सुनते ही जॉन ने अपना आपा खो दिया और रिपोर्टर पर गुस्से में आ गए उन्होंने रिपोर्टर को डांटा और कहा कि वह ऐसे व्यक्तिगत सवाल न पूछें इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और जॉन के इस व्यवहार की काफी आलोचना हुई

घटना के बाद, जॉन अब्राहम ने मीडिया से बात करते हुए इस मुद्दे पर अपनी सफाई दी उन्होंने कहा, "मैं आमतौर पर शांत स्वभाव का व्यक्ति हूं, लेकिन उस दिन स्थिति कुछ अलग थी उस सवाल ने मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत आहत किया" जॉन ने आगे बताया कि रिपोर्टर ने उनसे उनके निजी जीवन और स्वास्थ्य के बारे में ऐसे सवाल पूछे जो अनुचित थे उन्होंने कहा, "मेरी फिटनेस और स्वास्थ्य मेरी व्यक्तिगत चीजें हैं और मैं हर किसी के सामने इसे साझा करने के लिए बाध्य नहीं हूं रिपोर्टर ने जो सवाल पूछा, वह मेरी सीमाओं को पार कर गया और मुझे लगा कि मुझे इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए" जॉन ने यह भी कहा कि मीडिया को भी अपने प्रोफेशनलिज्म का ध्यान रखना चाहिए उन्होंने कहा, "मीडिया का काम सवाल पूछना है, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि किस सीमा तक सवाल पूछना सही है हमें एक-दूसरे की सीमाओं का सम्मान करना चाहिए"

रॉकिंग स्टार यश की "टॉक्सिक": ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स की शूटिंग 8 अगस्त 2024 से बैंगलोर में शुरू होगी...

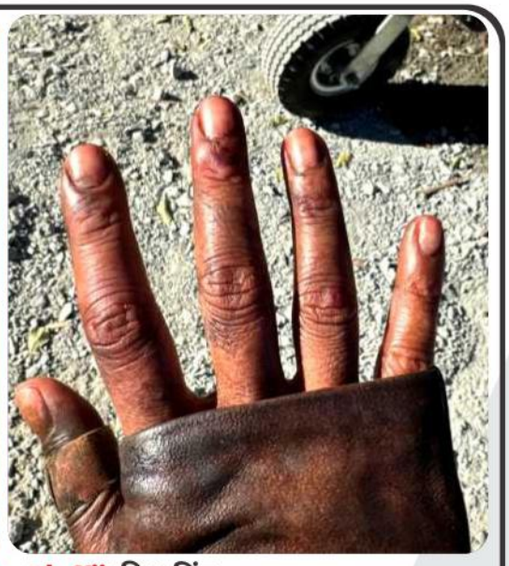

प्रियंका चोपड़ा ने सेट से शेयर की खून में लथपथ तस्वीरें, पूरी हुई "The Bluff" की शूटिंग...

शारवरी वाघ: "वेदा" बनने के लिए बॉक्सिंग सीखी, अब मैं मुक्का मारने या क्रूर मार खाने के लिए तैयार हूँ
"वेदा" 15 अगस्त को आपके नज़दीकी थिएटर में आ रही है

"हे बेबी" की प्रतिष्ठित तिकड़ी को याद करते हुए "हौली हौली" की धुन पर थिरकना। अविस्मरणीय क्षणों के लिए रितेश देशमुख, अक्षय कुमार और फरदीन खान को विशेष बधाई

भाई आर्यन खान संग इवेंट में शामिल हुईं सुहाना खान, हॉट अवतार में...

शरवरी और अभिषेक बनर्जी अपनी फिल्म "वेदा" के प्रमोशन के लिए दिल्ली जाते हुए एयरपोर्ट पर देखे गए...

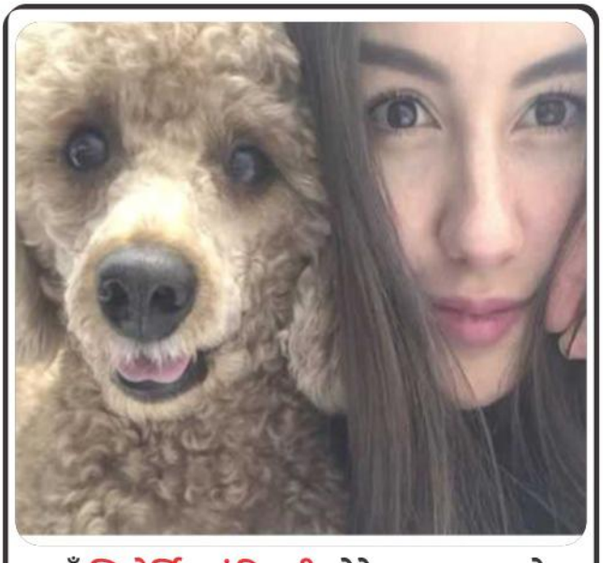

माँ जियोर्जिया एंड्रियानी छोटे सुपरस्टार ह्यूगो को सर्वश्रेष्ठ सेल्फी गेम मिला...

लाल रंग की पोशाक में **श्रद्धा कपूर** अपनी आगामी फिल्म 'स्त्री 2' के प्रचार के लिए शहर में नजर आईं...

पुरूषोत्तम दादा पाटिल हुए बेघर, **निक्की तंबोली** हुईं इमोशनल कल का **"बिग बॉस"** एपिसोड इमोशनल और तनावपूर्ण गेम था...

चिरंजीवी और **राम चरण** ने वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के लिए केरल सीएम राहत कोष में 1 करोड़ रुपये दान किए...

सोनम कपूर ने कहा उन्हें फैशन इन्फ्लुएंसर कहलाने में कोई हिचक नहीं है...

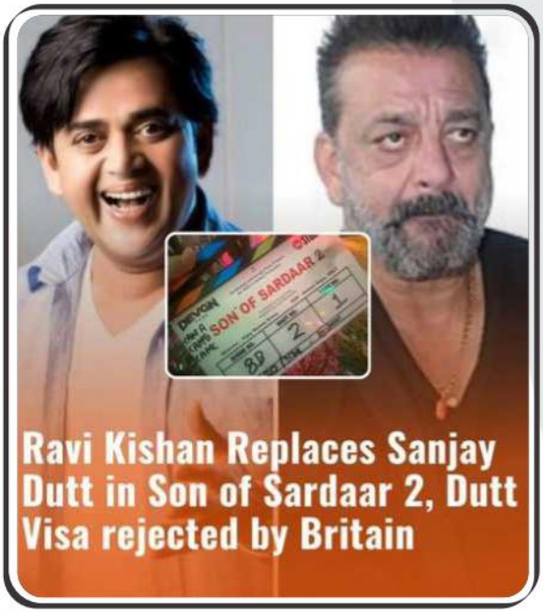

करीना कपूर खान: चलो जी काम करने का समय हो गया है... और यह 2024 की गर्मियों की समाप्ति है...

'The Diary of West Bengal' 30 अगस्त को रिलीज होने के लिए तैयार हैं...

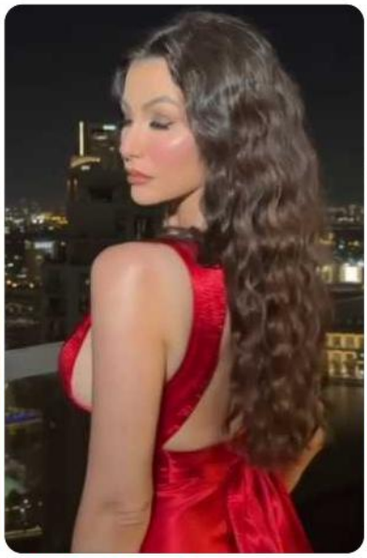

जॉर्जिया एंड्रियानी ने अपनी बोल्ड और खूबसूरत लुक से गर्मी बढ़ा दी...

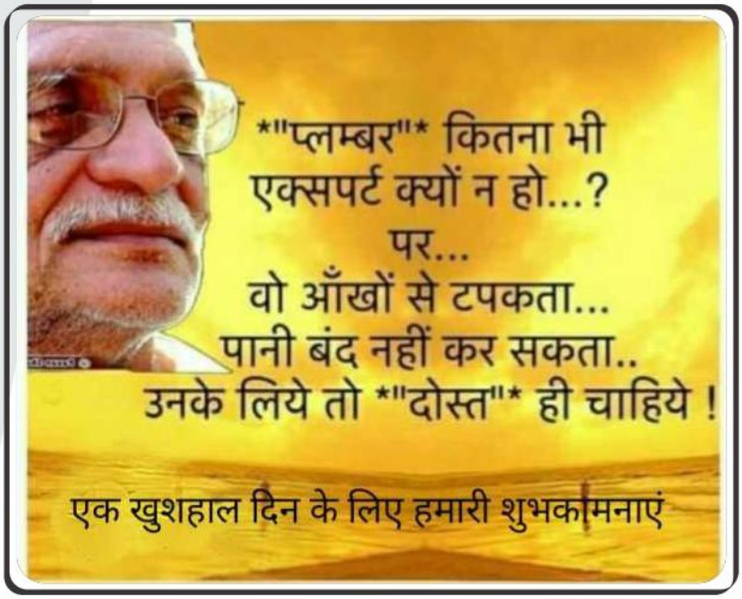

शेखर कपूर

जब ट्रैक्टर आए, तो लोगों ने सोचा कि किसान बेकार हो जाएंगे। जब कंप्यूटर आए, तो सोचा कि इंजीनियरों की जरूरत नहीं रह जाएगी। डिजिटलीकरण के बारे में इसी तरह सोचा गया, पर हर युग हमें सशक्त बनाता है, हमारी उत्पादकता बढ़ाता है..

शुभांगी अत्रे ने मनीषा कोईराला से ली प्रेरणा...

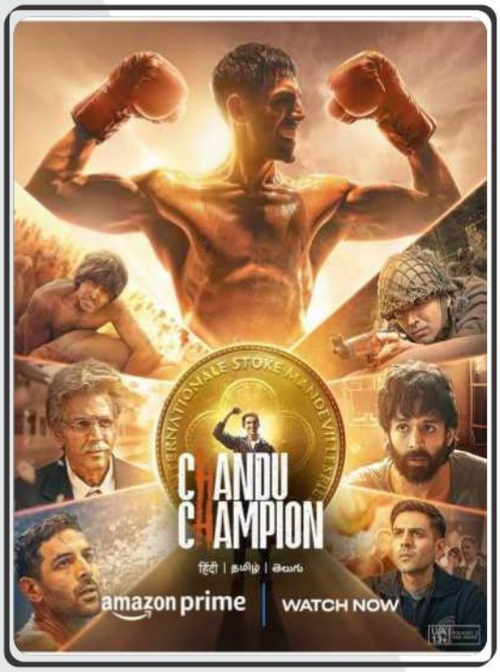

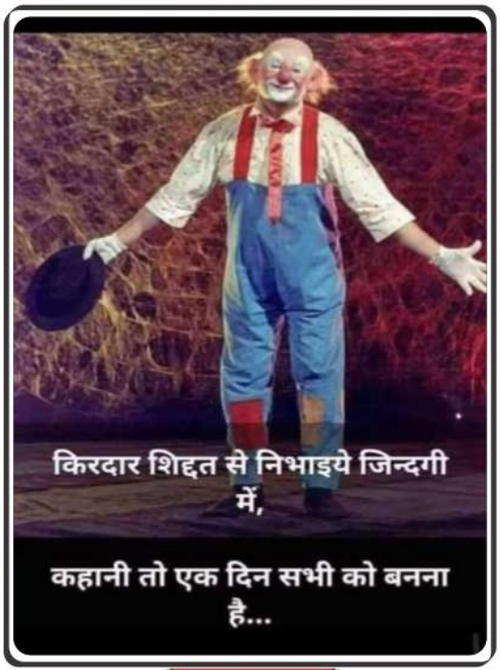

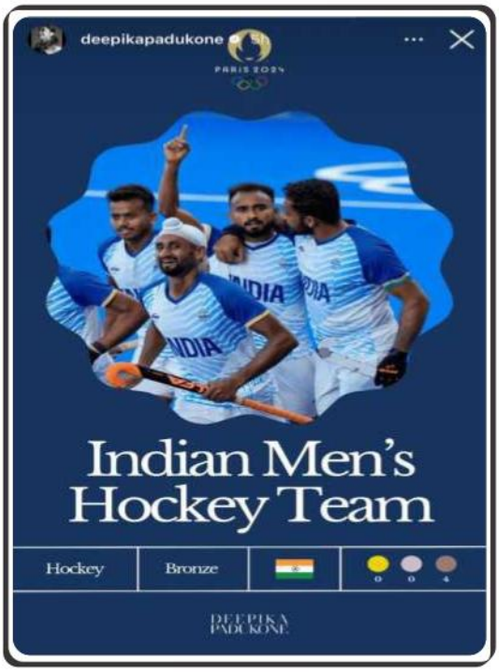

मोहम्मद अली पार्क में ढाक की मधुर ध्वनि के बीच खुटी पूजा का भव्य आयोजन कर दुर्गापूजा के तैयारियों की हुई शुरुआत...

क्या पक रहा है स्नेहा वाघ अपने प्रशंसकों को कुछ नया करके आश्चर्यचकित करने के लिए तैयार हैं। पिंक

करीना कपूर खान मुंबई पर स्पॉट हुईं...

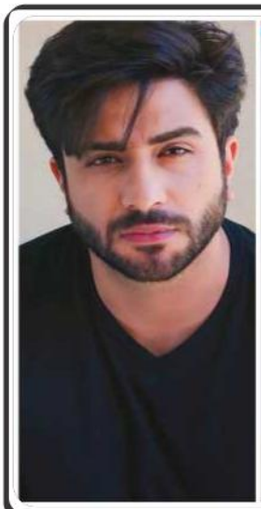

'बिग बॉस मराठी' में निक्की तंबोली के नॉमिनेशन पर अली गोनी ने सोशल मीडिया पर किया समर्थन

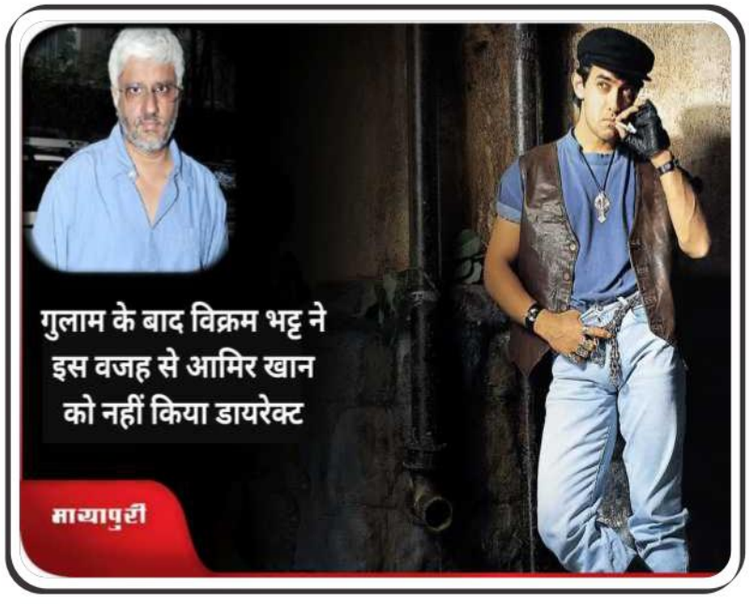

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने-सुनने के लिए Mayapuri.Com

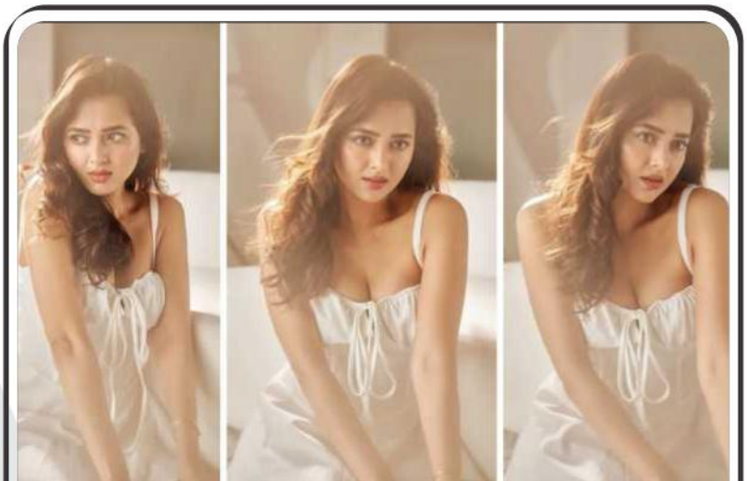

Tejasswi Prakash ने लेटेस्ट फोटोशूट में अदाओं से किया फैन्स को घायल

क्या आप जानते हैं प्रभास "सालाना" 100 बच्चों की स्कूल फीस भरते हैं

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज पढ़ने-देखने-सुनने के लिए Mayapuri.Com

"तारक मेहता का उल्टा चश्मा": पानी, प्लम्बर और पोपटलाल की परेशानियां...

To View Please Visit our Mayapuri Cut YouTube Channel

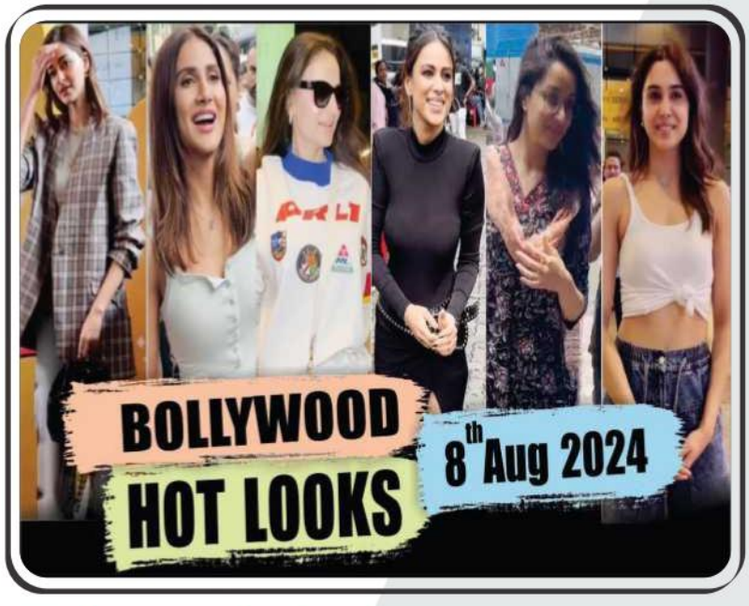

To View Please Visit our Mayapuri Cut YouTube Channel

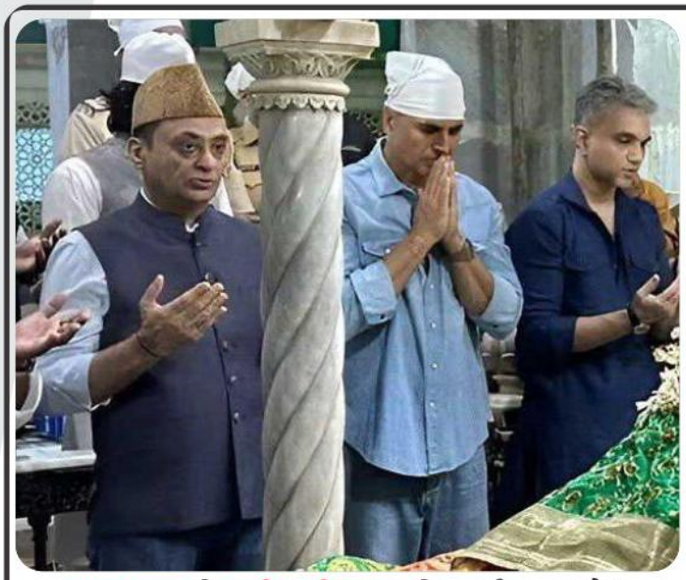

अक्षय कुमार ने **हाजी अली दरगाह** में चढ़ाई चादर और मरम्मत के लिए डोनेट किए 1.21 करोड़ रु ; जरूरतमंद लोगों को खिलाया खाना

डिनर आउटिंग के दौरान सब्यसाची फ्लोरल कुर्ता और सिंपल मेकअप में मां बनने वाली **दीपिका पादुकोण** का जलवा...

हिना खान एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं...

राहा की नानी **सोनी राजदान** के साथ लंबी ड्राइव छोटी राहा को ड्राइव पर जाना बहुत पसंद है...

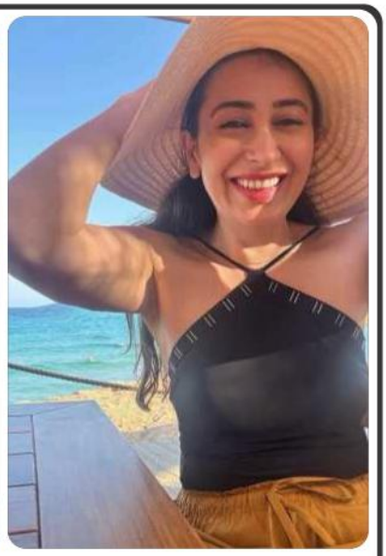

करिश्मा कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी न्यू फोटो शेयर की...

सदाबहार जोड़ी: रागिनी शाह और अपरा मेहता कलर्स गुजराती पर 'यूनाइटेड स्टेट ऑफ गुजरात' में जादू लेकर आ रही हैं

लोटपोट
PROUD HEARTS,
LOUD CHEERS!
TEAM INDIA,
PARIS OLYMPICS
2024!
INDIA
ODISHA
13

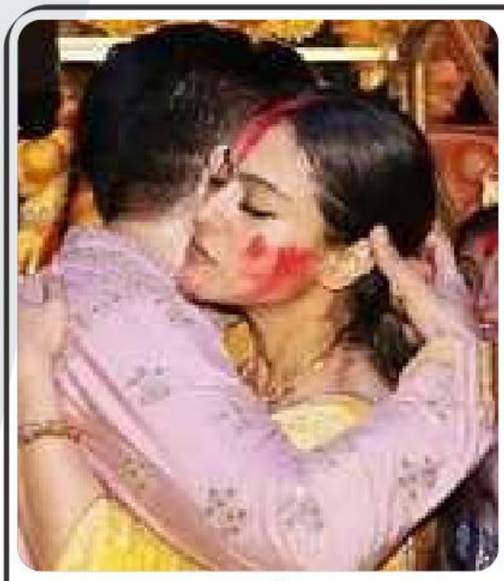

करण जौहर ने '5000 शेड्स ऑफ लव' की अभिनेत्री काजोल को उनके 50वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं...

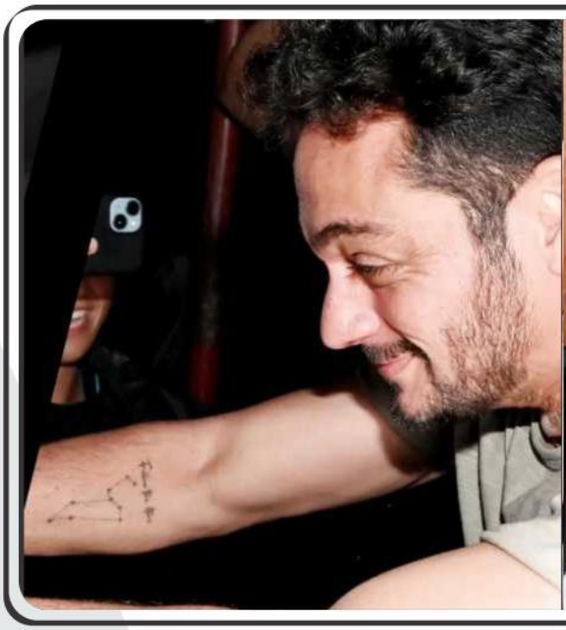
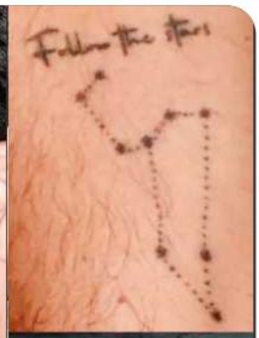

सैम मर्चेंट, जिनके दाहिने हाथ पर "फॉलो द स्टार्स" लिखा टैटू है, पाली भवन में देखे गए। तृप्ति डिमरी और सैम मर्चेंट पाली भवन से 15 मिनट के अंतराल पर निकले। "फॉलो द स्टार्स" एक भाग्यशाली टैटू है...

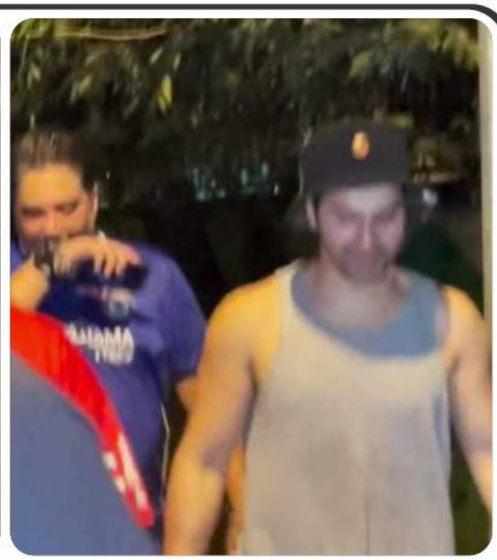

अर्जुन कपूर, वरुण और शाद्रन धवन बांद्रा में क्रिकेट मैच के बाद नज़र आए...

ज़ी5 ने 15 अगस्त के प्रीमियर से पहले एक कार्यक्रम में बंगाल की सबसे बड़ी मर्डर मिस्ट्री 'काँटे काँटे' का अनावरण किया!

बस हमारी "Bigg Boss OTT 3" विजेता सना मकबूल और नेज़ी द बा अपनी दोस्ती से दिल जीत रहे हैं!

Ranbir Kapoor and Anushka Sharma are a beloved on-screen couple, known for their chemistry in films like 'Ae Dil Hai...

#AkshayKumar reminding us once again that he has a heart of gold!

मायापुरी

बॉलीवुड की और खबरें पढ़ने के लिए नीचे दिए हुए लिंक पर क्लिक करें और मायापुरी की दुनिया का आनंद लें!

www.mayapurimagazine.com

मायापुरी के YouTube चैनल से जुड़ें और दिन भर की बॉलीवुड हलचल से अपडेटेड रहें!

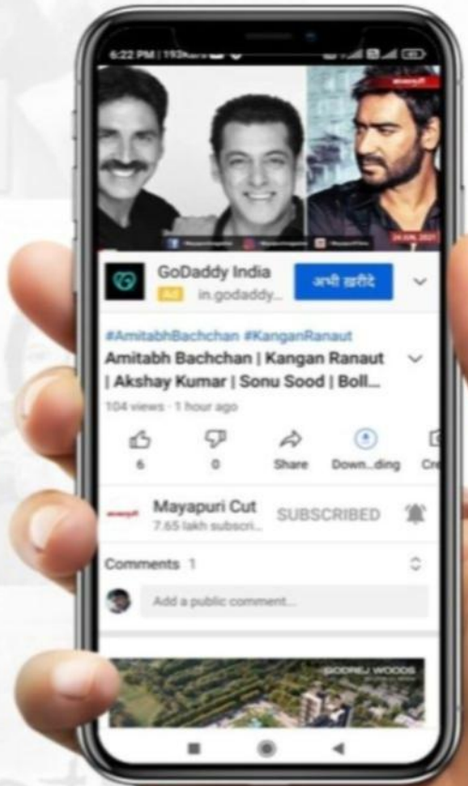

YouTube

www.youtube.com/MayapuriCut

👇📚 **ENGLISH MAGAZINE** 📚👇

👉 **GET ALL FAST UPDATE OF ALL HINDI ENGLISH MAGAZINE JOIN OUR TELEGRAM CHANNEL.**

Frontline,SportStar,Business India,Banking Finance,Cricket Today,Mutual Fund Insight,Wealth insight,Indian Economy & Market,The Insurance Times,Electronics For You,Open Source For You,Mathematics Today,Biology Today,Chemistry Today,Physics For You,Business Today,Woman Fitness India,Grazia India,Filmfare India,Femina India,India Legal,Rolling Stone India,Bombay Filmfame,Outlook,Outlook Money,Careers 360,Outlook Traveller,India Strategic,Entertainment Updates,Outlook Business,Open,Investors India,Law Teller,Global Movie,The Week India,Indian Management,Fortune India,Dalal Street Investmemt Journal,Scientfic India,India Today,HT Brunch,Yoga and Total Health,BW BusinessWorld,Leisure India Today,Down To Earth,Pratiyogita Darpan,Marwar India,Champak,Woman's Era,The Caravan,Travel Liesure India,Business Traveller,Rishi Prasad,Smart investment,Economic and political weekly,Forbes india,Health The Week, Josh Government JOBS,Josh Current Affairs,Josh General Knowledge,Electronic For You Express,Josh Banking And SSC,Highlights Genius,Highlights Champ,Global Spa,Bio Spectrum,Uday India,Spice India Today,India Business Journal,Conde Nast Traveller,AD Architectural Digest,Man's world,Smart Photography India,Banking Frontiers,Hashtag,India Book Of Records,ET Wealth,Vogue india,Yojana,Kurukshetra

👇 **JOIN TELEGRAM CHANNEL** 👇
👉 https://t.me/Magazines_8890050582

👇📚**हिन्दी मैगजीन**📚👇

समय पत्रिका,साधना पथ,गृहलक्ष्मी,उदय इंडिया,निरोगधाम,मॉडर्न खेती ,इंडिया टुडे,देवपुत्र,क्रिकेट टुडे,गृहशोभा,अनोखी हिन्दुस्तान,मुक्ता,सरिता,चंपक,प्रतियोगिता दर्पण,सक्सेस मिरर,सामान्य ज्ञान दर्पण,फार्म एवं फूड,मनोहर कहानियां,सत्यकथा,सरस सलिल,स्वतंत्र वार्ता लाजवाब,आउटलुक,सच्ची शिक्षा,वनिता,मायापुरी,इंडिया हेल्थ,रूपायन उजाला,ऋषि प्रसाद,जोश रोजगार समाचार,जोश करेंट अफेयर्स,जोश सामान्य ज्ञान,जोश बैंकिंग और एसएससी,इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स,राजस्थान रोजगार संदेश,राजस्थान सूजस,सखी जागरण,अहा! जिंदगी,बाल भास्कर,योजना,कुरूक्षेत्र,हिन्दुस्तान जॉब्स

👇 **JOIN TELEGRAM CHANNEL** 👇
👉 https://t.me/English_Newspaper_Banna

Like other groups, this list is not just written, we will make these magazine available to you with 100% guarantee.

JOIN TELEGRAM CHANNEL
👉 https://t.me/Premium_Newspaper

You will get the updates of all these magazinesfirst in the premium group.

👇 **JOIN BACKUP CHANNEL** 👇
👉 https://t.me/Backup_8890050582

SEARCH ON TELEGRAM TO JOIN PREMIUM GROUP
👉 @Lalit712Bot
Contact 👉 8890050582

🙏